THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 45 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख पूर्णिमा 2082 सोमवार, 12 मई-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

श्रीलंका में खाई में गिरी बस, 21 की मौत

कोलंबो, 11 मई (एजेंसियां)। श्रीलंका के सेंट्रल प्रोविंस प्रांत स्थित कोटमाले क्षेत्र में रविवार को एक बस खाई में गिर गई। बस के खाई में गिरने से कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई और 30 से अधिक लोग घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मौके से कई लोगों को निकालकर अस्पताल पहुंचाया है।

पुलिस के अनुसार, यह दुर्घटना उस समय हुई जब बस चालक ने पहाड़ी रास्ते पर बाएं मुड़ने की कोशिश की। पुलिस ने बताया कि उसी दौरान बस फिसलकर खाई में गिर गई। पुलिस ने बताया कि हादसे की जांच शुरू कर दी गई है। राज्य परिवहन निकाय के स्वामित्व वाली बस में 75 यात्री सवार थे। पुलिस ने बताया कि ये बस दक्षिणी तीर्थस्थल कटारगामा से उत्तर-पश्चिमी शहर कुरुनेगाला जा रही थी।

'ऑपरेशन सिंदूर खत्म नहीं'

पीएम मोदी का कड़ा संदेश, 'वहां से गोली चलेगी तो यहां से गोला चलेगा'

भारत ने साफ किया आतंकियों को सौंपने के अलावा हम किसी अन्य मुद्दे पर बात नहीं करेंगे।

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री मोदी ने तीनों सेनाओं और सुरक्षा बलों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि 'वहां से गोली चलेगी, यहां से गोला चलेगा'। अब भारत रक्षात्मक नहीं रहेगा, बल्कि आक्रामक नीति अपनाएगा। पाकिस्तान को यह समझना होगा कि अब पुराने तरीके से काम नहीं चलेगा। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से साफ कहा था कि अगर पाकिस्तान कुछ करता है तो जवाब और भी विनाशकारी और कड़ा होगा। उसी रात पाकिस्तान ने 26 ठिकानों पर हमला किया और भारत ने इस पर जोरदार जवाबी कार्रवाई की।

ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं- सरकार

भारत और पाकिस्तान के बीच जारी तनाव के बीच सरकारी सूत्रों ने साफ कर दिया है कि ऑपरेशन सिंदूर अब भी जारी है। यह कोई एक दिन की कार्रवाई नहीं थी, बल्कि अब इसे भारत-पाक रिश्तों का नया दौर कहा जा रहा है। यह स्थिति अब स्थायी रूप से बनी रहेगी और दुनिया को इसे 'न्यू नॉर्मल' की तरह स्वीकार करना होगा। भारत और पाकिस्तान के बीच कोई राजनयिक वार्ता फिलहाल नहीं हो रही है। सिर्फ दोनों देशों के सैन्य अधिकारियों डायरेक्टर जनरल्स ऑफ मिलिट्री ऑपरेशन्स (डीजीएमओ) के बीच संपर्क हुआ है ताकि सीमा पर स्थिति को संभाला जा सके। जब तक पीओके का मुद्दा हल नहीं होता, तब तक कोई भी बातचीत, मेल-मिलाप या समझौता संभव नहीं है।

'हमें किसी की मध्यस्थता की जरूरत नहीं'

भारत ने साफ किया आतंकियों को सौंपने के अलावा हम किसी अन्य मुद्दे पर बात नहीं करेंगे। अगर वे आतंकवादियों को सौंपने की बात करते हैं, तो हम बात कर सकते हैं। मेरा किसी और विषय पर कोई इरादा नहीं है। हम नहीं चाहते कि कोई मध्यस्थता करे। हमें किसी की मध्यस्थता की जरूरत नहीं है।

ऑपरेशन सिंदूर ने आतंक पीड़ितों को इंसाफ दिलाया : राजनाथ

लखनऊ में ब्रह्मोस यूनिट की शुरूआत; कहा- इस मिसाइल की धमक रावलपिंडी तक सुनाई दी

लखनऊ, 11 मई (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल यूनिट का वर्चुअली इनॉगरेशन किया। इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान को चेतावनी दी, कहा- भारतीय सेना ने पराक्रम दिखा दिया है। आतंकवाद के लिए सरहद पार की जमीन भी सुरक्षित नहीं रहेगी। हमने केवल सीमा से सटे सैन्य ठिकानों पर ही कार्रवाई नहीं की, बल्कि भारत की सेनाओं की धमक उस रावलपिंडी तक सुनी गई, जहां पाकिस्तानी फौज का हेडक्वार्टर मौजूद है।

रक्षा मंत्री ने कहा- हमने कभी उनके आम नागरिकों को निशाना नहीं बनाया, लेकिन जब पाकिस्तान ने भारत के नागरिक इलाकों, मंदिरों, गुरुद्वारों और चर्चों पर हमले का प्रयास किया। तब भारतीय सेना ने शौर्य और संयम के साथ उत्तर दिया। पाकिस्तान के अनेक सैन्य ठिकानों पर प्रहार करके करारा जवाब दिया। रक्षामंत्री ने कहा- भारत विरोधी और आतंकी संगठनों ने भारत माता के मस्तक पर हमला किया था। कई परिवार के सिंदूर मिटाए थे। सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए इंसाफ दिलाने का काम किया। यह ऑपरेशन भारत की दृढ़ इच्छा शक्ति का प्रदर्शन है। यह ऑपरेशन सिंदूर केवल एक सैन्य अभियान नहीं, बल्कि भारत की राजनीतिक, सामाजिक और सामरिक इच्छा-शक्ति का प्रतीक है। यह अभियान आतंकवाद के खिलाफ भारत की दृढ़ संकल्पशक्ति, सैन्य क्षमता और रणनीतिक पराक्रम का प्रमाण है।

संघर्ष विराम पर ओवैसी का सवाल

क्या अमेरिका गारंटी देगा पाकिस्तान अपनी जमीन आतंकवाद के लिए इस्तेमाल नहीं करेगा

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत और पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष विराम के बाद असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि युद्ध विराम हो या न हो, भारत को पहलगाम आतंकी हमले के लिए जिम्मेदार लोगों का पीछा करना जारी रखना चाहिए। जब तक पाकिस्तान भारत के खिलाफ आतंकवाद के लिए अपनी जमीन का इस्तेमाल करता रहेगा, तब तक शांति नहीं हो सकती।

हैदराबाद के सांसद ओवैसी X पर एक पोस्ट में कहा कि उनकी इच्छा है कि युद्ध विराम की घोषणा किसी विदेशी राष्ट्रपति के बजाय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को करनी चाहिए थी। ओवैसी ने यह भी कहा कि क्या अमेरिका यह गारंटी देता है कि पाकिस्तान अपनी जमीन पर आतंकवाद के लिए इस्तेमाल नहीं होने देगा।

अब आतंकी चमचों की बारी, कश्मीर में 20 ठिकानों पर छापेमारी

श्रीनगर, 11 मई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद आतंकियों और उनके मददगारों के खिलाफ अभियान तेज हो गया है। इस बीच राज्य जांच एजेंसी पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने दक्षिण कश्मीर में 20 स्थानों पर छापेमारी कर स्लीपर सेल मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। इस दौरान भारी मात्रा में आपत्तिजनक चीजें बरामद की गई है। साथ ही कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है, जिनसे पूछताछ की जा रही है।

राज्य जांच एजेंसी एसआईए ने एक विज्ञप्ति में बताया कि जम्मू-कश्मीर पुलिस कश्मीर में काम कर रहे आतंकी सहयोगियों और ओवर ग्राउंड वर्कर्स पर नजर रख रही है। तकनीकी खुफिया जानकारी से पता चला है कि कश्मीर में कई स्लीपर सेल पाकिस्तान में बैठे अपने आकाओं के सीधे संपर्क में थे और सुरक्षा बलों और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों के बारे में संवेदनशील और रणनीतिक जानकारी को मैसेजिंग ऐप जैसे कि व्हाट्सएप, टेलीग्राम, सिग्नल आदि के जरिए पहुंचाने में शामिल थे। बताया जा रहा है कि ये आतंकी सहयोगी लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मुहम्मद के आतंकी कमांडरों के इशारे पर ऑनलाइन कट्टरपंथी प्रचार में भी शामिल थे, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा और अखंडता को खतरा था।

एसआईए ने बताया कि दक्षिण कश्मीर के सभी जिलों में लगभग 20 स्थानों पर छापेमारी की है। छापेमारी के दौरान भारी मात्रा में आपत्तिजनक सामग्री जब्त की गई है और संदिग्धों पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है।

गलत ट्रेन में चढ़ गई महिला, पता चला तो हड़बड़ाकर उतरी

ट्रैक पार करते हुए दूसरी ट्रेन ने मारी टक्कर, मौत

विशाखापत्तनम, 11 मई (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के पार्वतीपुरम मान्यम में एक महिला की रेलवे ट्रैक पार करते समय मौत हो गई. महिला गलत ट्रेन में चढ़ गई थी, इसलिए वह ट्रेन से उतरकर अपनी ट्रेन में जा रही थी। तभी दूसरी ट्रेन आ गई और उन्हें टक्कर मार दी, जिससे महिला की मौके पर ही मौत हो गई। तीन महीने पहले ही महिला के पति की मौत हुई थी। महिला का एक 9 साल का बेटा भी है। मृतक महिला का नाम संतोषी था, जो पार्वतीपुरम मान्यम जिले के मक्कुवा मंडल के थोटावलासा गांव की रहने थी। पति की मौत के बाद से संतोषी सदमे में थी और तब से ही बीमार रहने लगी थी। संतोषी का अस्पताल में इलाज चल रहा था. अपने बेहतर इलाज के लिए वह विशाखापत्तनम केजीएच अस्पताल गई थी, जहां से घर लौटते समय संतोषी के साथ ये हादसा हुआ और उसकी मौत हो गई।

राहुल गांधी और खरगे ने पीएम मोदी को लिखा पत्र

तुरंत संसद का विशेष सत्र बुलाने का किया अनुरोध

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष व राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखा है। अपने पत्र में दोनों नेताओं ने पीएम मोदी से संसद का विशेष सत्र तुरंत बुलाने का अनुरोध किया है। कांग्रेस पार्टी की तरफ से ये मांग पहलगाम आतंकी हमले और भारतीय सेना के 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद से ही की जा रही है। वहीं एक दिन पहले भारत और पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष विराम के बाद से कांग्रेस पार्टी ने अपनी मांग फिर से दोहराई है।

राहुल गांधी ने अपने पत्र में लिखा- मैं संसद का विशेष सत्र तत्काल बुलाने के विपक्ष के सर्वसम्मत अनुरोध को दोहराता हूं। लोगों और उनके प्रतिनिधियों के लिए पहलगाम आतंकी हमले, ऑपरेशन सिंदूर और युद्ध विराम पर चर्चा करना महत्वपूर्ण है, जिसकी घोषणा सबसे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने की थी। यह आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए हमारे सामूहिक संकल्प को प्रदर्शित करने का भी अवसर होगा। मुझे विश्वास है कि आप इस मांग पर गंभीरतापूर्वक एवं शीघ्रता से विचार करेंगे।

मल्लिकार्जुन खरगे ने अपने पत्र में लिखा- आपको याद होगा कि मैंने, राज्य सभा में विपक्ष के नेता के रूप में तथा लोक सभा में विपक्ष के नेता के रूप में, आपसे पहलगाम में हुए अमानवीय आतंकवादी हमले के मद्देनजर संसद के दोनों सदनों का एक विशेष सत्र बुलाने के लिए अपने दिनांक 28 अप्रैल 2025 के पत्रों के माध्यम से अनुरोध किया था। नवीनतम घटनाक्रम के मद्देनजर, लोकसभा में विपक्ष के नेता ने आपको एक बार फिर पत्र लिखकर बताया है कि पहलगाम आतंकवाद, ऑपरेशन सिंदूर तथा पहले वाशिंगटन डीसी और बाद में भारत और पाकिस्तान की सरकारों की तरफ से की गई युद्ध विराम की घोषणाओं पर चर्चा करने के लिए संसद का एक विशेष सत्र बुलाने के लिए सभी विपक्षी दलों का सर्वसम्मति से अनुरोध है।

'1971 की निर्णायक जीत का भारत को नहीं मिला फायदा'

सीएम हिमंत ने कांग्रेस पर साधा निशाना

गुवाहाटी, 11 मई (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की तीखी आलोचना करते हुए कहा कि भारत-पाकिस्तान युद्ध में ऐतिहासिक जीत के बाद बांग्लादेश के निर्माण के समय की स्थिति को उन्होंने ठीक से नहीं संभाला। उन्होंने इसे ऐतिहासिक भूल बताया।

एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट साझा करते हुए सरमा ने लिखा, भारत की 1971 की सैन्य विजय निर्णायक थी, लेकिन राजनीतिक नेतृत्व रणनीतिक लाभ सुनिश्चित नहीं कर पाया।

सरमा ने कहा कि भारत ने एक धर्मनिरपेक्ष बांग्लादेश के निर्माण का समर्थन किया था, लेकिन 1988 में वहां इस्लाम को राज्य धर्म घोषित कर दिया गया। आज वहां राजनीतिक इस्लाम हावी है, जो उन मूल्यों के विपरीत है जिनके लिए भारत ने समर्थन किया था।

सेना ने कहा-पाकिस्तान ने सीजफायर तोड़ा तो तगड़ा जवाब देंगे

ऑपरेशन सिंदूर में दुश्मन के 40 सैनिक-अफसर मारे; 100 से ज्यादा आतंकी ढेर किए

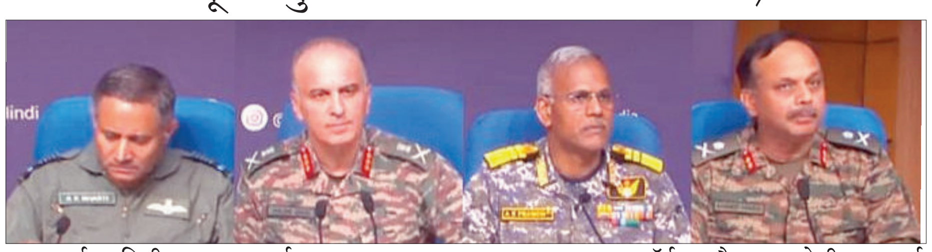

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर के 25 घंटे बाद रविवार को तीनों सेनाओं ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशन (डीजीएमओ) लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई, वाइस एडमिरल एएन प्रमोद और एयर मार्शल अवधेश कुमार भारती ने ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी दी।

लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा- आप सबको पता है कि पहलगाम अटैक में किस क्रूरता से 26 लोगों को मारा गया था। इसके बाद भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पीओके स्थित आतंकी ठिकानों को टारगेट किया। इसमें दुश्मनों को भारी नुकसान हुआ।

घई ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत % मई को हुई कार्रवाई में सीमा पार 9 ठिकानों पर हमने 100 आतंकवादी मार गिराए। इसमें कंधार हाईजैक और पुलवामा अटैक में शामिल 3 बड़े आतंकी चेहरे भी शामिल थे।

7 मई को हुई कार्रवाई के बाद पाकिस्तान ने ड्रोन और मिसाइल्स से हमारे बॉर्डर स्टेट्स में स्थित सैन्य ठिकानों पर हमले की कोशिश की। हमनें उन्हें हवा में ही मार गिराया। एक भी टारगेट सक्सेस नहीं होने दिया।

इसके बाद हमने पाकिस्तान को जवाब देते हुए सख्त कार्रवाई की, जिसमें पाकिस्तानी सेना के 35 से 40 सैनिक और अफसर मारे गए। बॉर्डर और एलओसी पर हुई पाकिस्तानी सेना की गोलीबारी में हमारे 5 जवान शहीद हुए हैं।

डीजी एयर ऑपरेशन एयर मार्शल ए के भारती ने बताया कि आतंकी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक में एयर टू सर्फेस गाइडेड एम्युनिशन का इस्तेमाल किया गया ताकि कोलेटरल डैमेज ना हो। एयरफोर्स ने मुरीदके और बहावलपुर में आतंकी ट्रेनिंग कैंप को सटीक निशाना बनाया। स्ट्राइक का मकसद अचीव हुआ। बहावलपुर में हाई वैल्यू टारगेट था। हमने प्रिसिजन स्ट्राइक की।

सूत्रों के अनुसार, 7 मई को भारत ने पाकिस्तान के डीजीएमओ को सूचित किया था कि उसने पाकिस्तान में आतंकी ढांचे को निशाना बनाया है, लेकिन पाकिस्तान की ओर से कोई जवाब नहीं आया। इसके बाद 9 मई को भारत ने हवाई हमले किए और 10 मई की सुबह गोलाबारी की। इन घटनाओं के बाद अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष जनरल असीम मुनीर से बात की और फिर भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर को फोन कर बताया कि पाकिस्तान बातचीत के लिए तैयार है।

भारत ने स्पष्ट किया कि बातचीत केवल डीजीएमओ स्तर पर होगी। पाकिस्तान के डीजीएमओ ने 10 मई को दोपहर 1 बजे भारतीय समकक्ष से बातचीत के लिए समय मांगा। सूत्रों का कहना है कि पाकिस्तान ने भारत के हवाई हमलों के बाद बातचीत की मांग की। इस समझौते को सीमा पर शांति स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

जो कुछ हुआ है, वह फिर से होगा, दिग्विजय सिंह ने कहा- पाक आतंकवादियों को पनाह देना करे बंद

भोपाल, 11 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह ने भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर समझौते का स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि पड़ोसी देश को आतंकवादियों को पनाह देने से बचना चाहिए। दिग्विजय सिंह ने कहा कि दोनों देशों के बीच दुश्मनी इसलिए बढ़ गई है, क्योंकि पाकिस्तान खुलेआम आतंकवादियों को पनाह देता है। उन्होंने पाकिस्तान से आतंकवादियों को पनाह देना बंद करने की अपील की। उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान ऐसा करेगा, तो जो कुछ हुआ है, वह फिर से होगा। दिग्विजय सिंह ने भारतीय सेना और खुफिया एजेंसियों को पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकवादी प्रशिक्षण केंद्रों की पहचान करने और उन पर सटीक हमले करने के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा, भारतीय सेना ने नागरिक इलाकों को नहीं, बल्कि केवल आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाया। इसके लिए उन्हें बधाई। भारत और पाकिस्तान के सैन्य अभियान महानिदेशकों ने शनिवार शाम 5.0 बजे से जमीन, हवा और समुद्र पर सभी तरह की गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति जताई। इसकी घोषणा विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने की। हालांकि, इस घोषणा के कुछ घंटों बाद ही जम्मू-कश्मीर में रात में ड्रोन अटैक हुआ। सुरक्षाकर्मियों को उन्हें नीचे गिराने के लिए वायु रक्षा प्रणालियों को एक्टिव करना पड़ा। रात 11 बजे जल्दबाजी में बुलाई गई प्रेस ब्रीफिंग में विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने साफ किया कि पाकिस्तान ने शाम को सीजफायर का उल्लंघन किया और सशस्त्र बलों ने करारा जवाब दिया।

पाक की कैद में बीएसएफ का सिपाही

पत्नी ने सीएम ममता बनर्जी से मिलने का समय मांगा

कोलकाता, 11 मई (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच कई दिनों तक चले सैन्य तनाव के बाद आखिरकार शनिवार को दोनों देशों के बीच सीजफायर को लेकर समझौता हो गया है। हालांकि, भारत के सीमा सुरक्षा बल यानी बीएसएफ का एक कांस्टेबल पूर्णम कुमार साहू अब तक पाकिस्तान की हिरासत में है। अब बीएसएफ कांस्टेबल की पत्नी ने इस मामले में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मुलाकात करने की मांग की है। कांस्टेबल की पत्नी सीएम ममता से अपने पति की रिहाई में हस्तक्षेप करने की अपील करने के लिए मिलना चाहती है।

क्या है पूरा मामला?

दरअसल, बीएसएफ कांस्टेबल पूर्णम कुमार साहू पंजाब के फिरोजपुर सेक्टर में तैनात थे। भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ रहे सैन्य तनाव के शुरुआती दिनों में ही 23 अप्रैल को पूर्णम गलती से इंटरनेशनल बॉर्डर को क्रॉस कर गए थे। इसके बाद पाकिस्तानी रेंजर्स ने उन्हें हिरासत में ले लिया था। बीएसएफ कांस्टेबल पूर्णम कुमार साहू की पत्नी को उम्मीद है कि सीएम ममता बनर्जी के हस्तक्षेप के बाद उनके पति की प्रक्रिया में तेजी आ सकती है।

क्या बोलीं कांस्टेबल की पत्नी?

बीएसएफ कांस्टेबल पूर्णम कुमार साहू की पत्नी रजनी साहू एक स्थानीय समाचार से कहा- मैंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से छोटी सी मुलाकात की मांग की है। वह मुख्यमंत्री और एक शक्तिशाली नेता हैं, इसलिए उनके हस्तक्षेप से इस पूरे मामले को तेजी से सुलझाने में मदद मिलेगी।

अधिकारियों ने क्या बताया?

बीएसएफ कांस्टेबल की पत्नी ने जानकारी दी है कि भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर समझौते के बाद उन्होंने बीएसएफ अधिकारियों से बात की थी। हालांकि, उन्हें वहां से कोई ठोस अपडेट नहीं मिला। रजनी साहू के मुताबिक, उन्होंने मुझे आश्वासन दिया, लेकिन उनके जवाब में कुछ भी नया नहीं है।

एक पाकिस्तानी जवान भारत की गिरफ्त में

रजनी साहू ने उम्मीद जताई है कि उनके पति पूर्णम को एक पाकिस्तानी रेंजर के साथ संभावित अदला-बदली के माध्यम से वापस लाया जा सकता है। बता दें कि भारत के बलों ने भी बीते 3 मई को राजस्थान में पाकिस्तानी रेंजर्स के एक जवान को पकड़ा था। इस पूरे मामले में टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने भी कहा है कि उन्होंने बीएसएफ के महानिदेशक से बात की थी। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि मामले को अब गंभीरता से आगे बढ़ाया जाए।

व्हाट्सएप स्टेटस पर लगाया पाक का झंडा

शिमला में गैस सप्लाई का करता है काम; मामला दर्ज

शिमला, 11 मई (एजेंसियां)। राजधानी शिमला में एक कश्मीरी को अपने व्हाट्सएप स्टेटस पर पाकिस्तान का झंडा लगाना महंगा पड़ गया है। पुलिस ने युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और जांच की जा रही है। युवक की पहचान आदिल मगरे, अनंतनाग जम्मू कश्मीर के रहने वाले के रूप में हुई है। युवक शिमला में गैस सप्लाई का काम करता है। पुलिस ने थाना सदर में भारतीय न्याय संहिता की धारा 196 197 (1) केस दर्ज कर लिया है। नालागढ़ के बघेरी के समीप कुल्हाड़ी गांव के एक युवा ने अपने इंस्टाग्राम पर खालिस्तान और पाकिस्तान के समर्थन में नारे की पोस्ट डाली है। इसकी सूचना मिलते ही बजरंग दल व हिंदू संगठनों ने उसे पकड़कर पुलिस के हवाले किया। पुलिस ने युवक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग को लेकर हिंदू सगंठनों ने थाने के बाहर नारेबाजी भी की।

बजरंग दल के डीडी राणा, नालागढ़ ट्रक सोसायटी के प्रधान जितेंद्र ठाकुर, जितेंद्र राणा, मनोज राणा, संदीप ठाकुर, बिंदू समेत बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने नालागढ़ थाने में युवक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने को लेकर नारेबाजी की। बजरंग दल के अध्यक्ष डीडी राणा ने कहा कि कुल्हाड़ी के एक युवक ने अपने इंस्टाग्राम पर कई दिन से खालिस्तान व पाकिस्तान समर्थन की पोस्ट डाली हुई थी। इसकी भनक लगते ही लोगों ने शिकायत नालागढ़ थाने में की। एएसपी अशोक वर्मा ने मामला दर्ज होने की पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है।

शरद पवार पर संजय राउत का तंज

'उद्धव ठाकरे की पार्टी समझौता नहीं, लड़ने में विश्वास करती है'

मुंबई, 11 मई (एजेंसियां)। शिवसेना-उद्धव बालासाहेब ठाकरे (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने शरद पवार के नेतृत्व वाले गुट के एक वर्ग का अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के साथ विलय होने संबंधी अटकलों पर पलटवार किया है। उन्होंने रविवार को एनसीपी राकांपा (शरदचंद्र पवार) पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी अपने रुख से कभी समझौता नहीं करती बल्कि लड़ाई करना पसंद करती है। शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने कहा, शिवसेना यूबीटी के नेताओं के पास सहकारी चीनी मिल और शैक्षणिक संस्थान नहीं हैं, जो एनसीपी अजित और राकांपा (शरदचंद्र पवार) के नेताओं को मंच प्रदान करते हैं। संजय राउत ने आगे कहा कि एनसीपीएसपी के अध्यक्ष शरद पवार पार्टी की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले, उपमुख्यमंत्री अजित पवार और दोनों गुटों के अन्य नेता शुक्रवार को सातारा में रैयत शिक्षण संस्था की बैठक में शामिल हुए। बता दें कि शरद पवार रयत शिक्षण संस्था के अध्यक्ष हैं।

संजय राउत ने एकनाथ और अजित को लेकर क्या कहा?

संजय राउत ने जून 2022 में एकनाथ शिंदे के शिवसेना में विभाजन कराने का जिक्र करते हुए कहा, "वे (शरद पवार और अजित पवार) पहले से ही एक साथ हैं। वे हमारे जैसे नहीं हैं। हमारा स्वाभिमानी रुख उन लोगों से हाथ मिलाने का नहीं है, जिन्होंने हमारी पार्टी को तोड़ा, हमारी सरकार को गिराया, सत्ता और पैसे का दुरुपयोग किया तथा महाराष्ट्र की पीठ में छुरा घोंपा।" उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजित पवार को आगे बढ़ाया, उन्होंने अपने-अपने दलों के खिलाफ विद्रोह किया तथा महाराष्ट्र को नुकसान पहुंचाया। सांसद राउत ने कहा कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली 'असली' शिवसेना इस बात को लेकर बहुत स्पष्ट है कि उसे केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल करने और विपक्ष को धमकाने वाली प्रवृत्ति से दूर रहना होगा। उन्होंने कहा, "हम लड़ने वाले लोग हैं। हम समझौता करने वाले लोग नहीं हैं।" शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत ने कहा, "कुछ दल अधिक उदार हैं और कहते हैं कि (विलय करना है या नहीं) निर्णय पार्टी कार्यकर्ताओं से परामर्श के बाद लिया जाना चाहिए।"

बीजेपी से हाथ नहीं मिलाना चाहते शरद पवार- संजय राउत

शिवसेना यूबीटी एमपी संजय राउत ने कहा कि उन्हें शरद पवार से कोई शिकायत नहीं है। शरद पवार ने इस सप्ताह की शुरुआत में 'इंडियन एक्सप्रेस' को दिए एक साक्षात्कार में कहा था कि पार्टी के अंदर दो विचार हैं। उन्होंने कहा, ''एक तो यह कि हम फिर से एकजुट हो जाएं (अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा के साथ) और दूसरा वर्ग सीधे या परोक्ष रूप से बीजेपी के साथ नहीं जाना चाहता।'' हाल ही में शरद पवार ने कहा था, ''आइए, विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' में शामिल हों और गठबंधन को फिर से संगठित करें।''

दिल्ली मुठभेड़ में 2 कुख्यात अपराधी गिरफ्तार, पुलिस ने किया हत्या-डकैती समेत 50 से ज्यादा केस सुलझाने का दावा

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। दिल्ली के साउथ वेस्ट डिस्ट्रिक्ट में आरके पुरम पुलिस ने एक हाई-प्रोफाइल मुठभेड़ के बाद दो कुख्यात अपराधी सुनील उर्फ सुभाष और मनीष उर्फ मोगली को गिरफ्तार किया। डीसीपी साउथ सुरेंद्र चौधरी के मुताबिक दोनों क्रिमिनल अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हत्या, हत्या की कोशिश, पुलिस से मुठभेड़, डकैती, छिनैती और अवैध हथियार जैसे 50 से ज्यादा संगीन मामलों में शामिल थे। दरअसल, दिल्ली पुलिस और बदमाशों के बीच 8 से 9 मई 2025 की दरम्यानी रात मुठभेड़ हुई थी। इस कार्रवाई में सुनील के बाएं पैर में गोली लगी। जबकि मनीष को पुलिस ने सुरक्षित दबोच लिया। पुलिस ने इनके पास से दो 7.65 एमएम पिस्टल, चार जिंदा कारतूस, तीन खाली कारतूस, एक चोरी की होंडा सीबी हॉर्नेट बाइक और नकली नंबर प्लेट बरामद की है।

'मुझे सरहद पर भेजा जाए' भारत-पाक तनाव के बीच हाई कोर्ट के जज ने की मांग, ले चुके हैं आर्मी की ट्रेनिंग

ग्वालियर, 11 मई (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच जारी संघर्ष के माहौल में जब पूरा देश एकजुट होकर सेना के साथ खड़ा है। तब मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की ग्वालियर पीठ में पदस्थ न्यायमूर्ति अनिल वर्मा ने देश सेवा की एक अनूठी मिसाल पेश की है। उन्होंने हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत को एक पत्र लिखकर आग्रह किया है कि उन्हें अदालत की बेंच से मुक्त कर सेना या प्रशासनिक सेवाओं के जरिए सीमा पर देश की सेवा का अवसर दिया जाए। जस्टिस वर्मा का यह अनुरोध सिर्फ भावनात्मक नहीं है, बल्कि उनकी पृष्ठभूमि और प्रशिक्षण इसे पूरी तरह से समर्थ बनाते हैं। न्यायमूर्ति वर्मा अपनी पढ़ाई के दौरान तीन सालों तक एनसीसी में रहे। इस दौरान उन्होंने सैन्य प्रशिक्षण भी लिया। साल 1986 में उन्होंने इलाहाबाद स्थित आर्मी बैरक में ग्रुप टेस्टिंग ऑफिसर की परीक्षा और इंटरव्यू पास किया था। सिर्फ 23 साल की उम्र में उन्होंने सिविल जज के रूप में सेवा शुरू की और साल 2021 में उच्च न्यायालय के न्यायाधीश बने। इसके अलावा वह इतिहास और स्वतंत्रता संग्राम पर आधारित दर्जनों पुस्तकें भी लिख चुके हैं, जिससे उनकी राष्ट्रभक्ति साफ झलकती है। न्यायमूर्ति वर्मा का देशभक्ति का जज्बा उनके पारिवारिक इतिहास में भी रचा-बसा है। उनके दादा, स्वर्गीय मोतीलाल वर्मा स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे, जिन्होंने 1931 के 'जंगल सत्याग्रह' और 1942 के 'भारत छोड़ो आंदोलन' में सक्रिय भागीदारी दी थी। वह चंद्रशेखर आजाद जैसे क्रांतिकारियों के साथ भी स्वतंत्रता के लिए संघर्ष कर चुके हैं। इसके बाद वह भी देश के लिए कुछ करना चाहते हैं और इसलिए उन्होंने यह इच्छा जताई है।

कारगिल युद्ध के दौरान भी भेजा था आवेदन

अपने पत्र में न्यायमूर्ति अनिल वर्मा ने लिखा कि वह शारीरिक और मानसिक रूप से पूरी तरह से स्वस्थ हैं और सीमा पर जाकर देश के लिए कुछ कर गुजरने की बहुत इच्छा रखते हैं। यह कोई पहली बार नहीं है, जब उन्होंने सेना में सेवा देने की इच्छा जताई हो। 1998 के कारगिल युद्ध के दौरान भी उन्होंने भारतीय सेना में सेवा के लिए आवेदन भेजा था। देशभर में इस समय सिविल डिफेंस के लिए वालंटियरों की भर्ती हो रही है, जिसके तहत पुलिस थानों में आवेदन लिए जा रहे हैं। ऐसे में न्यायमूर्ति वर्मा का यह कदम लाखों युवाओं के लिए प्रेरणा बन सकता है।

सीजफायर के बाद एयरपोर्ट की एडवाइजरी यात्रा के लिए अधिक समय लेकर चलें

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर के बाद दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर परिचालन सामान्य हो गया है, लेकिन हवाई क्षेत्र के बदलते परिदृश्य के कारण कुछ उड़ानें प्रभावित हो सकती हैं। सुरक्षा बढ़ाने के कारण अब जांच प्रक्रिया में पहले से अधिक समय लग सकता है। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के मद्देनजर एयरपोर्ट पर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत कर दिया गया है। दोनों देशों ने शनिवार को जमीन, हवा और समुद्र पर सभी प्रकार की गोलाबारी और सैन्य कार्रवाई को रोकने पर सहमति जताई है। इसके बावजूद, सुरक्षा के मद्देनजर हवाई अड्डों पर अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का संचालन करने वाली संस्था 'दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड' ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, दिल्ली अड्डे पर विमानों का परिचालन सामान्य रूप से जारी है। हालांकि, हवाई क्षेत्र के बदलते परिदृश्य और सुरक्षा बढ़ाए जाने के कारण कुछ उड़ानें प्रभावित हो सकती हैं और सुरक्षा जांच में पहले की तुलना में ज्यादा समय लग सकता है।'' डीआईएएल ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि वे सुरक्षा जांच के लिए अतिरिक्त समय लेकर आएं और विमानन कंपनियों एवं सुरक्षाकर्मियों के साथ सहयोग करें, ताकि यात्रियों को सुगम और सुरक्षित यात्रा का अनुभव हो सके। बता दें कि दिल्ली का इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट देश का सबसे व्यस्त हवाई अड्डा है, जहां प्रतिदिन लगभग 1,300 उड़ानों का संचालन होता है।

बिना ट्रायल कैद करना प्री-ट्रायल सजा के बराबर बेल नियम है, अपवाद नहीं, बॉम्बे एचसी की टिप्पणी

मुंबई, 11 मई (एजेंसियां)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने जोर देकर कहा है कि न्याय व्यवस्था में बेल (जमानत) को नियम माना जाता है और उसे मना करना अपवाद की स्थिति है। कोर्ट ने कहा कि किसी आरोपी को लंबे समय तक ट्रायल के बिना जेल में रखना असल में 'प्री-ट्रायल सजा' देने जैसा है, जो संविधान के तहत मिले मौलिक अधिकारों का हनन है। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति मिलिंद जाधव की पीठ ने की, जब उन्होंने हत्या के एक मामले में आरोपी विकास पाटिल को जमानत दी। पाटिल पर 2018 में अपने भाई की हत्या का आरोप है और वह पिछले छह सालों से जेल में बंद था। कोर्ट ने कहा कि अब ट्रायल पूरे होने में बहुत लंबा वक्त लग रहा है और जेलों में भीड़ लगातार बढ़ती जा रही है। न्यायमूर्ति जाधव ने आर्थर रोड जेल के दिसंबर 2024 की रिपोर्ट का हवाला दिया, जिसमें बताया गया कि जेल में क्षमता से छह गुना ज्यादा कैदी हैं। हर बैरक, जिसे सिर्फ 50 कैदियों के लिए बनाया गया है, उसमें अब 220 से 250 कैदी ठूंसे गए हैं। कोर्ट ने सवाल उठाया कि ऐसे हालात में न्यायपालिका को कैसे संतुलन बनाए रखना चाहिए - एक तरफ अपराध की गंभीरता और दूसरी तरफ आरोपी के मौलिक अधिकार। कोर्ट ने साफ कहा कि बेल का सिद्धांत यही है कि जमानत मिलना सामान्य बात होनी चाहिए, और उसे खारिज करना सिर्फ विशेष परिस्थितियों में होना चाहिए। न्यायमूर्ति जाधव ने दो अंडरट्रायल कैदियों की तरफ से लिखे गए लेख 'प्रूफ ऑफ गिल्ट' का हवाला दिया, जिसमें पूछा गया था कि आखिर कितने लंबे इंतजार के बाद किसी व्यक्ति का तेज और निष्पक्ष ट्रायल का अधिकार खत्म हो जाता है। कोर्ट ने माना कि केवल लंबे समय से जेल में बंद होना ही बेल का आधार नहीं बन सकता, लेकिन यह एक अहम मुद्दा है जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति जाधव ने कहा कि अभियोजन पक्ष को भी अपनी सोच में बदलाव लाना चाहिए। वे अक्सर यह मानकर बेल का विरोध करते हैं कि अपराध गंभीर है, इसलिए बेल नहीं मिलनी चाहिए। लेकिन कानून का मूल सिद्धांत है कि जब तक दोष सिद्ध न हो, आरोपी को निर्दोष माना जाता है। इसे हल्के में नहीं लिया जा सकता। कोर्ट ने विकास पाटिल के केस में कहा कि वह छह साल से जेल में है और निकट भविष्य में ट्रायल के शुरू होने या खत्म होने की कोई संभावना नहीं दिख रही। ऐसे में उसे जमानत देना उचित है। कोर्ट ने कहा कि लंबे समय तक ट्रायल का इंतजार करने वाले कैदियों की आज़ादी और उनके इंसानी अधिकारों का सम्मान किया जाना चाहिए। वरना ये सिर्फ सुरोगेट सजा बनकर रह जाता है, जो कानून और संविधान के खिलाफ है।

खानपुर के पूर्व और वर्तमान विधायक में फिर टकराव, एफआईआर दर्ज

रुड़की, 11 मई (एजेंसियां)। हरिद्वार के रुड़की-लक्सर मार्ग पर शुक्रवार शाम हुए विवाद ने अब नया रूप ले लिया है। खानपुर विधायक उमेश कुमार और पूर्व विधायक कुंवर प्रणव सिंह चैंपियन के खिलाफ अलग-अलग थानों में मुकदमा दर्ज हुआ है। पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर के आधार पर कार्रवाई शुरू कर दी है। पूर्व विधायक चैंपियन के चालक ने लक्सर कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने आरोप लगाया कि विधायक उमेश कुमार और उनके समर्थकों ने उनकी गाड़ी को टक्कर मारी, गाली-गलौज की, जाति सूचक शब्दों का इस्तेमाल किया और जान से मारने की धमकी दी। इस शिकायत पर एससी/एसटी एक्ट समेत कई धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। वहीं, विधायक उमेश कुमार की ओर से मंगलौर कोतवाली में शिकायत दी गई है। उनके चालक ने पुलिस को बताया कि सोलानी पुल के पास चैंपियन की गाड़ी ने ओवरटेक कर उनकी गाड़ी को साइड मारी और फिर लाठी-डंडों व सरियों से हमला कर तोड़फोड़ की। इस घटना में जान से मारने की धमकी और गाली-गलौज के आरोप भी लगाए गए हैं। एसपी देहात शेखर चंद सुयाल ने बताया कि दोनों ओर से मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान भी दर्ज किए जा रहे हैं। बता दें कि यह घटना शुक्रवार को करीब 3:30 बजे रुड़की-लक्सर मार्ग स्थित सोलानी पुल के पास हुई थी, जब दोनों नेताओं का काफिला आमने-सामने आ गया और मामूली कहासुनी मारपीट में बदल गई।

'हमें किसी तीसरे पक्ष की जरूरत नहीं', ट्रंप ने उठाया कश्मीर का मुद्दा तो प्रियंका चतुर्वेदी ने दिया करारा जवाब

मुंबई, 11 मई (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच कल सीजफायर पर सहमति बनी। इसके बाद अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर इसका एलान करते हुए कहा, अमेरिकी की मध्यस्थता के बाद दोनों ने संघर्ष विराम का एलान किया और साथ ही ट्रंप ने कश्मीर मुद्दे पर भी बयान दिया। अब इस पर शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी का बयान सामने आया है। प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि कश्मीर मुद्दे पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा मध्यस्थता की पेशकश के बाद भारत को इसका समाधान खोजने के लिए अमेरिका या किसी देश के हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है। इससे पहले ट्रंप ने पोस्ट में लिखा था, 'मुझे गर्व है कि अमेरिका आपको इस ऐतिहासिक और वीरतापूर्ण निर्णय पर पहुंचने में मदद करने में सक्षम था। हालांकि इस पर चर्चा भी नहीं हुई है, लेकिन मैं इन दोनों महान देशों के साथ व्यापार को काफी हद तक बढ़ाने जा रहा हूं।' उन्होंने अपने अन्य पोस्ट में लिखा था, मैं आप दोनों के साथ मिलकर यह देखने के लिए काम करूंगा कि क्या इतने सालों के बाद कश्मीर के संबंध में कोई समाधान निकाला जा सकता है।' अगर दोनों के बीच शांति स्थापित नहीं होती तो लाखों लोग मारे जाते। प्रियंका ने जोर देकर कहा कि भारत को किसी देश के हस्तक्षेप के बिना चुनौती का सामना करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, भाग्य ने हमें ये जिम्मेदारी दी है और भारत को इस चुनौती का सामना करना चाहिए। प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, 'कश्मीर मुद्दे का समाधान खोजने के लिए अमेरिका या किसी अन्य देश के हस्तक्षेप की जरूरत नहीं है।'

दोनों देशों के डीजीएमओ के बीच हुई बातचीत

बता दें कि भारत ने जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर किसी भी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप को बार-बार खारिज किया है और स्पष्ट रूप से कहा है कि यह क्षेत्र (कश्मीर) भारत का अभिन्न अंग है। शनिवार को, भारत ने शत्रुता समाप्त करने के समझौते को प्राप्त करने में अमेरिका की भूमिका को भी कमतर आंकते हुए कहा कि दोनों देशों के डीजीएमओ के बीच सहमति बन गई है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इस मुद्दे पर कहा है, भारत ने आतंकवाद के खिलाफ लगातार अपना रुख बनाए रखा है। उन्होंने कहा, 'भारत और पाकिस्तान ने आज गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई को रोकने पर सहमति बनाई है। भारत ने लगातार आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों के खिलाफ एक दृढ़ और अडिग रुख बनाए रखा है। यह ऐसा करना जारी रखेगा।'

दो दिन पहले लापता हुई थी नाबालिग लड़की, सफाई के दौरान नाले से मिली लाश

मुंबई, 11 मई (एजेंसियां)। मुंबई के गोवंडी के शिवाजी नगर इलाके की रहने वाली एक लड़की दो दिन पहले लापता हो गई थी, जिसका शव बरामद हुआ है। लड़की की पहचान 15 वर्षीय झेनाब मोहम्मद इकबाल शेख के रूप में हुई है। लड़की का शव एक खुले नाले से बरामद हुआ झेनाब के परिजनों के अनुसार, वह परसों गुरुवार रात करीब 10 बजे घर से कचरे की थैली फेंकने के लिए बाहर गई थी, लेकिन उसके बाद वापस नहीं लौटी। इसके बाद परेशान पिता इकबाल ने तुरंत नजदीकी पुलिस स्टेशन में उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई। कल शाम जब इलाके के कुछ लोगों ने दुर्गा सेवा संघ के सामने नाले से तेज दुर्गंध की शिकायत की, तो स्थानीय निवासियों ने नाले में कचरा हटाकर देखा।

गैंगस्टर छोटा राजन 21 साल पुराने मामले में बरी

मुंबई, 11 मई (एजेंसियां)। गैंगस्टर छोटा राजन को 2004 में एक व्यापारी की हत्या के प्रयास के 21 वर्ष पुराने मामले से बरी कर दिया गया है। कोर्ट ने आदेश में कहा कि ऐसा कोई भी सबूत रिकॉर्ड में नहीं लाया गया, जिससे पता चले कि राजन अपराध में शामिल था। साल 2004 में 6-7 लोग हरचंदानी की फर्म के कार्यालय में घुसे और वहां मौजूद एक अकाउंटेंट पर गोलियां चला दीं। जिसके बाद मुंबई के अंधेरी पुलिस स्टेशन में हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने राजन को वांछित आरोपी घोषित किया था। 2015 में राजन के भारत प्रत्यर्पण के बाद उस पर इस मामले में मुकदमा चलाया गया। अदालत ने पाया कि पुलिस ने महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) की कठोर धाराएं भी लगाई थीं और दावा किया था कि अपराध को राजन द्वारा अपराध सिंडिकेट के प्रमुख के रूप में अंजाम दिया गया था और अधिनियम लगाने के लिए आवश्यक मंजूरी और पूर्वानुमति उचित नहीं थी। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि पुलिस इस मामले में राजन की संलिप्तता साबित करने में विफल रही है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, नंदकुमार हरचंदानी नामक एक व्यवसायी 2004 में अंधेरी में झुग्गी पुनर्वास योजना के तहत एक इमारत का निर्माण कर रहा था। हरचंदानी और जमीन के पिछले मालिकों और एक ठेकेदार के बीच भुगतान को लेकर विवाद उत्पन्न हो गया। अभियोजन पक्ष ने दावा किया कि हरचंदानी पर बकाया राशि का भुगतान न करने का आरोप है और उन्हें धमकी भरे फोन आ रहे हैं। अभियोजन पक्ष ने दावा किया कि ये कॉल राजन ने की थी और गैंगस्टर को बिल्डर की हत्या का काम सौंपा गया था। राजन को 2015 में प्रत्यर्पण के बाद से तिहाड़ जेल में रखा गया है। उसके खिलाफ लंबित मामलों की सुनवाई के लिए एक विशेष अदालत नामित की गई थी, राजन वर्तमान में जे डे हत्या मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहा है, उसे कुछ अन्य मामलों में भी बरी किया जा चुका है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार: अपनी सीमाओ को छोड़ कर आगे बढ़ना होगा तब ही आप आगे बढ़ पाओगे ।

राजस्थान की लड़की ने 110 देशों की सुंदरियों को छोड़ा पीछे

मिस वर्ल्ड के मंच पर भारतीय संस्कृति दिखा छाईं नंदिनी

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्थान की लड़की नंदिनी गुप्ता मिस वर्ल्ड के मंच पर अपना जलवा बिखेर रही हैं। पेजेंट के पहले ही दिन कॉस्ट्यूम राउंड में वह बेहद सुंदर लहंगा-चोली पहनकर आईं और भारत की संस्कृति को पेश कर छा गईं। जिसके सामने दुनियाभर से आई सुंदरियां भी फीकी पड़ गईं।

मिस वर्ल्ड 2025 पेजेंट की शुरुआत हो चुकी है। जिसकी मेजबानी का जिम्मा इस बार भारत के पास है। ऐसे में 10 मई को हैदराबाद में मिस वर्ल्ड के 72वें संस्करण में राजस्थान के कोटा की नंदिनी गुप्ता भारत का प्रतिनिधित्व करती नजर आईं। जहां 110 देशों की सुंदरियों के बीच हसीना ने पहले ही दिन कॉस्ट्यूम राउंड में अपनी अलग छाप छोड़ दी और सबका दिल जीत गईं।

फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड 2023 का ताज अपने नाम कर चुकी नंदिनी नेशनल कॉस्ट्यूम राउंड के लिए भारत की स्वर्णिम संस्कृति की कहानी बयां करती खूबसूरत आउटफिट पहनकर आई थीं। तभी जो जैसे ही भारत का झंडा हाथ में लेकर हसीना मंच पर आईं, तो सब उन्हें देखते ही रह गए। जहां उनके इस लुक को खास बनाने के लिए एक-एक एलिमेंट्स को खास ख्याल रखा गया, जो भारतीय संस्कृति की सुंदरता दिखा गया।

मिस वर्ल्ड के मंच पर भारतीय सुंदरता बिखेरने के लिए नंदिनी ने डिजाइनर गौरांग शाह

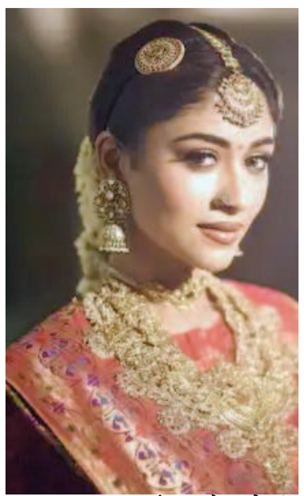

का खूबसूरत लहंगा और चोली पहना। जिस पर आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र की जामदानी बुनाई की कमाल की जुगलबंदी देखने को मिली। यह पोशाक हाथ से काते गए चरखे के खादी धागे से बनी है। जिसमें सुनहरी जरी की जामदानी लहरिया बुनाई की गई है। जिसे पहन वह खासकर साउथ इंडियन वाली ब्यूटी दिखा गईं।

सफेद लहंगा जहां प्लेन है, तो उसके बॉर्डर को ब्लाउज से मैचिंग बनाया गया है। जिसकी सिंपल नेकलाइन, हाफ स्लीव्स और सेम पैटर्न वाला प्लीटेड दुपट्टा साथ में शानदार लगा। जहां किनारे और पल्लू पर "बांगड़ी मोर' नाम का सुंदर डिजाइन बना है। जिसमें एक चूड़ी के अंदर चार मोर नाचते हुए दिखते हैं, जो भारत की पारंपरिक बुनाई की खूबसूरती को दिखाता है।

नंदिनी की आउटफिट ही नहीं जूलरी को भी बेहद खूबसूरत बनाया गया है। वह किशंदास ज्वेलरी के पारंपरिक गहनों को पहन अपना शाही अंदाज दिखा गईं। जहां उनका हर जूलरी पीस भारत के राजसी इतिहास की भव्यता को दर्शाता है। उनके गहनों में चांद और सूरज वाला एक खास डिजाइन है, जो सूर्य और चंद्रमा की शुभता का प्रतीक है। साथ ही उन्होंने मोतियों, रूबी और हीरों से सजा हुआ मोर वाला टू लेयर नेकलेस पहना है। जिसने खूबसूरत में चार चांद लगा दिए।

यही नहीं नंदिनी ने जो कड़े और रंग- बिरंगी चूड़ियां पहनी हैं, वो भी उनके लुक को कॉम्प्लिमेंट कर रही है। साथ ही नक्काशीदार अंगूठियां, पारंपरिक वांकी और बारीकी से बना कमरबंद लुक को और भी निखार गया। वहीं, मांग टीका, नथ, छोटा - सा चोकर सेट भी उनके लुक में परंपरा और खूबसूरती का परफेक्ट मेल लगा। जिसे पहन 5.8 इंच की हसीना का खूबसूरत लुक देखते ही बना।

आखिर में नंदिनी के लुक को बालों को मिडिल पार्टीशन के साथ चोटी में गूंथ कर और उसमें गजरा लगाकर खूबसूरत बनाया। जिसके साथ उनके ग्लॉसी लिप्स और सटल मेकअप खूब जचा। जहां माथे पर लगी छोटी- सी लाल बिंदी ने तो उनके नूर में जैसे और जान डाल दी। ऐसे में नंदिनी का फैशनेबल अंदाज सबसे अलग और निखकर सामने आया।

जग्गा रेड्डी ने सीएम रेवंत के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने पर ईटेला की निंदा की

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष जग्गा रेड्डी ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के बारे में अपमानजनक टिप्पणी करने के लिए भाजपा सांसद ईटेला राजेंद्र की कड़ी निंदा की। रविवार को गांधी भवन में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जग्गा रेड्डी ने कहा कि ईटेला राजेंद्र भाजपा में अपनी मनचाही जगह न मिलने के कारण हताशा में ऐसा कर रहे हैं। "अब वह अनियमित व्यवहार कर रहे हैं और तेलंगाना में मुख्यमंत्री और कांग्रेस सरकार पर गैर-जिम्मेदाराना हमला कर रहे हैं।" कांग्रेस नेता ने कहा कि भाजपा सांसद जनता की चिंताओं के प्रति उदासीन हैं और उन्होंने मल्काजगिरी लोकसभा क्षेत्र, जिसका वे प्रतिनिधित्व करते हैं, के सामने आने वाले मुद्दों के बारे में एक बार भी मुख्यमंत्री से बात नहीं की है। जग्गा रेड्डी ने कहा, "मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के खिलाफ इस तरह की अपमानजनक टिप्पणी करके भाजपा सांसद ने सभी सीमाएं लांघ दी हैं। ईटाला ने अपनी गरिमा और लोगों का सम्मान दोनों खो दिया है।" इस बीच, सरकारी सचेतक आदी श्रीनिवास ने भी मुख्यमंत्री के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने के लिए ईटेला राजेंद्र को दोषी पाया और टिप्पणी को तत्काल वापस लेने की मांग की।

जयशंकर विश्वविद्यालय और वेस्टर्न सिडनी विश्वविद्यालय नए संयुक्त कृषि पाठ्यक्रम शुरू करेंगे

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना कृषि विश्वविद्यालय (पीजेटीएयू) और विश्व प्रसिद्ध वेस्टर्न सिडनी विश्वविद्यालय नए संयुक्त कृषि शिक्षा पाठ्यक्रम शुरू करेंगे। प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना कृषि विश्वविद्यालय में नियमित बीएससी (कृषि), सामुदायिक विज्ञान, खाद्य विज्ञान प्रौद्योगिकी और कृषि इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों के अलावा, शैक्षणिक वर्ष 2025-26 से ऑस्ट्रेलिया के वेस्टर्न सिडनी विश्वविद्यालय (डब्ल्यूएसयू) के सहयोग से चार वर्षीय बीएससी कृषि डिग्री पाठ्यक्रम शुरू किया जाएगा। चार वर्षीय पाठ्यक्रम अवधि में छात्र तीन साल पीजेटीएयू में और एक साल वेस्टर्न सिडनी विश्वविद्यालय में अध्ययन करेंगे। इस प्रकार, छात्रों को दोनों विश्वविद्यालयों में अध्ययन करने का अवसर मिलेगा। इसी तरह, यदि छात्र एमएससी की पढ़ाई भी करना चाहते हैं, तो उन्हें वेस्टर्न सिडनी विश्वविद्यालय (डब्ल्यूएसयू) में एक और साल अध्ययन करना होगा। इस प्रकार, बीएससी की डिग्री पीजेटीएयू से और एमएससी की डिग्री वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी से प्रदान की जाएगी। यदि कोई छात्र पीजी के बाद वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी से पीएचडी करना चाहता है, तो वह बिना किसी फीस के छात्रवृत्ति की मदद से अपनी पीएचडी पूरी कर सकता है। पीजीटीएयू के कुलपति प्रोफेसर अलदास जनैया ने कहा कि इन मुद्दों पर दोनों विश्वविद्यालयों के बीच सहमति बनाने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। जनैया ने कहा कि वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी द्वारा पेश किए जाने वाले सभी कृषि पाठ्यक्रमों को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) द्वारा मान्यता प्राप्त है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में पिछले साल आईसीएआर और डब्ल्यूएसयू के बीच एक समझौते पर भी हस्ताक्षर किए गए थे। जनैया ने कहा कि इन विशेष पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए जल्द ही अधिसूचना जारी की जाएगी।

कार के खड़ी लॉरी से टकराने से एक व्यक्ति की मौत, एक घायल

निर्मल, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नेराडिगोंडा मंडल के रोलमामाडा गांव में रविवार को एक कार के खड़े लॉरी से टकरा जाने से एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया।

पुलिस ने बताया कि निर्मल कस्बे के एक बीमा कंपनी के कर्मचारी कोट्टुरवर वेंकटेश (35) को उस समय गंभीर चोटें आईं, जब उनकी कार गांव के पास एनएच 44 पर टोल प्लाजा पर खड़ी लॉरी से टकरा गई, जिससे उनकी तत्काल मौत हो गई। वेंकटेश के दोस्त अन्वेश बोम्मिदिवार को दुर्घटना में मामूली चोटें आईं। अन्वेश को राजीव गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (आरआईएमएस) आदिलाबाद में स्थानांतरित कर दिया गया। वेंकटेश के परिवार के सदस्य से प्राप्त शिकायत के आधार पर, ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया, जो दुर्घटना के बाद से फरार था। जांच की गई। चालक को पकड़ने के लिए तलाश शुरू की गई।

CLASSIFIEDS

2 BEDROOM FLAT FOR SALE

IMMEDIATELY FOR SALE 2 BEDROOM WELL FULL FURNISHED FLAT 2 BED ROOM, HALL KICHEN, FLAT FOR SALE, 1312 SFT, NORTH FACING AT VISTA CASTLE, NJR & KLR NAGAR, MEDCHAL VILLAGE, HYDERABAD, NO LOAN, CLEAR PROPERTY

CONTACT: NALIN MEHTA
9347584510

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

रात में कूलर की ठंडी हवा में सो गईं मां-बेटी, सुबह में मिली दोनों की लाश, आखिर क्या हुआ था ऐसा?

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में गर्मी से राहत दिलाने वाले एयर कूलर ने दो लोगों की जान ले ली। घर में लगे कूलर से करंट लगने से मां-बेटी की मौत हो गई। यह दुखद घटना तेलंगाना के कामारेड्डी जिले के जुक्कल मंडल के गुल्ला थांडा में हुई। मृतकों की पहचान गुल्ला थांडा निवासी प्रहलाद की पत्नी शंकाबाई (36) और छोटी बेटी श्रीवाणी (12) के रूप में हुई है। जुक्कल पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, श्रीवाणी के अलावा प्रहलाद की एक बेटी- बेटा और हैं। उनकी सबसे बड़ी बेटी हैदराबाद में पढ़ रही है। प्रहलाद शुक्रवार (8 मई) की रात काम के लिए हैदराबाद गए थे। उनकी पत्नी शंकाबाई

(36), छोटी बेटी श्रीवाणी (12) और बेटा (16) घर पर सो रहे थे। गर्मी बहुत थी, इसलिए शंकाबाई उठी और बच्चों के लिए कूलर चालू कर दिया।फिर वो सो गई।

कुछ देर बाद छोटी बेटी श्रीवाणी का पैर कूलर में छू गया। इससे श्रीवाणी को अचानक झटका लगा। पास में लेटी मां को डर के मारे श्रीवाणी ने कसकर पकड़ लिया, जिससे की नींद में ही दोनों की करंट लगने से मौत हो गई। बिजली का झटका इतना तीव्र था कि श्रीवाणी के पैर की उंगलियां जल गईं वहीं बेटा, जो थोड़ी दूरी पर बेटा सोया था, सुबह उठा तो उसने अपनी मां और बहन को मृत पाया।

बेटे ने इसके बाद तुरंत पड़ोसियों को सूचित किया । पड़ोसियों ने घर में पहुंचकर देखा तो दोनों की मौत हो चुकी थी । वहीं पड़ोसियों द्वारा दी गई जानकारी के बाद पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचू. फिर मामला दर्ज किया और जांच शुरू कर दी. दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए मदनूर सरकारी अस्पताल ले जाया गया. पड़ोसियों ने बताया कि कूलर लोहे का था। यही नहीं कूलर गुणवत्ता मानकों का पालन किए बिना स्थानीय स्तर पर निर्मित किया गया था। मां-बेटी को करंट लगा और उनकी मौत हो गई.

चेर्लापल्ली और श्रीकाकुलम रोड के बीच 26 ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेनें

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रीष्म ऋतु के दौरान अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए दक्षिण मध्य रेलवे चेर्लापल्ली और श्रीकाकुलम रोड के बीच विशेष रेल सेवाएं चलाएगा। ट्रेन संख्या 07421 (चेर्लापल्ली - श्रीकाकुलम रोड) 13 मई से 24 जून तक सात सेवाएं चलेंगी; ट्रेन संख्या 07422 (श्रीकाकुलम रोड - चेर्लापल्ली) 14 मई से 25 जून तक चलेगी। कुल सात सेवाएं; ट्रेन संख्या 07425 (चेर्लापल्ली - श्रीकाकुलम रोड) 12 मई से 23 जून तक चलेगी। कुल छह सेवाएं; ट्रेन संख्या 07426 (श्रीकाकुलम रोड-चेरलापल्ली) 13 मई से 24 जून तक चलेगी, कुल सेवाएं छह होंगी। ये विशेष ट्रेनें दोनों दिशाओं में नालगोंडा, मिर्यालागुडा, पिदुगुराल्ला, सत्तेनपल्ली, गुंटूर, विजयवाड़ा, एलुरु, ताडेपल्लीगुडेम, राजमंड्री, समालकोट, अनाकापल्ली, दुव्वाडा, कोत्तावलासा, विजयनगरम और चिपुरुपल्ली स्टेशनों पर रुकेंगी। इन विशेष रेलगाड़ियों में 2एसी, 3एसी, स्लीपर श्रेणी और सामान्य द्वितीय श्रेणी के डिब्बे होंगे। ट्रेन नंबर 07425/07426 चार्लापल्ली - श्रीकाकुलम रोड - चेर्लापल्ली स्पेशल ट्रेन (12 सेवाएं) देगी। ये विशेष ट्रेनें दोनों दिशाओं में काजीपेट, वारंगल, महबूबाबाद, खम्मम, रायनपाडु, एलुरु, राजमुंदरी, समालकोट, तुनी, दुव्वाडा, कोट्टावलसा और विजयनगरम स्टेशनों पर रुकेंगी। इन विशेष रेलगाड़ियों में 2एसी, 3एसी, स्लीपर श्रेणी और सामान्य द्वितीय श्रेणी के डिब्बे होंगे।

नशे में वाहन चलाने वाले 272 लोग पकड़े गए

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। इस सप्ताहांत साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस द्वारा नशे में गाड़ी चलाने के खिलाफ विशेष जांच की गई, जिसके परिणामस्वरूप 272 अपराधियों को पकड़ा गया। कुल 189 दोपहिया वाहन, 12 तिपहिया वाहन, 66 चार पहिया वाहन, 05 भारी वाहन शामिल है। 245 अपराधियों को 35 मिलीग्राम/100 मिली से 200 मिलीग्राम/100 मिली के बीच रक्त अल्कोहल सांद्रता (बीएसी) के साथ पकड़ा गया। 18 अपराधियों को 200 मिलीग्राम/100 मिली से 300 मिलीग्राम/100 मिली के बीच रक्त अल्कोहल सांद्रता (बीएसी) के साथ पकड़ा गया। 9 अपराधियों को 301 मिलीग्राम/100 मिली से 500 मिलीग्राम/100 मिली के बीच रक्त अल्कोहल सांद्रता (बीएसी) के साथ पकड़ा गया। पकड़े गए सभी लोगों को हाईकोर्ट में पेश किया जाएगा। पुलिस ने बताया कि यदि कोई व्यक्ति शराब पीकर वाहन चलाता है और दुर्घटना करता है, जिससे लोगों की मृत्यु होती है, तो ऐसे व्यक्तियों को भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 105 (गैर इरादतन हत्या) के तहत गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा, जिसके लिए अधिकतम सजा 10 वर्ष की जेल और जुर्माना है।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने कराची बेकरी के सामने किया प्रदर्शन

नाम बदलने की मांग

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा कार्यकर्ताओं ने पहलगाम नरसंहार और भारत पर पाकिस्तान के हमलों के विरोध में रविवार को शमशाबाद रोड स्थित कराची बेकरी के सामने विरोध प्रदर्शन किया। करीब एक दर्जन भाजपा कार्यकर्ता भारत के राष्ट्रीय झंडे लेकर बेकरी में घुस आए और पाकिस्तान के खिलाफ और सशस्त्र बलों की प्रशंसा में नारे लगाने लगे।

इसके बाद उन्होंने लाठी-डंडों से बेकरी के नाम वाले बोर्ड को नुकसान पहुंचाना शुरू कर दिया। पुलिस मौके पर पहुंची और प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर किया। भाजपा नेताओं ने बेकरी का नाम बदलने या ब्रांड नाम डिस्प्ले बोर्ड हटाने की मांग की। विशाखापत्तनम में कराची बेकरी आउटलेट पर भी इसी तरह का विरोध प्रदर्शन हुआ।

टीपीसीसी प्रमुख ने मुनुगोडु निर्वाचन क्षेत्र का दौरा किया

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी अध्यक्ष और एमएलसी महेश कुमार गौड़ मुनुगोडु निर्वाचन क्षेत्र के दौरे के दौरान स्थानीय विधायक कोमटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी ने मुनुगोडु विधायक शिविर कार्यालय में टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ का स्वागत किया।

बाद में, परिषद के अध्यक्ष गुत्ता सुखेंद्र रेड्डी, टीपीसीसी प्रमुख महेश कुमार गौड़, विधायक राजगोपाल रेड्डी और बीसी कल्याण संघ के अध्यक्ष जजुला श्रीनिवास गौड़ ने कोथुलारम गांव शिव मंदिर के वार्षिकोत्सव समारोह में भाग लिया। परिषद के अध्यक्ष, टीपीसीसी प्रमुख और विधायक ने शिव मंदिर के वार्षिकोत्सव के अवसर पर विशेष पूजा-अर्चना की, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण, निर्वाचन क्षेत्र के कांग्रेस पार्टी के नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए।

अक्षय पात्र को न देने की मांग

हनुमाकोंडा, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सीआईटीयू जिला सचिव रागुला रमेश ने मांग की है कि जिला शिक्षा विभाग के अधिकारी हनुमाकोंडा जिले में मध्याह्न भोजन योजना को अक्षय पात्र को देने के निर्णय को तुरंत वापस लें। रविवार को हनुमानकोंडा में के. शांता की अध्यक्षता में मध्याह्न भोजन कर्मियों की बैठक हुई। बैठक में भाग लेने वाले रागुला रमेश ने कहा कि 20 वर्षों से छात्रों के लिए भोजन बनाने वाले मध्याह्न भोजन कर्मियों के स्थान पर जिले में अक्षय पात्र के माध्यम से छात्रों को भोजन उपलब्ध कराने का निर्णय, कर्मचारियों को सड़क पर लाने जैसा है।

हरि ॐ प्रथम पुण्यतिथि हरि ॐ

स्व. श्रीमती भीकीबाई आगलेचा
धर्मपत्नी: स्व. श्री गंगारामजी आगलेचा
मरुधर में गादाणा (राज.) स्वर्गवास: 12.05.2024
ह्रदय की गहराइयों से आपको, श्रद्धांजलि अर्पित करते है हम। आपकी सरलता, सद्व्यवहार को, कभी न भुला पायेंगे हम।।
: श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता : खरताराम-दाखुदेवी (पुत्र-पुत्रवधु), प्रवीण-मोनिया (पौत्र-पौत्रवधु) एवं समस्त आगलेचा परिवार
: फर्म :
NEXON PAINTS PVT. LTD.
कमलापुरी कॉलनी, जुबलीहिल्स 9849774400, 9550774400
P.Solankey

पूर्व तट रेलवे

हाउस सर्जन (HOUSE SURGEONS) की नियुक्ति हेतु वॉक-इन-इंटरव्यू

रोजगार सूचना सं.: 01/2025-HS दिनांक : 08.05.2025

पूर्व तट रेलवे के वाल्टियर मण्डल के मण्डल रेलवे अस्पताल के लिए वॉक-इन-इंटरव्यू के माध्यम से अनुबंध के आधार पर एक हाउस सर्जन (House Surgeons) को एक वर्ष की समयावधि के लिए नियुक्त करने का प्रस्ताव है, जिसे संतोषजनक कार्य निष्पादन के आधार पर वार्षिक आधार पर नवीनीकृत किया जा सकता है।

रिक्ति की कुल संख्या: 01 संख्यक।

वॉक-इन इंटरव्यू के लिए पंजीकरण: साक्षात्कार के लिए पंजीकरण अनिवार्य है। पद के लिए आवेदन करने के इच्छुक योग्य उम्मीदवार पंजीकरण प्रयोजन के लिए संलग्न प्रारूप में सार्टिफिकेट (पीडीएफ) के साथ स्कैन किए गए आवेदन पत्र को ई-मेल आईडी: chosgazwat@gmail.com पर मेल के विषय "House Surgeons" उल्लेख करके 27.05.2025 को 1800 बजे तक भेज सकते हैं।

"वॉक-इन इंटरव्यू" का स्थान	तिथि, रिपोर्टिंग समय एवं "वॉक-इन इंटरव्यू" का समय
मुख्य चिकित्सा अधीक्षक का कार्यालय, मण्डल रेल अस्पताल, दोण्डापर्थी, वाल्टियर मण्डल, पिन-530004	28.05.2025 (बुधवार) वॉक इन इंटरव्यू 10:00 AM से शुरू होगा

द्रष्टव्य : आवेदन प्रारूप, शैक्षणिक योग्यता / पात्रता, आयु, पारिश्रमिक, और अन्य नियम एवं शर्तों के लिए कृपया वेबसाइट : www.eastcoastrail.indianrailways.gov.in ➲ About us ➲ Division ➲ Waltair Division ➲ Walk-in-Interview & Notification का अवलोकन करें।

PR-118/Q/25-26 वरिष्ठ मण्डल कार्मिक अधिकारी / वाल्टियर

विरोधाभासी आदेश पर एसडीएम से हाई कोर्ट ने मांगी जानकारी

प्रयागराज, 11 मई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने प्रयागराज की सोरांव तहसील के गांव सुल्तानपुर अकबर में चकरोड पर अतिक्रमण को लेकर विरोधाभासी रिपोर्ट देने के लिए एसडी एम सोरांव से दो सप्ताह में जानकारी मांगी है। यह आदेश न्यायमूर्ति मनीष कुमार निगम ने विद्याधर शुक्ल की याचिका पर दिया है। याची की तरफ से अधिवक्ता रमेश तिवारी ने बहस की। इनका कहना है कि एसडीएम ने 30अगस्त 2023 की रिपोर्ट में कहा कि चकरोड आराजी संख्या 364 की तरफ मोड़ दिया गया है। याची ने आराजी संख्या 118 से चकरोड अतिक्रमण की शिकायत की तो एसडीएम ने यह कहते हुए खारिज कर दिया कि याची की जमीन पर कोई अतिक्रमण नहीं हुआ है। एक तरफ एसडीएम ने कहा है कि चकरोड दूसरी आराजी में मोड़ दिया गया और दूसरी तरफ याची की जमीन से चकरोड को अतिक्रमण नहीं मान रहे हैं। कोर्ट ने इस विरोधाभासी स्टैंड पर जानकारी मांगी है। याचिका की सुनवाई दो सप्ताह बाद होगी।कट ऑफ से अधिक अंक तो क्यों नहीं किया चयनित : हाई कोर्ट इलाहाबाद हाई कोर्ट ने स्टाफ नर्स भर्ती परीक्षा-2023 में कट आफ से ज्यादा अंक पाने वाले अभ्यर्थियों के नाम चयन सूची में शामिल नहीं करने पर उप्र लोक सेवा आयोग से 12 मई तक जानकारी मांगी की है। यह आदेश न्यायमूर्ति अजित कुमार ने अर्चना रानी व दस अन्य की याचिका पर दिया है।

इससे पहले कोर्ट में आयोग की ओर से सीलबंद लिफाफे में परीक्षा परिणाम पेश किया था। कोर्ट ने पाया कि दस में केवल दो याची साधना यादव और अमन वर्मा ही कट आफ से ज्यादा अंक पाएं हैं, उनका नाम चयन सूची में नहीं है।

इस पर आयोग ने बताया कि साधना यादव का चयन टाई ब्रेक के कारण नहीं हुआ, जबकि अमन वर्मा के सवाल पर जानकारी नहीं दी गई। कोर्ट ने 12 मई की तारीख नियत कर आयोग को जानकारी पेश करने का आदेश दिया है।

किसी के अन्य के हित के लिए दाखिल जनहित याचिका खारिज

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने किसी अन्य के हित में दाखिल जनहित याचिका भविष्य में ऐसा न करने की चेतावनी के साथ खारिज कर दी है। कोर्ट ने कहा कि जनहित के अलावा अन्य उद्देश्य के लिए दाखिल याचिका पोषणीय नहीं है। यह आदेश मुख्य न्यायधीश अरुण भंसाली तथा न्यायमूर्ति क्षितिज शैलेंद्र की खंडपीठ ने कानपुर नगर के आकाश कुमार की जनहित याचिका पर दिया है। याची का कहना था कि याचिका के एक विपक्षी से डोर टू डोर मीटर रीडिंग व बिल वितरण का कार्य न लिया जाए। कोर्ट ने याची के अधिवक्ता से दाखिल किए गए दस्तावेजों का स्रोत पूछा तो अधिवक्ता जवाब नहीं दे सके। कोर्ट ने कहा कि प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत हो रहा है कि यह याचिका प्रतिवादी के प्रतिद्वंद्वी निविदादाता की ओर से दाखिल कराई गई है। याचिका का उद्देश्य जनहित में न होकर कुछ और है।

पटना एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन की जल निकासी पाइप में महिला का शव मिला

पटना, 11 मई (एजेंसियां)। पटना के जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा की नई टर्मिनल बिल्डिंग में वाटर हार्वेस्टिंग की पाइप काटकर एक अज्ञात महिला शव (35) बरामद किया गया। पुलिस का कहना है कि महिला अर्द्ध नग्न अवस्था में थी। उसके शरीर पर जख्म के निशान भी पाए गये हैं। घटनास्थल के पास से पुलिस ने एक मोबाइल भी बरामद किया है, जिसकी जाँच की जा रही है। घटना के संबंध में डीएसपी डॉ अन्नू ने बताया कि देर रात सूचना मिली कि पटना के जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा की नई टर्मिनल बिल्डिंग के वाटर हार्वेस्टिंग के पाइप में एक महिला की लाश है। सूचना मिलते ही हवाई अड्डा के थानाध्यक्ष के साथ वह घटनास्थल पर पहुंचे। लाश उस जगह पर फंसी हुई थी कि पाइप को काटकर शव को निकालना पड़ा। फिलहाल शव को पोस्ट मोर्टम के लिए आईजीआईएमएस भेज दिया गया है। महिला की लाश वर्षा की जल निकासी पाइप के अंदर कैसे गई? इसकी भी जांच की जा रही है।

छोटी बहन की शादी छोड़ फौजी दिलीप यादव बॉर्डर के लिए निकल पड़े

उन्नाव, 11 मई (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव लगातार बना हुआ है। सीजफायर के बाद भी पाकिस्तान ने ड्रोन अटैक किए, जिसका भारतीय सेना ने मुंहतोड़ जबाव दिया। फिलहाल भारतीय सेना और सुरक्षाबल अलर्ट पर हैं और सैनिक सीमा पर डटे हुए हैं। उत्तर प्रदेश के उन्नाव के रहने वाले फौजी दिलीप यादव के पास भी सेना की तरफ से फोन आया है और वह ड्यूटी पर जा रहे हैं।दरअसल उन्नाव के मुरावा ओकरी हिंदूपुर गांव के रहने वाले दिलीप यादव छुट्टी लेकर अपने घर आए हुए थे। मगर सीमा पर भारत-पाकिस्तान के बीच हालात बिगड़ गए। इसके बाद दिलीप यादव को भी वापस ड्यूटी पर बुला लिया गया। जैसे ही दिलीप की छुट्टियां रद्द होने की बात परिवार को पता चली तो परिवार में सब रो पड़े। बता दें कि दिलीप की छोटी बहन की शादी होनी थी। वह छोटी बहन की शादी के लिए ही छुट्टी लेकर अपने घर आए थे।

बहन की शादी की तैयारियां में लगे हुए थे और घर भी सज गया था। बारात के स्वागत की तैयारियां चल रही थीं। मगर तभी सीमा पर भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव हो गया। इसके बाद रक्षा मंत्रालय की तरफ से सैनिकों की छुट्टियां रद्द कर दी गईं।दिलीप यादव की भी छुट्टी सेना की तरफ से रद्द कर दी गईं और उन्हें तैनाती के आदेश दे दिए गए। सेना से आदेश मिलते ही दिलीप भी देश के लिए अपना फर्ज अदा करने के लिए अपने घर वापस चले गए।

पूर्व परिवहन मंत्री आरएन सिंह का निधन, पटना के मेदांता अस्पताल में ली अंतिम सांस

पटना, 11 मई (एजेंसियां)। पूर्व परिवहन मंत्री रामानंद प्रताप सिंह (आरएन सिंह) का निधन हो गया है। उन्होंने पटना के मेदांता अस्पताल में देर रात अंतिम सांस ली। 83 वर्षीय आरएन सिंह के निधन की खबर से खगड़िया में मातम पसर गया। उन्होंने परबत्ता का पांच बार बिहार विधानसभा में प्रतिनिधित्व किया था। पूर्व परिवहन मंत्री रामानंद प्रताप सिंह (आरएन सिंह) का निधन हो गया है। उन्होंने पटना के मेदांता अस्पताल में शनिवार देर रात अंतिम सांस ली। 83 वर्षीय आरएन सिंह के निधन से खगड़िया में मातम पसर गया। उन्होंने परबत्ता का पांच बार विधानसभा में प्रतिनिधित्व किया था। वर्तमान में परबत्ता विधानसभा सीट से आरएन सिंह के बेटे डॉ. संजीव कुमार विधायक हैं। जदयू के टिकट पर उन्होंने 2020 में विधानसभा का चुनाव लड़ा था। आरएन सिंह के निधन पर शोक संदेश का सिलसिला शुरू हो गया है। जेडीयू ने पार्टी की तरफ से पूर्व मंत्री को श्रद्धांजलि अर्पित की। वरिष्ठ नेता नीरज कुमार ने पूर्व मंत्री के निधन पर दुख जताया। उन्होंने एक्स पर लिखा, बिहार सरकार के पूर्व मंत्री आरएन सिंह का निधन दुखद। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और शोकाकुल परिजनों को दुःख सहने की शक्ति दे। आरएन सिंह के निधन से राजनीतिक हल्के में शोक की लहर दौड़ गई। खगड़िया के भी लोग सदमे में हैं। आरएन सिंह खगड़िया जिले के लोकप्रिय नेता थे। दिवंगत नेता के घर पर बड़ी संख्या में लोग पहुंचकर शोक संवेदना प्रकट कर रहे हैं। पूर्व मंत्री विनम्र और मिलनसार स्वभाव के थे। इलाके में लोगों के बीच छवि भी अच्छी थी। बताया जाता है कि इंजीनियर के पद से त्याग पत्र देकर आरएन सिंह ने राजनीति में कदम रखा था।

योगी आदित्यनाथ सरकार का नया रिकॉर्ड

एक साल में तीस लाख राजस्व मामले सुलझाए

लखनऊ, 11 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने एक और बड़ी प्रशासनिक उपलब्धि हासिल की है। बीते एक साल में प्रदेश के उप जिलाधिकारी (एसडीएम) और तहसीलदार स्तर पर 30 लाख से अधिक राजस्व मामलों का समाधान कर ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित किया गया है। इससे प्रदेश की जनता को जमीन और मालिकाना हक से जुड़े विवादों में त्वरित राहत और न्याय मिला है। सरकार के मुताबिक इनमें 24 लाख से अधिक नामांतरण यानी वारिसाना हक के मामलों का निस्तारण किया गया है। यह वो मामले होते हैं, जहां किसी की मृत्यु के बाद संपत्ति का नाम नए उत्तराधिकारी के नाम किया जाता है। पहले इन मामलों में वर्षों लग जाते थे, लेकिन अब इसे कुछ ही हफ्तों में निपटाया जा रहा है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर जमीन से जुड़े पैमाइश, बंटवारा, बेदखली और अकृषक उपयोग जैसे जटिल मामलों को भी प्राथमिकता से निपटाया गया है। सरकार के आंकड़ों के अनुसार-1.5 लाख से अधिक पैमाइश (भूमि की नाप-जोख), 1.5 लाख बंटवारे के मामले, 80 हजार बेदखली के मामले, 95 हजार अकृषक उपयोग (जमीन के इस्तेमाल में बदलाव) के मामले का समाधान किया गया है। यह प्रयास ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में रहने वाले उन लाखों लोगों के लिए बड़ी राहत है, जो वर्षों से जमीन संबंधी मामलों में उलझे थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में शासन ने स्पष्ट निर्देश दिए थे कि राजस्व मामलों को टालने की प्रवृत्ति पर रोक लगाई जाए और जनता को त्वरित न्याय मिले। इसके लिए नियमित समीक्षा बैठकों, पोर्टल आधारित ट्रैकिंग और अधिकारियों की जवाबदेही तय की गई। उत्तर प्रदेश जैसे बड़े और जनसंख्या बहुल राज्य में जमीन से जुड़े विवाद प्रशासनिक और सामाजिक समस्याओं का बड़ा कारण रहे हैं। नामांतरण, बंटवारा, या कब्जा जैसे विवाद अदालतों और तहसीलों में लंबित रहते हैं। इन मामलों में तेजी लाने के लिए राज्य सरकार ने डिजिटलीकरण, ऑनलाइन आवेदन व्यवस्था और सीएम हेल्पलाइन जैसी कई पहल की हैं, जिनका असर अब जमीन पर साफ दिख रहा है।

जनता को न्याय, प्रशासन को नई साख

इस अभियान से जहां आम नागरिकों को अपने अधिकार और समाधान मिलने में मदद मिली है, वहीं प्रशासन की कार्यशैली में पारदर्शिता और जवाबदेही भी बढ़ी है। इससे प्रदेश में निवेश और विकास की राह भी आसान हुई है, क्योंकि जमीन से जुड़े विवाद समय पर न सुलझें तो औद्योगिक व निजी परियोजनाएं भी अटक जाती हैं।योगी सरकार के इस प्रयास को 'गुड गवर्नेंस' यानी सुशासन की दिशा में एक मजबूत कदम माना जा रहा है, जो भविष्य में भी आम जनता को राहत पहुंचाता रहेगा।

मुरादाबाद में रेल हादसा! रामगंगा पुल पर दो हिस्सों में बंट गई मालगाड़ी, जिसने देखा डर गया

मुरादाबाद, 11 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में रविवार (11 मई) की सुबह एक रेल हादसा हो गया। दिल्ली से लखनऊ वाली रेलवे लाइन पर दौड़ रही मालगाड़ी जब मुरादाबाद के कटघर थाना इलाके में रामगंगा नदी पर बने पुल पर पहुंची, तो अचानक से दो हिस्सों में बंट गई। इस दृश्य को देख राहगीरों मे भय का माहौल पैदा हो गया। हादसा देखते ही आसपास को लोग वहां इक्ठ्ठा हो गए। हादसे की सूचना मिलने पर रेलवे अधिकारियों में भी हड़कंप मच गया। सूचना पाकर स्टेशन मास्टर और इंजीनियर्स की टीम घटनास्थल पर पहुँची और वहां पहुंचकर कड़ी मशक्कत से और ट्रैक की मरम्मत कर मालगाड़ी को रवाना किया। इस दौरान आधे घंटे तक दिल्ली लखनऊ रेलवे लाइन पूरी तरह से बाधित रही। स्थानीय शोभित कुमार ने बताया कि रामगंगानदी के पुल पर से एक मालगाड़ी गुजर रही थी। अचानक उसके चार से पांच डिब्बे छूट गए और बाकी की ट्रेन आगे चली गई। करीब आधे घंटे तक डिब्बे पुल के अंदर ही खड़े रहे। आधे घंटे तक रेलवे गार्ड लगातार अधिकारियों को फोन करते रहे। बाद में रेलवे के अधिकारी आए और ट्रेन को जोड़ा। फिर मालगाड़ी चली गई। गार्ड ने रेलवे अधिकारियों को फोन कर जानकारी दी कि मालगाड़ी की कपलिंग टूटने की वजह से ट्रेन दो हिस्सों में बंट गई। इंजन सहित कुछ डिब्बे आगे चले गए, जबकि गार्ड के डिब्बे सहित कुछ वैगन पुल पर ही खड़े रह गए। करीब 30 मिनट बाद घटनास्थल पर रेलवे के अधिकारी और स्टाफ के सदस्य आए और कपलिंग जोड़ी गई। इसके बाद मालगाड़ी को मुरादाबाद जंक्शन के लिए रवाना किया गया।

होमवर्क नहीं किया तो शिक्षक ने छात्र की बेरहमी से पिटाई की, फटा कान का पर्दा

मुजफ्फरपुर, 11 मई (एजेंसियां)। जिले के पारू प्रखंड के हरपुर कपरफोरा मध्य विद्यालय में एक शिक्षक ने होमवर्क पूरा नहीं करने पर एक छात्र की बुरी तरह पिटाई कर दी। इस पिटाई में छात्र का कान का पर्दा फट गया और शरीर पर भी कई जगह चोट के निशान हैं। अब परिजनों ने पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के मुताबिक, छात्र जब स्कूल गया तो होमवर्क अधूरा था। इससे नाराज शिक्षक ने गुस्से में आकर उसे बेरहमी से पीट दिया। पिटाई के बाद छात्र को कान में तेज दर्द होने लगा। जब परिजनों ने उससे पूछा तो उसने बताया कि उसे शिक्षक ने मारा है। परिजन तुरंत बच्चे को अस्पताल लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने बताया कि कान का पर्दा फट गया है। इसके बाद परिजनों ने स्थानीय थाना में लिखित शिकायत देकर न्याय की मांग की है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

बेरोजगारी और पलायन को शिवदीप ने बनाया मुद्दा बताया कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगी हिंद सेना

पटना, 11 मई (एजेंसियां)। चुनाव से पहले आईपीएस की नौकरी छोड़ 'हिंद सेना' नामक नई पार्टी बनाने वाले शिवदीप लांडे का लगाव लखीसराय से जाहिर है। शिवदीप लांडे दो दिवसीय दौरे पर लखीसराय पहुंचे। उन्होंने दौरे की शुरुआत श्री अशोक धाम में पूजा अर्चना से की। मंदिर के ट्रस्टी डॉक्टर प्रवीण कुमार सिन्हा और सदस्य मनोरंजन कुमार ने प्रतीक चिन्ह देकर हिंद सेना प्रमुख का स्वागत किया। पूजा अर्चना के बाद शिवदीप लांडे ने शिक्षण संस्थान में युवा साथियों संग संवाद कार्यक्रम को संबोधित किया। संबोधन में उन्होंने कहा कि हिंद सेना 243 सीटों पर मजबूती से चुनाव लड़ेगी। राजनीति में युवाओं को मौका दिए जाने की वकालत करते हुए हिंद सेना प्रमुख ने कहा कि बिहार को बेहतर विकल्प देना है। शिवदीप लांडे ने कहा, बिहार में 60 लाख शिक्षित युवा बेरोजगार हैं। इंडस्ट्री नहीं होने के कारण प्राइवेट नौकरियों का भी अभाव है। बेरोजगारी और पलायन राज्य की सबसे बड़ी समस्या है।

लखीसराय दौरे पर शिवदीप लांडे

उन्होंने कहा कि काफी संभावना होने के बाद आज भी राज्य पिछड़ा है। बिहार को बदलने में युवाओं की ऊर्जा सबसे ज्यादा सहायक होगी। बिहार से लगाव को याद करते हुए हिंद सेना प्रमुख ने कहा, मुझे हर जाति और वर्ग का समर्थन मिल रहा है। लोगों को हिंद सेना से काफी उम्मीदें हैं। बिहार की सेवा और विकास के लिए मैं सड़क पर हूं। पलायन और बेरोजगारी की समस्या पर काबू नहीं पाने से बिहार जल्द बूढ़ों का राज्य बन कर रह जायेगा। बिहार की धरती हमेशा मेरे लिए कर्मभूमि रही है।

हिंद सेना की गिनाई प्राथमिकता

उन्होंने कहा कि युवाओं के साथ महिलाओं का जीवन भी बहुत कठिन है। शिवदीप लांडे ने कहा, कई गावों तक बुनियादी सुविधाएं अभी तक नहीं पहुंचीं हैं। करोड़ों रुपये की योजनाओं के बावजूद साफ पानी और बिजली की सुविधा हर जगह नहीं है। शिक्षा की स्थिति बदतर होने साथ स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाएं भी नदारद हैं। हिन्द सेना राष्ट्रवाद, सेवा और समर्पण के सिद्धांतों पर कार्य करेगी। बिहार की सेवा और विकास ही हमारा प्रथम और आखिरी लक्ष्य है। अगले कार्यक्रम के रूप में उन्होंने प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित किया। फेसबुक पेज पर पार्टी का सदस्य बनने के लिए फॉर्म जारी करते हुए शिवदीप लांडे ने संस्थापक सदस्य बनने का विकल्प दिया। उन्होंने बताया कि दौरे का उद्देश्य स्थानीय लोगों से सीधा संवाद कर समस्याओं को जानना और जमीनी हकीकत से रूबरू होना है।

चंपारण से एक साथ 4 नाबालिग लड़कियां लापता, सकते में पुलिस

बेतिया, 11 मई (एजेंसियां)। बिहार में पश्चिम चंपारण जिले के नवलपुर थाना क्षेत्र के सेमरी भवानीपुर गांव में कोहराम मचा है। इस गांव की चार नाबालिग लड़कियां एक साथ गायब हो गई हैं। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और बच्चियों की तलाश की जा रही है। दर्ज प्राथमिकी के अनुसार सुबह लगभग 8 बजे चारों बच्चियां घर से मवेशियों के लिए चारा काटने निकली थीं। कुछ ही देर बाद उन्हें गांव के पीछे बगीचे में एक साथ बैठे हुए देखा गया था, लेकिन इसके बाद से वे चारों अचानक लापता हो गईं। परिजनों ने जब दोपहर तक बच्चियों को वापस आते नहीं देखा तो खोजबीन शुरू की, लेकिन कहीं कोई सुराग नहीं मिला।

काफी देर तक स्थानीय स्तर पर खोजबीन करने के बाद परिजनों ने संध्या 6 बजे नवलपुर थाने को घटना की जानकारी दी। घटना की सूचना मिलते ही नवलपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी। इस घटना के बाद पूरे सेमरी अंसारी टोला गांव में दहशत फैल गई है। लोग आशंकित हैं और बच्चियों की सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त कर रहे हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से त्वरित कार्रवाई की मांग की है। वहीं इस संबंध में सदर एसडीपीओ-2 रजनीशकांत प्रियदर्शी ने जानकारी देते हुए बताया कि हमें चार बच्चियों के लापता होने की सूचना मिली है। एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पुलिस टीम सक्रिय है और शहर के विभिन्न इलाकों की सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है। परिजनों से भी लगातार संपर्क कर हर संभव जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस ने अपहरण, भटकाव या अन्य किसी संभावित कारणों से भी जांच शुरू कर दी है।

सौरभ हत्याकांड की फाइनल चार्जशीट तैयार 2000 पन्नों में दर्ज है खौफनाक वारदात के सबूत

मेरठ, 11 मई (एजेंसियां)। मेरठ के बहुचर्चित सौरभ राजपूत हत्याकांड में पुलिस ने 2000 पन्नों की चार्जशीट तैयार कर ली है। चार्जशीट में साफ लिखा गया है कि यह हत्या तंत्र-मंत्र के कारण नहीं, बल्कि प्रेम-प्रसंग की वजह से की गई थी। पुलिस ने कहा है कि आरोपी साहिल और सौरभ की पत्नी मुस्कान ने मिलकर इस खौफनाक साजिश को अंजाम दिया। इस चार्जशीट में दर्ज है कि 3 मार्च की शाम सौरभ जब मेरठ में अपने किराए के घर पहुंचे, तो मुस्कान ने खाने में नशीली दवा मिलाकर उन्हें बेहोश किया। इसके बाद मुस्कान ने प्रेमी साहिल को बुलाया। दोनों ने मिलकर बेहोश सौरभ के सीने में चाकू घोंपकर उसकी हत्या कर दी। फिर बाथरूम में ले जाकर शव के चार टुकड़े किए। सिर, दोनों हाथ और धड़ को अलग किया गया।पुलिस की चार्जशीट के अनुसार, शव को पहले सूटकेस में भरकर फेंकने की योजना थी। लेकिन सूटकेस छोटा पड़ गया। इसके बाद दोनों ने शव के टुकड़े एक नीले ड्रम में सीमेंट के घोल में डालकर बंद कर दिए। पुलिस को बेड बॉक्स से खून से सना सूटकेस और उसमें एक हड्डी का टुकड़ा मिला, जो सीमेंट डालते समय गिर गया था। वहीं, चादर, चाकू, उस्तरा, गद्दे का टुकड़ा, और नीला ड्रम भी सबूत के तौर पर मिले हैं। चार्जशीट में मुस्कान और साहिल के बयानों का भी जिक्र है। दोनों ने कबूला कि वो आठवीं कक्षा तक साथ पढ़े थे और शादी के बाद दोबारा संपर्क में आए। सौरभ के बाहर रहने की वजह से मुस्कान और साहिल का रिश्ता गहरा हो गया था। उन्होंने हत्या की साजिश मिलकर रची और 3 मार्च को उसे अंजाम दिया। हत्या का खुलासा तब हुआ जब 18 मार्च को मुस्कान की मां कविता रस्तोगी ने बेटी की खोजबीन शुरू की। बेटी मुस्कान से फ़ोन पर बातचीत के दौरान कविता रस्तोगी ने बेटी मुस्कान से सौरभ के बारे में पूछा और कहा पीहू पापा से बात करना चाहती है जिसके बाद मुस्कान टालती रही, लेकिन जब मां ने कहा कि पोती पीहू पापा से बात करना चाहती है, और बात करा तब मुस्कान टूट गई और हत्या की बात कबूल कर ली। इसके बाद सौरभ के बड़े भाई राहुल उर्फ बबलू ने ब्रह्मपुरी थाने में शिकायत दी। पुलिस ने उसी रात मुस्कान और साहिल को गिरफ्तार कर लिया। जांच में उनके घर से खून के धब्बे, दीवारों पर निशान और शव के नष्ट किए गए सबूत मिले। पुलिस ने चार्जशीट एसपी ऑफिस को सौंप दी है। उम्मीद है कि 12 से 14 मई के बीच कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की जाएगी, क्योंकि इन्हीं तारीखों में मुस्कान और साहिल की न्यायिक रिमांड पर सुनवाई भी होनी है।

कासगंज में तेज रफ्तार कैंटर ने स्कूटी सवार मामा-भांजे को मारी टक्कर, तीनों की मौके पर ही मौत

कासगंज, 11 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कासगंज जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। घटना बीती रात करीब 12 बजे की है। रामजीत अपने दो भांजो रवेन्द्र और गौरव के साथ स्कूटी नंबर 8857 पर अलीगढ़ से वापस अपने गांव गंगा गढ़ लौट रहे थे। तभी वो सोरों गेट तिराहे पर रुके हुए थे और आपस में बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान कैंटर नंबर यूपी25 ईटी 2847 ने तेज रफ्तार और लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए उन्हें पीछे से टक्कर मार दी। ये सड़क हादसा कोतवाली कासगंज क्षेत्र के सोरों गेट तिराहे पर हुआ है। मृतकों में रामजीत और उनके दो भांजे रवेन्द्र और गौरव शामिल हैं। वहीं घटना के बाद पुलिस ने मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि हादसे में तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में स्कूटी भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

'जिम्मेदारियां निभाना मैंने आपसे सीखा है'

मदर्स डे पर राबड़ी देवी की बेटी ने किया भावुक पोस्ट

पटना, 11 मई (एजेंसियां)। मई महीने के दूसरे रविवार को मदर्स डे मनाया जाता है। भारत समेत दुनिया भर में 11 मई रविवार को धूमधाम से मदर्स डे मनाया जा रहा है। आज का दिन मां के नाम समर्पित होता है। विशेष मौके पर बच्चे मां के प्रति आभार प्रकट करते हैं। मां के प्यार, बलिदान और तपस्या को याद किया जाता है। आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने भी सोशल मीडिया पर पोस्ट के जरिए मदर्स डे को सेलिब्रेट किया है। उन्होंने मां राबड़ी देवी के साथ एक्स पर फोटो शेयर करते भावुक पोस्ट लिखा। रोहिणी आचार्य ने कहा, मां।। मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकती कि आप हमारे लिए क्या हैं। मैं बस इतना कह सकती हूं कि जिम्मेदारियों को निभाना मैंने आपसे ही सीखा है, आप हमारे परिवार का दिल और हमारी आत्मा हैं। हैप्पी मदर्स डे! बता दें कि रोहिणी आचार्य की मां राबड़ी देवी बिहार की मुख्यमंत्री रही हैं। आज का दिन मां को याद कर स्पेशल बनाया जा रहा है।

लालू यादव की बेटी ने मां को किया याद

बच्चे ममता के आंचल में पल बढ़कर जवान होते हैं। मां बच्चों की खुशियों पर जिंदगी न्योछावर करने को तैयार रहती है। बच्चों की सफलता में मां की खुशियां छिपी होती हैं। बच्चों के जीवन में मां का योगदान अमूल्य होता है। आज मां के लिए बच्चे प्यार, आभार और सम्मान प्रकट कर रहे हैं।

चिराग पासवान ने मदर्स डे की दी बधाई

लोजपा प्रमुख चिराग पासवान ने भी मदर्स डे की बधाई दी है। आप भी मदर्स डे को खास बना सकते हैं। बिजी लाइफ में मां के साथ समय बिताकर आज का दिन खास बनाएं। समय मिलने पर मां को घुमाने ले जाएं या गिफ्ट के जरिए भी आज का दिन खास बना सकते हैं। रोहिणी आचार्य की तरफ मां की तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर कर मदर्स डे की बधाई भी दी जा सकती है।

फुटपाथ पर सो रहे मजदूर की हत्या

इंदौर, 11 मई (एजेंसियां)। इंदौर के नंदलालपुरा इलाके में रात एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां फुटपाथ पर सो रहे एक मजदूर की पत्थर मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान 40 वर्षीय नारायण पांचाल के रूप में हुई है, जो मूल रूप से भोपाल का निवासी था लेकिन वर्षों से इंदौर में रहकर हम्माली का काम करता था। यह घटना नंदलालपुरा सब्जी मंडी के पास घटी, जहां नारायण एक दुकान के बाहर फुटपाथ पर सोया हुआ था। रात करीब तीन बजे एक अज्ञात बदमाश वहां पहुंचा और नारायण की जेब से पैसे निकालने की कोशिश की। विरोध करने पर आरोपी ने इंटरलॉकिंग टाइल से उसके सिर पर जोरदार वार किया, जिससे नारायण की मौके पर ही मौत हो गई। मामले की जानकारी सुबह राहगीरों को तब लगी जब उन्होंने खून से लथपथ शव देखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी।

नौरादेही की बाघिन राधा बनी नानी, एन-112 ने दिया चार शावकों को जन्म, टाइगर रिजर्व में अब 24 बाघ

दमोह, 11 मई (एजेंसियां)। दमोह जिले से होकर निकले प्रदेश के सबसे बड़े वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व से खुशखबरी सामने आई है। यहां के नौरादेही अभ्यारण्य की बाघिन एन-112 ने दूसरी बार चार शावकों को जन्म दिया है। यह एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है क्योंकि महज सात साल के अंदर यह जंगल बाघों से आबाद हो गया है। टाइगर रिजर्व में अब बाघों की संख्या 24 पहुंच गई है। वहीं, नौरादेही को आबाद करने वाली पहली बाघिन राधा फिर से नानी बन गई है। बता दें कि बाघिन एन-112, टाइगर रिजर्व की पहली बाघिन एन-1 राधा की संतान है। बाघिन राधा को 2018 में नर बाघ एन-2 किशन के साथ रिजर्व में लाया गया था। एन-1 और एन-2 की जोड़ी ने पहली बार तीन शावकों को जन्म दिया था और नौरादेही के जंगल में पहली बार बाघ का परिवार देखा गया था। इनके नाम रखे गए थे एन-111, एन-112 और एन-113। अब एन-112 खुद दूसरी बार मां बनकर अपनी मां राधा की विरासत को आगे बढ़ा रही है। टाइगर रिजर्व की टीम ने शनिवार को ट्रैप कैमरे की निगरानी में एन-112 को पहली बार अपने चार नवजात शावकों के साथ देखा। वह घने जंगल के छायादार क्षेत्र में अपने बच्चों को दूध पिलाते और आराम कराते नजर आई। बता दें कि वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में 2019 से अब तक का सफर एक सफल ब्रीडिंग प्रोजेक्ट की मिसाल बन चुका है। एन-1 ने दो बार शावकों को जन्म दिया, जिसमें पहली बार में 3 और दूसरी बार में 4 शावक जन्मे। वहीं एन-111 ने मई 2023 में चार शावकों को जन्म दिया था। एन-112 ने नवंबर 2023 में पहले चार और मई 2025 में फिर चार शावकों को जन्म दिया है। इस तरह अब कुल बाघों की संख्या 24 हो चुकी है, जिसमें प्राकृतिक जन्म से हुई बढ़ोतरी के साथ-साथ प्रदेश के अन्य टाइगर रिजर्व से लाए गए बाघ-बाघिन भी शामिल हैं। रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर डॉ। एए अंसारी के अनुसार एन-112 के सभी शावक स्वस्थ हैं। अभी इनकी सही लोकेशन की जानकारी नहीं दी जा सकती। सुरक्षा के मद्देनजर निगरानी बढ़ा दी गई है।

आईसीएआर के पूर्व महानिदेशक का नदी में पड़ा मिला शव, हत्या या आत्महत्या

श्रीरंगपटना, 11 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक के श्रीरंगपटना, मांड्या के पास कावेरी नदी में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के पूर्व महानिदेशक और पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित सुब्बन्ना अय्यप्पन का शव मिला है। पुलिस ने बताया कि लोगों ने शनिवार को उनका शव नदी में तैरता हुआ देखा और उसे बाहर निकाल लिया। 70 वर्षीय सुब्बन्ना अय्यप्पन एक कृषि और मत्स्य पालन वैज्ञानिक थे। सुब्बन्ना अय्यप्पन आईसीएआर का नेतृत्व करने वाले पहले गैर-फसल वैज्ञानिक थे। पुलिस के मुताबिक उनका स्कूटर भी नदी के किनारे मिला है। पुलिस ने कहा कि इस मामले की जांच की जा रही है और उनकी मौत की क्या वजह थी। इसका पता लगाने की कोशिश कर रही है।सुब्बन्ना अय्यप्पन मैसूर के विश्वेश्वर नगर औद्योगिक क्षेत्र के रहने वाले थे। सुब्बन्ना अय्यप्पन के परिवार वालों ने मैसूर के विद्यारण्यपुरम पुलिस स्टेशन में उनको लेकर शिकायत दर्ज कराई थी कि वह 7 मई से लापता हैं। पुलिस ने बताया कि वह श्रीरंगपटना में कावेरी नदी के तट पर स्थित साईं बाबा आश्रम में अक्सर ध्यान किया करते थे। भारत की 'नीली क्रांति' में अहम भूमिका निभाने वाले सुब्बन्ना अय्यप्पन के परिवार में उनकी पत्नी और दो बेटियां हैं।, जिनका उनकी मौत के बाद रो-रोकर बुरा हाल है। जहां पर सुब्बन्ना अय्यप्पन का शव मिला। वह मैसूर से करीबन 200 मीटर दूर है। अब पुलिस उनकी मौत के कारणों का पता लगाने के लिए जांच में जुटी है। पुलिस श्रीरंगपटना में भी उनकी लोकेशन ट्रैक करके ही पहुंची थी। सुब्बन्ना अय्यप्पन के शव को अब पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। शुरुआती तौर पर कहा जा रहा है कि सुब्बन्ना अय्यप्पन ने नदी में छलांग लगाई होगी और आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है। अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। इसके बाद मौत के असल कारण का पता चल सकेगा। उन्होंने आईसीएआर में 2016 तक काम किया था। इस दौरान साल 2013 में उन्हें राज्योत्सव अवॉर्ड से भी नवाजा गया था। इसके बाद तीन साल पहले साल 2022 में उन्हें पद्मश्री से भी भारत सरकार ने सम्मानित किया था।

हिमाचल से उठी मांग, तुर्किये से सेब आयात पर प्रतिबंध लगाए सरकार; पाक की मदद करने से बागवान खफा

शिमला, 11 मई (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच तुर्किये की ओर से पाकिस्तान की मदद करने से हिमाचल के बागवान खफा हो गए हैं। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की है कि तुर्किये से सेब समेत हर प्रकार के आयात पर प्रतिबंध लगाया जाए। हिमाचल प्रदेश फूल, फल एवं सब्जी उत्पादक संघ के अध्यक्ष हरीश चौहान ने कहा कि तुर्किये से बड़ी मात्रा में सेब देश के लिए आयात किया जाता है। इसका असर हिमाचल प्रदेश के सेब बागवानों की आमदनी पर पड़ रहा है। यानी तुर्की का सेब देश के बाजारों में अटा पड़ा होने से हिमाचल प्रदेश के सेब को उचित दाम नहीं मिल पाते हैं। उन्होंने कहा कि तुर्किये ने पाकिस्तान का साथ देकर भारत के साथ विश्वासघात किया है। ऐसे में उसके साथ व्यापारिक समझौतों की समीक्षा होनी चाहिए और वहां से सेब समेत अन्य सामान के आयात पर तत्काल प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। इसी प्रकार से कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता और विधायक कुलदीप सिंह राठौर ने कहा कि भारत को तुर्किये से सेब और अन्य सामान के आयात पर तुरंत प्रतिबंध लगाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारे देशवासियों को इस कृतघ्न देश को सबक सिखाने के लिए पर्यटन और उसके सामान का बहिष्कार करना चाहिए। राठौर ने कहा कि जब तुर्किये में विनाशकारी भूकंप आया था, तब भारत ने एनडीआरएफ और सहायता को भेजा था। इस तरह की सहायता भेजकर भारत ने ऑपरेशन दोस्त शुरू किया था। भारत ने मलबे में फंसे लोगों की मदद के लिए गरुड़ एयरोस्पेस ड्रोन भेजे और दवा व भोजन ले जाने के लिए मॉडिफाइड किसान ड्रोन भेजे। अब उसी कृतघ्न देश ने ऑपरेशन दोस्त के लिए धन्यवाद देने के बजाय भारत की पीठ में छुरा घोंपा है। संकट की घड़ी में मदद पाने वाले तुर्किये ने पाकिस्तान को सैन्य सहायता प्रदान की है। उन्होंने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि वह तुर्किये से होने वाले व्यापारिक संबंधों की तुरंत समीक्षा करे। देश की जनता से अपील की कि तुर्किये की वस्तुओं और पर्यटन का पूर्ण बहिष्कार करे। सतत और रसायनमुक्त कृषि को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य मंत्रिमंडल ने चंबा जिला के पांगी को राज्य का पहला प्राकृतिक खेती उपमंडल घोषित करने को स्वीकृति दी है। इसका उद्देश्य राज्य में प्राकृतिक खेती पारिस्थितिकी प्रणाली को मजबूत करना है। राज्य सरकार की ओर से पांगी घाटी में प्राकृतिक खेती पद्धति अपनाने वाले किसानों को बढ़ावा देने के लिए एक विशेष किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) स्थापित किया जाएगा। यह संगठन प्राकृतिक पद्धति से उगाए गए उत्पादों के विपणन में सहायता प्रदान करने, फसल उत्पादन में अंतराल को दूर करने, प्राकृतिक उत्पादों की आपूर्ति और उत्पादन का समुचित प्रबंधन, उपज के लिए प्रभावी ग्रेडिंग, पैकेजिंग और बाजार लिंकेज सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाएगा। प्रदेश सरकार के एक प्रवक्ता ने कहा कि एफपीओ से किसानों को उनकी प्राकृतिक उपज के लिए बेहतर मूल्य प्राप्त करने में सहायता मिलने के साथ-साथ उपयुक्त बाजारों तक पहुंच सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि पंचायत स्तर पर सीईटीएआरएएनएफ प्रणाली के तहत किसानों के समूहों को विकसित और प्रमाणित किया जाएगा,

ट्रेन से कटकर महिला और पुरुष की मौत'

हरिद्वार, 11 मई (एजेंसियां)। हरिद्वार के ज्वालापुर कोतवाली क्षेत्र में रविवार दोपहर एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। भगत सिंह चौक और सेक्टर-2 बैरियर के बीच रेलवे ट्रैक पर एक महिला और पुरुष के क्षत-विक्षत शव मिलने से सनसनी फैल गई। आशंका जताई जा रही है कि दोनों ने एक साथ ट्रेन के आगे कूदकर जान दी है। घटना रविवार को दोपहर करीब 12:30 बजे की है। जब तेज रफ्तार ट्रेन के गुजरने के कुछ ही समय बाद स्थानीय लोगों ने पटरी पर शव देखे और तुरंत पुलिस को सूचना दी। ज्वालापुर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतकों की अभी तक पहचान नहीं हो सकी है। घटनास्थल के आसपास कोई पहचान पत्र या सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है,

'पाकिस्तान घुटने के बल आ चुका है', सीएम मोहन यादव बोले- निकालेंगे तिरंगा रैली

भोपाल, 11 मई (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर हो गया है। इस बीच मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा, 'आज का समय पूरे देश और देश के प्रत्येक नागरिक के लिए हमारी सरकार पर, प्रधानमंत्री पर और सभी सेनाओं पर गर्व करने का मौका है। 22 अप्रैल के कायराना हमले पर जो प्रधानमंत्री ने कहा हम किसी को छेड़ते नहीं है कोई अगर हमको छेड़ेगा तो हम छोड़ेंगे नहीं। यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है पाकिस्तान घुटने के बल आ चुका है। आतंकवादियों ने निर्दोष लोगों की जो हत्या की, उस कायराना हरकत को आतंकवादियों ने अंजाम दिया, लेकिन उसके पीठ पर पाकिस्तान बैठा हुआ है। सीएम मोहन यादव ने कहा, 'पीएम मोदी की यह प्रतिबद्धता है। हमने यह तीसरी बार एहसास किया है। पहली बार जब सर्जिकल स्ट्राइक करके दुश्मन को उसके घर में घुसकर मारा, तो बिना किसी नुकसान के हमारे सैनिक सकुशल वापस लौट आए। इसके बाद हमने एयरस्ट्राइक देखी, जब मूछ वाला अभिनंदन आतंकवादियों के घर के अदर बम के गोले गिराने गया था और किसी कारण से उसका प्लेन क्रैश हुआ, जिस ढंग से उसे बंदी बनाया गया। सोवियत रूस से जिस प्रकार से हमने डिफेंस सिस्टम लिया है। रूसी डिफेंस सिस्टम में आकाश में आयरन डॉम बना करके हमार भारतीय नागरिकों की जो रक्षा की, मैं इसका अभिनंदन करता हूं।' सीएम मोहन यादव ने कहा, 'कल और परसो के दिन हम तिरंगा यात्रा निकालेंगे। पूरे देश की सेना के साथ खड़े होकर के देशभक्ति के जुनूम में हम अपने आप को भी रंग लेंगे। कल मैं इंदौर में मैं तिरंगा यात्रा निकालूंगा। परसो धूमधाम भोपाल में तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। दुश्मन के देश के अदंर घुसकर आतंकवादियों को मारने के बाद पीएम मोदी ने जो साख कमाई है वह 56 इंच के सीने का कमाल है। बता दें कि भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर हो चुका है। ऐसे में बॉर्डर इलाके में शांति बहाल है।'

डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे का बयान, बोले- पाक जानता है, अगर वो लड़ेगा तो हार जाएगा

मुंबई, 11 मई (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच बीते कुछ दिनों काफी तनाव देखने को मिला। भारतीय सेनाओं द्वारा 9 आतंकवादी ठिकानों पर हमला किए जाने के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया। ऐसे में बौखलाई हुई पाकिस्तान की सेना ने भारत पर कई मिसाइल हमले किए जिसे भारतीय एयर डिफेंस सिस्टम में बर्बाद कर दिया। इस बीच अब भारतीय सेना और पाकिस्तान की सेना के बाद सीजफायर हुआ है। हालांकि भारत सरकार ने सुरक्षाबलों को आतंकवाद से निपटने के लिए खुली छूट दे रही है। वहीं कुछ देर बाद सरकार द्वारा इस मामले पर प्रेस कॉन्फ्रेंस किया जाएगा। इस मामले पर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा, पाकिस्तान के डीजीएमओ ने भारत के डीजीएमओ से बात करके युद्ध विराम की पहल की थी। भारत हमेशा अपनी प्रतिबद्धता पूरी करता है। लेकिन पाकिस्तान ने बेईमानी की। प्रधानमंत्री मोदी ने पाकिस्तान को खुद में सुधार लाने के लिए शांति वार्ता के तौर पर युद्ध विराम पर सहमति जताई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जानते थे कि ये पाकिस्तानी ऐसा करेंगे। इसीलिए उन्होंने युद्ध विराम का जिक्र तक नहीं किया। पाकिस्तान जानता है कि अगर वे भारत से लड़ेंगे तो हार जाएंगे।

सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर राहुल धांधलानिया के घर फायरिंग हमलावरों ने दी ये धमकी

झज्जर, 11 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के झज्जर जिले में सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर राहुल धांधलानिया के घर पर फायरिंग से सनसनी फैल गई है। सोशल मीडिया पर राहुल अपने देसी अंदाज और चर्चित डायलॉग बाबे की दया तै₹ के लिए मशहूर हैं। यह घटना उस समय हुई जब राहुल घर पर मौजूद नहीं थे, जिससे बड़ा हादसा टल गया। मिली जानकारी के अनुसार, 2 युवक मोटरसाइकिल पर सवार होकर राहुल के घर पहुंचे और अचानक फायरिंग शुरू कर दी। गोलीबारी के बाद आरोपियों ने वहां मौजूद लोगों को धमकाते हुए कहा, राहुल सोशल मीडिया पर हमारे बारे में बोलता है, अब देख लेंगे उसको। इस धमकी से राहुल और उनके परिवार की सुरक्षा पर सवाल उठने लगे हैं। गनीमत रही कि घटना के समय राहुल घर पर मौजूद नहीं थे। हमले के तुरंत बाद इलाके में अफरातफरी मच गई। स्थानीय लोगों की सतर्कता और तत्परता से एक हमलावर को मौके पर ही पकड़ लिया गया, जबकि दूसरा आरोपी उस वक्त वहां से फरार हो गया। पुलिस ने छानबीन तेज करते हुए कुछ ही घंटों में दूसरे आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया।

'1971 के हालात 2025 के हालात नहीं हैं

पाकिस्तान के साथ सीजफायर के मुद्दे पर बोले शशि थरूर

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच लगातार जारी सैन्य झड़पें अब समाप्त हो गई हैं। दोनों देशों ने शनिवार को सीजफायर पर समझौता कर लिया है। भारत ने मिसाइल हमले पाकिस्तान के सभी प्रमुख एयरबेस को तबाह कर दिया। पाकिस्तान ने लगातार भारत के ऊपर मिसाइल और ड्रोन से हमले किए जिसे भारत के एयर डिफेंस ने तबाह कर दिया। इसके बाद पाकिस्तान ने सीजफायर की मांग की। अब भारत और पाकिस्तान के इस सीजफायर की तुलना साल 1971 के भारत-पाक युद्ध से की जा रही है। इस तुलना को लेकर कांग्रेस नेता शशि थरूर ने बड़ा बयान दिया है। भारत और पाकिस्तान के बीच बनी सहमति पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा, हम एक ऐसे चरण में पहुंच गए थे जहां तनाव बेवजह नियंत्रण से बाहर हो रहा था। हमारे लिए शांति जरूरी है। सच तो यह है कि 1971 के हालात 2025 के हालात नहीं हैं। मतभेद हैं।।। यह ऐसा युद्ध नहीं था जिसे हम जारी रखना चाहते थे। हम बस आतंकवादियों को सबक सिखाना चाहते थे और वह सबक सिखाया गया है। मुझे यकीन है कि सरकार पहलगाम की भयावहता को अंजाम देने वाले व्यक्तियों की पहचान करने और उनका पता लगाने की कोशिश जारी रखेगी। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने सोशल मीडिया पर इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्री पद के कार्य की तुलना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रुख से करने के बारे में पूछे जाने पर कहा- 1971 एक महान उपलब्धि थी, इंदिरा गांधी ने उपमहाद्वीप का नक्शा फिर से लिखा, लेकिन परिस्थितियां अलग थीं। बांग्लादेश एक नैतिक कारण से लड़ रहा था, और बांग्लादेश को आजाद कराना एक स्पष्ट उद्देश्य था। पाकिस्तान पर सिर्फ गोले दागते रहना एक स्पष्ट उद्देश्य नहीं है।

बच्चे का पेट देख डॉक्टर भी रह गए हैरान, खेल-खेल में निगल लिए थे 6 चुंबक

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। अपोलो अस्पताल के डॉक्टरों ने लैप्रोस्कोपी सर्जरी और एंडोस्कापी के जरिये एक नौ वर्षीय बच्चे के पेट से छह मैग्नेट निकाले। अस्पताल के डॉक्टरों ने हाल ही में यह सर्जरी कर बच्चे की सर्जरी की थी। गलती से खेल-खेल में बच्चे द्वारा ये मैग्नेट निगल लेने से आंतों में अवरोध हो गया था। सर्जरी के बाद बच्चे के स्वास्थ्य में सुधार है। अस्पताल के अनुसार वह बच्चा ग्रेटर नोएडा का रहने वाला है। करीब 10 दिन पहले पेट में तेज दर्द, उल्टी और सूजन के साथ अस्पताल में भर्ती हुआ था। इसके बाद सात मई को उसके पेट की सीटी स्कैन जांच की गई। जिसमें छोटी आंत में समूह के रूप में छोटे-छोटे चुंबक मौजूद होने की बात पता चली। इसके बाद पीडियाट्रिक गैस्ट्रोइंटेरोलाजी व पीडियाट्रिक यूरोलाजी के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने प्रोसीजर किए।

उमर अब्दुल्ला के सीजफायर वाले बयान पर महबूबा मुफ्ती बोलीं

'जब दो देश की सेनाएं आमने-सामने होती हैं तो तनाव कम होने में समय लगता है'

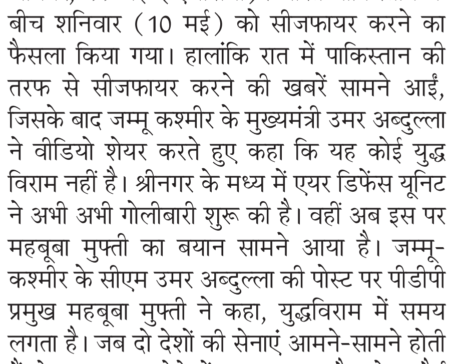

श्रीनगर, 11 मई (एजेंसियां)। भारत पाकिस्तान के बीच शनिवार (10 मई) को सीजफायर करने का फैसला किया गया। हालांकि रात में पाकिस्तान की तरफ से सीजफायर करने की खबरें सामने आईं, जिसके बाद जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने वीडियो शेयर करते हुए कहा कि यह कोई युद्ध विराम नहीं है। श्रीनगर के मध्य में एयर डिफेंस यूनिट ने अभी अभी गोलीबारी शुरू की है। वहीं अब इस पर महबूबा मुफ्ती का बयान सामने आया है। जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला की पोस्ट पर पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा, युद्धविराम में समय लगता है। जब दो देशों की सेनाएं आमने-सामने होती हैं तो तनाव कम होने में समय लगता है। थोड़ा धैर्य रखना चाहिए। हमें ऐसे लोगों में नहीं बदलना चाहिए जो हमेशा युद्ध लड़ने के लिए तैयार रहते हैं। उन्होंने आगे कहा, जब युद्ध होता है, तो लोग अपना घर खो देते हैं, अपनी जान गंवा देते हैं, बच्चे मारे जाते हैं, वे अनाथ हो जाते हैं और अस्पताल भर जाते हैं। इसलिए, युद्ध किसी भी चीज का समाधान नहीं है। मुझे लगता है कि हमें धैर्य रखना चाहिए इसके अलावा महबूबा मुफ्ती ने भारत-पाकिस्तान समझौते पर कहा, मुझे उम्मीद है कि संघर्ष विराम को स्थायी बनाया जाएगा ताकि लोग अपने घरों में वापस जा सकें। हमारा देश बहुत बड़ा देश है, इसकी अर्थव्यवस्था बहुत बड़ी है, इसे बड़े भाई की भूमिका निभानी चाहिए, भारत सरकार को खुद पहल करनी चाहिए और राजनीतिक प्रक्रिया शुरू करनी चाहिए और देखना चाहिए कि पाकिस्तान के साथ क्या मुद्दा है। पड़ोसियों के साथ अच्छे संबंध बनाने चाहिए। इससे पहले मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भारत पाकिस्तान के बीच हुए सीजफायर का स्वागत किया था। उन्होंने कहा, मैं भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम बहाली के बारे में भारत सरकार के प्रवक्ता द्वारा की गई घोषणा का तहे दिल से स्वागत करता हूं। उन्होंने आगे कहा, देर आए दुरुस्त आए, लेकिन यदि यह संघर्ष विराम दो या तीन दिन पहले हो जाता, तो शायद जो रक्तपात हमने देखा और जो बहुमूल्य जानें हमने गंवाईं, वे सुरक्षित होतीं।

पैसे लेकर ट्रैवल एजेंट ने नहीं की बुकिंग, सिंगापुर में फंसा परिवार

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। विकासपुरी इलाके के दीपक शर्मा ने अदिति सिंह उर्फ कुसुम नामक ट्रैवल एजेंट के खिलाफ धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। शिकायतकर्ता का दावा है कि अदिति ने सिंगापुर हॉलिडे पैकेज के नाम पर उनसे एक लाख दस हजार रुपये लिए, पर यात्रा के समय कोई इंतजाम नहीं किया। इस वजह से उनका परिवार सिंगापुर में बिना ठिकाने के फंस गया। इस धोखाधड़ी से दीपक को करीब 6 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। विकासपुरी थाना पुलिस ने इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में दीपक शर्मा ने बताया कि उन्होंने मार्च में अदिति के माध्यम से 25 से 29 अप्रैल तक के लिए सिंगापुर हॉलिडे पैकेज बुक किया था। इस पैकेज में होटल, कार और सिंगापुर के पर्यटन स्थलों के टिकट शामिल थे। उन्होंने इसके लिए एक लाख दस हजार रुपये का भुगतान किया था। दीपक 20 अप्रैल से नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर में कंपनी के काम से गए थे। उन्होंने बताया कि उनकी पत्नी और 14 वर्षीय बेटी 25 अप्रैल को उनके साथ छुट्टियों के लिए सिंगापुर पहुंचीं, लेकिन उसी दिन अदिति ने अचानक कॉल कर बताया कि उनके द्वारा किए गए सभी बुकिंग्स उपलब्ध नहीं हैं और उन्हें खुद व्यवस्था करनी होगी। नतीजतन, दीपक को आखिरी समय में होटल और अन्य व्यवस्थाओं के लिए लगभग पांच गुना अधिक कीमत चुकानी पड़ी, जिससे उन्हें कुल छह लाख रुपये का नुकसान हुआ। दीपक ने बताया कि उनकी पत्नी और बेटी को बिना ठिकाने के सिंगापुर में भटकना पड़ा, जिससे परिवार को मानसिक और आर्थिक परेशानी झेलनी पड़ी।

पठानकोट में फिर हुए धमाके, रणजीत सागर डैम के पास गूंजी आवाज, एयरबेस के पास हुआ था हमला

पठानकोट, 11 मई (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध जैसे हालातों के बीच पठानकोट में रविवार सुबह धमाके हुए हैं। रणजीत सागर डैम के पास शाहपुरकंडी की तरफ रविवार सुबह 10.40 मिनट पर दो जोरदार धमाकों की आवाज सुनाई। इस घटना से आसपास के एरिया में हड़कंप मच गया। इससे पहले शनिवार रात को इसी क्षेत्र में चार ड्रोन भी देखे गए थे। इससे पहले शनिवार सुबह 11:20 बजे पाकिस्तान ने पठानकोट एयरबेस मिनी एयरक्राफ्ट (यूएवी) से हमला किया था। हालांकि मिनी एयरक्राफ्ट साथ लगते हिमाचल प्रदेश के डमटाल क्षेत्र में जा गिरा। जैसे ही यूएवी से धमाका हुआ तो इससे एक युवती घायल हो गई। जबकि दो मवेशियों की मौत हो गई है। एयरक्राफ्ट के साथ फिस्फोक्ट सामग्री भी थी। धमाका इतना जबरदस्त था कि हिमाचल के साथ पठानकोट भी दहल उठा। धमाके वाली जगह के आसपास लोगों के घर घरों को नुकसान पहुंचा है। ऐसे हमले सुबह 4:20 से शुरू हुए और 12 बजे तक चलते रहे। सूत्रों के अनुसार पठानकोट एयरबेस को भी मामूली नुकसान पहुंचा है। भारी संख्या में सुरक्षा एजेंसियां गांव डमटाल पहुंच मामले की जांच में जुट चुकी है और एयरक्राफ्ट के मलबे को जब्त कर लिया है। शनिवार सुबह पठानकोट एयरबेस की तरफ पाकिस्तान ने ड्रोन व मिसाइलें दागीं। हालांकि, भारतीय सेना ने इसका मुंहतोड़ जवाब देते हुए एस-400 से मिसाइल व ड्रोन को हवा में ही नष्ट कर दिया। वहीं, गुरदासपुर के काहनूवान के गांव राजू बेला में मिसाइल गिरने से दहशत बढ़ गई है। पाकिस्तान का एक ड्रोन ध्वस्त होकर पठानकोट के साथ लगते गांव माजरा के खेतों में जा गिरा। पड़ोसी देश तीन बार पठानकोट एयरबेस स्टेशन को अपना निशाना बना चुका है, लेकिन एयरबेस पूरी तरह सुरक्षित है। दिन में हुए पाकिस्तान की तरफ से हमलों को देखने लोग अपनी घरों की छतों पर चढ़ गए थे। सेना की जवाबी कार्रवाई को लोग घरों में देखने लगे। जिले में आज भी ब्लैकआउट जारी रहेगा। हमलों के बाद पठानकोट में रेड अलर्ट जारी कर दिया गया। जिला प्रशासन की तरफ से तुरंत पठानकोट के सभी बाजार बंद करवा दिए और लोगों को अपने घरों में रहने को कहा गया। दुकानों और घरों पर मिसाइल के टुकड़े गिरने से लोगों में थोड़ा डर बढ़ा लेकिन उन्हें अपनी सरकार और सेना पर पूरा भरोसा है। चाहे जो हो जाए, हम अपने देश की सेना के साथ हैं। ढांगू रोड निवासी व्यापारी राजेश शर्मा उर्फ सेठी ने बताया कि हम प्रशासन के साथ है और इससे रोजगार जरूर प्रभावित हो रहा है लेकिन, देश के लिए वे भी अपना फर्ज जरूर निभाएंगे।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 12 मई - 2025

ललकारने वाले दुश्मन को भारत ने कभी नहीं बख्शा

सुरेश गांधी

भारत का इतिहास केवल सभ्यता और संस्कृति का नहीं, बल्कि वीरता, आत्मबलिदान और विजयी संघर्षों का भी रहा है। राजा अशोक से लेकर छत्रपति शिवाजी महाराज और फिर स्वतंत्रता संग्राम के महानायकों तक, भारत ने हर युग में यह सिद्ध किया है कि जब बात उसकी अखंडता और गौरव की होती है, तो वह अडिग खड़ा होता है। 1971 के बाद यह पहली बार हुआ जब थलसेना, वायुसेना और नौसेना ने एक साथ साझा कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान के अंदर गहराई तक हमला बोला। भारत ने आतंकवादी संगठनों जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के ठिकानों को निशाना बनाते हुए आतंकवाद के नेटवर्क की रीढ़ तोड़ दी। ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत ने पूरी दुनिया को यह स्पष्ट संदेश दे दिया कि आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करने में वह किसी भी हद तक जा सकता है। चाहे वह दुश्मन की धरती पर कितनी भी गहराई में क्यों न हो. यह पहली बार हुआ जब किसी देश ने खुले तौर पर एक परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्र के भीतर इतने अंदर तक सैन्य कार्रवाई की और सफल रहा. मतलब साफ है पहलगाम हमले में मारे गए 25 भारतीयों और एक नेपाली नागरिक की शहादत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र से वादा किया था कि आतंकियों और उनके संरक्षकों को दंड मिलेगा. ऑपरेशन सिंदूर उस वादे को पूरा करने का ऐतिहासिक उदाहरण बन गया. ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ एक सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि एक नई रणनीति, नया आत्मविश्वास और भारत की नई सैन्य नीति की घोषणा है. अब भारत सिर्फ रक्षात्मक नहीं, बल्कि आक्रामक रणनीति के साथ आतंक के ठिकानों पर सर्जिकल प्रहार कर रहा है. यह ऑपरेशन हमेशा याद किया जाएगा भारत न केवल एक प्राचीन सभ्यता है, बल्कि यह वह राष्ट्र है जिसने युद्धभूमि पर भी बार-बार साबित किया है कि वह न हारता है, न झुकता है, और न ही डरता है। जब शांति की बात आती है, तो भारत सबसे आगे होता है, और जब युद्ध थोप दिया जाता है, तब वही भारत अपने शत्रु के अहंकार को चूर-चूर कर देता है। पहली बार भारत ने केवल आतंकी ठिकानों को नहीं, बल्कि नेतृत्व स्तर के आतंकियों को भी निशाना बनाया. 2001 संसद हमले, 26/11 मुंबई हमले और हालिया पहलगाम आतंकी हमला रणनीतिक दृष्टि से बेहद निर्णायक रहा. भारत की सेनाओं ने जब उकसावे का जवाब देना शुरू किया तो पाकिस्तान की चूलें हिल गई. हाल यह है कि अब वहां के विदेश मंत्री इशाक डार का कहना है कि पाकिस्तान युद्ध नहीं बल्कि शांति चाहता है. हालांकि यह पहली बार नहीं है जब भारत द्वारा पाकिस्तान को उसकी औकात दिखाए, जाने के बाद वहां के किसी मंत्री ने अपने कदम पीछे खींचने की बात की हो. पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ, जिन्होंने पहले कहा था कि 'या तो हम (पाकिस्तान) बचेंगे या कोई नहीं बचेगा', उन्होंने भी अपने बयान से यू-टर्न लेते हुए कहा कि अगर भारत सीमा पर अपनी कार्रवाई रोक देता है तो पाकिस्तान भी तनाव नहीं बढ़ाना चाहेगा. पहलगाम आतंकी हम ले के बाद जवाबी कार्रवाई करते हुए भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में 9 जगहों पर एयर स्ट्राइक करके जैश, लश्कर और हिजबुल मुजाहिदीन के आतंकी शिविरों को तबाह कर दिया. भारत ने स्पष्ट किया था कि उसने सिर्फ आतंकी शिविरों को टारगेट किया और पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठानों या रिहायशी इलाकों को निशाना नहीं बनाया. गेंद पाकिस्तान के पाले में थी कि वह तनाव बढ़ाना चाहता है या शांति का रास्ता अख्तियार करता है. उसने तनाव बढ़ाने की कोशिश की और भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों व रिहायशी इलाकों को ड्रोन और मिसाइलों से निशाना बनाया. हालांकि, पाकिस्तानी हमले को भारत के मजबूत एयर डिफेंस ने हवा में ही निष्क्रिय कर दिया. बता दें कि भारतीय सेना के 'ऑपरेशन सिंदूर' के खिलाफ पाकिस्तानी सेना ने 'ऑपरेशन बुन्यान-उन-मर्सूस' शुरू किया, जिसे भारत ने चंद घंटों में ही विफल कर दिया. पाकिस्तान ने अपने ऑपरेशन के तहत भारत के उधमपुर, पठानकोट, बठिंडा और भुज एयरफोर्स स्टेशनों को निशाना बनाया लेकिन उसकी मिसाइलें भारतीय वायुसेना के एयर डिफेंस सिस्टम को भेदने में नाकाम रहीं. पाकिस्तान ने इन हमलों के लिए अपनी हाई स्पीड मिसाइलों का उपयोग किया, जिन्हें भारत के एयर डिफेंस ने हवा में ही नष्ट कर दिया. इन हमलों में भारतीय एयर फोर्स स्टेशनों को सीमित क्षति पहुंची.' इसके जवाब में भारत ने पाकिस्तान के 6 सैन्य ठिकानों पर हमले किए, जिनमें से रफीकी, मुरीद, चकलाला, रहीम यार खान, सुक्कुर और चुनिया एयरबेस शामिल हैं. भारतीय हमले में पाकिस्तान के रफीकी, मुरीद, चकलाला और रहीम यार खान एयरबेस को काफी नुकसान पहुंचा है. भारतीय सेना ने इस दौरान कोलैटरल डैमेज यानी आम नागरिकों और संरचनाओं को नुकसान न हो, इसका पूरा ध्यान रखा. भारत के रक्षा मंत्रालय ने भी स्पष्ट किया कि हमारी जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान को गंभीर सैन्य नुकसान पहुंचा है. भारतीय वायु सेना के लड़ाकू विमानों ने अपने सटीक हमले में पाकिस्तान के तकनीकी संस्थापन, कमांड एंड कंट्रोल सेंटर, रडार साइट्स और हथियारों के भंडारण को तबाह कर दिया है. इन हमलों के बाद पाकिस्तान को समझ में आ गया कि भारत की तीनों सेनाओं और उनके हथियारों की पहुंच उसके क्षेत्र में बहुत अंदर तक है. इसीलिए इशाक डार अब तनाव कम करने की गुजारिश की. परिणाम यह रहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच अब युद्धविराम हो गया है. विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा कि दोनों देशों के डीजीएमओ के बीच बातचीत हुई थी. इसमें फैसला लिया गया था कि 5 बजे से दोनों देश आकाश, जल, और थल पर तत्काल हमले रोक देंगे. इसके साथ ही दोनों देशों के बीच सीजफायर हो गया है. 12 मई को दोनों देशों के अधिकारी आगे की रणनीति पर चर्चा करेंगे. उधर, पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि भारत और पाकिस्तान ने तत्काल प्रभाव से संघर्षविराम पर सहमति जताई है. उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने हमेशा क्षेत्र में शांति और सुरक्षा के लिए प्रयास किए हैं, अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता से समझौता किए बिना भारत और पाकिस्तान के बीच अचानक घोषित हुए संघर्षविराम के पीछे बड़ी कूटनीतिक वजह है, विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डो.भाल और विदेश मंत्री एस. जयशंकर बीते कई दिनों से अपने अमेरिकी समकक्षों के साथ लगातार बातचीत में शामिल थे. इन वार्ताओं का उद्देश्य सीमा पर बढ़ते तनाव को समाप्त कर एक शांतिपूर्ण समाधान तक पहुंचना था. फिरहाल, ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेनाओं ने पहली बार पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के भीतर जाकर मुरिदके, बहावलपुर, सियालकोट जैसे प्रमुख स्थानों पर मिसाइल और हवाई हमले किए. यह वही क्षेत्र हैं जहां आतंकी संगठनों के मुख्यालय और ट्रेनिंग सेंटर मौजूद थे और जो वर्षों से भारत पर हमलों की साजिशें रचते आए हैं. यह भारत की ओर से पाकिस्तान की धरती पर पिछले पांच दशकों का सबसे बड़ा और सबसे गहरा सैन्य अभियान था. इससे पहले 2016 के सर्जिकल स्ट्राइक और 2019 के बालाकोट एयरस्ट्राइक ने पाकिस्तान को चेतावनी दी थी, लेकिन ऑपरेशन सिंदूर ने स्पष्ट कर दिया कि भारत अब केवल चेतावनी नहीं देगा सीधे कार्रवाई करेगा. इस ऑपरेशन में भारत ने पहली बार अपने अत्याधुनिक हथियारों का खुलकर प्रदर्शन किया, जिसमें एससीएलपी क्रूज मिसाइल, एचएएमएमइआर स्मार्ट बम और लॉइटरिंग म्यूनिशन (घूमकर निशाना साधने वाले ड्रोन) शामिल है. इन हथियारों ने पाकिस्तान की वायु रक्षा प्रणाली को अप्रभावी साबित कर दिया.

ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने 9 बड़े आतंकवादी हब को पूरी तरह ध्वस्त किया. इन ठिकानों से संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिबंधित आतंकी हाफिज सईद, मसूद अजहर और अल-कायदा जैसे संगठनों से जुड़े आतंकीगतिविधियों को संचालित किया जा रहा था. इन हमलों में दर्जनों आतंकियों के मारे जाने की पुष्टि हुई है. ऐतिहासिक युद्धों की झलक 1947 - 48 (पहला भारत-पाक युद्ध) भारत ने जम्मू-कश्मीर को बचाने के लिए पाकिस्तान के कबायलियों और सेना को पीछे धकेला। सरदार पटेल के नेतृत्व में भारत ने प्रबल राजनीतिक इच्छाशक्ति दिखाई।

पाकिस्तान भरोसेलायक नहीं

सीजफायर के बाद भी पाकिस्तान ने जिस तरह से शनिवार रात भारत के कई हिस्सों पर बमबारी की कोशिश की उससे उसका दोहरा चरित्र उजागर होता है। पाकिस्तान की करतूतों को देखते हुए भारत ने भी निर्णय लिया है कि बॉर्डर पर तैनात जवान अभी नहीं हटाए जाएंगे। आज सोमवार को डीजीएमओ की मीटिंग के बाद ही कुछ ठोस कदम उठाए जाने की उम्मीद है। तबतक बीएसएफ के जवान पहले की तरह सीमा पर मुस्तैद रहेंगे क्योंकि पाकिस्तान अब भरोसे लायक बिल्कुल भी नहीं रहा है। शनिवार को रात जम्मू सेक्टर में पाकिस्तानी रेंजर्स ने सीजफायर के बाद अचानक गोलाबारी शुरू कर दी, जिसका बीएसएफ ने करारा जवाब दिया। इससे पाकिस्तान घुटनों पर आ गया और रहम की भीख मांगने पर मजबूर हो गया। 12 मई को होने वाली डीजीएमओ की मीटिंग के बाद ही फैसला लिया जाएगा कि असल में 'मूवमेंट' का क्या करना है। अभी जवानों की नफरी में कुछ कमी या बढ़ोतरी नहीं की जाएगी। इतना जरूर है कि अब फायरिंग दोनों तरफ से बंद कर दी गई है, लेकिन पाकिस्तान ने सीजफायर का उल्लंघन किया तो उसका जवाब देने में भारत तनिक भी देरी नहीं करेगा। बीएसएफ अधिकारियों की मुस्तैदी पाकिस्तान बॉर्डर पर पहले की तरह ही रहेगी। पाकिस्तान का कोई भरोसा नहीं। डीजीएमओ मीटिंग के बाद दोनों देशों के बीच स्थिति पूरी तरह से साफ हो जाएगी और नतीजे सकारात्मक निकलते हैं तो फिर उसी हिसाब से बॉर्डर से तैनाती को कम या ज्यादा किया जा सकेगा। जिस तरह से पाकिस्तान की तरफ से 8 और 9 मई को भारत पर ड्रोन अटैक किया गया, उससे सबसे अधिक परेशानी बॉर्डर इलाकों में रहने वाले लोगों को ही उठानी पड़ी है। जरूरत के मुताबिक, उन्हें शिफ्ट भी किया गया था और कुछ गांवों को खाली कराने पर भी काम किया जा रहा था। लेकिन अब सीजफायर की घोषणा के बाद कम से कम बॉर्डर इलाके के गांवों को खाली नहीं कराया जाएगा। बार्डर वालों की सुरक्षा के लिए तैनात जवानों की मुस्तैदी में कहीं कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। जवान पहले की तरह ही 24 घंटे अलर्ट मोड पर रहेंगे ताकि पाकिस्तान की तरफ से कोई हरकत करने पर तुरंत उसकी ही भाषा में जवाब दिया जा सके। अधिकारियों का कहना है कि अब बॉर्डर इलाकों में भी हालात तेजी से सामान्य होते जा रहे हैं। बता दें कि जम्मू सेक्टर में शुक्रवार रात करीब 9 बजे पाकिस्तानी रेंजर्स ने बिना उकसावे के बीएसएफ चौकियों पर गोलाबारी शुरू कर दी थी। इसके जवाब में बीएसएफ के जवानों ने पाकिस्तान के सियालकोट जिले के लूनी में पाकिस्तानी सीमा क्षेत्र में स्थित आतंकवादियों के एक लॉन्च पैड को तबाह कर दिया। जवाबी फायरिंग में पाकिस्तानी रेंजर्स की चौकियों और संपत्तियों को बड़े स्तर पर नुकसान पहुंचाया गया है। सूत्रों ने यह भी बताया कि जम्मू में आरएस पुरा में पाकिस्तान की तरफ से की गई गोलीबारी में बीएसएफ के आठ जवान घायल हो गए थे, जिनका उपचार जारी है। भारत सरकार की भी हर गतिविधियों पर कड़ी नजर है। इसके लिए पीएम मोदी ने एक उच्चस्तरीय बैठक कर हालात की समीक्षा की है।

एआई मानव के दिमाग का एक विकल्प

रघु ठाकुर

कृत्रिम मेधा के खतरे निरंतर बढ़ते जा रहे और नए-नए आयाम छूते जा रहे हैं। कई बार यह चिंता होती है कि क्या यह मेधा की तकनीक इंसान को धरती पर रहने भी देगी या इंसान का विकल्प बन जाएगी? पिछले दिनों कुंभ मेले की खबर थी कि रामगढ़ के एक सीसीएल कर्मी अखिलेश प्रजापति अपनी 65 वर्षीय मां को घर में ताले में बंद कर पत्नी बच्चों के साथ कुंभ स्नान करने चले गए। एक दिन बाद उसकी मां संजू देवी ने जोर जोर से चीख चीख कर मदद की गुहार लगाई और पड़ोसी उसकी आवाज सुनकर वहां पहुंचे तो देखा मुख्य द्वार पर ताला लगा है, और संजू देवी अंदर बंद है। पड़ोसियों ने संजू देवी की बेटी चांदनी देवी को सूचना दी। चांदनी देवी और और उसके मामा रामगढ़ थाने गए तथा पुलिस ने वार्ड पार्षद संगीता देवी के सहयोग से ताला तोड़कर संजू देवी को बाहर निकाल कर बिस्किट पानी इत्यादि दिए और उनकी बेटी उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले गई।

लोगों ने उनके बेटे को संपर्क किया तो उसने बताया की 16 फरवरी को वे सपरिवार कुम्भ स्नान को निकले थे और अपनी मां के लिए खाना और चूड़ा छोड़कर गए थे तथा उनकी मां ने ही उन्हें जाने के लिए कहा था। संभव है कि 65 वर्षीय वृद्ध और बीमार मां ने अपने बेटे बहू के मन और आग्रह को समझकर अपनी स्वीकृति दे दी हो, या यह भी हो सकता है की परंपरा और संस्कारों के मानसिक दबाव में उनने सहमति दी हो या आगे आने वाले 4-5 दिनों में क्या दिक्कत हो सकती है उन्हें समझे बगैर ही अपनी स्वीकृति दे दी हो, पर यह तो सब तर्क-वितर्क और कल्पनाएं हैं। मूल प्रश्न यह है कि क्या ऐसी वृद्ध बीमार माँ को बंदकर ताला लगाकर अकेले छोड़कर जाना चाहिए था?

मानवीय पक्ष तो यह था कि उनकी मां अगर उनसे जाने का आग्रह भी करती तब भी वे जाने से इनकार करते या पति-पत्नी या बच्चों में से किसी एक को उनके पास छोड़कर जाते। अगर इतना भी मन नहीं था तो अपनी बहन या भाई को उनकी जवाबदारी देकर जाते। पर बीमार माँ को अकेले छोड़कर कुम्भ स्नान को जाना या मोक्ष प्राप्ति का कार्य, क्या कोई अच्छा या पुण्य कार्य माना जा सकता है? मैं, ईश्वर है या नहीं और अगर है तो किस स्वभाव के है, स्वर्ग या नर्क पुण्य व मोक्ष की बहस में जाए बगैर यह अवश्य सोचता हूँ कि अगर वास्तव में कोई ईश्वर होंगे तो वह ऐसे व्यक्ति को ना पुण्य का अधिकारी मानेंगे ,ना मोक्ष का और अगर वास्तव में कोई स्वर्ग-नरक का विभाजन होता होगा तो ईश्वर भी इस व्यक्ति को नरक ही भेजेंगे। इस घटना से जुड़ी हुई एक घटना 22 मार्च 2025 को सामने आई। मेरे साथी मुकेश चंद्रा, जो मशीन व तकनीक से खेलने के अभ्यस्त हैं, ने इस समाचार को पढ़कर एलन मस्क के एआई को इस घटना पर कविता बनाने के लिए, निर्देशित किया और लगभग 5 सेकंड में उसने निम्नलिखित कविता लिखकर उनको भेज दी ग्रोक को निर्देश- बीमार माँ को घर में बंदकर कुम्भ गया।

इस पर एक व्यंग कविता हिंदी में लिखो

ग्रोक से प्राप्त कविता,

बीमार माँ को घर में ठूंसा,

कुम्भ में स्नान का ढोंग रचाया,

पाप धोने का बहाना लेकर,

अंदर का पाप और बढ़ाया।

तन को पानी से नहलाया,

मन का मैल वहीं रह गया,

माँ की कराहें सुन न सके,

तीर्थ का तमाशा ले आया।

भीड़ में भक्ति का नाटक किया,

घर में लाचार को भूल गया,

कुम्भ से लौटा पवित्र बनकर,

पर दिल का काला रंग न ढका।

मैं कविता की गुणवत्ता पर विशेष चर्चा नहीं कर रहा हूं, बल्कि इस काव्य लेखन में जो खतरे मैं देख रहा हूं उसकी चर्चा कर रहा हूं। अगर अब एआई साहित्य रचेगी, निबंध लिखेगी और इतिहास, विज्ञान,समाज, मशीन, तकनीक, गणित और यहां तक कि व्यक्तियों के बारे में अपनी राय देगी तो क्या वह स्थानापन्न मानव नहीं बन जाएगी और अगर यह एआई मानवता का दूसरा रूप बन जाती है तो निम्न प्रकार के खतरे दुनिया और मानवता के सामने होंगे यह विचारणीय है?

1. मानव की सभी योग्यताएं और योग्यताओं की कसौटियां समाप्त हो जाएगी?

2. साहित्य लेखन या कविता के बारे में जो मानवीय प्रतिभा है वह धीरे-धीरे प्रासंगिकता खो देगी व समाप्त हो जाएगी। इस एआई की भावी दुनिया में इतिहासकार, वैज्ञानिक, समाज वैज्ञानिक,साहित्यकार,चिकित्सक शिक्षक पुलिस आदि सब एआई होगी। 3. यह कितनी बेरोजगारी पैदा करेगी और युद्ध जैसे खतरों पर कितनी अमानवीय व क्रूर होगी इसकी कल्पना करना कठिन है।

4. अमानव रूपी मशीन रोबोट घर और समाज से लेकर सरकार और सड़क तक, संसद से लेकर युद्ध तक सब काम करेगी। 5. मशीनी युद्ध होंगे, मशीन मारेगी और मशीन मरेगी और इसका परिणाम दीमक के साथ घुन रूप में है, मानवता के पिसने का होगा? क्या यह संपूर्ण मानवता को हत्यारा और बेरोजगारी कदम नहीं होगा? या इन्हें अपनी मौत में धकेलना वाला नहीं होगा? रोबोट या एआई की एक छोटी सी गलत सूचना दुनिया को परमाणु युद्ध की ओर धकेल सकती है और नष्ट कर सकती है। कृत्रिम मेधा के विकास के लिए दुनिया की, एलन मस्क जैसों की कुछ कंपनियां 27 लाख डाटा सेंटर बना रही हैं और एक डाटा सेंटर के ऊपर लगभग 30 लाख लोगों के उपयोग के बिजली के बराबर बिजली खर्च होगी यानी समूची दुनिया की आबादी की जरूरत से भी अधिक इन डाटा सेंटरों पर बिजली खर्च होगी। इसके लिए विपुल मात्रा में बिजली उत्पादन के दो ही मुख्य स्रोत होंगे-एक सौर ऊर्जा दूसरा परमाणु ऊर्जा। सौर ऊर्जा के इतने बड़े संग्रह के लिए कितनी जमीन एवं धातु आदि लगेगी इसका आंकलन तो अभी होना है, परंतु इतने बड़े पैमाने पर बिजली बनाने के लिए जितने न्यूक्लियर प्लांट लगेंगे वह अपने आप में न्यूक्लियर बोम्ब जैसे होंगे। दुनिया में जिन दो स्थानों पर न्यूक्लियर प्लांट में लीकेज हुए थे उनमें एक जापान में था दूसरा रूस के चेनोबिल में था।

जापान ने तो अपनी उन्नत तकनीक और राष्ट्र के लिए समर्पित कार्य पद्धति के द्वारा उसे शीघ्र नियंत्रित कर लिया था, परंतु चेनोबिल में नियंत्रण हेतु कई सप्ताह लगे थे तथा समुद्र से सटे एक बड़े भाग में परमाणु रेडियेशन फैला था। यह बिजली की खपत वर्तमान योजना की तुलना में काफी कम दिखती है।

जब छोटे से प्लांट पर 27 लाख डाटा सेंटर की जरूरत की पूर्ति के लिए हजारों न्यूक्लियर प्लांट लगाए जाएंगे, तब उनकी सुरक्षा और दुर्घटना से रक्षा एक असंभव सी घटना होगी। अब दुनिया और मानवता के सामने एक गंभीर खतरा है, जिनका उत्तर दुनिया को खोजना होगा और उनके उत्तर खोजने के लिए दुनिया को विवश होकर गांधी और लोहिया के विचारों की ओर मुड़ना होगा।

समाज के लिए नर्सों के योगदान को नमन

योगेश कुमार गोयल

दया और सेवा की प्रतिमूर्ति फ्लोरेंस नाइटिंगेल को आधुनिक नर्सिंग की जन्मदाता माना जाता है, जिनकी आज हम 205वीं जयंती मना रहे हैं। प्रतिवर्ष उन्हीं की जयंती को ही 12 मई को अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस के रूप में मनाया जाता है और इस विशेष अवसर पर स्वास्थ्य क्षेत्र में कार्यरत नर्सिंग कर्मियों के योगदान को नमन करना बेहद जरूरी है। 'लेडी विद द लैंप' के नाम से विख्यात नाइटिंगेल का जन्म 203 वर्ष पहले 12 मई 1820 को इटली के फ्लोरेंस शहर में हुआ था। भारत सरकार द्वारा वर्ष 1973 में नर्सों द्वारा किए गए अनुकरणीय कार्यों को सम्मानित करने के लिए उन्हीं के नाम से 'फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार' की स्थापना की गई थी, जो प्रतिवर्ष अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस के अवसर पर प्रदान किए जाते हैं। फ्लोरेंस नाइटिंगेल एक बेहद खूबसूरत, पढ़ी-लिखी और समझदार युवती थी। उन्होंने अंग्रेजी, इटेलियन, लैटिन, जर्मनी, फ्रैंच, इतिहास और दर्शन शास्त्र सीखा था तथा अपनी बहन और माता-पिता के साथ कई देशों की यात्रा की थी। मात्र 16 वर्ष की आयु में ही उन्हें अहसास हो गया था कि उनका जन्म सेवा कार्यों के लिए ही हुआ है। हालांकि उस दौर में नर्सिंग को एक सम्मानित व्यवसाय भी नहीं माना जाता था, इसलिए उनके माता-पिता का मानना था कि धनी परिवार की लड़की के लिए वह पेशा सही नहीं है।

दरअसल वह ऐसा समय था, जब अस्पताल बेहद गंदी जगह पर होते थे और वहां बीमार लोगों की मौत के बाद काफी भयावह माहौल हो जाता था। 1850 में फ्लोरेंस ने जर्मनी में प्रोटेस्टेंट डेकोनेसिस संस्थान में दो सप्ताह की अवधि में एक नर्स के रूप में अपना प्रारम्भिक प्रशिक्षण पूरा किया। मरीजों, गरीबों और पीड़ितों के प्रति उनके सेवाभाव को देखते हुए आखिरकार उनके माता-पिता द्वारा वर्ष 1851 में उन्हें नर्सिंग की आगे की पढ़ाई के लिए अनुमति दे दी गई, जिसके बाद उन्होंने जर्मनी में महिलाओं के लिए एक क्रिश्चियन स्कूल में नर्सिंग की पढ़ाई शुरू की, जहां उन्होंने मरीजों की देखभाल के तरीकों और अस्पतालों को साफ रखने के महत्व के बारे में जाना। फ्लोरेंस का नर्सिंग के क्षेत्र में पहली बार अहम योगदान 1854 में क्रीमिया युद्ध के दौरान देखा गया। उस समय ब्रिटेन, फ्रांस और तुर्की की रूस से लड़ाई चल रही थी और सैनिकों को रूस के क्रीमिया में लड़ने के लिए भेजा गया था। युद्ध के दौरान सैनिकों के जख्मी होने, ठंड, भूख तथा बीमारी से मरने की खबरें आई। युद्ध के समय वहां उनकी देखभाल के लिए कोई उपलब्ध नहीं है। ऐसे में ब्रिटिश सरकार द्वारा फ्लोरेंस के नेतृत्व में अक्टूबर 1854 में 38 नर्सों का एक दल घायल सैनिकों की सेवा के लिए तुर्की भेजा गया। फ्लोरेंस ने वहां पहुंचकर देखा कि किस प्रकार वहां अस्पताल घायल सैनिकों से खचाखच भरे हुए थे, जहां गंदगी, दुर्गंध, दवाओं तथा उपकरणों की कमी, दूषित पेयजल इत्यादि के कारण असुविधाओं के बीच संक्रमण से सैनिकों की बड़ी संख्या में मौतें हो रही थी। फ्लोरेंस ने अस्पताल की हालत सुधारने के अलावा घायल और बीमार सैनिकों की देखभाल में दिन-रात एक कर दिया, जिससे सैनिकों की स्थिति में काफी सुधार हुआ। उनकी अथक मेहनत के परिणामस्वरूप ही अस्पताल में सैनिकों की मृत्यु दर में बहुत ज्यादा कमी आई। उस समय किए गए उनके सेवा कार्यों के लिए ही सभी सैनिक उन्हें आदर और प्यार से 'लेडी विद द लैंप' कहने लगे थे।

दरअसल जब चिकित्सक अपनी ड्यूटी पूरी करके चले जाते, तब भी वह रात के गहन अंधेरे में हाथ में लालटेन लेकर घायलों की सेवा के लिए उपस्थित रहती थी 1856 में युद्ध की समाप्ति के बाद जब वह वापस लौटी, तब स्वयं महारानी विक्टोरिया ने पत्र लिखकर उनका धन्यवाद किया। उसके कुछ ही माह बाद रानी विक्टोरिया से उनकी मुलाकात हुई और उनके सुझावों के आधार पर ही वहां सैन्य चिकित्सा प्रणाली में बड़े पैमाने पर सुधार संभव हुआ और वर्ष 1858 में रॉयल कमीशन की स्थापना हुई। उसके बाद ही अस्पतालों की सफाई व्यवस्था पर ध्यान देना, सैनिकों को बेहतर खाना, कपड़े और देखभाल की सुविधा मुहैया कराना तथा सेना द्वारा डॉक्टरों को प्रशिक्षण देने जैसे कार्यों की शुरुआत हुई। सेवाभाव से किए गए फ्लोरेंस नाइटिंगेल के कार्यों ने नर्सिंग व्यवसाय का चेहरा ही बदल दिया था, जिसके लिए उन्हें रेडक्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति द्वारा सम्मानित किया गया। मरीजों, गरीबों और पीड़ितों के प्रति फ्लोरेंस की सेवा भावना को देखते हुए ही नर्सिंग को उसके बाद महिलाओं के लिए सम्मानजनक पेशा माना जाने लगा और उनकी प्रेरणा से ही नर्सिंग क्षेत्र में महिलाओं को आने की प्रेरणा मिली। फ्लोरेंस के अथक प्रयासों के कारण ही रोगियों की देखभाल तथा अस्पताल में स्वच्छता के मानकों में अपेक्षित सुधार हुआ। 90 वर्ष की आयु में 13 अगस्त 1910 को फ्लोरेंस नाइटिंगेल का निधन हो गया, जिनकी कब्र सेंट मार्गरेट गिरजाघर के प्रांगण में है।

उनके सम्मान में ही उनके जन्मदिवस 12 मई को 'अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस' के रूप में मनाए जाने की शुरुआत की गई।

दयाभाव की जीवित प्रतिमूर्ति थे महात्मा बुद्ध

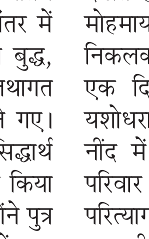

श्वेता गोयल

हर साल वैशाख मास की पूर्णिमा को 'बुद्ध पूर्णिमा' के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष बुद्ध पूर्णिमा 12 मई को मनाई जा रही है। माना जाता है कि 563 ई.पू. वैशाख पूर्णिमा के ही दिन लुम्बनी वन में शाल के दो वृक्षों के बीच गौतम बुद्ध का जन्म हुआ था, जिन्होंने वैशाख पूर्णिमा को ही बोध गया में बोधि वृक्ष के नीचे बुद्धत्व प्राप्त किया था। यही कारण है कि बौद्ध धर्म में बुद्ध पूर्णिमा को सबसे पवित्र दिन माना गया है। गौतम बुद्ध का वास्तविक नाम सिद्धार्थ गौतम था। गौतम उनका गौत्र था किन्तु कालांतर में वह सिद्धार्थ गौतम, महात्मा बुद्ध, भगवान बुद्ध, गौतम बुद्ध, तथागत आदि विभिन्न नामों से जाने गए। बचपन से ही राजकुमार सिद्धार्थ घंटों एकांत में बैठकर ध्यान किया करते थे लेकिन फिर भी उन्होंने पुत्र जन्म तक सांसारिक सुखों का उपभोग किया परन्तु धीरे-धीरे उनका मन सांसारिक सुखों से उचाट होता गया। सिद्धार्थ मन की शांति पाने के उद्देश्य से एक दिन भ्रमण के लिए अपने सारथी छेदक को साथ लेकर रथ में सवार हो महल से निकल पड़े। रास्ते में उनका मनुष्य की दुःख की चार घटनाओं से साक्षात्कार हुआ। जब उन्होंने दुःख के इन कारणों को जाना तो मोहमाया और ममता का परित्याग कर पूर्ण सन्यासी बन गए। सबसे पहले उन्होंने मार्ग में एक रोगी व्यक्ति को देखा और सारथी से पूछा, ''यह प्राणी कौन है और इसकी यह कैसी दशा है?'' सारथी ने बताया, ''यह भी एक मनुष्य है और इस समय यह बीमार है।

इस दुनिया में हर व्यक्ति को अपने जीवन में कभी न कभी रोगी होकर दुःखों का सामना करना ही पड़ता है।'' आगे बढ़ने पर सिद्धार्थ ने मार्ग से गुजरते एक वृद्ध, निर्बल व कृशकाय व्यक्ति और उसके बाद एक मृत व्यक्ति की अर्थी ले जाते विलाप करते लोगों को देखा तो हर बार सारथी से उसके बारे में पूछा। सारथी ने एक-एक कर उन्हें मनुष्य की इन चारों अवस्थाओं के बारे में बताया कि हर व्यक्ति को कभी न कभी बीमार होकर कष्ट झेलने पड़ते हैं। बुढ़ापे में काफी दुःख झेलने पड़ते हैं, उस अवस्था में मनुष्य दुर्बल व कृशकाय होकर चलने-फिरने में भी कठिनाई महसूस करने लगता है और आखिर में उसकी मृत्यु हो जाती है। सिद्धार्थ यह रहस्य जानकर बहुत दुःखी हुए। आगे उन्हें एक साधु नज़र आया, जो बिल्कुल शांतचित्त था। साधु को देख सिद्धार्थ के मन को अपार शांति मिली और उन्होंने विचार किया कि साधु जीवन से ही मानव जीवन के इन दुखों से मुक्ति संभव है। बस फिर क्या था, देखते ही देखते सिद्धार्थ सांसारिक मोहमाया के जाल से बाहर निकलकर पूर्ण वैरागी बन गए और एक दिन रात्रि के समय पत्नी यशोधरा तथा पुत्र राहुल को गहरी नींद में सोता छोड़ उन्होंने घर-परिवार और राजसी सुखों का परित्याग कर दिया तथा सत्य एवं ज्ञान की खोज में एक स्थान से दूसरे स्थान पर भटकते रहे। उन्होंने छह वर्षों तक जंगलों में कठिन तप किया और सूखकर कांटा हो गए किन्तु ज्ञान की प्राप्ति न हो सकी। उसके बाद उन्होंने शारीरिक स्वास्थ्य व मानसिक शक्ति प्राप्त की और बोध गया में एक पीपल के वृक्ष के नीचे बैठकर गहन चिंतन में लीन हो गए तथा मन में दृढ़ निश्चय कर लिया कि इस बार ज्ञान प्राप्त किए बिना वे यहां से नहीं उठेंगे। सात सप्ताह के गहन चिंतन-मनन के बाद वैशाख मास की पूर्णिमा को 528 ई.पू. सूर्योदय से कुछ पहले उनको बोधदृष्टि जागृत हो गई और उन्हें पूर्ण ज्ञान की प्राप्ति हो गई। उनके चारों ओर एक अलौकिक आभा मंडल दिखाई देने लगा। उनके पांच शिष्यों ने जब यह अनुपम दृश्य देखा तो उन्होंने ही राजकुमार सिद्धार्थ को पहली बार 'तथागत' कहकर संबोधित किया।'तथागत' यानी सत्य के ज्ञान की पूर्ण प्राप्ति करने वाला। पीपल के जिस वृक्ष के नीचे बैठकर सिद्धार्थ ने बुद्धत्व प्राप्त किया, वह वृक्ष 'बोधिवृक्ष' कहलाया और वह स्थान, जहां उन्होंने यह ज्ञान प्राप्त किया, बोध गया के नाम से विख्यात हुआ तथा बुद्धत्व प्राप्त करने के बाद ही सिद्धार्थ को 'महात्मा बुद्ध' कहा गया।

इंडियन आर्मी ने खिलौनों की तरह तोड़े चीनी हथियार

अजय कुमार

कश्मीर में पहलगाम हमले के बाद भारत के ऑपरेशन सिंदूर ने न केवल पाकिस्तान को बल्कि चीन को भी पेशानी पर बल ला दिया है। दरअसल,भारतीय सेना पाकिस्तान को बुरी तरह से सबक सिखा रही है तो चीन की चिंता इस बात को लेकर है कि इस युद्ध में चीनी हथियारों की पोल खुलती जा रही है,पाकिस्तान द्वारा दागी जा रही चीनी मिसाइल और ड्रोन को भारतीय सेना अपने एयर डिफेंस सिस्टम के माध्यम से एक के बाद एक धराशायी करती जा रही है। सैकड़ों चीनी मिसाइलों को इंडियन आर्मी हवा में ही मार गिरा चुकी है। संभवता इसी के चलते पाकिस्तान की बौखलाहट के साथ ड्रैगन यानी चीन की चिंता बढ़ी हुई है। चीन के विदेश मंत्रालय ने भारत और पाकिस्तान से शांति की अपील करते हुए ज्ञान दिया कि बात आगे बढ़ी तो किसी के हित में नहीं होगा। ऐसा करते हुए उसने पाकिस्तान पोषित आतंकवाद पर चुप्पी साधे रखी। बहरहाल, चीन ने भारत और पाकिस्तान को बातचीत के मेज पर वापस आने की सलाह देते हुए कहा कि वह मध्यस्थता करने का इच्छुक है। चीनी सरकार के मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स के मुताबिक प्रवक्ता ने कहा, हम दोनों पक्षों से अपील करते हैं कि शांति और स्थिरता के हित में संयम और शांति बरतें और शांतिपूर्वक साधनों से राजनीतिक सुलह के रास्ते पर वापस आएं। किसी भी ऐसे ऐक्शन से बचें जो तनाव को और ज्यादा बढ़ाए। यह भारत और पाकिस्तान दोनों के हित में होगा और क्षेत्र तकी शांति स्थिरता के लिए आवश्यक है। वैश्विक समुदाय भी इसी की उम्मीद कर रहा है। इसे खत्म कराने के लिए चीन भूमिका निभाने का इच्छुक है। गौरतलब है कि चीन अपने फायदों के लिए पाकिस्तान को सबसे करीबी दोस्त होने के भ्रमजाल में फंसाए हुए है। चीन ने पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में बड़े पैमाने पर निवेश किया है। भारत के रुख और सैन्य ताकत को देखते हुए चीन को अब अपने प्रोजेक्ट्स पर भी असर होने का अंदेशा होने लगा है। आतंकवाद को लेकर हमेशा चीन का बचाव करता रहा ड्रैगन अब उसकी पिटाई देख झगड़ा रोकने की इच्छा जाहिर कर रहा है। उधर, भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव लगातार बढ़ता ही जा रहा है। एक तरफ पाकिस्तान ने भारत में हमले की नाकाम कोशिशें की हैं तो दूसरी जवाबी कार्रवाई में उसे भारी नुकसान उठाना पड़ा है। भारत ने पाकिस्तान के चार एयरबेस को बुरी तरह ध्वस्त कर दिया है, जिसमें नूर खान एयरबेस भी शामिल है। इस बीच चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि मौजूदा स्थिति करीब से निगाह रखी जा रही है। चीन ने टकराव बढ़ने पर अपनी चिंता जाहिर की है।

वैशाख पूर्णिमा: नदी स्नान और भगवान सत्यनारायण की कथा पढ़ने-सुनने की परंपरा

वैशाख पूर्णिमा सोमवार, 12 मई को है। इस तिथि से कई धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक परंपराएं जुड़ी हैं। इसी तिथि पर भगवान विष्णु का कूर्म अवतार हुआ था। गौतम बुद्ध का जन्म भी इसी तिथि पर हुआ था, इसी वजह से इसे बुद्ध पूर्णिमा भी कहते हैं। जानिए वैशाख पूर्णिमा से जुड़ी खास बातें...

गौतम बुद्ध का जन्म, ज्ञान, और महापरिनिर्वाण

बौद्ध धर्म के संस्थापक गौतम बुद्ध का जन्म वैशाख पूर्णिमा पर हुआ था। इसी तिथि पर बुद्ध ने ज्ञान प्राप्त किया और उनका महापरिनिर्वाण भी इसी दिन हुआ था।

पूर्णिमा पर सत्यनारायण व्रत करने की परंपरा

इस दिन भगवान विष्णु के सत्यनारायण स्वरूप की पूजा करने के साथ ही उनकी कथा पढ़ने-सुनने की परंपरा है। स्कंद पुराण में सत्यनारायण व्रत कथा के बारे में बताया गया है।

नदी स्नान और दान करने की परंपरा

वैशाख पूर्णिमा पर गंगा, यमुना, शिप्रा, नर्मदा जैसी पवित्र नदियों में स्नान करने की परंपरा है। इस तिथि पर तीर्थ यात्रा करनी चाहिए। धर्म-कर्म के साथ ही दान-पुण्य भी करें, खासतौर पर इस पूर्णिमा के दिन जल, छाता, वस्त्र, अन्न का दान करना चाहिए।

पद्म पुराण, मत्स्य पुराण में वैशाख मास में किए गए दान को श्रेष्ठ कहा गया है। इस संबंध में इन ग्रंथों में लिखा है कि - वैशाखे मासि स्नानं च, दानं च विशेषतः।

धर्मराज यमराज और पितर देव को जल चढ़ाएं

इस तिथि पर मृत्यु के देवता यमराज और पितर देव को जल अर्पण करना चाहिए। ऐसा करने से घर-परिवार के पितरों को तृप्ति मिलती है और वे कुटुंब के लोगों को आशीर्वाद देते हैं। गरुड़ पुराण, विष्णु धर्मसूत्र में पूर्णिमा पर जलदान और तर्पण के बारे में बताया गया है।

उपवास से मिलता है एकादशी व्रत जैसा पुण्य

वैशाख पूर्णिमा पर किए गए उपवास से वैसा ही पुण्य मिलता है जैसा एकादशी व्रत से मिलता है। इसलिए इस दिन दिनभर निराहार रहकर उपवास करना चाहिए। अपने इष्टदेव के मंत्रों का जप करें, पूजा-पाठ करें।

हनुमान जी को चढ़ाएं सिंदूर का चोला

कुछ क्षेत्रों में इस दिन श्रीराम अथवा हनुमान जी का विशेष पूजन करना चाहिए। हनुमान जी को सिंदूर को चोला चढ़वा सकते हैं। भगवान के सामने दीपक जलाकर सुंदरकांड और हनुमान चालीसा का पाठ करना चाहिए।

1923 से आज तक, मंदिर का भव्य स्वरूप देख चौंक जाएंगे आप...

जमशेदपुर में धार्मिक आस्था की गूंज हर कोने में सुनाई देती है और इस शहर के कई मंदिरों में देवी-देवताओं की भक्ति बड़े श्रद्धा भाव से होती है। इन्हीं में एक प्रमुख और ऐतिहासिक मंदिर है साकची दुर्गा बाड़ी, जिसे शहर का सबसे पुराना मंदिर माना जाता है।

साकची स्थित यह मंदिर वर्ष 1923 में स्थापित हुआ था। यानी आज इसे पूरे 102 वर्ष हो चुके हैं। इस मंदिर की स्थापना बंगाली समुदाय के लोगों द्वारा की गई थी, जो यहां हर वर्ष दुर्गा पूजा का आयोजन करते थे। इसी परंपरा के चलते इसका नाम दुर्गा बाड़ी रखा गया।

अब बन चुका है बहुदेवालय

समय के साथ इस मंदिर का विस्तार होता गया और अब यहां काली माता, बजरंगबली, शिवजी, गणेशजी, लक्ष्मी-नारायण और शनि महाराज की भी पूजा होती है। मुख्य पुजारी सुखदेव आचार्य के अनुसार, यह मंदिर केवल पूजा का स्थल नहीं बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का केंद्र भी बन चुका है।

साल भर होते हैं धार्मिक उत्सव

यहां नववर्ष यानी 1 जनवरी का उत्सव बहुत धूमधाम से मनाया जाता है। इसके अलावा 15 अप्रैल को बंगाली नववर्ष, जुलाई में विपत्तारिणी पूजा, 11 जनवरी को काली माता की प्रतिष्ठा उत्सव और 14 जनवरी को नीलकंठ शिवजी की प्रतिष्ठा उत्सव में हजारों श्रद्धालु भाग लेते हैं। इन अवसरों पर भजन, भोजन प्रसाद और सांस्कृतिक रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

दुर्गा पूजा में उमड़ती है भीड़

दुर्गा पूजा के दौरान भी यह मंदिर विशेष रूप से सजाया जाता है। यहां दो प्रमुख दुर्गा पूजाएं होती हैं। शारदीय दुर्गा पूजा सितंबर-अक्टूबर में और बसंती दुर्गा पूजा मार्च-अप्रैल में। दोनों ही अवसरों पर मंदिर परिसर में भारी भीड़ उमड़ती है और भक्ति का माहौल छा जाता है।

श्रद्धा और आत्मिक शांति का केंद्र

साकची चेनाब रोड स्थित यह मंदिर आज भी जमशेदपुरवासियों की श्रद्धा का केंद्र बना हुआ है। यहां हर धर्मप्रेमी को एक आत्मिक शांति की अनुभूति होती है।

गौतम बुद्ध और उनके बूढ़े शिष्य का किस्सा

बुद्ध की सीख रोज कुछ समय ध्यान करें और संयम के साथ काम करते रहें

हम अपनी उम्र को सालों में गिनते हैं, जन्म से लेकर वर्तमान तक के वर्षों को जोड़ते हुए, लेकिन क्या यही हमारी असली उम्र है? गौतम बुद्ध ने एक बूढ़े शिष्य को उम्र से जुड़ा रहस्य बताया है।

गौतम बुद्ध के एक वृद्ध शिष्य थे, सरल और शांत स्वभाव के। वे बुद्ध के साथ रहते थे और वर्षों से उनका सान्निध्य प्राप्त कर रहे थे। एक दिन बुद्ध ने उनसे पूछा, "क्या आयु होगी आपकी?"

शिष्य ने कहा, "यही कोई सत्तर वर्ष।"

बुद्ध मुस्कुराए और बोले, "नहीं, आप सही उम्र नहीं बता रहे हैं।"

यह सुनकर वृद्ध शिष्य चौंक गए। वे सोच में पड़ गए, क्या मुझसे कोई भूल हो गई? उन्होंने कहा, "तथागत, मैंने अपनी उम्र सच ही बताई है। मैं बूढ़ा हो गया हूं, दांत गिर चुके हैं, पोते-पोतियां हैं। मैं सत्तर का ही हूं। फिर आप ऐसा क्यों कह रहे हैं?"

बुद्ध ने बड़ी शांति से उत्तर दिया, "तुम्हारी उम्र केवल एक वर्ष है।"

अब शिष्य और अधिक व्याकुल हो गए। "कैसे?" उन्होंने पूछा।

बुद्ध ने उत्तर दिया, "तुमने जो उनहत्तर वर्ष दुनियादारी, इच्छाओं और भ्रम में बिताए, वे केवल शरीर के वर्ष थे।

उन्होंने आत्मा की यात्रा में कोई योगदान नहीं दिया। पर जब तुमने धर्म की राह पर कदम रखा, जब तुमने सच्चे अर्थों में साधना, ध्यान और आत्मचिंतन को अपनाया, तब से ही तुम्हारा जीवन वास्तव में शुरू हुआ। वह अवधि अभी एक वर्ष की ही है। वही तुम्हारी सच्ची उम्र है।"बुद्ध का ये संवाद सिर्फ एक वृद्ध शिष्य के लिए नहीं था, यह हर व्यक्ति के लिए है।

बुद्ध का यह दृष्टिकोण हमें यह सिखाता है कि जीवन की गिनती वर्षों से नहीं, चेतना से होती है। वही समय मूल्यवान है, जो हमने आत्मविकास, सदाचार और आत्मा की शुद्धि में बिताया है।

हममें से कई लोग वर्षों तक केवल दिन काटते हैं, कभी नौकरी, कभी व्यापार, कभी पारिवारिक जिम्मेदारियां।

इन सबका महत्व अपनी जगह है, लेकिन यदि आत्मचिंतन, ध्यान, और आंतरिक शांति की ओर कोई प्रयास नहीं किया गया, तो वह समय केवल देह की उम्र है, आत्मा की नहीं।

जीवन में शांति पाने के लिए क्या करें?

हर दिन कुछ समय ध्यान को दें – केवल 10 मिनट का मौन और ध्यान भी आत्मा को जागृत कर सकता है, मन को शांत कर सकता है।

सदाचार और संयम अपनाएं – जीवन में नैतिकता और शुद्धता ही आत्मिक यात्रा की नींव है।

अंतरदृष्टि विकसित करें – केवल बाहरी दुनिया नहीं, भीतर की दुनिया को भी जानें।

धर्म और अध्यात्म को जीवन का हिस्सा बनाएं – किताबों, सत्संग और चिंतन के माध्यम से।

गौतम बुद्ध की यह छोटी-सी पर गहन कथा हमें आत्मविश्लेषण करने की सीख देती है। यह हमें बता रही है कि क्या हम वाकई जी रहे हैं या केवल जी रहे हैं, ऐसा सोच रहे हैं? हर व्यक्ति के पास जीवन में जागने का एक अवसर आता है। जब वह अवसर आता है, उसी क्षण जीवन प्रारंभ होता है। वही उस व्यक्ति की सच्ची उम्र कहलाती है।

कर्ज से हैं परेशान? वैशाख पूर्णिमा की रात घर के इन चार जगहों पर दीपक जलाएं

अगर आप लंबे समय से कर्ज के बोझ से दबे हैं या जीवन में आर्थिक समस्याएं पीछा नहीं छोड़ रही हैं, तो वैशाख पूर्णिमा आपके लिए एक विशेष मौका है। ज्योतिष और धर्मशास्त्रों में यह दिन अत्यंत पवित्र माना गया है। मान्यता है कि इस दिन कुछ विशेष उपाय करने से न केवल पापों का क्षय होता है, बल्कि जीवन में सुख, शांति और समृद्धि भी आती है।

वैशाख माह की पूर्णिमा का दिन पुण्य फल देने वाला होता है। इस वर्ष यह तिथि 12 मई 2025 को पड़ रही है। इस दिन स्नान, दान और लक्ष्मी नारायण या भगवान शिव की पूजा विशेष लाभकारी मानी गई है।

अगर कोई व्यक्ति इस दिन सच्चे मन से व्रत रखकर पूजा करता है और संध्या के समय विशेष स्थानों पर दीपक जलाता है, तो जीवन में चल रही आर्थिक परेशानियां धीरे-धीरे समाप्त हो जाती हैं।"

जाने वैशाख पूर्णिमा के चार दीपक वाले उपाय

अगर आप चाहते हैं कि घर में धन का आगमन हो, कर्ज से मुक्ति मिले और रोज़मर्रा की आर्थिक समस्या से राहत मिले, तो इन चार स्थानों पर दीपक जलाना चाहिए:

मुख्य द्वार – प्रवेश द्वार पर दीपक जलाने से घर में नकारात्मक ऊर्जा प्रवेश नहीं करती और देवी लक्ष्मी का आगमन होता है।

तुलसी का पौधा – तुलसी के समीप दीपक जलाने से पारिवारिक शांति बनी रहती है और घर में स्वास्थ्य व समृद्धि बनी रहती है।

पूजा स्थल – घर के पूजाघर में दीपक जलाकर लक्ष्मी-नारायण या शिव जी की आराधना करें। इससे आशीर्वाद प्राप्त होता है।

रसोई घर – रसोई में दीपक जलाने से अन्न की बरकत बनी रहती है और घर में कभी भोजन की कमी नहीं होती।

अर्घ्य देना और व्रत भी है विशेष लाभकारी

इस दिन चंद्रमा को अर्घ्य देना भी शुभ माना गया है। जल में दूध और सफेद चंदन मिलाकर चंद्र देव को अर्घ्य देने से मानसिक शांति और स्वास्थ्य लाभ भी होता है। साथ ही अगर संभव हो तो दिनभर व्रत रखकर सायंकाल में ही भोजन करें।

पैरों की उंगलियां खोलती हैं आपके राज, इस उम्र के बाद चमक जाती है ऐसे लोगों की किस्मत!

शरीर के हर अंग का अपना एक अलग संकेत होता है। सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार, इन संकेतों के माध्यम से व्यक्ति के स्वभाव, व्यवहार और भविष्य के बारे में जाना जा सकता है। आपने अक्सर हाथों की रेखाओं, अंगूठे के आकार और हथेली की बनावट के संकेतों के बार में जरूर सुना होगा। लेकिन आज हम बात करेंगे पैरों की उंगलियों के बारे में। जी हां, पैरों की उंगलियों और अंगूठे के आकार से भी किसी के स्वभाव और उसके बारे में कई चीजों का पता लगाया जा सकता है।

शांत और संतुलित स्वभाव वाले लोग

यदि आपके पैरों का अंगूठा सबसे बड़ा है और बाकी उंगलियां लगभग एक जैसी लंबाई की हैं, तो ऐसे लोग आमतौर पर बेहद शांत, सरल, और संवेदनशील स्वभाव के होते हैं। ये किसी भी विवाद से बचते हैं और निर्णय लेने में समय लेते हैं। इन्हें अक्सर गलत समझा जाता है कि इनकी निर्णय लेने की शक्ति कमज़ोर है, जबकि वास्तव में ये सोच-समझकर फैसला लेने में विश्वास रखते हैं। प्यार में ये बेहद वफादार और गंभीर होते हैं।

डोमिनेटिंग और आत्मविश्वासी लोग

अगर आपके पैरों का अंगूठा सबसे बड़ा है और बाकी उंगलियां क्रमशः घटती लंबाई में हैं, तो ऐसे लोग आत्मविश्वासी, मुखर और कभी-कभी जिद्दी स्वभाव के होते हैं। इन्हें अपने फैसलों पर पूरा भरोसा होता है और जीवन में हर अनुभव से कुछ सीखने की चाह रखते हैं। हालांकि, इनका डोमिनेटिंग स्वभाव कई बार रिश्तों में चुनौती बन जाता है।

जिम्मेदार और मेहनती लोग

अगर आपके पैरों का अंगूठा, दूसरी और तीसरी उंगलियों के बराबर है और बाकी दो उंगलियां छोटी हैं, तो ऐसे लोग जिम्मेदार, मेहनती और परिवार के लिए समर्पित होते हैं। दूसरों की मदद करना, खुद की गलतियों की ज़िम्मेदारी लेना और हमेशा पॉज़िटिव सोचना इनकी खासियत होती है। ये लोग रिश्तों को निभाने में विश्वास करते हैं और काफी भरोसेमंद होते हैं।

मेहनत से अलग पहचान बनाते हैं

अगर आपके पैरों की दूसरी उंगली अंगूठे से बड़ी है और उसके बाद की उंगलियां क्रमशः छोटी हैं, तो ऐसे लोग अपनी मेहनत से किस्मत बदलने वाले होते हैं। बचपन से ही जिम्मेदारियां निभाते हैं और ज्यादातर काम खुद ही करते हैं। इन्हें नई चीज़ें सीखने और कुछ अलग करने का शौक होता है। हालांकि इनकी सफलता अक्सर 28 या 30 की उम्र के बाद ही आती है, लेकिन जब आती है तो धमाकेदार होती है। ये समाज और दुनिया में मेहनत से अलग पहचान बनाते हैं।

10 किलो चांदी की प्रतिमा एक झलक में कटते हैं पाप!

रांची में छुपा है तिरुपति जैसा चमत्कारी मंदिर

झारखंड की राजधानी रांची में एक ऐसा दिव्य स्थान है, जहां जाने से न केवल श्रद्धा मिलती है, बल्कि आत्मा तक को शांति का अनुभव होता है। श्री वेंकटेश्वर मंदिर, जो तिरुपति बालाजी के प्रतिरूप में रांची के पहाड़ी मंदिर के समीप स्थित है, अब भक्ति और दर्शन का प्रमुख केंद्र बन गया है।

इस मंदिर की खास बात यह है कि अगर कोई व्यक्ति धोखे से भी इस मंदिर के दर्शन कर लेता है, तो उसके सारे पाप कट जाते हैं। यह बात मंदिर के मुख्य पुजारी सतनारायण जी ने साझा की, और उन्होंने बताया कि यहां कई भक्त वर्षों से दर्शन के लिए आ रहे हैं और अपने जीवन में सुख-शांति और अद्भुत बदलाव महसूस कर रहे हैं।

भगवान विष्णु के सभी अवतार और 10 किलो चांदी की दिव्य प्रतिमा

इस मंदिर की एक और अनोखी विशेषता यह है कि यहां भगवान विष्णु के सभी 10 अवतार जैसे मत्स्य, कूर्म, वराह, नरसिंह, वामन आदि को कलात्मक रूप में प्रस्तुत किया गया है।

भगवान वेंकटेश्वर की मुख्य प्रतिमा 10 किलोग्राम शुद्ध चांदी से बनी है, जो दिव्यता और भव्यता की प्रतीक है।

पहली नज़र में ही ऐसा प्रतीत होता है जैसे तिरुपति बालाजी स्वयं रांची पधार गए हों।

खीर रूपी 'प्रसादम' और साउथ इंडियन आस्था का संगम

यह मंदिर खासतौर पर रांची में रहने वाले साउथ इंडियन समुदाय के लिए आध्यात्मिक ऊर्जा का केंद्र है।

प्रसाद के रूप में दी जाने वाली 'खीर' यहां की प्रसिद्धि को और भी बढ़ा देती है।

आंध्र प्रदेश से आए अभिनव, जो अब रांची में रहते हैं, कहते हैं कि यह मंदिर मुझे अपने घर जैसा लगता है। यहां आकर तिरुपति जाने जैसी अनुभूति होती है।"

शांति और आत्मिक सुकून का स्थान

यहां दर्शन करने आईं सुकन्या कहती हैं कि यहां बैठकर तीन घंटे का समय कैसे बीत जाता है, पता ही नहीं चलता। दिल करता है यहीं बैठी रहूं। तिरुपति और यहां के अनुभव में कोई फर्क नहीं है।

अयोध्या क्यों नहीं भेजा गया सीता स्वयंवर का निमंत्रण, राजा जनक को किस बात का था डर

सीता के स्वयंवर की कहानी हम लोगों ने सैकड़ों बार सुनी और पढ़ी होगी। उसके अनुसार भगवान श्री राम ने सीता स्वयंवर के समय धनुष तोड़ा था। राजा जनक ने सीता स्वयंवर के समय शिव का धनुष उठाने की प्रतियोगिता रखी थी। जो उस धनुष को उठा लेता सीता उसी के गले में वरमाला डालकर उसे अपना पति स्वीकार कर लेतीं। रावण सहित बड़े बड़े महारथी इस धनुष को हिला भी नहीं पाए थे। तब श्री राम ने पल भर में धनुष को तीन हिस्सों में तोड़ दिया था। लेकिन यह बात बहुत कम लोग जानते हैं कि श्री राम को सीता स्वयंवर का निमंत्रण भेजा ही नहीं गया था।

इसके बावजूद सीता के स्वयंवर में श्री राम पहुंच गए और उनका विवाह सीता से हो गया। सीता स्वयंवर का निमंत्रण अयोध्या नहीं भेजने का कारण राजा जनक का एक डर था। दरअसल राजा जनक के राज्य में एक ऐसी घटना घटी थी, जिसका डर उन्हें अपनी पुत्री के लिए भी था। उन्हें डर था कि कहीं उनकी पुत्री का विवाह अयोध्या के किसी साधारण व्यक्ति से ना हो जाए। पिता होने के नाते वह चाहते थे कि उनकी बेटी का विवाह किसी राजकुमार से हो। पौराणिक कथाओं में इसका जिक्र मिलता है।

गाय ने दिया श्राप

राजा जनक के शासनकाल में एक व्यक्ति का विवाह हुआ। जब वह पहली बार सज-संवरकर ससुराल के लिए चला, तो रास्ते में चलते-चलते एक जगह उसको दलदल मिला। उसमें एक गाय फंसी हुई थी, जो लगभग मरने के कगार पर थी। उसने विचार किया कि गाय तो कुछ देर में मरने वाली ही है और कीचड़ में जाने पर मेरे कपड़े-जूते खराब हो जाएंगे। अतः वह गाय के ऊपर पैर रखकर आगे बढ़ गया। जैसे ही वह आगे बढ़ा गाय ने तुरंत दम तोड़ दिया और शाप दिया कि जिसके लिए तू जा रहा है, उसे देख नहीं पाएगा। यदि देखेगा तो वह मृत्यु को प्राप्त हो जाएगी।

चली गई आंखों की रोशनी

वह व्यक्ति अपार दुविधा में फंस गया और गौ-शाप से मुक्त होने का विचार करने लगा। ससुराल पहुंचकर वह दरवाजे के बाहर घर की ओर पीठ करके बैठ गया और यह विचार करने लगा कि यदि पत्नी पर नजर पड़ी तो अनिष्ट नहीं हो जाए। परिवार के अन्य सदस्यों ने उनको घर के अंदर चलने का काफी अनुरोध किया लेकिन वह नहीं गया। न ही उसने रास्ते में घटित घटना के बारे में किसी को बताया। उसकी पत्नी को जब पता चला, तो उसने कहा कि चलो, मैं ही चलकर उन्हें घर के अंदर लाती हूं। पत्नी ने जब उससे कहा कि आप मेरी ओर देखते क्यों नहीं हो तो भी वह चुप रहा। काफी अनुरोध करने के उपरांत उसने रास्ते का सारा वृतांत कह सुनाया। पत्नी ने कहा कि मैं भी पतिव्रता स्त्री हूं। ऐसा कैसे हो सकता है। आप मेरी ओर अवश्य देखो। पत्नी की ओर देखते ही उसकी आंखों की रोशनी चली गई और वह गाय के शापवश पत्नी को नहीं देख सका।

दशरथ ने एक स्त्री जनकपुर भेजी

जब यह सूचना राजा दशरथ को मिली, तो उन्होंने पहले अपनी सभी रानियों से पूछा। प्रत्येक रानी का यही उत्तर था कि राजमहल तो क्या आप राज्य की किसी भी महिला यहां तक कि झाडू लगाने वाली, जो कि उस समय अपने कार्यों के कारण सबसे निम्न श्रेणी की मानी जाती थी से भी पूछेंगे, तो उसे भी पतिव्रता पाएंगे। राजा दशरथ को उस समय अपने राज्य की महिलाओं पर आश्चर्य हुआ। उन्होंने राज्य की सबसे निम्न मानी जाने वाली सफाई वाली को बुला भेजा और उसके पतिव्रता होने के बारे में पूछा। उस महिला ने स्वीकृति में गर्दन हिला दी। तब राजा ने यह दिखाने के लिए कि अयोध्या का राज्य सबसे उत्तम है, उस महिला को ही राज-सम्मान के साथ जनकपुर भेज दिया। राजा जनक ने उस महिला का पूर्ण राजसी ठाठ-बाट से सम्मान किया और उसे समस्या बतायी। महिला ने इस काम की स्वीकृति दे दी।

पहलगाम हमले के 20 दिन बाद बिग बी ने तोड़ी चुप्पी, यूजर्स बोले- दबाव में दी प्रतिक्रिया

भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है। युद्ध विराम के बाद भी पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आया और उसने कल रात को सीजफायर उल्लंघन किया। ऐसे में हर कोई देश की सेना के शौर्य को सलाम कर रहा और उसका उत्साहवर्धन कर रहा है। बॉलीवुड के भी तमाम सितारे सेना के समर्थन में लगातार आवाज उठा रहे हैं। लेकिन इस बीच सदी के महानायक कहे जाने वाले अमिताभ बच्चन सोशल मीडिया पर चुप्पी साधे हुए थे। उन्होंने पहलगाम हमले से लेकर ऑपरेशन सिंदूर तक किसी भी विषय पर कोई पोस्ट नहीं किया। जिस पर हर कोई सवाल उठा रहा था। अब अंततः इस मामले पर पहली बार अमिताभ बच्चन ने कुछ बोला है। बिग बी ने अपने एक्स अकाउंट पर अपनी चुप्पी तोड़ते हुए एक पोस्ट किया है।

आखिरकार बिग बी की टूटी चुप्पी

पहलगाम हमले के लगभग 20 दिन बाद और ऑपरेशन सिंदूर के लगभग पांच दिन बाद अमिताभ बच्चन ने इस पूरे मामले पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। बिग बी ने इस मामले में पहली बार सेना को सलाम करते हुए और आतंकवादियों पर निशाना साधते हुए एक्स पर एक पोस्ट किया है। बिग बी ने इस पोस्ट में अपने बाबू जी यानी कि हरिवंश राय बच्चन की कुछ पंक्तियों का भी जिक्र किया है।

बिग बी ने पहलगाम घटना और ऑपरेशन सिंदूर का किया जिक्र

बिग ने पोस्ट में पहलगाम हमले में आतंकवादियों द्वारा धर्म पूछकर गोली मारने की घटना का जिक्र करते हुए लिखा, "छुट्टियां मनाते हुए, उस राक्षस ने निर्दोष पति पत्नी को बाहर खींच कर पति को नग्न कर उसके धर्म की पूर्ति करने के बाद उसे जब गोली मारने लगा। तो पत्नी के घुटने पे गिर कर रो-रो कर अनुरोध करने के बाद भी उसके पति को न मारो। उसके पति को उस बुजदिल राक्षस ने बेहद बेरहमी से गोली मार कर पत्नी को विधवा बना दिया। जब पत्नी ने कहा, मुझे भी मार दो। तो राक्षस ने कहा, नहीं, तू जाके '.' को बता। बेटी की, मनःस्थिति पर पूज्य बाबूजी की एक कविता की पंक्ति याद आयी।

मानो वो बेटी '.' के पास गई और कहा है 'चिता की राख कर में, मांगती सिंदूर दुनिया'.. (बाबूजी की पंक्ति) इसके बाद " . " ने दे दिया सिंदूर। 'ऑपरेशन सिंदूर' जय हिन्द जय हिन्द की सेना

तू ना थमें गा कभी, तू न मुड़ेगा कभी, तू न झुकेगा कभी

कर शपथ, कर शपथ, कर शपथ

अग्निपथ! अग्निपथ ! अग्निपथ।

यूजर्स ने किया ट्रोल, बोले- बहुत देर कर दी

इस पूरे मामले पर इतने दिनों बाद चुप्पी तोड़ने पर बिग बी यूजर्स के निशाने पर भी आ गए। लोग उन्हें ट्रोल करते हुए तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं देने लगे। कुछ यूजर्स ने उनकी इस प्रतिक्रिया को लोगों के दबाव में दी गई प्रतिक्रिया बताया। तो वहीं कई यूजर्स ने कहा कि 'बहुत देर कर दी मेहरबां आते-आते।'

'बॉलीवुड में हीरो नहीं बचे, अब कोई भी कर सकता है फिल्म' : साजिद खान

निर्माता-निर्देशक साजिद खान का ऐसा मानना है कि बॉलीवुड में अब हीरो नहीं बचे हैं। बल्कि अब जो हैं वो सिर्फ लीड एक्टर हैं। असली हीरो तो पहले के जमाने में होते थे। अक्सर विवादों में रहने वाले साजिद खान का मौजूदा एक्टर्स को लेकर ऐसा मानना है। साजिद खान ने अब इसको लेकर बात करते हुए अपने तर्क भी दिए हैं।

'अब कोई भी पिक्चर कर सकता है'

कॉमेडियन भारती सिंह के साथ उनके यूट्यूब चैनल पर बातचीत के दौरान साजिद खान ने बॉलीवुड इंडस्ट्री और एक्टर्स को लेकर बात की। साजिद खान का कहना है कि आज बॉलीवुड में हीरो नहीं हैं। पुराने समय के हीरो की लाइफस्टाइल पर चर्चा करते हुए साजिद ने कहा, "पहले के हीरो शानदार और मजेदार जीवन जीते थे। आज की डेट में हीरो नहीं है। लीड हैं। हीरो बहुत कम होते हैं। जो पहले हीरो अब लीड हैं।

अब कोई भी पिक्चर कर सकता है। क्योंकि हीरो के मायने बहुत कम होते हैं। हीरो के मायने सिर्फ साउथ में बचे हैं। तभी उनकी एंट्री धमाकेदार होती है। इसलिए वो फिल्म में कभी कुछ ऐसा कदम नहीं उठा सकते जो गलत होगा समाज के लिए क्योंकि वो हीरो हैं। इसलिए हमने कभी सुपरलीड शब्द नहीं सुना है, लेकिन सुपरहीरो सुना।

'पहले के हीरो को नहीं थी बॉडी बनाने की जरूरत'

निर्माता-निर्देशक ने आगे कहा, "अमिताभ बच्चन, धर्मेंद्र, जीतेंद्र और मिथुन चक्रवर्ती जैसे अभिनेता हीरो थे। भले ही उन्होंने कभी-कभार विलेन या अलग तरह के किरदार निभाए हों। ये असली भीड़ खींचने वाले हीरो थे। पहले के हीरो को अच्छी बॉडी की जरूरत नहीं थी। विनोद खन्ना, अमिताभ बच्चन के पास अच्छी बॉडी नहीं थी, लेकिन गुस्सा उनकी आंखों में था, एक्शन आंखों में था, जांघों में नहीं। सलमान खान ने बॉलीवुड में बॉडी बिल्डिंग का क्रेज लाया।

'मैंने प्यार किया' के पहले पोस्टर में उनके सिक्स-पैक एब्स देखकर लोग चौंक गए थे। लेकिन वे सिक्स-पैक एब्स की वजह से हीरो नहीं बने। अब यह आम बात हो गई है। अब सिक्स-पैक होना अनिवार्य है। तेज और गुस्सा आंखों में होनी चाहिए।"

जैज, बैले और बेली डांसर हैं अदा शर्मा

बॉलीवुड की कई बेहतरीन एक्ट्रेस हैं जो अदाकारी के अलावा कई हुनर में माहिर हैं। इन्हीं अभिनेत्रियों में से एक नाम है अदा शर्मा का। अदा शर्मा आज अपना जन्मदिन मना रही हैं। उनका जन्म 11 मई 1992 को मुंबई में हुआ था। उनके माता-पिता का ताल्लुक दक्षिण भारत से है। अदा शर्मा ने साल 2008 में फिल्म '1920' से अपने फिल्मी करियर की शुरूआत की थी। इस फिल्म के लिए उन्हें फिल्मफेयर अवार्ड के लिए नामांकित किया गया था। अदा शर्मा के पिता भारतीय नैवी में थे। उनकी मां क्लासिकल डांसर थीं। यही वजह है कि अदा शर्मा भी बेहतरीन डांसर हैं। वह तीन साल की उम्र से डांस कर रही हैं। अदा शर्मा ने कथक डांस में 'नटराज गोपी कृष्ण कथक नृत्य अकादमी' मुंबई से स्नातक किया है। उन्होंने अमेरिका में चार महीनों तक सालसा डांस सीखा है। यही नहीं अदा शर्मा ने 'जैज' डांस और 'बैले' डांस सीखा। वह जबरदस्त 'बेली डांसर' भी हैं। अदा ने सिलंबम (हथियार चलाने का हुनर) में भी हाथ आजमाया है। अदा शर्मा 'कमांडो 3', 'द केरल स्टोरी' और 'तुमको मेरी कसम' जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। बॉलीवुड के अलावा वह तेलुगु फिल्मों में अभिनय करती हैं। अदा शर्मा को 'स्टारडस्ट अवॉर्ड्स', 'आइकॉनिक गोल्ड अवॉर्ड्स' और 'जी सिने अवॉर्ड्स' मिल चुके हैं।

बेबाक, बोल्ड और ग्लैमरस पूजा बेदी की पर्सनल-प्रोफेशनल लाइफ के किस्से

पूजा बेदी आज अपना 55वां जन्मदिन मना रही हैं। आइए उनके जन्मदिन पर जानते हैं उनसे जुड़े कुछ चर्चित और मजेदार किस्से, जो पूजा बेदी के सेट के अनुभवों को दर्शाते हैं। पूजा का पालन-पोषण एक बोहेमियन और कलात्मक माहौल में हुआ था, जिसका असर उनके सेट पर व्यवहार में दिखता था। बोहेमियन स्टाइल, जिसे बोहो स्टाइल भी कहा जाता है। वह हमेशा बिंदास और आत्मविश्वास से भरी दिखीं, जो उनके सेट के किस्सों में भी झलकता है।

पूजा की पर्सनल लाइफ

बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता कबीर बेदी और शास्त्रीय नृत्यांगना प्रोतिमा बेदी की बेटी हैं पूजा। उनका जन्म 11 मई 1970 को मुंबई में हुआ। पूजा ने अपनी खूबसूरती और बेबाक अंदाज से दर्शकों का दिल जीता, लेकिन उनकी जिंदगी पर्सनल और प्रोफेशनल दोनों ही मोर्चों पर चर्चा में रही। पूजा ने गुजराती फरहान फर्नीचरवाला से शादी की। उनकी एक बेटी अलाया एफ, जो बॉलीवुड में बतौर अभिनेत्री अपना करियर बना रही हैं। एक बेटा है, जिसका नाम उमर फर्नीचरवाला। हालांकि, 2003 में पूजा और फरहान का तलाक हो गया था।

पूजा की प्रोफेशनल लाइफ

पूजा ने 1991 में फिल्म 'विषकन्या' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। उनकी सबसे मशहूर फिल्म

'जो जीता वही सिकंदर' थी, जिसमें उन्होंने आमिर खान के साथ काम किया। इस फिल्म के गाने पहला नशा ने उन्हें रातों रात स्टार बना दिया। पूजा ने 'लुटेरे' और 'आतंक ही आतंक' जैसी फिल्मों में भी काम किया, लेकिन उनका फिल्मी करियर ज्यादा लंबा नहीं चला। फिल्मों के अलावा, पूजा ने टीवी पर भी अपनी पहचान बनाई। उन्होंने बिग बॉस और फियर फैक्टरः खतरों के खिलाड़ी जैसे रियलिटी शो में हिस्सा लिया। वह एक टॉक शो होस्ट और अखबार में कॉलम लिखने वाली लेखिका भी रही हैं।

पहला नशा गाने की शूटिंग में स्कर्ट का किस्सा

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म 'जो जीता वही सिकंदर' के गाने पहला नशा की शूटिंग के दौरान पूजा बेदी की लाल स्कर्ट हवा में उड़ गई थी। कोरियोग्राफर फराह खान ने बताया कि पूजा को कार पर खड़े होकर मर्लिन मुनरो स्टाइल में पोज देना था। एक पंखे की वजह से उनकी स्कर्ट बार-बार उड़ रही थी। पूजा ने स्कर्ट पकड़ने की कोशिश की, लेकिन एक बार स्कर्ट सिर तक चली गई, जिसे देखकर सेट पर मौजूद एक स्पॉट बॉय उन्हें देखकर बेहोश हो गया था। वहीं फिल्म 'जो जीता वही सिकंदर' में पूजा और आमिर खान का लिपलॉक सीन उस समय काफी चर्चा में रहा। यह सीन 90 के दशक में बोल्ड माना गया और पूजा की इमेज को और ग्लैमरस बना दिया।

विज्ञापन की शूटिंग

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, 1991 में पूजा ने एक ब्रांड के लिए विज्ञापन शूट किया, जिसमें वह मॉडल मार्क रॉबिन्सन के साथ नजर आईं। इस विज्ञापन को उस समय इतना बोल्ड माना गया कि दूरदर्शन ने इसे बैन कर दिया। पूजा ने बताया कि शूटिंग के दौरान वह शॉवर सीन में सहज थीं, लेकिन सेट पर मार्क की मौजूदगी ने उन्हें थोड़ा हैरान किया था।

रियलिटी शो में सेट के अनुभव

पूजा ने बिग बॉस 5 और फियर फैक्टरः खतरों के खिलाड़ी जैसे रियलिटी शो में हिस्सा लिया। बिग बॉस के सेट पर वह अपनी बेबाकी के लिए चर्चा में रहीं। एक बार उन्होंने सलमान खान पर टिप्पणी की थी कि वह शो में प्रतिभागियों को डिमोटिवेट करते हैं, जिससे वह सुर्खियों में आ गईं।

आज की पूजा

आज पूजा बेदी गोवा में एक शांत जिंदगी जी रही हैं। वह सोशल मीडिया पर सक्रिय रहती हैं और अपनी जिंदगी की झलकियां फैंस के सोशल मीडिया के जरिए साझा करती हैं। उनकी बेटी अलाया बॉलीवुड में कदम जमा चुकी हैं और पूजा अपने बच्चों के सपनों को पूरा करने में उनका साथ दे रही हैं। अपनी बेबाकी और हिम्मत के लिए जानी जाने वाली पूजा बेदी आज भी कई लोगों के लिए प्रेरणा हैं।

लंदन के मैडम तुसाद में लगा राम चरण का वैक्स स्टैचू

आज टॉलिवुड स्टार राम चरण ने लंदन के मैडम तुसाद

वैक्स म्यूजियम में अपनी मोम की प्रतिमा का अनावरण किया, जहां उनके साथ उनके माता-पिता चिरंजीवी और सुरेखा, पत्नी उपासना और उनका क्यूट पेट डॉग राइम भी मौजूद रहा।

लंदन के मैडम तुसाद में लगा राम का वैक्स स्टैचू

आज रविवार को टॉलिवुड स्टार राम चरण ने लंदन के मैडम तुसाद वैक्स म्यूजियम में अपनी मोम की प्रतिमा का अनावरण किया। इस मौके पर उनके माता-पिता चिरंजीवी और सुरेखा, पत्नी उपासना और उनका पेड डॉग राइम भी मौजूद रहा। म्यूजियम जाने से पहले, लंदन की सड़कों पर हजारों प्रशंसकों ने राम चरण का जोरदार स्वागत किया। कुछ दिनों बाद, उनकी मोम की प्रतिमा को मैडम तुसाद सिंगापुर में स्थायी रूप से रखा जाएगा।

क्या खास है राम की मोम की प्रतिमा की

राम चरण दुनिया के पहले ऐसे अभिनेता हैं, जिनकी मोम की प्रतिमा में उनका पालतू कुत्ता भी शामिल है। अनावरण के दौरान राम चरण ने राइम के साथ फोटोग्राफरों के लिए पोज दिए। राइम की क्यूटनेस ने लोगों का दिल जीत लिया।

राम चरण का वर्कफ्रंट

काम की बात करें तो लंदन से लौटने के बाद पैन इंडिया स्टार राम चरण अपनी फिल्म 'पेद्दी' की शूटिंग फिर से शुरू करेंगे। इस फिल्म में राम के अलावा शिवा राजकुमार, जान्हवी कपूर और दिव्येंदु शर्मा भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन बुची बाबू सना कर रहे हैं और फिल्म का मधुर संगीत एआर रहमान ने दिया है। इस फिल्म से पहले राम फिल्म 'गेम चेंजर' में नजर आए थे। इस फिल्म में उनके साथ कियारा आडवाणी की जोड़ी नजर आई थी।

निरूपा रॉय से लेकर रीमा लागू तक ने बड़े पर्दे पर दिखाई ममता

'तू कितनी अच्छी है, तू कितनी भोली है, प्यारी-प्यारी है, ओ मां, ओ मां' मां को समर्पित 'राजा और रंक' फिल्म का ये गीत बॉलीवुड के यादगारों गीतों में से एक है। आज मदर्स डे के मौके पर ये गीत आपको कई लोगों के व्हाट्सएप स्टेटस और इंस्टाग्राम स्टोरी में सुनने को मिल जाएगा। हर किसी के जीवन में मां का किरदार सबसे अहम होता है। बॉलीवुड में भी कई ऐसी अभिनेत्रियां हैं, जिन्होंने पर्दे पर मां के किरदार को जीवंत किया है। कुछ अभिनेत्रियों ने तो एक नहीं बल्कि कई फिल्मों में मां की भूमिका निभाई है। आज मदर्स डे के मौके जानते हैं उन अभिनेत्रियों के बारे में जिन्होंने अपने करियर में निभाया है सबसे अधिक मां का किरदार।

निरूपा रॉय

'मेरे पास मां है', अमिताभ बच्चन-शशि कपूर की 'दीवार' फिल्म का ये डायलॉग जिस मां के लिए बोला गया है वो कोई और नहीं बल्कि अभिनेत्री निरूपा रॉय हैं। हिंदी फिल्मों में मां पर बात हो और निरूपा रॉय का जिक्र न हो, ऐसा तो हो ही नहीं सकता। निरूपा रॉय ने दीवार, दो बीघा जमीन, अमर-अकबर-एंथोनी, सुहाग, मुकद्दर का सिकंदर और

मर्द जैसी कई यादगार फिल्मों में मां का किरदार निभाया है। निरूपा रॉय ने अपने करियर में अमिताभ बच्चन और शशि कपूर से लेकर धर्मेंद्र और देवानंद सरीखे कई स्टार्स की मां का किरदार निभाया है। ऐसा कहा जाता है कि निरूपा रॉय ने अपने करियर में लगभग 200 फिल्मों में मां की भूमिका निभाई है। इसीलिए उन्हें बॉलीवुड की मां कहा जाता है।

ललिता पवार

मां के कई रूप होते हैं। कभी वो ममता से भरी होती है, तो कभी उसमें एक सख्ती देखने को मिलती। ललिता पवार बॉलीवुड में दूसरे किस्म की मां के रूप में अधिक मशहूर हुईं। अपने सात दशक लंबे करियर में तकरीबन 700 से अधिक फिल्मों में काम करने के बाद ललिता पवार को प्रसिद्धि क्रूर सास और मां के किरदारों से ही मिली। उन्होंने 'अनारकली', 'परवरिश', 'अनाड़ी', 'जिस देश में गंगा बहती है' और 'दुश्मन' जैसी कई फिल्मों में मां का यादगार किरदार निभाया है।

दीना पाठक

दीना पाठक ने बॉलीवुड में कई यादगार मां के किरदार निभाए हैं। उन्हें बॉलीवुड में मां और मौसी के किरदारों के लिए जाना जाता है। अपने करियर में 120 से अधिक फिल्मों में काम करने वाली दीना पाठक ने 'गोलमाल', 'खूबसूरत', 'भवानी भवई', 'मिर्च मसाला', 'तमस', 'इजाजत', 'बॉलीवुड/हॉलीवुड', और 'पिंजर' जैसी कई फिल्मों में मां की यादगार भूमिका निभाई है।

रीमा लागू

आपको 'हम साथ साथ हैं' की मां जी तो याद ही होंगी। जिनके अंदर ममता भी थी और सख्ती भी। रीमा लागू ने अपने अभिनय से इस किरदार को जीवंत बना दिया था। रीमा लागू ने अपने करियर में एक नहीं बल्कि कई फिल्मों में मां की यादगार भूमिका निभाई है। वो पर्दे पर सलमान खान से लेकर शाहरुख खान, संजय दत्त, माधुरी दीक्षित, काजोल और जूही चावला जैसे स्टार्स की मां का किरदार निभा चुकी हैं। उन्होंने 'मैंने प्यार किया', 'आशिकी', 'साजन', 'हम आपके हैं कौन', 'रंगीला', 'वास्तव', 'कुछ कुछ होता है', 'कल हो ना हो' और 'हम साथ साथ हैं' जैसी कई फिल्मों में मां की भूमिका निभाई है।

फरीदा जलाल

फरीदा जलाल फिल्मों की चुलबुली और अपने बच्चों के साथ दोस्ताना रिश्ते रखने वाली मां के रूप में मशहूर हैं। डीडीएलजे में उन्होंने काजोल की मां की यादगार भूमिका निभाई। इसके अलावा भी फरीदा जलाल कई फिल्मों में मां के किरदार में दिखाई दीं। इनमें 'दुलारा', 'लाडला', 'चोरी-चोरी चुपके-चुपके', 'दिल वाले दुल्हनिया ले जाएंगे', 'दिलजले' और 'अजय' जैसी फिल्में शामिल हैं।

मॉम से लेकर मदर इंडिया तक इन फिल्मों में दिखा मां का प्यार-त्याग, क्या आपने देखी हैं ये फिल्में?

हिंदी फिल्मों का दौर कोई भी रहा हो, हर दौर में मां पर आधारित कहानी खूब देखने को मिली हैं। इन फिल्मों के जरिए मां की महानता, ममता, त्याग और प्यार को बहुत ही बेहतरीन ढंग से दिखाया गया है। मदर्स डे के मौके पर हम आपको ऐसी ही कुछ चुनिंदा फिल्मों के बारे में बता रहे हैं।

मॉम

श्रीदेवी अभिनीत फिल्म 'मॉम(2017)' एक क्राइम थ्रिलर फिल्म थी। एक मां कैसे अपनी बेटी का उत्पीड़न करने वाले लोगों से बदला लेती है, इसी कहानी ईद-गिर्द फिल्म बनी थी। फिल्म में श्रीदेवी के अभिनय को खूब सराहा गया, उन्होंने एक मां के दर्द और प्रतिशोध को बहुत ही बेहतरीन तरीके से बड़े पर्दे पर दिखाया। इस फिल्म को रवि उदयवार ने निर्देशित किया था।

मदर इंडिया

महबूब खान निर्देशित फिल्म 'मदर इंडिया (1957)' की कहानी एक सशक्त महिला और मां के जीवन को दिखाती है। फिल्म में राधा बनीं नरगिस दत्त जीवन में आने वाले हर संघर्ष का सामना करती है, अपने बच्चों की परवरिश करती है। फिल्म के आखिर में जब उसका बेटा ही एक गलत फैसला लेता है, एक अपराध को अंजाम देता है तो वह उसे भी माफ नहीं करती, उसे गोली मार देती है।

जज्बा

संजय गुप्ता निर्देशित फिल्म 'जज्बा(2015)' में ऐश्वर्या राय ने एक वकील और मां की भूमिका निभाई। इस फिल्म में अपनी किडनैप हो चुकी बेटी को बचाने के लिए ऐश्वर्या राय का किरदार एक क्रिमिनल को बचाता है। इस रास्ते पर उसे किस तरह की मुश्किलों का सामना करना पड़ता है और वह मां का फर्ज कैसी निभाती है, यही फिल्म की कहानी है।

मिमी

लक्ष्मण उतेकर निर्देशित फिल्म 'मिमी(2021)' में कीर्ति सेनन ने एक सेरोगेट मदर का रोल किया था। वह पैसों के लिए किसी और के बच्चे को अपनी कोख में पालती है। अचानक वो लोग उस बच्चे को छोड़ देते हैं, तब मिमी अपने सेरोगेट बच्चे को पालती है। इस फिल्म में मां का एक अलग ही रूप दर्शकों को देखने को मिला।

कहानी 2

सुजॉय घोष निर्देशित फिल्म 'कहानी 2-दुर्गा रानी सिंह(2016)' में विद्या बालन ने अभिनय किया। इस फिल्म की कहानी में दुर्गा(विद्या बालन) एक लड़की को अपनी बेटी की तरह पालती है, उस बच्ची को उसके बुरे रिश्तेदारों से दूर रखती है। फिल्म का क्लाइमैक्स ऐसा है कि दर्शक हैरान रह जाते हैं।

हेलीकॉप्टर इला

प्रदीप सरकार निर्देशित फिल्म 'हेलीकॉप्टर इला(2018)' में काजोल ने एक सिंगल मदर का रोल किया है। ईला (काजोल) की जिंदगी अपने बेटे के ईद-गिर्द घूमती है। आखिर में बेटा, मां से अलग रहने का सोचता है। इसके बाद इला अपनी पढ़ाई पूरी करने के लिए कॉलेज जाती है, अपने अधूरे सपनों को पूरा करती है। अपनी मां को यूं जिंदगी में आगे बढ़ते हुए देखकर ईला का बेटा भी काफी खुश होता है।

मानव सेवा के साथ कमाई के भी अवसर

बड़ी आपदाओं के वक्त जब लोग बेबस और लाचार नजर आते हैं, तब आपदा प्रबंधन विशेषज्ञ पीड़ित लोगों के जीवन को उम्मीद की डोर से बांधने का काम करते हैं। प्रकृति का संतुलन बिगड़ने की वजह से लगभग हर साल आपदाएं आती हैं। इन्हीं आपदाओं से निपटने और जिंदगी को फिर से पटरी पर लाने के लिए आपदा प्रबंधन या डिजास्टर मैनेजमेंट से जुड़े विशेषज्ञों की जरूरत पड़ती है। ये आपदा के शिकार लोगों की जान बचाने और उन्हें नई जिंदगी देने के काम में माहिर होते हैं। इस क्षेत्र में करिअर की कई संभावनाएं मौजूद है। अगर आप भी जरूरतमंद लोगों की मदद करने के लिए काम करना चाहते हैं, तो इस क्षेत्र में एक अच्छा भविष्य है। इस क्षेत्र में योग्य विशेषज्ञों को बेहतर वेतन और तरक्की के साथ विदेशों में काम करने का मौका भी मिलता है।

आपदा प्रबंधक का काम क्या है आपदा प्रबंधक का काम आपदा के बाद की स्थिति को नियंत्रित करने या पीड़ित व्यक्तियों की मदद करने तक ही सीमित नहीं है। वह आपदा पूर्व चेतावनी जारी करने के लिए अलर्ट सिस्टम भी तैयार करता है। आपदा प्रबंधन में प्रशिक्षण ले चुके लोग आपदा के वक्त सरकारी सिस्टम की मदद करते हैं। इन्हें आपदा के शिकार लोगों की जान बचाने, उन्हें सुरक्षित जगह पर पहुंचाने, हर संभव राहत पहुंचाने और उनकी मेडिकल या अन्य जरूरतें पूरी करने का प्रशिक्षण दिया जाता है।

पात्रता

किसी भी विधा के छात्र आपदा प्रबंधन पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने के पात्र होते हैं। आपदा प्रबंधन में स्नातक डिग्री पाठ्यक्रम करने के लिए उम्मीदवार हायर सेकेंडरी प्रमाणपत्र परीक्षा (10+2) न्यूनतम 55 फीसद अंकों के साथ उत्तीर्ण होने चाहिए।

पाठ्यक्रम में, आपदाओं के कारणों और इनके प्रभावों को किस तरह कम किया जाए, इन उपायों पर व्यापक जानकारी दी जा सकती है। यह पाठ्यक्रम छात्रों को आपदा प्रबंधन के विभिन्न क्षेत्रों, स्थितियों के प्रबंधन प्रभावित व्यक्तियों तथा क्षेत्र की आवश्यकताओं की पूर्ति, घायल व्यक्तियों के लिए भोजन तथा दवाइयों का वितरण आदि विभिन्न क्षेत्रों का अध्ययन कराता है।

कहां से करें पढ़ाई

सिम्बियोसिस जैवसूचना विज्ञान संस्थान, पुणे

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, नई दिल्ली

टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, मुंबई

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय खुला विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

आपदा प्रबंधन संस्थान, भोपाल

पाठ्यक्रम के दौरान छात्रों को पर्यावरणीय प्रणालियों, क्षेत्रगत परिचालन एवं आपदा प्रबंधन के संगठनात्मक प्रबंध से अवगत कराया जाता है।

स्नातकोत्तर कार्यक्रम के लिए उम्मीदवार किसी मान्यता प्राप्त संस्था या विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक हों। पीएचडी के लिए उम्मीदवार स्नातकोत्तर योग्यता में न्यूनतम 55 फीसद अंक रखते हों ।

इस क्षेत्र से जुड़े कुछ अन्य पाठ्यक्रम हैं.

एमएससी इन डिजास्टर मिटिगेशन एमएससी इन जिओ-हैजर्ड

फायर इंजीनियरिंग व सेफ्टी में डिग्री / डिप्लोमा कोर्स अर्थक्वेक इंजीनियरिंग में एमटेक एवं पीएचडी आदि

गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली अन्नामलै विश्वविद्यालय, अन्नामलै नगर, तमिलनाडु पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़

आपदा न्यूनीकरण संस्थान, अहमदाबाद आपदा प्रबंधन केंद्र, पुण

एक बेहतर आपदा प्रबंधक बनने के लिए आप में जनसेवा का भाव होना आवश्यक है। कोर्स के बाद सबसे बड़ा मौका सरकारी क्षेत्र में मिलता है। वेतन

यह एक जोखिम भरा क्षेत्र है, इसे देखते हुए इस क्षेत्र में वेतन भी बढ़िया है। शुरूआत में सैलरी 20 से 25 हजार रुपए महीने आसानी से मिलती है। ये दो साल बाद तक 50 हजार तक पहुंच जाती है। जो लोग इंजीनियरिंग क्षेत्र से आते हैं उन्हें कई अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां नौकरी देतीं हैं, उनका सैलरी पैकेज पांच से छह साल में सालाना 10 से 12 लाख तक हो सकता है।

गर्मी के मौसम में भूल से भी न पहनें इन फैब्रिक के कपड़े, वरना त्वचा पर होंगी घमौरियां

गर्मी के मौसम में जिस तरह से खान-पान का अच्छा ध्यान रखना चाहिए, ठीक उसी तरह से ही पहनावे पर भी ध्यान देना चाहिए। यदि आप इस मौसम में गलत कपड़े पहनेंगे तो आपकी त्वचा पर घमौरियों जैसी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। लेकिन अगर आप सही फैब्रिक के कपड़े पहनेंगे तो पसीने और गर्मी से होने वाली दिक्कतें आपके दूर रहेंगी। जिन्हें गर्मी के मौसम में भूल से भी कैरी नहीं करना चाहिए, ताकि बच्चे से लेकर बड़े तक गर्मी में बिना किसी परेशानी के रह सकें।

पॉलिएस्टर

ये एक ऐसा एक सिंथेटिक फैब्रिक होता है, जिसे बनाने में कई प्रकार के सिंथेटिक चीजों का इस्तेमाल किया जाता है। यदि आप इसे कैरी करेंगे तो इसकी वजह से आपके चेहरे पर चिपचिपाहट की वजह से घमौरियां हो सकती हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि पॉलिएस्टर फैब्रिक के कपड़े हवा को शरीर तक पहुंचने नहीं देते हैं।

नायलॉन

बात करें नायलॉन फैब्रिक की तो ये फैब्रिक की तो ये फैब्रिक भी पसीना रोकता है और हवा का संचार नहीं होने देता। इसे पहनने से शरीर में गर्मी फंस जाती है, जो रैशेज और खुजली को बढ़ावा देती है। कई बार तो खुजली इतनी बढ़ जाती है कि डॉक्टर तक के पास जाना पड़ जाता है।

रेयान

ये कपड़ा भले ही देखने में काफी हल्का होता है, लेकिन ये भी हवा को आस-पास नहीं होने देता। जिस वजह से स्किन से संबंधी परेशानियां जन्म लेने लगती हैं। ये फैब्रिक सिंथेटिक होता है, जिस वजह से गर्मी में यह भी घमौरियों की वजह बन सकता है।

लेदर

गर्मी से मौसम में कभी भी भूलकर लेदर के कपड़े तो न ही पहनें। ये आपकी शरीर में कई परेशानियां पैदा कर देंगे। इसकी वजह से आपकी त्वचा पर खुजली की समस्या पैदा हो सकती है। लेदर की वजह से घमौरियां होना तो बेहद ही आम बात है।

तो क्या पहनें ?

गर्मी के मौसम में क्या पहनना सही रहता है, यहां हम आपको इस बारे में भी बताएंगे। दरअसल, इस मौसम में आपको लिनेन फैब्रिक के कपड़े, सूती कपड़े, खादी के कपड़े, शिफॉन के कपड़े कैरी किए जा सकते हैं। ये चारों फैब्रिक त्वचा को काफी आराम पहुंचाते हैं।

चाहे इंडियन हो या वेस्टर्न, इस तरह के फुटवियर हो सकते हैं हर आउटफिट के साथ मैच

भले ही आप कपड़े कितने ही अच्छे क्यों न पहन लें, लेकिन अगर आपने उसके साथ सही फुटवियर नहीं पहने हैं, तो आपका लुक अजीब दिखेगा। ये बात पुरुषों के साथ-साथ महिलाओं पर ज्यादा लागू होती है। यही वजह है कि महिलाओं के पास फुटवियर का शानदार कलेक्शन होता है। पर, हर कोई अलग-अलग आउटफिट के हिसाब से अलग-अलग फुटवियर खरीद कर रखे ये जरूरी नहीं है।

ऐसे में यहां हम आपको कुछ ऐसे फुटवियर के बारे में बताने जा रहे हैं, जो एथनिक और वेस्टर्न हर आउटफिट के साथ जचेंगे। यदि आपको स्टाइलिश दिखना पसंद है तो अपने कलेक्शन में ये पांच फुटवियर शामिल करें, ताकि आपका अंदाज सबसे हट के दिखे।

कोल्हापुरी चप्पल

कोल्हापुरी चप्पल पैरों की खूबसूरती को कई गुना बढ़ा देती हैं। इन्हें आप जींस-शॉर्ट्स के साथ-साथ सूट और साड़ी के साथ भी कैरी कर सकती हैं। यदि कोल्हापुरी चप्पल खरीदने का प्लान कर रही हैं, तो याद रखें कि इसे लेदर या मेटैलिक फिनिश में लें तो वेस्टर्न लुक पर भी खूब जचते हैं।

बैलेरीना फ्लैट्स

यदि आपको एलिगेंट और क्लासी लुक कैरी करना पसंद है तो बैलेरीना फ्लैट्स को अपने कलेक्शन में शामिल करें। इसे खरीदने का प्लान कर रही हैं तो बेज, ब्लैक या टैन कलर चुनें ताकि हर आउटफिट से मैच हो जाए। इसे जींस और वेस्टर्न दोनों के साथ कैरी किया जा सकता है।

ब्लॉक हील

यदि आपको ज्यादा हील पहनना नहीं पसंद है तो ब्लॉक हील्स अपने पास रखें। ये हील्स सूट से लेकर साड़ी और वेस्टर्न तक पर खूब जचती है। ब्लॉक हील्स हमेशा गोल्डन, सिल्वर या न्यूड शेड में लें तो और वर्सेटाइल हो जाएंगी। फिर आप इसे हर मौके पर कैरी कर सकती हैं।

मोजरी

हर महिला के पास मोजरी अवश्य होनी चाहिए। त्योहारों और शादी-विवाह तक में मोजरी कमाल की लगती है। अगर ये सिंपल डिजाइन और सॉलिड कलर की होगी तो जींस-टॉप या प्लाजो के साथ भी मोजरी स्टाइल किया जा सकता है।

स्नीकर्स

स्नीकर्स काफी कंफर्टेबल रखते हैं। ऐसे में अपने कलेक्शन में एक जोड़ी स्नीकर्स को शामिल करें। इसे अब लड़कियां वेस्टर्न के अलावा एथनिक के साथ भी कैरी करती हैं। आज-कल तो दुल्हनें तक लहंगे के साथ स्नीकर्स पहनना पसंद करती हैं।

आम नागरिकों के लिए सेना में शामिल होने का अवसर, ग्रेजुएट कर सकेंगे आवेदन

देशभक्ति से प्रेरित उन युवाओं के लिए बड़ी खुशखबरी है, जो भारतीय सेना का हिस्सा बनने का सपना देखते हैं। भारतीय सेना ने टेरिटोरियल आर्मी में ऑफिसर पदों पर भर्ती के लिए आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी है। यह एक स्वैच्छिक सेवा है, जो आम नागरिकों को सेना से जुड़ने का अवसर देती है।

इस भर्ती अभियान के तहत कुल 19 पदों पर भर्ती की जाएगी, जिनमें से 18 पद पुरुष उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं, जबकि 1 पद महिला उम्मीदवारों के लिए निर्धारित किया गया है।

महत्वपूर्ण तिथियां

आवेदन शुरूः 12 मई 2025

अंतिम तिथिः 10 जून 2025

लिखित परीक्षा की तिथिः 20 जुलाई 2025

कौन कर सकता है आवेदन?

इस भर्ती के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों की आयु 18 से 42 वर्ष के बीच होनी चाहिए। इसके अलावा, उम्मीदवार के पास किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक डिग्री होना अनिवार्य है। चयन प्रक्रिया में शामिल होने के लिए शारीरिक और चिकित्सकीय रूप से पूर्णतः स्वस्थ होना भी जरूरी है, क्योंकि यह सेवा शारीरिक क्षमता और मानसिक दृढ़ता की मांग करती है।

इस भर्ती प्रक्रिया में भाग लेने के लिए उम्मीदवारों को 500 रुपये का आवेदन शुल्क जमा करना होगा। आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से ही स्वीकार किए जाएंगे, जिसके लिए उम्मीदवार www.indian-army.nic.in या www.joint-erritorialarmy.gov.in वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

वेतनमान और लाभ

टेरिटोरियल आर्मी ऑफिसर पद पर चयनित उम्मीदवारों को 56,100 रुपये से 1,77,500 रुपये के बीच पे स्केल दिया जाएगा, जो सेवा के दौरान उनके पद और अनुभव के अनुसार तय होगा। इसके अलावा सेवा अवधि के दौरान 15,500 रुपये का मिलिट्री सर्विस पे भी प्रदान किया जाएगा। उम्मीदवारों को राशन, आर्मी कैंटीन, मेडिकल सुविधाएं, लीव एनकैशमेंट, सरकारी आवास और यात्रा भत्ता जैसी कई सुविधाएं भी मिलेंगी, जो उन्हें एक सम्मानजनक और सुरक्षित जीवन प्रदान करती हैं।

क्या है टेरिटोरियल आर्मी?

टेरिटोरियल आर्मी (Territorial Army) एक स्वैच्छिक संगठन है, जिसकी स्थापना 1948 में हुई थी। इसे भारतीय सेना की सेकेंड लाइन ऑफ डिफेंस माना जाता है। आप एक आम नागरिक रहते हुए सेना का अनुभव ले सकते हैं। जरूरत पड़ने पर आपको सक्रिय सेवा में बुलाया जा सकता है।

यह एक नियमित नौकरी नहीं है, बल्कि एक अवसर है देश सेवा का, अपनी मौजूदा नौकरी या व्यवसाय के साथ। टेरिटोरियल आर्मी ने 1962, 1965, 1971 और 1999 के करगिल युद्ध सहित कई अहम अभियानों में भाग लिया है।

खुद की ब्रांडिंग कैसे करें? एआई, वीडियो स्टोरीटेलिंग और प्रेजेंटेशन के नए तरीके

इस आधुनिक परिदृश्य में लोगों से जुड़ाव के लिए संचार के नए तरीकों में महारत हासिल करना जरूरी है। इसके लिए आपको अपने भीतर नई मानसिकत्ता और संचार कौशल विकसित करना होगा। कार्यस्थल पर लंबे ई-मेल, टेक्स्ट-बड़े-बड़े प्रेजेंटेशन और लंबी मीटिंग के पुराने तरीकों की जगह विजुअल और एआई-सहायता प्राप्त संचार विधियां अपनाई जा रही हैं।

याद रखें कि आज आपको सिर्फ बोलने या लिखने की जरूरत नहीं है, बल्कि वर्चुअल बातचीत, एआई इंटरेक्शन, वीडियो स्टोरीटेलिंग और आकर्षक प्रेजेंटेशन में महारत हासिल करने की भी जरूरत है। इसके जरिये आप अपनी संचार शैली को बेहतर बनाकर अपने व्यक्तिगत ब्रांड को बढ़ा सकते हैं।

वर्चुअल मीटिंग, अब सामान्य है

वर्चुअल मीटिंग को इतना खास बनाएं कि लोग आपके प्रेजेंटेशन से आकर्षित हो सकें। इस दौरान अपनी उपस्थिति को अधिक रुचिकर बनाने पर फोकस करें। अपनी प्रेजेंटेशन की स्लाइड्स में सिर्फ शब्दों का इस्तेमाल न करें, बल्कि अपने संचार को दिलचस्प बनाने के लिए विजुअल का इस्तेमाल करें। लोगों को प्रभावित करने के लिए पोल तथा वर्ड क्लाउड से लेकर क्विज और गेम भी शामिल कर सकते हैं। इसका सही तरीके का उपयोग आपके लिए खुद का ब्रांडिंग टूल भी हो सकता है।

एआई के साथ संवाद करना

एआई अब संचार का एक अनिवार्य हिस्सा है और इसके उपयोग के लिए इसे जानना एक आवश्यक कौशल है। सबसे पहले एआई को एक मानव सहायक के रूप में सोचें। एआई इंटरेक्शन को एक वास्तविक वार्तालाप की तरह समझें। इसके साथ बातचीत में अपनी शैली डालें और इसे प्रामाणिक रूप से अपनाने का प्रयास करें।

वीडियो संचार प्रभावी कुंजी

वीडियो नेतृत्व और आंतरिक संचार के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण है। इससे अधिक संभावना होती है कि आपके द्वारा पोस्ट की गई चीजों को लोग जल्द ही देख सकते हैं। वीडियो लोगों के सामने आवाज, भावना और प्रामाणिकता को उन तरीकों से पेश करता है, जो टेक्स्ट से नहीं जोड़ा जा सकता। इसके लिए आपको वीडियो कैमरे से फ्रेंडली होना होगा।

संवाद स्पष्ट हो

आज के कार्यस्थल संवाद में लंबी-चौड़ी व्याख्याएं काम नहीं आती हैं। अगर आप चाहते हैं कि लोग आपकी बात को सुनें, तो संवाद को सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण बात से शुरुआत करें। इसके लिए मजबूत व सरल भाषा का इस्तेमाल करें। आपके संवाद में स्पष्टता भी महत्वपूर्ण है।

सहायक लोको पायलट के लिए 9000+ आवेदन का एक और मौका

भारतीय रेलवे भर्ती बोर्ड ने सहायक लोको पायलट पदों के लिए 9970 रिक्तियों के लिए आवेदन प्रक्रिया 19 मई तक बढ़ा दी है। आवेदन शुल्क का भुगतान 21 मई 2025 (रात 11:59 बजे) तक किया जा सकता है।

शुल्क भुगतान की अंतिम तिथि 21 मई 2025 निर्धारित की गई है, जबकि फॉर्म में त्रुटि सुधारने के लिए उम्मीदवारों को 22 मई से 31 मई 2025 तक का समय मिलेगा।

पात्रता मानदंड

इस भर्ती में आवेदन करने के लिए उम्मीदवार की आयु 18 से 30 वर्ष के बीच होनी चाहिए। आरक्षित वर्गों को सरकार के नियमानुसार आयु में छूट प्रदान की जाएगी। शैक्षणिक योग्यता के अंतर्गत उम्मीदवारों के पास मैट्रिकुलेशन/SSLC के साथ किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से संबंधित ट्रेड में ITI या 3 वर्षीय डिप्लोमा होना अनिवार्य है।

चयन प्रक्रिया

एएलपी पद के लिए चयन चार चरणों में होगा। प्रथम चरण में CBT-1 परीक्षा होगी, जिसमें 60 मिनट में 75 प्रश्न पूछे जाएंगे और 1/3 नकारात्मक अंकन होगा। इसके बाद CBT-2 परीक्षा होगी, जिसमें 2 घंटे 30 मिनट में 175 प्रश्न हल करने होंगे, इसमें भी 1/3 नेगेटिव मार्किंग होगी। CBT-2 में सफल उम्मीदवारों को कंप्यूटर आधारित एप्टीट्यूड टेस्ट (CBAT) देना होगा, जिसमें कोई नकारात्मक अंकन नहीं है। अंत में दस्तावेज सत्यापन और चिकित्सा परीक्षण होंगे।

कितना लगेगा आवेदन शुल्क?

इस भर्ती प्रक्रिया में सामान्य, ओबीसी और ईडब्ल्यूएस वर्ग के लिए आवेदन शुल्क 500 रुपये है, जबकि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, महिला, ट्रांसजेंडर, ईबीसी और पूर्व सैनिकों के लिए शुल्क 250 रुपये निर्धारित किया गया है। विशेष बात यह है कि अगर कोई अभ्यर्थी CBT-1 परीक्षा में शामिल होता है, तो उसे 250 रुपये की राशि वापस कर दी जाएगी।

कैसे करें आवेदन?

सबसे पहले RRB की आधिकारिक वेबसाइट (www.rrbcdg.gov.in) पर जाएं।

वेबसाइट पर जाकर क्लिक करें और आवश्यक जानकारी भरकर पंजीकरण करें।

पंजीकरण के बाद, आवेदन पत्र में सभी आवश्यक जानकारी जैसे कि शैक्षणिक योग्यता, व्यक्तिगत जानकारी, आदि भरें।

अपनी पासपोर्ट साइज फोटो और हस्ताक्षर अपलोड करें, जैसा कि वेबसाइट पर निर्देशित है।

भुगतान के लिए क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, नेट बैंकिंग या यूपीआई का उपयोग करें।

अब आवेदन पत्र को सबमिट करें और उसका प्रिंट आउट ले लें।

चीन की हायर कंपनी पर आया सुनील मित्तल का दिल!

17,084 करोड रुपये में हो सकता है सौदा

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। अरबपति सुनील मित्तल चीन की कंपनी हायर स्मार्ट में हिस्सेदारी खरीदने की सोच रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, मित्तल हायर की भारतीय यूनिट में 49% हिस्सेदारी खरीदने के लिए बातचीत कर रहे हैं। हायर होम अप्लायंसेज जैसे फ्रिज, वॉशिंग मशीन, टीवी, एसी आदि घरेलू उपकरण बनाती है।

भारती एयरटेल लिमिटेड के मालिक सुनील मित्तल, प्राइवेट इक्विटी फर्म वारबर्ग पिन्कस के साथ मिलकर हायर अप्लायंसेज (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड में ये हिस्सेदारी खरीदना चाहते हैं। यह सौदा करीब 2 बिलियन डॉलर (करीब 17,084 करोड़ रुपये) का हो सकता है। सूत्रों ने बताया कि डील कुछ हफ्तों में साइन हो सकती है, लेकिन अभी कुछ सरकारी मंजूरी मिलना बाकी है।

अंबानी की कंपनी भी रेस में!

हालांकि, अभी बातचीत चल रही है और हायर कंपनी हिस्सेदारी न बेचने का फैसला भी कर सकती है। इसके अलावा, कुछ और खरीदार भी सामने आ सकते हैं। इससे पहले खबर आई थी कि मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) भी हायर इंडिया में हिस्सेदारी खरीदने की दौड़ में शामिल है। अक्टूबर में इकोनॉमिक टाइम्स ने खबर दी थी कि हायर अपनी यूनिट में 25% से 49% तक हिस्सेदारी बेचने पर विचार कर रही है। ब्लूमबर्ग न्यूज को सूत्रों ने बताया था कि नवंबर तक टेमासेक होल्डिंग्स पीटीई, जीआईसी पीटीई टेमासेक होल्डिंग्स पीटीई, जीआईसी पीटीईऔर अबू धाबी के सोवरेन वेल्थ फंड मुबाडाला निवेश कंपनी जैसे संभावित निवेशकों ने दिलचस्पी दिखाई थी।

बढ़ गई कंपनी की कमाई

हायर कंपनी ने 29 अप्रैल को बताया था कि साउथ एशिया में उसकी कमाई पिछले साल के मुकाबले पहले क्वार्टर में 30% से ज्यादा बढ़ी है। भारत में हायर के साइड-बाय-साइड रेफ्रिजरेटर की बाजार हिस्सेदारी 21% है। कंपनी ने एक फाइलिंग में यह जानकारी दी। हायर अप्लायंसेज इंडिया एलजी और सैमसंग के बाद तीसरे नंबर पर है। यह कंपनी अपनी हिस्सेदारी बेचकर एमजी मोटर्स की तरह एक ऐसा ढांचा बनाना चाहती है, जिसमें कोई भारतीय कंपनी सबसे बड़ी शेयरधारक बन जाए। सूत्रों के अनुसार, हायर कंपनी का वैल्यूएशन 2-2.3 बिलियन डॉलर आंका जा रहा है। इसमें कंपनी को कंट्रोल करने का प्रीमियम भी शामिल है।

राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान तेल

गैस पर होगा सरकार का पहला अधिकार ,मसौदा नियमों में कही गई यह बात

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। तेल क्षेत्र से जुड़े कानूनों में संशोधन के लिए तैयार किए गए मसौदा नियमों के अनुसार राष्ट्रीय आपातकाल की स्थिति में सरकार के पास देश में उत्पादित सभी तेल और प्राकृतिक गैस पर पहला अधिकार होगा। कच्चे तेल को भूमिगत या समुद्र तल के नीचे से निकाला जाता है और इसे पेट्रोल और डीजल जैसे ईंधनों में परिष्कृत किया जाता है। इसके साथ ही प्राकृतिक गैस का उपयोग बिजली उत्पादन, उर्वरक उत्पादन, वाहनों के लिए सीएनजी और पाइप्ड रसोई गैस के लिए किया जाता है। नियमों में संशोधन से जुड़े मसौदे में ऐसे अधिकारों को शामिल करने का मकसद सरकार को राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देने और आपात स्थितियों के दौरान सार्वजनिक कल्याण सुनिश्चित करने में मदद करना है। मसौदा नियमों के अनुसार तेल और प्राकृतिक गैस के उत्पादकों को पूर्व-अधिकरण के समय प्रचलित उचित बाजार मूल्य₹ का भुगतान किया जाएगा। पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने मसौदा नियमों पर टिप्पणियां आमंत्रित की हैं। इस वर्ष की शुरुआत में संसद ने तेल क्षेत्र (विनियमन व विकास) संशोधन विधेयक पारित किया था। इस विधेयक में घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने, निवेश आकर्षित करने और देश के ऊर्जा परिवर्तन लक्ष्यों को समर्थन देने के लिए 1948 के अधिनियम के पुराने प्रावधानों को बदलने का प्रस्ताव है। नियमों में कहा गया है कि, पेट्रोलियम उत्पादों या खनिज तेल के संबंध में राष्ट्रीय आपातकाल की स्थिति में, भारत सरकार को, ऐसे आपातकाल के दौरान, हर समय, पट्टे पर दिए गए क्षेत्र से निकाले गए कच्चे तेल या प्राकृतिक गैस से उत्पादित खनिज तेलों, परिष्कृत पेट्रोलियम या पेट्रोलियम या खनिज तेल उत्पादों, या ऐसे कच्चे तेल या प्राकृतिक गैस, जिसे पट्टेदार को भारत के भीतर परिष्कृत किए बिना बेचने, निर्यात करने या निपटाने की अनुमति है, और इस पर सरकार को पूर्वाधिकार का अधिकार होगा। इस अधिकार का प्रयोग भारत सरकार की ओर से पट्टेदार को पूर्वक्रय के समय प्रचलित उचित बाजार मूल्य, पूर्वक्रय में लिए गए पेट्रोलियम या पेट्रोलियम या खनिज तेल उत्पादों या कच्चे तेल या प्राकृतिक गैस के लिए प्रदान करके किया जाएगा। हालांकि नियमों में यह परिभाषित नहीं किया गया कि राष्ट्रीय आपातकाल क्या होगा। उद्योग सूत्रों ने कहा कि युद्ध या युद्ध जैसी परिस्थितियां- जैसे कि पाकिस्तान के साथ सैन्य गतिरोध में देश ने सामना किया - या प्राकृतिक आपदाएँ राष्ट्रीय आपातकाल का गठन कर सकती हैं। नियमों में कहा गया है, खनिज तेलों के संबंध में राष्ट्रीय आपातकाल की स्थिति क्या होगी, इसका निर्णय भारत सरकार को ही करना होगा। 000इस संबंध में उसका निर्णय अंतिम होगा। मसौदा नियमों में तेल और गैस परिचालकों को अप्रत्याशित परिस्थितियों में अधिनियम के तहत अपने दायित्वों से छूट देने का भी प्रावधान है। नियमों में कहा गया है कि अप्रत्याशित घटना में दैवीय आपदा, युद्ध, विद्रोह, दंगा, नागरिक उपद्रव, ज्वार, तूफान, ज्वार की लहर, बाढ़, बिजली, विस्फोट, आग, भूकंप, महामारी और अन्य कोई भी घटना शामिल है, जिसे पट्टेदार उचित रूप से रोक या नियंत्रित नहीं कर सकता।

कितने दिन उछलेगा पाकिस्तान, बस 2 साल में निकल जाएगी पूरी हेकड़ी, जब चुकाना पड़ेगा कर्ज

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव कम नहीं हो रहा है. 10 मई को पहले सीजफायर का ऐलान हुआ, लेकिन सीजफायर के कुछ ही घंटों में पाकिस्तानी सैनिकों ने उसका उल्लंघन कर दिया. देश में कई जगहों पर ड्रोन से हमले किए. वहीं, दूसरी ओर आईएमएफ ने पाकिस्तान को फिर एक बार 100 करोड़ डॉलर का बेलआउट दे दिया. लेकिन क्या आपको पता है कि कंगाल पाकिस्तान के ऊपर कर्ज कितना है? और दिलचस्प बात ये है कि उसे पूरे कर्ज को 2 साल के भीतर चुकाना भी है.पाकिस्तान की पूरी इकोनॉमी कर्ज के भरोसे पर चल रही है. चल क्या रही है रेंग रही है उसके लिए सही शब्द होगा. साल 1958 में पहली बार पाकिस्तान ने अपनी झोली बेलआउट के लिए फैलाई थी. तब से वह झोली बंद करना भूल ही गया है. 24 बाद आईएमएफ से कर्ज ले चुका है. बाकी विदेशी बैंकों से लिया गया कर्ज अलग है. अभी पाकिस्तान के ऊपर 130 बिलियन डॉलर का कर्ज है, जिसे उसे 2027 तक चुकाना है, जिसमें से 30 बिलियन डॉलर को 2025 में और बचे कर्ज को 2027 तक चुकाने का दबाव है. पाकिस्तान की आर्थिक हालात अभी ठीक नहीं है. इस हिसाब से नहीं लगता है कि वह अपने कर्ज को चुका पाएगा.

क्यों लेना पड़ रहा है बार-बार लोन

भारत और पाकिस्तान एक दिन के अंतराल के साथ आजाद हुए थे. भारत ने आज ग्लोबल वर्ल्ड में अपनी अलग धाक जमाई है. वहीं, पाकिस्तान आतंकियों को पालने में इतना मशरूफ रहा कि उसकी हालात दिन-प्रतिदिन खराब होती है. आज के समय में उसका विदेशी मुद्रा भंडार बांग्लादेश से भी कम है, जो कि उससे टूटकर बना देश है. पाकिस्तान को विदेशी फंडिंग उसकी स्थिति में सुधार के लिए मिल रही है. लेकिन अगर वह अपनी नीतियों को नहीं बदला तो फंडिंग मिलना मुश्किल हो जाएगा. ऐसे में कंगाल पाकिस्तान के हालात बद से बदतर हो सकते हैं.22 अप्रैल को हुए पहलगाम हमले के बाद भारत ने पीओके और पाकिस्तान में आतंकियों के 9 ठिकानों पर हमला किया. बाद में पाकिस्तान की ओर से भारतीय नागरिकों को निशाना बनाया गया. दोनों देशों के बीच तनाव अभी कम नहीं हुआ है.

जेब में बचाकर रखें पैसा, अगले हफ्ते शेयर बाजार में धमाका करेंगे दो आईपीओ!

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। पिछले हफ्ते हफ्ते भारत और पाकिस्तान के तनाव के बीच शेयर बाजार में काफी दबाव देखने को मिल रहा था. जिसकी वजह से सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिली और निवेशकों को 7 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान हो गया. शनिवार शाम सीजफायर का ऐलान हुआ है. ऐसे में उम्मीद लगाई जा रही है कि शेयर बाजार में तेजी देखने को मिल सकती है. जिसकी वजह से निवेशकों को बड़ी राहत की सांस मिलेगी.

ऐसे में अगले हफ्ते दो आईपीओ शेयर बाजार में एंट्री भी करने जा रहे हैं. साथ ही दो कंपनियां श्रीजी डीएलएम और मनोज ज्वैलर्स शेयर बाजार में डेब्यू भी करेंगी. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर कौन सी दो कंपनियां निवेशकों को कमाई का मौका देने के लिए अपना आईपीओ लेकर आ रही हैं. इंटीग्रिटी इंफ्राबिल्ड डेवलपर्स का आईपीओ 13 मई को खुलेगा और 15 मई सब्सक्रिप्शन का आखिरी दिन है. इंटीग्रिटी इंफ्राबिल्ड डेवलपर्स का आईपीओ 12 करोड़ रुपए जुटाना चाहता है. इस आईपीओ की फेस वैल्यू 10 रुपए है. 2017 में स्थापित, इंटीग्रिटी इंफ्राबिल्ड डेवलपर लिमिटेड भारत की अग्रणी कंस्ट्रक्शन और इंजीनियरिंग फर्मों में से एक है. यह राष्ट्रीय महत्व की परियोजनाओं को पूरा करने के लिए जानी जाती है. एक्रिशन फार्मास्युटिकल्स आईपीओ 14 मई 2025 को खुल रहा है और 16 मई 2025 को बंद होगा. इसके अलावा, यह कंपनी 10 रुपए अंकित मूल्य के साथ नए इश्यू के माध्यम से 29.75 करोड़ कमाने जा रही है. एक्रीशन फार्मास्युटिकल्स का आईपीओ प्राइस बैंड 96 से 101 रुपए प्रति शेयर है।

कौन हैं अजॉय चावला जो टाटा की कंपनी में बनेंगे एमडी?

सीईओ रहते हुए टाइटन को पहुंचाया नए मुकाम पर

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। टाटा ग्रुप की कंपनी टाइटन में एक बड़ा बदलाव होने वाला है। अजॉय चावला (अजय चावला) अगले साल 1 जनवरी से कंपनी के नए मैनेजिंग डायरेक्टर (एमडी) बनेंगे। वर्तमान एमडी सीके वेंकटरमन 31 दिसंबर को रिटायर हो जाएंगे। टाटा ग्रुप के नियमों के अनुसार, वे अपनी उम्र पूरी होने पर रिटायर हो रहे हैं। अजॉय चावला साल 2019 में टाइटन के ज्वेलरी विभाग के सीईओ बने थे। उनके नेतृत्व में ज्वेलरी के कारोबार में बहुत तरक्की हुई। ज्वेलरी की बिक्री और मुनाफा 2.5 गुना बढ़ गया। साथ ही, टाइटन ज्वेलरी मार्केट में सबसे आगे रहा।

बोर्ड में होंगे शामिल

अजॉय चावला को एमडी बनाने के लिए शेयरधारकों की मंजूरी जरूरी है। कंपनी जल्द ही उन्हें बोर्ड में शामिल करने और एमडी बनाने की प्रक्रिया पूरी करेगी। ज्वेलरी विभाग के लिए नए सीईओ की खोज बाद में की जाएगी। वेंकटरमन ने कहा, 'टाइटन टीम की ओर से मैं अजॉय का स्वागत करता हूं। वे टाइटन को आगे बढ़ाएंगे। अजॉय ग्राहकों को समझते हैं, लोगों के साथ मिलकर काम करते हैं और वैल्यू बनाने पर ध्यान देते हैं। वे टाइटन को और भी आगे ले जाएंगे।'

1990 में करियर की शुरुआत

अजॉय चावला ने 1990 में टाटा एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विसेज (टीएएस) से अपने करियर की शुरुआत की थी। 1991 में वे टाइटन के फाइनेंस विभाग में शामिल हुए। उन्होंने घड़ियों के विभाग में 20 सालों तक काम किया। इस दौरान उन्होंने बिक्री, मार्केटिंग, सप्लाई चेन और एसएपी जैसे कामों को संभाला। एसएपी एक तरह का सॉफ्टवेयर होता है, जो कंपनी के कामकाज को आसान बनाता है। उन्होंने एक्सेसरीज और लाइसेंस वाले ब्रांडों का भी काम देखा। इसके बाद, वे टाइटन एसबीयू के घरेलू और अंतरराष्ट्रीय ऑपरेशंस के हेड बने।

नए कारोबार को बढ़ाया आगे

साल 2013 से 2019 तक अजॉय ने चीफ स्ट्रेटेजी ऑफिसर के तौर पर काम किया। इस दौरान उन्होंने नए बिजनेस शुरू करने, परफ्यूम के कारोबार को बढ़ाने और तनेरा बिजनेस को आगे बढ़ाने में मदद की। टाइटन ने 2024-25 में 57,818 करोड़ रुपये का रेवेन्यू कमाया, जो पिछले साल से 22% ज्यादा है।

हालांकि, कंपनी का मुनाफा 2% घटकर 4,535 करोड़ रुपये रहा। इसकी वजह यह थी कि इस दौरान सोने पर कस्टम ड्यूटी कम हो गई थी। कंपनी के रेवेन्यू में मार्च तिमाही में पिछले साल के मुकाबले 22% की बढ़ोतरी हुई।

भारत-पाकिस्तान के बीच सीमा पर तनाव कम होने से उछल पड़ी कंज्यूमर कंपनियां, फिर से बढ़ेगा कारोबार

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव कम होने से कंज्यूमर गुड्स बनाने वाली कंपनियों को राहत मिली है। कंपनियों को उम्मीद है कि लोगों का भरोसा फिर से बढ़ेगा और मांग में भी सुधार होगा। हाल के दिनों में मांग में गिरावट आई थी।

यह गिरावट सिर्फ बॉर्डर वाले राज्यों में ही नहीं, बल्कि पूरे देश में देखी गई। इकोनॉमिक टाइम्स के अनुसार टाटा ग्रुप की कंपनी वोल्टास के मैनेजिंग डायरेक्टर प्रदीप बख्शी ने कहा कि प्रभावित वाले इलाकों में मांग पर बुरा असर पड़ा। बाकी जगहों पर भी मांग बहुत ज्यादा नहीं थी। अब जब युद्ध खत्म हो गया है तो उम्मीद है कि लोग फिर से बाहर निकलेंगे और खरीदारी करेंगे। पिछले 4-5 दिनों में युद्ध जैसे हालात बने रहे। इससे पंजाब, जम्मू और कश्मीर, राजस्थान और गुजरात के कई शहरों में सामान्य जीवन अस्त-व्यस्त हो गया था। चंडीगढ़, मोहाली, जालंधर, अमृतसर, श्रीनगर, जम्मू, भुज, जोधपुर और राजकोट जैसे शहरों में ब्लैकआउट हो गया था। इन शहरों में बॉर्डर से मिसाइल और ड्रोन से हमले का खतरा था। इसलिए हाई अलर्ट जारी किया गया था। इंडस्ट्री के लोगों का कहना है कि बॉर्डर पर तनाव बढ़ने से मांग में सुधार की उम्मीदें खतरे में पड़ गई थीं। पिछले दस तिमाहियों से महंगाई और कम वेतन की वजह से लोग कम सामान खरीद रहे थे। अब डिमांड में थोड़ा सुधार दिख रहा था, लेकिन तनाव बढ़ने से यह सुधार रुक सकता था। इस साल भी वेतन में ज्यादा बढ़ोतरी नहीं हुई है, लेकिन महंगाई कुछ कम हुई है। इनकम टैक्स में छूट और अच्छी बारिश की उम्मीद से कंपनियों को लग रहा था कि वित्तीय वर्ष के दूसरे भाग में सुधार होगा। लेकिन पिछले महीने पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने से यह उम्मीद कम हो गई थी। डिपार्टमेंटल स्टोर चेन लाइफस्टाइल इंटरनेशनल के सीईओ देवरंजन अय्यर ने कहा कि सीजफायर से उनकी पूरी टीम को बड़ी राहत मिली है। उन्होंने बताया कि बॉर्डर वाले राज्यों में कारोबार पर बुरा असर पड़ा था। स्टोर में लोगों की संख्या कम हो गई थी और स्टोर को शाम 6:30 बजे ही बंद करना पड़ रहा था। अय्यर ने आगे कहा कि दिल्ली-एनसीआर में भी बिक्री में गिरावट आई। इसका कारण रहा कि लोग कम संख्या में घर से बाहर निकल रहे थे। यह तब था जब दिल्ली-एनसीआर में ब्लैकआउट नहीं था। उन्होंने उम्मीद जताई कि अब हालात सुधरेंगे और बॉर्डर वाले राज्यों में ग्राहक 2-3 दिनों में डर से बाहर निकलकर वापस लौटेंगे।

भारतीय अर्थव्यवस्था 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ने की संभावना, सीआईआई का दावा

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के अध्यक्ष संजीव पुरी के अनुसार भारत की जीडीपी चालू वित्त वर्ष में 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ सकती है। उन्होंने कहा है कि देश की अर्थव्यवस्था भू-राजनीतिक मुद्दों के अल्पकालिक प्रभाव से पार पाने के लिए पर्याप्त लचीली है। पीटीआई के साथ एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि देश को बढ़ती व्यापार बाधाओं की पृष्ठभूमि में राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए प्रमुख व्यापारिक साझेदारों के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते करने चाहिए। ऊर्जा, परिवहन, धातु, रसायन और आतिथ्य जैसे विभिन्न क्षेत्रों में निजी निवेश में वृद्धि को रेखांकित करते हुए पुरी ने कहा कि मौजूदा भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के कारण निवेश में कुछ सतर्कता आ सकती है।भारत के लिए आर्थिक वृद्धि अनुमान पर उन्होंने कहा, हम 6.5 प्रतिशत की दर की उम्मीद कर रहे हैं। हमारा मानना है कि यह संख्या मौलिक रूप से हासिल की जा सकती है, क्योंकि तथ्य यह है कि हम एक उचित आधार, मजबूत आर्थिक बुनियाद के साथ शुरुआत कर रहे हैं।कारणों को विस्तार से बताते हुए उन्होंने कहा, हाल के दिनों में ब्याज दरों में कमी आई है। मुद्रास्फीति नरम होती जा रही है। पहली अप्रैल से व्यक्तिगत आयकर में छूट मिल रही है।पिछले साल के उत्तरार्ध में सार्वजनिक और निजी क्षेत्र में निवेश बढ़ा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कई प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं पर प्रस्तावित उच्च टैरिफ और वैश्विक स्तर पर बढ़ते संरक्षणवाद की प्रवृत्ति पर, पुरी ने स्वीकार किया कि इस समय व्यापार में अधिक से अधिक बाधाएं आ रही हैं, उन्होंने सुझाव दिया कि भारत को द्विपक्षीय व्यापार समझौते करने चाहिए जो पारस्परिक रूप से लाभकारी और राष्ट्रीय हित में हों। इसलिए, भारत जिन देशों के साथ व्यापार करना चाहता है, उनमें अमेरिका और यूरोपीय संघ जैसे बड़े देश महत्वपूर्ण हैं। हमें राष्ट्रीय हित के नजरिए से जो कुछ भी करना है, वह करना चाहिए और मुझे लगता है कि ये द्विपक्षीय व्यापार समझौते सबसे महत्वपूर्ण हैं।

उन्होंने प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए कुछ क्षेत्रों के लिए त्रि-स्तरीय टैरिफ संरचना के निर्माण की भी सिफारिश की। सीआईआई अध्यक्ष ने विकास और प्रतिस्पर्धा के घरेलू चालकों पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि कृषि, जलवायु परिवर्तन और अनुकूलन पर बहुत काम किया जाना बाकी है। पुरी ने कहा, विकास और प्रतिस्पर्धा के ये घरेलू चालक ऐसे हैं जिन पर हमें वास्तव में कड़ी मेहनत करनी चाहिए ताकि ये कुछ अनिश्चितताओं को दूर कर सकें।

भारत की तरक्की रोकना चाहता है चीन

युद्ध के लिए पाकिस्तान की कर रहा मदद... इन्वेस्टर ने बताए ड्रैगन के मंसूबे

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच लड़ाई रुक चुकी है। पिछले कुछ दिन दोनों देशों की सेना की ओर से काफी हमले हुए हैं। वहीं सोशल मीडिया पर एक एंजेल इन्वेस्टर ने इस युद्ध में पाकिस्तान की मदद के लिए चीन को घेरा है। इस शख्स का कहना है कि पाकिस्तान जो कुछ भी कर रहा है, उसके पीछे चीन का हाथ है। उनका मानना है कि चीन ही पाकिस्तान को युद्ध के लिए पैसे और हथियार दे रहा है। इस एंजेल इन्वेस्टर का नाम उदित गोयनका है। गोयनका ने इस मामले को दुनिया की अर्थव्यवस्था से भी जोड़ा है। उन्होंने लिखा है कि अमेरिका ने चीन से आने वाले सामान पर टैक्स बढ़ा दिया है। इससे चीन की फैक्ट्रियों को नुकसान हो रहा है और वे बंद हो रही हैं। ये फैक्ट्रियां अब भारत में आ रही हैं।

क्या चाहता है चीन?

गोयनका ने अपनी पोस्ट में लिखा है कि भारत पर हमला इसलिए हो रहा है, क्योंकि भारत आर्थिक रूप से मजबूत हो रहा है। भारत हर तरह से आगे बढ़ रहा है। हम दुनिया के सबसे बड़े ग्राहक हैं। अगर युद्ध होता है तो निवेशकों को डर लगेगा और वे भारत से चले जाएंगे। इससे भारत की तरक्की रुक जाएगी। गोयनका का मानना है कि चीन चाहता है कि भारत में अशांति बनी रहे। इससे चीन को फायदा होगा। उन्होंने कहा कि चीन हर वो काम करेगा जिससे ये युद्ध न रुके, क्योंकि इससे उसे सबसे ज्यादा फायदा है।

चीन पर लगातार सवाल

गोयनका की ये बात ऐसे समय में आई है, जब चीन की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं। शनिवार को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने चीन को धन्यवाद दिया। उन्होंने चीन को 'बहुत प्यारा, बहुत भरोसेमंद' दोस्त बताया। वहीं चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने पाकिस्तान से बात की। उन्होंने पाकिस्तान की संप्रभुता के लिए चीन के समर्थन की बात कही।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947,सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000
सूर्योदय - 05-48
सूर्यास्त - 18-36
भोग्य कलि वर्ष-426874
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126

ग्रह स्थिति		
सूर्य-	मेष	मे
चंद्र-	तुला	मे
मंगल	कर्क	मे
बुध-	मेष	मे
गुरु-	वृष	मे
शुक्र-	मीन	मे
शनि-	मीन	मे
राहु-	मीन	मे
केतु-	कन्या	मे

लग्नारंभ समय	
मेष---	04-18 बजे
वृष---	06-03 बजे
मिथुन..	08-03 बजे
कर्क---	10-16 बजे
सिंह---	12-27 बजे
कन्या--	14-34 बजे
तुला----	16-40 बजे
वृश्चिक--	18-49 बजे
धनु......	21-03 बजे
मकर...	23-10 बजे
कुंभ....	01-00 बजे
मीन....	02-38 बजे

दिशाशूल - पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- पूर्णिमा 22 -25 तक उपरान्त (ज्येष्ठ प्रतिपदा)
मास - वैशाख शुक्ल , सोमवार 12 May
नक्षत्र - स्वाति 06-17 तक उपरान्त विशाखा
योग - वरियान 05-52 तक उप परिघ
करण- विष्टी - भद्रा 09-15 तक बव
विशेष:- पूर्णिमा व्रत,पीपल पूर्णिमा
व्रत -त्योहार - श्री कूर्म ज.,श्री बुध ज.

विशेषः- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 07:23 से 08:59 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत.	05:48 - 07:23	शुभ	चंचल	18:39 - 20:02	शुभ
काल.	07:23 - 08:59	अशुभ	रोग	20:02 - 21:26	अशुभ
शुभ.	08:59 - 10:36	शुभ	काल	21:26 - 22:49	अशुभ
रोग	10:36 - 12:13	अशुभ	लाभ	22:49 - 00:12	शुभ
उत्पात	12:13 - 13:49	अशुभ	उत्पात	00:12 - 01:36	अशुभ
चंचल	13:49 - 15:26	शुभ	शुभ	01:36 - 02:59	शुभ
लाभ	15:26 - 17:02	शुभ	अमृत	02:59 - 04:23	शुभ
अमृत ।	17:02 - 18:36	शुभ	चंचल	04:23 - 29:48	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आज आप सकारात्मक ऊर्जा से भरे हुए हैं और आज आपके हैरान होने की संभावना है , क्यों की आपके प्रबंधन कौशल की वजह से आप पाएंगे की अपने कितना कुछ पाया है । आपके सारे बकाया कार्य पूर्ण हो जाएंगे और मुश्किल परियोजनाओं के रास्ते में जो रुकावट थी , वो पूरी तरह से खत्म हो जाएंगी ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
अगर आप अपने कार्यक्षेत्र या अपने आर्थिक लक्ष्यों के लिए किसी पारंगत व्यक्ति या अपने निकट जानने वाले व्यक्ति से परामर्श लेते है तो ये सुझाव आपको काफी लाभ दे सकता है । आज का दिन इंजीनियरों और कंप्यूटर में प्रवीण व्यक्तियों के लिए काफी अछा रहेगा । आपको दूसरी नौकरी का प्रस्ताव भी मिल सकता है।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आप एक किसी ऐसे व्यक्ति से मिलेंगे जो आपको एक आकर्षक कैरियर के अवसर प्रदान करेगा । हालांकि,इसे स्वीकार करने से पहले परिणाम के बारे में लम्बा और कठिन सोचने की जरूरत है क्योकि सब चमकती हुई चीज़ सोना नहीं होती । ये आप के आस पास के लोगों को प्रभावित करेगा लेकिन ये दिन इस तरह के एक महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए उतना अच्छा नहीं है ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
यात्रा के अवसरों के लिए बहुत ही खुले दिल से स्वागत करे । ये धन कमाने का एक बेहतरीन मौका है! जो लोग अध्यन कर रहे है उन्हें अप्रत्याशित स्रोतों से अद्भुत अवसर मिल सकते है । आप जिस भी स्थिति मैं है , आप ये याद रखे की एकता में बल है इसलिए सामूहिक प्रयास ही संतोषजनक परिणाम ला सकता है ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आज आपका भाग्य सट्टा उद्यम एवं उससे जुडी चीज़ो में आपका साथ देगा । अगर आप किसी दुविधा में हैं तो आज का दिन आपको तर्कशक्ति प्रदान करेगा जिससे आप उचित निर्णय ले पाओगे । ये निर्णय आपकी वित्तीय जरुरतो पर भी आगे जाकर अछा प्रभाव डालेगा । आज का दिन भूमि निवेश के लिए भी फायदेमंद रहेगा ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
एक उत्कृष्ट अवसर आपके लंबित कार्यो को खत्म करने के लिए आपके रास्ते में आ सकता है । इस खाली समय का पूरा उपयोग करें , हालांकि आप जिस तरीके से अपने कार्य अभी तक करते थे , उन्हें आपको छोड़ना होगा ! यह अपनी पसंद के घर के स्वामित्व को पाने के लिए सही समय है।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
कुछ समय से आपके व्यय बढ रहे थे पर आज से आप इन सब में एक खुशनुमा बदलाव देखेंगे । आखिरकार आपका भाग्य आपका साथ देगा और आपके खर्चे काफी हद तक नियंत्रण में आयेंगे और माहौल बदलता हुआ सा नजर आएगा जिससे आपकी आमदनी बढेग़ी पर आपको अत्यधिक सावधानी से आगे बढ़ना है ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आप एक आकर्षक आभा और मीठी वाणी के स्वामी है । इन अलंकारो की वजह से आप अपना रास्ता खुद बना सकते है । आपका बच्चों का सा रवैया हर जगह खुशी फैलाता है और सबके लिए बहुत आसान परिस्थितियों का निर्माण होता है , और आप अपने चुटकुलों और हास्य से सबके मनोविज्ञान को प्रभावित करते है।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
कुछ मामूली समस्याओं का आपको सामना करना पड़ सकता है , जिससे की अपने कार्यस्थल पर शांति से कार्य करने में बाधा आ सकती है । आज आपको धैर्य की एक बड़ी मात्रा की जरूरत है खासकर जब आप अपने सहकर्मी के साथ कार्य करे । क्रोध को दूर रखे बल्कि उसके साथ समझदारी से निपटे ताकि आपके पूरे समूह के मनोबल पर प्रतिकूल प्रभाव न पडे ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज का दिन आपके लिए एक विवादास्पद दिन हो सकता है! आप का किसी के लिए बुदबुदाना या क्रोधित होना व किसी दूसरे के माध्यम से उन्हें पता चलने पर आपका पेशेवर जीवन बर्बाद हो सकता है । इसके अलावा, आप किसी से किसी और का रहस्य खोल सकते है जो की सही नहीं होगा इसलिए आसपास के ऐसे लोगो से उचित दुरी बना कर रखे ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
जब लोहा गर्म हो तो उस पर निशाना लगाये ! यह विशेष रूप से प्रेरक वक्ताओं की भूमिका या इसी तरह की भूमिका वालो के लिए एक महान दिन है। आज आप जनता के साथ बेहतर संवाद करने में सक्षम होंगे और आपको उस के लिए उच्च भुगतान भी किया जा सकता है। तो आप आगे बढे और इस तरह प्रदर्शन करे की लोग आप की बाते सुनने के लिए लालायित रहे ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
एक दोस्त या एक गाइड के माध्यम से छात्रों को एक नया करियर विकल्प मिल सकता है और आप अपने करियर के रूप में इसे चुन सकते हैं पर आपको एक गहन अनुसंधान की सलाह दी जाती है। आज पेशेवरो में नयी उर्जा का संचार हो सकता है । यह किसी भी परियोजना को शुरू करने के लिए एक अच्छा दिन है।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

सीएम हेमंत की हाई लेवल मीटिंग

दिए सुरक्षा में सख्ती के निर्देश

रांची, 11 मई (एजेंसियां)। कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच जंग की स्थिति उत्पन हो चुकी है। लगातार दोनों देशों के बीच विवाद देखा जा रहा है भारत द्वारा चलाई गई ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान द्वारा भी हमला किया जा रहा है। आज सीजफायर का भी उल्लंघन पाकिस्तान ने कर दिया है ऐसे में हालात गंभीर मानी जा रही है। देश में सुरक्षा के दृष्टिकोण से हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। इसी बीच झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य की सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिकोण से वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक की।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा राष्ट्रीय सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। देशभर में सुरक्षा हालातों को देखते हुए झारखंड में एक-एक जनमानस की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों दिशा निर्देश कहते हुए कहा है कि जरूरी नागरिक सेवाओं के सुदृढ़ीकरण पर विशेष फोकस रखें तथा एक बेहतर कार्ययोजना बनाकर राज्यवासियों की सुरक्षा से संबंधित सभी प्रकार के एहतियाती कदम शीघ्र उठाएं जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि राज्य में आमजनों के बीच कोई पैनिक स्थिति उत्पन्न न हो ,यह सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अफवाहों पर हर हाल में रोक लगाई जाए। वैसे असामाजिक तत्व जो झूठी और भ्रामक संदेश प्रेषित कर माहौल खराब करने का कार्य करते हैं ,उनके ऊपर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए। राष्ट्र विरोधी गतिविधियों तथा सोशल साइट्स पर गलत संदेशों का आदान-प्रदान करने वालों की पहचान कर उनपर कानूनी कार्रवाई करें।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य में सिविल डिफेंस वॉलेंटियर्स को एक्टिव करें तथा आवश्यकता के अनुरूप सिविल डिफेंस वॉलेंटियर्स की संख्या बढ़ाएं। सिविल डिफेंस के क्षेत्र में कार्य करने वाले संस्थानों से समन्वय स्थापित कर बेहतर सुरक्षा व्यवस्था के लिए कार्ययोजना बनाएं। उन्होंने कहा कि सिविल डिफेंस वॉलेंटियर्स को त्वरित राहत, बचाव कार्य, जनजागरूकता और सामुदायिक क्षमता निर्माण जैसे विषयों पर विशेष प्रशिक्षण दी जाए।

सभी जिलों में कंट्रोल रूम एक्टिव किया जाए

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष के साथ-साथ जिला स्तर के कंट्रोल रूम को एक्टिव करें। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि राज्य के भीतर सभी छोटे-बड़े पी एस यू (सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम) के सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए जाएं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी अस्पताल के रूफटॉप पर मेडिकल साइन बोर्ड लगाए जाएं।

बैठक में ये निर्देश रहे महत्वपूर्ण

एम एच ए का निर्देश है कि सिविल डिफेंस रूल्स के अंतर्गत इमर्जेंसी प्रोविजंस का इस्तेमाल करें। खासकर कोई खरीदारी में टेंडर प्रक्रिया छोड़कर। मॉक ड्रिल की संख्या बढ़ा दी जाए। एसेंशियल सर्विस को मेंटेन करने के लिए तैयारी की जाए। एसेंशियल कमोडिटीज पर खास ध्यान रखा जाए। होर्डिंग बिल्कुल नहीं हो। अस्पताल को तैयार रखा जाए। महत्वपूर्ण ठिकाने जैसे डैम, प्लांट, यूसीआएलृ, बिजली घर, आईओसी, आदि के सुरक्षा पर खास ध्यान दिया जाय। एन जी ओ तथा अन्य सिविल डिफेंस वॉलेंटियर्स से संपर्क कर उन्हें तैयार कराया जाए। जिला में फायर स्टेशन की तैयारी कर ली जाए। मोबाइल फेल करने पर पी.ए.

10वीं-12वीं का परिणाम खराब आया तो हटाए गए जिला शिक्षा अधिकारी

सीएम ने जताई नाराजगी

रायपुर, 11 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की जीरो टालरेंस नीति के तहत शिक्षा व्यवस्था में लापरवाही पर पहली बड़ी कार्रवाई की गई है। स्कूल शिक्षा विभाग ने महासमुंद जिले के प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) एमआर सावंत को उनके पद से हटा दिया है।

मुख्यमंत्री ने गहरी नाराजगी जताई थी

यह कदम सुशासन तिहार के दौरान आयोजित समीक्षा बैठक के बाद उठाया गया, जहां बोर्ड परीक्षा परिणामों को लेकर मुख्यमंत्री ने गहरी नाराजगी जताई थी। एमआर सावंत को कार्यालय संभागीय संयुक्त संचालक, शिक्षा विभाग जगदलपुर में सहायक संचालक के पद पर स्थानांतरित किया गया है।

अन्य जिलों में भी परिणामों की समीक्षा जारी

महासमुंद जिले में 2024 में 10वीं का परीक्षा परिणाम 84.17 प्रतिशत और 12वीं में 91.61 प्रतिशत था, जो 2025 में घटकर क्रमशः 78.33 प्रतिशत और 84.08 प्रतिशत हो गया है। अन्य जिलों में भी परिणामों की समीक्षा जारी है।

छत्तीसगढ़ में स्वच्छ और हरित ऊर्जा की दिशा में एक नई क्रांति की शुरुआत हुई है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर स्थित अपने निवास परिसर से हाइड्रोजन फ्यूल लाजिस्टिक ट्रक को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

हाइड्रोजन फ्यूल से चलने वाले इस ट्रक को भारतीय और अंतरराष्ट्रीय तकनीकी साझेदारी से तैयार किया गया है। इसमें हाइड्रोजन फ्यूल सेल बैटरी और तीन हाई-प्रेशर हाइड्रोजन टैंक लगे हैं। यह ट्रक 40 टन तक का माल 200 किलोमीटर तक की दूरी पर शून्य कार्बन उत्सर्जन के साथ ले जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने ट्रक के चालक को स्वयं हस्ताक्षरित चाबी सौंपी

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने ट्रक के चालक को स्वयं हस्ताक्षरित चाबी सौंपी और इस नवाचार के लिए सीएसपीजीसीएल एवं अदाणी नैचरल रिसोर्सेस को शुभकामनाएं दीं भारत को जीरो कार्बन उत्सर्जन वाला देश बनाने का संकल्पः साय मुख्यमंत्री साय ने इस पहल को देश को शून्य कार्बन उत्सर्जन की दिशा में ले जाने वाला ऐतिहासिक कदम बताया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2070 तक भारत को नेट ज़ीरो कार्बन उत्सर्जन वाला देश बनाने के संकल्प में यह प्रयास छत्तीसगढ़ की महत्वपूर्ण भागीदारी दर्शाता है।

छत्तीसगढ़ खनिज संपदा से भरपूर राज्य

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ खनिज संपदा से भरपूर राज्य है और इस प्रकार की पहल से विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करना संभव होगा। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश सरकार ग्रीन टेक्नोलाजी और नवाचार को प्राथमिकता दे रही है।

यहां होगा ट्रक का इस्तेमाल यह ट्रक रायगढ़ जिले के गारे-पेल्मा-तीन कोल ब्लाक से राज्य की विद्युत उत्पादन इकाई तक कोयला परिवहन के लिए उपयोग में लाया जाएगा। इस पहल से खनिज संपदा के परिवहन में पारंपरिक ईंधनों पर निर्भरता कम होगी और ग्रीन ट्रांसपोर्ट को बढ़ावा मिलेगा।

छत्तीसगढ़ डीएमएफ घोटाला: कोरबा से 4 अफसर अरेस्ट

13 मई तक पुलिस रिमांड

कोरबा /रायपुर. छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित जिला खनिज निधि घोटाले में एंटी करप्शन ब्यूरो और आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा ने बड़ी कार्रवाई की है. कोरबा जिले से 4 सरकारी अधिकारियों को गिरफ्तार किया गया है. 13 मई तक पुलिस रिमांड पर भेजा दिया है. इनमें तत्कालीन डीएमएफ नोडल अधिकारी भरोसा राम ठाकुर, जनपद सीईओ भूनेश्वर सिंह राज, जनपद सीईओ राधेश्याम मिर्झा और वर्तमान पत्थलगांव जनपद सीईओ वीरेंद्र कुमार राठौर शामिल हैं. इन सभी पर करोड़ों की अनियमितता, फर्जी भुगतान, बिना कार्य के राशि निर्गमन और योजनाओं को कागजों पर पूर्ण दिखाकर राशि निकालने जैसे गंभीर आरोप हैं. राज्य सरकार ने भी स्पष्ट किया है कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा और भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई जाएगी.

गिरफ्तार अधिकारियों को रायपुर की विशेष अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें 13 मई तक पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है. जांच एजेंसियों ने प्रारंभिक पूछताछ के दौरान चारों अधिकारियों को आमने-सामने बैठाकर सवाल-जवाब किए और उनके पास से कई अहम दस्तावेज, बैंक ट्रांजेक्शन डिटेल्स, भुगतान प्रमाण मिले हैं. जांच में खुलासा हुआ है कि जिन विकास कार्यों का भुगतान हुआ, वे कभी जमीन पर अस्तित्व में ही नहीं थे.

इस मामले में पहले ही आईएएस रानू साहू, सहायक आयुक्त माया वरियर, और एनजीओ संचालक मनोज कुमार द्विवेदी रायपुर की सेंट्रल जेल में बंद हैं. प्रवर्तन निदेशालय की जांच में सामने आया है कि ठेकेदारों से 15% से 40% तक कमीशन की वसूली की गई थी, जिससे कार्यों की गुणवत्ता प्रभावित हुई. अदालत ने रानू साहू से हर दिन 7 घंटे तक पूछताछ की अनुमति दी है और इसके लिए जांच एजेंसी को 5 दिन का समय दिया गया है.

23 करोड़ से अधिक की संपत्ति कुर्क

ईडी ने अब तक इस मामले में 23 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति कुर्क की है. जांच एजेंसी को संदेह है कि अधिकारियों और ठेकेदारों के साथ-साथ राजनीतिक हस्तियों की भी मिलीभगत है. इस मामले में कोरबा, बैकुंठपुर, बलरामपुर, जांजगीर, बिलासपुर और सूरजपुर में छापेमारी की जा चुकी है.

एसीबी/ईओडब्ल्यू प्रमुख अमरेश मिश्रा ने बताया कि गिरफ्तार अधिकारियों से जारी पूछताछ के दौरान कई और नाम सामने आने की संभावना है. उन्होंने कहा कि जांच एजेंसियां घोटाले की हर परत खोलने के लिए लगातार काम कर रही हैं. डीएमएफ फंड का मूल उद्देश्य खनन प्रभावित क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे का विकास और स्थानीय लोगों की भलाई सुनिश्चित करना है. लेकिन इस घोटाले ने सरकार की नीतियों और निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं. घोटाले के सामने आने के बाद आम जनता और सामाजिक संगठनों में आक्रोश है और पारदर्शी जांच और सख्त कार्रवाई की मांग की जा रही है.

पीएम आवास योजना के तहत 20 लाख से अधिक आवास बनाने का लक्ष्य, 15 मई तक बढ़ी सर्वे तिथि

रांची, 11 मई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार की लाभकारी योजनाओं में शामिल प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत राज्य में दोनों फेज मिलाकर लगभग 20 लाख से अधिक आवास बनाने का लक्ष्य रखा गया है. जानकारी के अनुसार, पहले चरण में 5,28,350 आवासों के निर्माण की स्वीकृति दी गयी थी.भारत सरकार ने दूसरे चरण में झारखंड के लिये 1483757 बनाने का लक्ष्य रखा है.

तय समय पर पूरा करें सर्वे

केंद्र ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के लाभुक चयन के लिए हाउसहोल्ड सर्वे की तिथि को बढ़ाकर 15 मई तक कर दी है. इससे पूर्व 30 अप्रैल तक ही सर्वे करने का निर्देश दिया गया था. इससे संबंधित जानकारी केंद्र सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय ने झारखंड सहित सभी राज्यों को भेज दी है. इस आलोक में भारत सरकार के निदेशक (आरएच) ने सभी राज्यों को पत्र लिखा है, जिसमें कहा गया है कि प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) का हाउसहोल्ड सर्वे तय समय में पूरा कर लें. इसके लिए योग्य लाभुकों की सूची आवास प्लस मोबाइल एप्लीकेशन पर डालना है.

पीएम आवास योजना 2.0 शहरी के लिये मिले 34, 557 आवेदन

इधर, पीएम आवास योजना 2.0 शहरी के तहत भी इस साल 50 हजार आवास बनाये जायेंगे. जानकारी के मुताबिक, पीएम आवास योजना शहरी 2.0 योजना के अंतर्गत अगले पांच साल में झारखंड में पांच लाख आवास बनाये जायेंगे. इसमें हर साल 50 हजार आवास बनाये जायेंगे, जिसमें दस हजार किफायती आवास भी होंगे. इसे लेकर नगरीय प्रशासन निदेशालय ने निकायों को सभी लाभुकों के सर्वे की सूची को विभाग भेजने का निर्देश दिया है. कहा गया कि लाभुकों की योग्यता जांचने के बाद ही आवास स्वीकृत किये जायेंगे. मालूम हो कि इस योजना के तहत राज्य में अब तक 34557 आवेदन आ चुके हैं. इसमें से करीू 14256 आवास निर्माण को स्वीकृति भी दे दी गयी है.

आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों के पोषाहार पर लग सकता है ग्रहण

रांची, 11 मई (एजेंसियां)। जिले में चल रहे 2231 आंगनबाड़ी केंद्रों में आनेवाले तीन से छह साल के 63,315 बच्चों के नाश्ता व खाना पर जल्द ही ग्रहण लगनेवाला है. पांच माह से पोषाहार की राशि नहीं मिलने से दुकानदार भी अब उधार देने में आनाकानी करने लगे हैं. इस स्थिति में केंद्र की सेविका व सहायिका बच्चों को पोषाहार उपलब्ध कराने में असमर्थ महसूस कर रहीं हैं.

विभाग से मिलता है सिर्फ चावल : आंगनबाड़ी केंद्र में वैसे बच्चे आते हैं, जिनके माता-पिता दिहाड़ी मजदूर है. केंद्र संचालिकाओं का कहना है कि पोषाहार के लिए हमें विभाग से सिर्फ चावल दिया जाता है. अन्य सामग्री जैसे दाल, मसाला, चीनी, सूजी, घी, तेल खरीदनी पड़ती है, जिसका वाउचर विभाग में जमा करने पर भुगतान कर दिया जाता है, लेकिन पांच माह से राशि का भुगतान नहीं होने से अब परेशानी बढ़ने लगी है. दुकानदार स्पष्ट शब्दों में कहते हैं पहले पिछला बिल का भुगतान होगा, तभी उधारी दे पायेंगे.

स्वास्थ्य की देखभाल के साथ ही बच्चों को दी जाती है शिक्षा : जिले में संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों में तीन से छह वर्ष तक के बच्चों के स्वास्थ्य की देखभाल के साथ अनौपचारिक शिक्षा दी जाती है. पोषाहार नहीं मिलने का असर बच्चों की उपस्थिति पर पड़ रहा है. कुपोषण दूर करने में अहम भूमिका निभाने वाले इन केंद्रों पर बच्चे लगातार कम होने लगे हैं. यह स्थिति जिले के तकरीबन सभी केंद्रों की है.

पांच माह से पोषाहार राशि बकाया होने से आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को पोषाहार देने में परेशानी होने लगी है. दुकानदार भी उधारी देने से मना करने लगे हैं.

छत्तीसगढ़ में तेज धूप और भीषण गर्मी

कई जिलों में बारिश के आसार, आईएमडी का अलर्ट

रायपुर, 11 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में पिछले कुछ दिनों से बारिश और गरज-चमक की गतिविधियों में कमी आई है। इससे प्रदेश में मौसम में बदलाव देखने को मिला है। इन दिनों तापमान में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। जिसके वजह से लोगों को चिलचिलाती धुप में घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। हालांकि अब इस गर्मी से राहत मिल सकती है। आज रविवार को प्रदेश के कई हिस्सों में हल्की मध्यम बारिश के साथ मेघ गर्जन की संभावना है। वहीं प्रदेश के कई जिलों में तापमान 40 डिग्री के पार पहुंच गया है।

मौसम विभाग के अनुसार, आज रविवार को मौसम में बदलाव हो सकता है। दोपहर के बाद दक्षिण बस्तर समेत प्रदेश के कई जिलों में तेज आंधी तूफान के साथ बारिश हो सकती है। यह अगले दो दिनों तक गतिविधि जारी रहने की संभावना जताई जा रही है। वहीं 12 से 14 मई तक मध्यम से तीव्र मेघ गर्जन होने की संभावना है। इससे लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिल सकती है। हालांकि आगामी दिनों में तापमान में बढ़ोतरी हो सकती है।

अगले चार दिनों में उत्तर और मध्य छत्तीसगढ़ में अधिकतम तापमान में 2-3 डिग्री बढ़ोतरी हो सकती है। वहीं दक्षिण भागों में अधिकतम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन की संभावना नहीं है। बताया जा रहा है कि वेस्टर्न डिस्टर्बेंस और द्रोणिका के असर से प्रदेश के कई हिस्सों में तेज आंधी-तूफान होने की संभावना है। साथ ही बारिश और ओलावृष्टि हो सकती है।

यहां बारिश के आसार

मौसम एक्सपर्ट ने बताया कि राज्य के रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग-भिलाई, राजनांदगांव, बलौदाबाजार, बस्तर, बीजापुर और दंतेवाड़ा समेत प्रदेश के कई हिस्सों में तेज आंधी के साथ बारिश हो सकती है।

जोश अब हाई नहीं ओवरहाई है

देश के लिए जान भी है हाजिर : पूर्व सूबेदार आरके सिंह

रांची, 11 मई (एजेंसियां)। देश की सीमाओं पर जब खतरा मंडराता है, तब सिर्फ सेना ही नहीं, पूरा देश एकजुट नजर आता है. कुछ ऐसा ही जज़्बा दिखा रहे हैं भारतीय सेना में 30 साल सेवा देने के बाद 2017 में रिटायर हुए पूर्व सूबेदार आरके सिंह. उन्होंने कहा हर बार तो जोश हाई रहता था, लेकिन इस बार जोश ओवरहाई है. कारगिल युद्ध के दौरान फिरोजपुर में तैनात रहे आरके सिंह ने उस दौर को याद करते हुए कहा, हड्डी गला देने वाली ठंड हो या दुश्मन की गोलियों की बौछार, हमारे हौसले कभी नहीं डगमगाये. उन्होंने बताया कि जब वह 2005 से 2006 के बीच कश्मीर के एक जगह पर अपनी सेवा दे रहे थे, तब वहां के लोग, खास कर महिलाएं हमारी आतंकियों के खिलाफ की हुई कार्रवाई का विरोध करती थीं. मगर आज दौर बदल गया है. पहलगाम के हमले में भी हमने देखा कैसे एक कश्मीरी अपने पर्यटकों की रक्षा करने के लिए अपनी जान गंवा बैठा. 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत सैन्य कार्रवाई को लेकर सूबेदार सिंह गर्व से कहते हैं, ये समय सिर्फ देखने का नहीं, समझने का है कि हमारे जवान जान की बाजी लगाकर देश के सम्मान की रक्षा कर रहे हैं. उन्होंने कहा, पाकिस्तान फिर से झूठ का सहारा ले रहा है, जिसका हमारी सेना करारा जवाब दे रही है. उन्होंने देशवासियों से अपील की आज जब सैनिक अपना खून बहा रहे हैं, तब हम नागरिकों की जिम्मेदारी है कि अफवाह न फैलाएं, सोशल मीडिया पर संयम रखें. सरकार व प्रशासन के निर्देशों का पालन करें. आंखों में गर्व, जुबान में देशभक्ति और सीने में तिरंगे के लिए धड़कता दिल लिये पूर्व सूबेदार श्री सिंह ने जोश के साथ कहा कि अगर आज भी सरकार कहे, तो वह सीमा पर जाकर लड़ने को तैयार हैं.

जिला अस्पताल के रिकॉर्ड रूम में संदिग्ध हालातों में लगी आग

दमकलकर्मियों ने पाया काबू

जांजगीर-चांपा, 11 मई (एजेंसियां)। जांजगीर जिला अस्पताल में एक बार फिर बड़ी लापरवाही और संदिग्ध गतिविधियों का मामला सामने आया है। अस्पताल के रिकॉर्ड रूम में अचानक आग लग गई।

आग की लपटों को देखकर भर्ती मरीजों के परिजनों ने तुरंत अस्पताल स्टाफ को सूचना दी, जिसके बाद रात तीन बजे पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। लेकिन सवाल यह है कि छुट्टी के दिन बंद रहने वाले रूम में आग कैसे लगी? लोग जांच की मांग कर रहे हैं।

आग सिविल सर्जन कार्यालय के कक्ष क्रमांक 3 और 4 में लगी, जिसे रिकॉर्ड रूम के तौर पर इस्तेमाल किया जा रहा है। दमकल कर्मियों को पीछे का शटर तोड़कर अंदर दाखिल होना पड़ा। जिला अस्पताल के इलेक्ट्रिशियन का दावा है कि हाल ही में अस्पताल परिसर में नई वायरिंग की गई है और किसी तरह का शॉर्ट सर्किट नहीं हुआ।

जल्द ही झारखंड में दस्तक देगा मॉनसून

जून के पहले हफ्ते में पहुंचने की है संभावना

रांची, 11 मई (एजेंसियां)। झाखंड में जल्द ही लोगों को गर्मी से छुटकारा मिलने वाला है. इस बार जून के पहले हफ्ते में ही मॉनसून के आने के आसार हैं. इससे लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी. इस बार पांच दिन पहले ही केरल में मॉनसून आने वाला है. इस बार अच्छी बारिश होने की भी संभावना है.

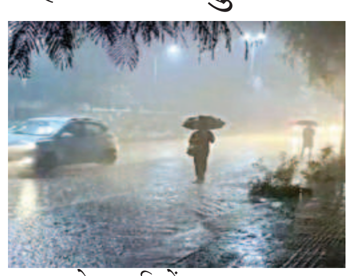

झारखंड में जल्द ही मॉनसून आने वाला है. मौसम विभाग के अनुसार, इस बार दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के समय से पांच दिन पहले पहुंचने के आसार है. हालांकि, हर साल केरल में मॉनसून 31 मई और 1 जून तक पहुंचता है. लेकिन इस बार उसके 27 मई तक केरल पहुंचने की संभावना है. मॉनसून को केरल से झारखंड तक पहुंचने में तकरीबन 10 से 12 दिनों का समय लग जाता है. इस वजह से मॉनसून के जून के पहले सप्ताह में झारखंड पहुंचने की उम्मीद है. साथ ही संकेत मिल रहे हैं कि इस बार बारिश अच्छी होगी.

रांची सहित आठ जिलों में बारिश को लेकर येलो अलर्ट

आज सुबह से ही राजधानी रांची का मौसम काफी कूल है. बारिश होने की वजह से सर्द हवाएं चल रही हैं, जो लोगों को गर्मी के प्रकोप से राहत पहुंचा रही है. मौसम विभाग के मुताबिक, रविवार को रांची सहित राज्य के विभिन्न जिलों में बारिश होने की संभावना है. इनमें लातेहार, लोहरदगा, खूंटी, सरायकेला, सिमडेगा, पूर्वी सिंहभूम और पश्चिम सिंहभूम शामिल हैं.

वहीं, दूसरी ओर राज्य के कई जिलों में सोमवार को लू को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है. हीट वेव की चपेट में आने वाले जिलों में देवघर, गोड्डा, दुमका, जामताड़ा, पाकुड़, साहिबगंज शामिल हैं. इन जिलों के साथ ही धनबाद और गिरिडीह में भी 13 मई सो 16 मई तक लू चलने की आशंका है. राज्य में सबसे अधिक तापमान पाकुड़ का 40.5 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि रांची का अधिकतम तापमान 36.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया.

ईरानी विदेश मंत्री को बताया सूअर की औलाद
मेजर गौरव आर्य की टिप्पणी पर तेहरान लाल, भारत सरकार ने लगाई फटकार

तेहरान, 11 मई (एजेंसियां)। भारत के पूर्व आर्मी अफसर और टीवी पर्सनैलिटी गौरव आर्य की ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची के खिलाफ की गई टिप्पणी को गलत माना है। गौरव आर्य ने पाकिस्तान दौरे के लिए अराघची की आलोचना करते हुए उनको अपशब्द कहे थे। ईरान के दूतावास ने अराघची पर आपत्तिजनक टिप्पणी करते गौरव की वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया और कड़ा एतराज जताया। इसके बाद भारतीय दूतावास ने स्पष्ट किया कि गौरव आर्य की टिप्पणी का भारत सरकार से कोई संबंध नहीं है। ईरान के नई दिल्ली स्थित दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर गौरव आर्य का वीडियो शेयर करते हुए लिखा, 'मेहमानों का सम्मान करना ईरानी संस्कृति की पुरानी परंपरा रही है। हम ईरानी अपने मेहमानों को भगवान का प्रिय मानते हैं, आप भी बताएं आपका क्या विचार है। इस वीडियो में मेजर आर्य ईरानी विदेश मंत्री को सूअर की औलाद जैसे अपशब्द कहते सुने जा सकते हैं। इस पर ईरानी दूतावास ने भारत सरकार से प्रतिक्रिया मांगी कि क्या आपके यहां मेहमानों को ऐसा कहा जाता है। इस पर भारत सरकार ने साफ किया कि ये इस टिप्पणी को हमारे रुख से ना जोड़ा जाए। ईरान स्थित भारतीय दूतावास ने गौरव आर्य की टिप्पणी की निंदा करते हुए स्पष्ट कहा कि वीडियो में इस्तेमाल की गई 'अपमानजनक भाषा' बिल्कुल अनुचित है।

भारतीय दूतावास ने एक्स पर लिखा, 'तेहरान का भारतीय दूतावास यह स्पष्ट करना चाहता है कि इस वीडियो में दिख रहा व्यक्ति एक निजी भारतीय नागरिक है।उसके बयानों का भारत के आधिकारिक रुख से कोई संबंध नहीं है। भारत सरकार वीडियो में इस्तेमाल की गई अपमानजनक भाषा को अनुचित मानती है। अब्बास अराघची ने 5 मई को पाकिस्तान की यात्रा की थी। इसके बाद वह तेहरान लौटे और फिर भारत की यात्रा पर भी आए। अराघची की दोनों देशों की यात्रा करने के पीछे तनाव कम करने की कोशिश भी माना गया। अराघची ने ऐसे समय भारत और पाकिस्तान का दौरा किया।

अमेरिकी उप-राष्ट्रपति ने पीएम मोदी को क्या 'खतरनाक खुफिया जानकारी' दी थी
जिसके ठीक बाद भारत-पाकिस्तान में हो गया सीजफायर?

वॉशिंगटन, 11 मई (एजेंसियां)। भारत के हमले से नूर खान एयरबेस के तबाह होने के बाद पाकिस्तान बुरी तरह से डर गया था। पाकिस्तान के एयर डिफेंस सिस्टम ध्वस्त हो गये थे और वो भारतीय मिसाइलों को इंटरसेप्ट करने में बुरी तरह से नाकाम साबित हो रहे थे। जबकि उस वक्त तक भारत ने अपने काफी कम तबाही मचाने वाले हथियारों का ही इस्तेमाल किया था। ऐसा लग रहा था कि भारत अगले कुछ घंटों में पाकिस्तान के तमाम सैन्य ठिकानों, हथियार भंडार को तबाह करने वाला है। इसी बीच अमेरिका के उप-राष्ट्रपति जेडी वेंस भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को फोन करते हैं और उसके बाद सीजफायर का ऐलान हो जाता है। आखिर टेलीफोन पर जेडी वेंस ने प्रधानमंत्री मोदी को क्या कहा था, ऐसी क्या 'खतरनाक खुफिया' जानकारी थी, जिसे जानने के बाद भारत सीजफायर के लिए तैयार होता है? अमेरिकी अधिकारियों के हवाले इसका खुलासा किया है। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका के पास कुछ ऐसे खुफिया जानकारी मिले थे, जो काफी खतरनाक थे। ये जानकारी इतनी संवेदनशील थी डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन, जिसने ठीक एक दिन पहले कह दिया था कि उसे इस युद्ध से कोई मतलब नहीं है, उसे अचानक बीच में आना पड़ा और सीजफायर के लिए भारत से बात करना पड़ा। सीएनएन के मुताबिक अमेरिकी खुफिया एजेंसियों को आशंका थी कि भारत और पाकिस्तान के बीच स्थिति नियंत्रण से बाहर जा सकती है, संभावित तौर पर एक परमाणु युद्ध की आशंका तक पहुंच सकती थी। खुफिया रिपोर्ट मिलने के बाद अमेरिकी उप-राष्ट्रपति जेडी वेंस ने तत्काल भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को टेलीफोन किया और उस खुफिया जानकारी को देने के बाद उनसे पाकिस्तान के साथ सीधी बातचीत के जरिए सीजफायर का समाधान निकालने का प्रस्ताव रखा। उनके टेलीफोन का मकसद भारत को एक सीधे युद्ध से बचने की सलाह दी गई थी। सीएनएन ने अमेरिकी अधिकारियों से कहा कि खुफिया जानकारी मिलने के बाद सबसे पहले जेडी वेंस तत्काल डोनाल्ड ट्रंप के पास पहुंचे थे और उनसे जानकारियां शेयर की और उसके बाद उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को टेलीफोन किया। इस दौरान जेडी वेंस ने प्रधानमंत्री मोदी से कहा कि 'अमेरिका का आकलन है कि अगर संघर्ष दो दिनों तक और चलता है तो ये युद्ध नाटकीय अंजाम तक बढ़ सकता है।' हालांकि अमेरिकी अधिकारियों ने ये नहीं बताया कि 'वो खुफिया जानकारी क्या था और युद्ध के नाटकीय अंजाम तक बढ़ने का क्या मतलब था।' रिपोर्ट में कहा है कि अमेरिका के तीन अधिकारी लगातार भारत-पाकिस्तान युद्ध पर नजर बनाए हुए थे। इनमें अमेरिका के उप-राष्ट्रपति जेडी वेंस, विदेश मंत्री मार्को रूबियो, जो अभी नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर भी हैं और वाइट हाउस चीफ ऑफ स्टाफ सूसी वाइल्स। ये लगातार हर स्थिति की जानकारी ले रहे थे। लेकिन जैसे ही इनके पास 'खतरनाक खुफिया जानकारी' पहुंची, उन्होंने फौरन संघर्ष को रोकने के लिए भूमिका निभानी शुरू कर दी। अधिकारियों ने वो खुफिया जानकारी का खुलासा करने से इनकार कर दिया।

अमेरिकी रिपोर्ट् के मुताबिक नूर खान एयरबेस के तबाह होने के बाद पाकिस्तान बहुत ज्यादा डर गया था और उसे लग रहा था अब भारत उसके हाई वैल्यू टारगेट पर हमला करने वाला है। नूर खान एयरबेस, पाकिस्तानी एयरफोर्स का सबसे संवेदनशील एयरबेस है और भारत ने यहां पर डीप स्ट्राइक किए थे। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तान के एयर डिफेंस सिस्टम और रडार सिस्टम भारतीय हथियारों को बिल्कुल भी इंटरसेप्ट नहीं कर पा रहे थे। जिससे भारतीय हमलों को रोकने के लिए पाकिस्तान के पास कुछ नहीं था। जबकि पाकिस्तान के मिसाइल भारत को नुकसान नहीं पहुंचा रहे थे। जिससे पाकिस्तान के हाथ पांव फूल गये थे और वो किसी तरह से युद्ध से बाहर निकलना चाहता था।

15 मई को इस्तांबुल में बड़ी बैठक
पुतिन ने जेलेंस्की को भेजा न्योता

मॉस्को, 11 मई (एजेंसियां)। रूस और यूक्रेन में हो रहे युद्ध के बीच एक राहत वाली खबर सामने आई है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 15 मई को इस्तांबुल में यूक्रेन के साथ बिना किसी शर्त के सीधी बातचीत फिर से शुरू करने का प्रस्ताव रखा है। शनिवार को क्रेमलिन में पत्रकारों से बात करते हुए पुतिन ने 2022 में दोनों देशों के बीच शुरू हुई शांति वार्ता को फिर से शुरू करने के संकेत दिए हैं। इस कदम से दोनों देशों के संघर्ष में एक नया मोड़ आ सकता है। पुतिन ने कहा, रूस ने 2022 में वार्ता नहीं तोड़ी। यह कीव था। फिर भी हम प्रस्ताव कर रहे हैं कि कीव बिना किसी पूर्व शर्त के सीधी वार्ता फिर से शुरू करे। सब कुछ के बावजूद, हम कीव अधिकारियों को गुरुवार को इस्तांबुल में वार्ता फिर से शुरू करने की पेशकश करते हैं। उन्होंने कहा, मैं आपको याद दिला दूं कि इन वार्ताओं के परिणामस्वरूप एक संयुक्त मसौदा दस्तावेज तैयार किया गया था और कीव वार्ता समूह के प्रमुख द्वारा इस पर हस्ताक्षर भी किए गए थे, लेकिन पश्चिम के आग्रह पर इसे कूड़ेदान में फेंक दिया गया। रूसी राष्ट्रपति ने कहा, रूस ने बार-बार युद्ध विराम की पहल की है। कीव के अधिकारियों ने हमारे किसी भी युद्ध विराम प्रस्ताव पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। घोषित युद्ध विराम के तीन दिनों के दौरान, कीव ने रूसी सीमा पर हमला करने के 5 प्रयास किए हैं।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार का बड़ा फैसला
शेख हसीना की अवामी लीग पर लगा प्रतिबंध

ढाका, 11 मई (एजेंसियां)। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग पर शनिवार को आतंकवाद विरोधी कानून के तहत प्रतिबंध लगा दिया। यूनुस के कार्यालय ने कहा, इस संबंध में आधिकारिक गजट अधिसूचना अगले कार्य दिवस पर जारी की जाएगी। कैबिनेट के बयान में कहा गया कि सलाहकार परिषद या मंत्रिमंडल ने निर्णय लिया कि यह प्रतिबंध तब तक प्रभावी रहेगा जब तक कि बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण में अवामी लीग और उसके नेताओं के खिलाफ मुकदमे का निपटारा नहीं हो जाता ताकि देश की सुरक्षा और संप्रभुता की रक्षा की जा सके। यह निर्णय जुलाई 2024 में हुए बगावत के नेतृत्वकर्ताओं और कार्यकर्ताओं की सुरक्षा के लिए भी लिया गया, जिसने अवामी लीग को सत्ता से हटाया। इससे अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) में मुकदमे के शिकायतकर्ताओं और गवाहों की सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी।

यूनुस की अध्यक्षता में हुई बैठक में आईसीटी कानून में संशोधन भी किया गया, जिससे न्यायाधिकरण को किसी भी राजनीतिक दल, उसके अग्रणी संगठनों और संबद्ध संगठनों पर मुकदमा चलाने की अनुमति मिल गई। 1949 में स्थापित अवामी लीग ने दशकों तक पूर्वी पाकिस्तान में बंगालियों की स्वायत्तता के लिए आंदोलन का नेतृत्व किया और अंततः 1971 के मुक्ति संग्राम का नेतृत्व किया।

धरती पर गिरा अंतरिक्ष में 53 साल से फंसा यान, शुक्र ग्रह की खोज के लिए वीनस मिशन पर हुआ था रवाना

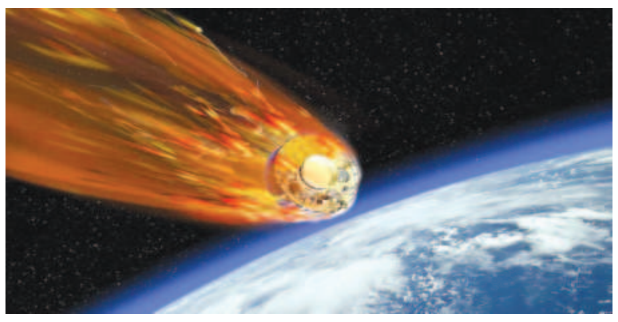

केप कैनावेरल, 11 मई (एजेंसियां)। सोवियत संघ का 53 साल से पृथ्वी की कक्षा में फंसा हुआ कोसमोस 482 नाम का अंतरिक्ष यान आखिरकार अब पूरी तरह पृथ्वी पर गिर गया है। इसकी पुष्टि रूसी अंतरिक्ष एजेंसी और यूरोपीय संघ अंतरिक्ष निगरानी और ट्रैकिंग ने की। रूस ने कहा कि यह हिंद महासागर के ऊपर गिरा, लेकिन कुछ विशेषज्ञ अभी भी यह तय नहीं कर पाए हैं कि यह ठीक कहां गिरा। यह भी तुरंत पता नहीं चल पाया है कि आधे टन के अंतरिक्ष यान का कितना हिस्सा कक्षा से आग की लपटों से जलने से बचा। विशेषज्ञों ने पहले ही कहा था कि इसका कुछ हिस्सा नीचे गिर सकता है, क्योंकि इसे सौर मंडल के सबसे गर्म ग्रह शुक्र पर उतरने के लिए बनाया गया था। वैज्ञानिकों ने यह भी कहा अंतरिक्ष यान के मलबे से किसी के भी टकराने की संभावना बहुत कम है।

1972 में वीनस मिशन पर भेजा गया था यान

सोवियत संघ द्वारा इसे 1972 में शुक्र ग्रह की खोज के लिए वीनस मिशन पर भेजा गया था, लेकिन रॉकेट में खराबी के कारण यह पृथ्वी की कक्षा से बाहर नहीं निकल सका था। शनिवार को विशेषज्ञों ने पुष्टि की कि यह अंतरिक्ष यान बगैर किसी नियंत्रण के पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश कर गया। इसका मतलब है कि इसे सुरक्षित रूप से नीचे नहीं लाया गया था और किसी को भी ठीक से नहीं पता था कि यह कब और कहां गिरेगा।

यान अब पृथ्वी की कक्षा में नहीं है ईयूएसएसटी

यूरोपीय संघ की अंतरिक्ष निगरानी और ट्रैकिंग प्रणाली (ईयूएसएसटी) ने कहा कि यह यान अब पृथ्वी की कक्षा में नहीं है। इससे इसकी वायुमंडल में बगैर नियंत्रण की वापसी की पुष्टि होती है। वहीं, यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के अंतरिक्ष मलबा कार्यालय ने भी यान की वापसी को पुख्ता किया है। एजेंसी ने संकेत दिया कि जर्मन रडार स्टेशन पर दिखाई न देने के बाद अंतरिक्ष यान धरती के वायुमंडल में दोबारा प्रवेश कर गया।

पहले ही धरती पर आ चुका यान का ज्यादातर हिस्सा

अंतरिक्ष यान का ज्यादातर हिस्सा पहले ही धरती पर वापस आ चुका था। अब जो हिस्सा गिरा है, वह इसका लैंडर था, जो एक मीटर (लगभग 3 फीट) चौड़ा और टाइटेनियम धातु से बना हुआ था। इसका वजन करीब 495 किलोग्राम था। इस यान के गिरने का सही समय और जगह कोई भी पहले से नहीं जानता था, क्योंकि यह बिना नियंत्रण के गिरा और सूरज की गतिविधियों ने इसकी दिशा तय करने में और मुश्किलें पैदा कर दी थीं। संयुक्त राष्ट्र के नियमों के अनुसार, अगर कोई मलबा बचा है, तो वह रूस की संपत्ति मानी जाएगी।

भारत से जान बचने के बाद शहबाज शरीफ ने ट्रंप नहीं, इन 4 नेताओं को कहा स्पेशल शुक्रिया

इस्लामाबाद, 11 मई (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान की सभी हिमाकतों का भारतीय सेना ने मुंहतोड़ जवाब दिया है। 7 मई से जारी दोनों देशों के बीच तनातनी में युद्ध विराम होने के बाद पाकिस्तान ने राहत की सांस ली है। चारों खाने चित होने के बाद भी पाकिस्तान अपनी सेना और सरकार की कूटनीति की तारीफ किए जा रहा है और खुद जीता हुआ साबित कर रहा है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री सीजफायर के बाद दुनिया को ये दिखाने की कोशिश कर रहे हैं कि पूरी दुनिया खासकर सभी मुस्लिम देश उनके साथ हैं। सीजफायर के बाद प्रधानमंत्री के ऑफिस के बयान में कहा गया है, प्रधानमंत्री ने ट्रंप और मित्र देशों का आभार जताया। प्रधानमंत्री ने युद्ध विराम में उनकी ईमानदार भूमिका के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का आभार जताया। उन्होंने सऊदी अरब, यूएई, तुर्की, कतर, ब्रिटेन, संयुक्त राष्ट्र महासचिव और अन्य देशों का भी आभार जताया, जिन्होंने युद्ध विराम में अपनी भूमिका निभाई. इस बयान में आगे लिखा है, प्रधानमंत्री ने खास तौर पर क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान, मोहम्मद बिन जायद, कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद और राष्ट्रपति तैयप एर्दोआन का जिक्र किया, जो भाइयों की तरह पाकिस्तान के साथ खड़े रहे. इस बयान के बाद पाक

प्रधानमंत्री की फजीहत होनी तय थी. कुछ लोग उनके इस बयान फर्जी और बेतुका बता रहे हैं, क्योंकि कतर, सऊदी और यूएई ने भारत के सामने पाकिस्तान के समर्थन में एक बयान भी नहीं दिया है। पाकिस्तान का भारतीय की कूटनीति ने विश्व स्तर अलग-थलग कर दिया है. इस युद्ध के दौरान तुर्की की चीन को छोड़ पाकिस्तान का समर्थन किसी और देश ने नहीं किया है. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि भारत और पाकिस्तान लंबी शांति वार्ता के बाद सीजफायर के लिए मान गए हैं. हालांकि उनके ऐलान के बाद कुछ जगहों से सीजफायर उल्लंघन की खबरें आईं, लेकिन दोनों ही देशों ने सीजफायर जारी रखने के लिए प्रतिबद्धता दिखाई है.

'सहायता नाकाबंदी' के बीच गाजा में इजराइल का एयर स्ट्राइक

गाजा, 11 मई (एजेंसियां)। इजराइली हवाई हमलों में गाजा में कम से कम 23 फिलिस्तीनी मारे गए, जिनमें तीन बच्चे और उनके माता-पिता शामिल हैं। गाजा में सहायता वितरण को नियंत्रित करने की इजराइली योजनाओं पर अंतर्राष्ट्रीय चेतावनियों के बढ़ने के साथ ही बमबारी जारी रही। इससे पहले देर रात जबालिया में एक हमले में संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी के गोदाम को निशाना बनाया गया था। इस हमले में चार लोगों की मौत हो गई थी। इजराइल की सेना ने बताया कि गाजा सिटी के शुजाइया इलाके में तलाशी के दौरान एक विस्फोटक उपकरण फटने से उसके नौ सैनिक घायल हो गए थे। हालांकि इजराइल के नाकाबंदी के चलते गाजा में हालात बेहद खराब हैं। रसोई घर और राहत केंद्र बंद होते जा रहे। क्योंकि खाद्य सामग्री खत्म होने के कगार पर हैं। वहीं इजराइल का कहना है कि यह हमास पर दबाव बनाने के लिए किया जा रहा है, ताकि उसको बंधक छोड़ने और हथियार डालने के लिए मजबूर किया जा सके। जबकि मानवाधिकार संगठनों ने इसे भुखमरी हथियार और संभावित युद्ध अपराध बताया है। हालांकि इजराइल की राहत सामग्री वितरण पर नियंत्रण की योजना को लेकर संयुक्त राष्ट्र और कई राहत संगठनों ने विरोध जताया है। 'गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन' नामक अमेरिकी समूह की योजना को भी अस्वीकार किया गया है। बता दें कि गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इस युद्ध में अब तक 52,800 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें अधिकतर महिलाएं और बच्चे हैं। वहीं 1 लाख 19 हजार से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। इजराइल का दावा है कि उसने हजारों आतंकवादियों को मार गिराया है, हालांकि उसने इसका कोई प्रमाण नहीं दिया। इजराइल ने 18 मार्च को गाजा में बमबारी फिर से शुरू की थी, जिससे हमास के साथ दो महीने का संघर्ष विराम टूट गया। जमीनी सैनिकों ने आधे से ज्यादा क्षेत्र पर कब्जा कर लिया है और उत्तरी गाजा और सबसे दक्षिणी शहर राफा के कुछ हिस्सों में छापे और तलाशी कर रहे हैं। महीनों तक चले इजराइली अभियानों से दोनों क्षेत्रों के बड़े हिस्से तबाह हो गए हैं। 7 अक्टूबर, 2023 को दक्षिणी इजराइल पर हुए हमले के बाद इजराइल ने हमास को नष्ट करने की कसम खाई है। इस हमले में आतंकवादियों ने लगभग 1,200 लोगों को मार डाला था, जिनमें से अधिकतर नागरिक थे, और 250 से अधिक लोगों का अपहरण कर लिया था। हमास ने अभी भी लगभग 59 बंधकों को बंधक बना रखा है, जिनमें से लगभग एक तिहाई के अभी भी जीवित होने का अनुमान है। हमास ने शनिवार को एक वीडियो जारी किया जिसमें बंधकों एल्काना बोहबोट और योसेफ-हैम ओहाना को दिखाया गया है, जो दबाव में दिखाई दिए थे। उन्हें 7 अक्टूबर के हमले के दौरान एक संगीत समारोह से अगवा किया गया था, जहां 300 से अधिक लोग मारे गए थे। हमास ने डेढ़ महीने पहले उनका एक वीडियो जारी किया था और तब से अब तक वह अकेले बोहबोट के कई वीडियो जारी कर चुका है। वहीं रात प्रदर्शनकारियों ने तेल अवीव में एक बार फिर रैली निकाली और संघर्ष विराम की मांग की, जिससे सभी बंधकों को वापस लाया जा सके।

'कश्मीर मुद्दे का हल निकलने के लिए भारत-पाकिस्तान के साथ काम करूंगा', सीजफायर के बीच बोले ट्रंप

न्यूयॉर्क, 11 मई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर भारत-पाकिस्तान के बीच हुए सीजफायर का श्रेय लेने में जुट गए हैं। पहले उन्होंने बीते दिन शाम पांच बजकर 37 मिनट पर दोनों देशों के बीच सीजफायर का दावा किया। इसके बाद पाकिस्तानी विदेश मंत्री और भारत के विदेश सचिव ने इसे लेकर आधिकारिक एलान किया। हालांकि भारत ने साफ किया कि यह समझौता दोनों देशों के बीच हुआ है, इसमें किसी तीसरे पक्ष का दखल नहीं है ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर लिखा, 'मुझे भारत और पाकिस्तान के मजबूत और अडिग नेतृत्व पर बहुत गर्व है, क्योंकि उनके पास यह जानने और समझने की शक्ति, बुद्धि और धैर्य है कि वर्तमान संघर्ष को रोकने का समय आ गया है, जो कई लोगों की मौत और विनाश का कारण बन सकता था। लाखों अच्छे और निर्दोष लोग मारे जा सकते थे! आपकी विरासत आपके बहादुर काम से बहुत बढ़ गई है। मुझे गर्व है कि अमेरिका ने आपको इस ऐतिहासिक और वीरतापूर्ण निर्णय पर पहुंचने में मदद की। अभी चर्चा नहीं हुई है, लेकिन मैं इन दोनों महान देशों के साथ व्यापार को काफी हद तक बढ़ाने जा रहा हूं। इसके अलावा मैं आप दोनों के साथ मिलकर यह देखने के लिए काम करूंगा कि क्या हजार साल के बाद कश्मीर के संबंध में कोई समाधान निकाला जा सकता है। भगवान भारत और पाकिस्तान के नेतृत्व को अच्छी तरह से किए गए काम के लिए आशीर्वाद दें!!!' बीते दिन संघर्ष विराम की पहली सूचना ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट में दी। उन्होंने कहा, 'भारत और पाकिस्तान संघर्षविराम पर सहमत हो गए हैं।' इससे पहले अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा था कि बीते 48 घंटे में उनकी पीएम नरेंद्र मोदी और शहबाज शरीफ, एस जयशंकर, पाकिस्तानी सेना प्रमुख असीम मुनीर और दोनों देशों के एनएसए से बातचीत हुई है। इसके बाद दोनों देश संघर्षविराम और किसी तटस्थ जगह पर व्यापक बातचीत शुरू करने पर सहमत हुए। पाकिस्तान के उपप्रधानमंत्री व विदेश मंत्री इशाक डार ने तत्काल संघर्षविराम की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि दिनभर चली व्यस्त कूटनीति के कारण दोनों सैन्य अधिकारियों के बीच बातचीत हुई और सहमति बनी। अमेरिका की मध्यस्थता में रात में लंबी बातचीत के बाद बताते हुए खुशी हो रही है कि भारत-पाकिस्तान तुरंत पूरी तरह हमले रोकने के लिए तैयार हो गए हैं। दोनों देशों को सामान्य बुद्धि, समझदारी से भरा फैसला लेने के लिए बधाई। भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम के एलान के थोड़ी देर बाद ही जम्मू-कश्मीर में सीमापार से

गोलाबारी और ड्रोन हमले फिर शुरू हो गए। श्रीनगर में कई धमाके हुए, वहीं आरएसपुरा, सांबा, ललियान और रामगढ़ में भी देर रात तक धमाके होते रहे। सीमापार से फायरिंग में आरएसपुरा क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बीएसएफ के उपनिरीक्षक मोहम्मद इम्तियाज बलिदान हो गए। हमले में सात अन्य जवान घायल हुए हैं। सभी सैन्य अस्पताल में भर्ती हैं। पंजाब, राजस्थान और गुजरात में भी कई धमाके हुए। रात तक 15 शहरों में ब्लैकआउट करना पड़ा। केंद्र सरकार ने इसे सहमति का घोर उल्लंघन करार देते हुए सेना को जवाबी कार्रवाई करने की छूट दे दी। रात 11 बजे विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने इसके लिए, पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराते हुए निंदनीय करार दिया। उन्होंने कहा, पाकिस्तान स्थिति को ठीक से समझे और इसे रोकने के लिए तुरंत उचित कार्रवाई करे। सेना हालात पर कड़ी नजर रखे हुए है। उसे संघर्ष विराम उल्लंघन के खिलाफ ठोस और सख्त कदम उठाने के लिए आदेश दिए गए हैं। हालांकि, इस चेतावनी के बाद कुछ शहरों में गोलीबारी थम गई, लेकिन बारामुला, कारगिल, जम्मू, श्रीनगर, होशियारपुर, फाजिल्का, मोगा, मुक्तसर, अमृतसर, फिरोजपुर, पठानकोट, पटियाला, जोधपुर, जैसलमेर, श्रीगंगानगर व कच्छ सहित कई जिलों में ब्लैकआउट करना पड़ा।

12 मई को मध्याह्न 12 बजे फिर बातचीत करेंगे भारत-पाकिस्तान

इससे पहले भारत की शनिवार सुबह की जवाबी कार्रवाई से दबाव में आए पाकिस्तान के सैन्य अभियान महानिदेशक (डीजीएमओ) की भारतीय डीजीएमओ से फोन पर हुई बातचीत में दोनों पक्षों में शाम पांच बजे से जमीन, हवा और समुद्र में सभी तरह के हमले और सैन्य कार्रवाई बंद करने की सहमति बनी थी। हालांकि, भारत ने स्पष्ट किया कि आतंकवाद के प्रति उसकी दृढ़ और कठोर कार्रवाई जारी रहेगी। साथ ही, सिंधु जल संधि समझौता भी निलंबित रहेगा। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने बताया कि पाकिस्तानी डीजीएमओ ने दोपहर 3:35 बजे भारतीय डीजीएमओ को फोन किया था। सहमति बनी कि भावी कदम तय करने के लिए 12 मई को मध्याह्न 12 बजे फिर बातचीत करेंगे।

बलूचिस्तान में बीएलए ने पाक सेना का किया बुरा हाल, सरकारी ठिकानों और पुलिस पर किए जबरदस्त हमले

क्वेटा, 11 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान में बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने दावा किया है कि उसने सेना, पुलिस और कई सरकारी ठिकानों समेत 39 स्थानों पर हमला कर सरकारी तंत्र को भारी नुकसान पहुंचाया है। बलूचिस्तान की स्वतंत्रता के लिए दशकों से संघर्ष कर रही बीएलए भारत के साथ पाकिस्तान के संघर्ष के दौरान एकाएक सक्रिय हुई और उसने कुछ ही घंटों में 39 हमले कर डाले। संगठन ने यह जानकारी विज्ञप्ति जारी करके दी है। बीएलए के प्रवक्ता जीयांद बलूच ने कहा कि संगठन की कार्रवाई जारी है। बताया कि संगठन के लड़ाकों ने सेना के काफिले, पुलिस स्टेशनों, कई राजमार्गों और सरकारी ठिकानों पर हमले करके उन्हें नुकसान पहुंचाया है। संगठन ने कई पुलिस थानों पर कब्जा भी कर लिया है।

सीजफायर के उल्लंघन के बाद हमें सतर्क रहने की आवश्यकता

मीडिया से बातचीत में बोले गजेंद्र शेखावत

जोधपुर, 11 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने आज अपने जोधपुर प्रवास के दौरान अटल सेवा केंद्र में चिकित्सा विभाग के आला अधिकारियों के साथ बैठक की इस बैठक में मिलिट्री हॉस्पिटल, एम्स, एसएन मेडिकल कॉलेज प्रबंधन से जुड़े अधिकारियों के साथ चर्चा हुई।

बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि जिस तरीके से सीजफायर का उल्लंघन हुआ है, हमें सतर्क रहने की आवश्यकता है अपनी सारी तैयारी को युद्ध की स्थिति में जिस तरीके से होनी चाहिए उसके अनुरूप चौकस रखने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि इसी क्रम में लगातार बैठकें की जा रही हैं। जोधपुर में फलौदी, जैसलमेर और बाड़मेर में बैठक कर जिला प्रशासन और अन्य संस्थाओं के साथ बातचीत की गई है।

सीमा जनकल्याण समिति के समूह सेवकों के साथ भी बैठक की है।

शेखावत ने बताया कि कल जोधपुर जिला प्रशासन के साथ हुई बैठक में यह विषय सामने आया कि आपातकालीन स्थिति में हमारे पास मौजूद विभिन्न अस्पताल जैसे एसएन मेडिकल कॉलेज, एम्स, रेलवे अस्पताल और मिलिट्री अस्पताल किस तरह से एक-दूसरे के साथ समन्वय स्थापित करेंगे। इसी विषय पर आज बैठक बुलाई गई।

बैठक में यह तय किया गया कि जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में चारों अस्पतालों के प्रमुखों के साथ एक एसओपी तैयार किया जाएगा, जिसमें यह निर्धारित किया जाएगा कि आपातकालीन स्थिति में किस अस्पताल में किस प्रकार के मरीज भेजे जाएंगे।

100 से ज्यादा पुलिसकर्मियों से 50 करोड़ की ठगी

सरकारी टीचर गिरफ्तार; कांस्टेबल भाई अब भी फरार

अजमेर, 11 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के अजमेर जिले से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां दो सगे भाइयों ने करोड़पति बनने का सपना दिखाकर 100 से ज्यादा पुलिसकर्मियों से करीब 50 करोड़ रुपये की ठगी कर ली। इस फर्जीवाड़े को अंजाम देने वालों में एक आरोपी सरकारी स्कूल में शिक्षक है और दूसरा पुलिस कांस्टेबल, जो इस पूरे रैकेट का मास्टरमाइंड माना जा रहा है।

पुलिस ने इस मामले में बड़ी कार्रवाई कर आरोपी सरकारी शिक्षक कुलदीप मीणा (34) को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि उसका भाई और मुख्य साजिशकर्ता पुलिस कांस्टेबल पवन मीणा अब भी फरार है। कुलदीप को पकड़ने के लिए पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी, क्योंकि वह लगातार हुलिया और ठिकाना बदलकर बचता

रहा। उसकी गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था। क्लॉक टॉवर थाना प्रभारी वीरेन्द्र सिंह शेखावत ने बताया कि एक गुप्त सूचना के आधार पर कुलदीप को गिरफ्तार किया गया। उसके बैंक खाते से करीब 18 लाख रुपये की राशि भी बरामद की गई है। उसे कोर्ट में पेश कर पांच दिन की पुलिस रिमांड पर लिया गया है ताकि पूरे नेटवर्क की तह तक पहुंचा जा सके।

पुलिसकर्मियों को चौगुना मुनाफा देने का लालच

इस हाई-प्रोफाइल ठगी का पर्दाफाश तब हुआ जब मदनगंज-किशनगढ़ में तैनात कांस्टेबल दीपक वैष्णव ने क्लॉक टॉवर थाने में मामला दर्ज करवाया। शिकायत में उसने बताया कि उसका बैचमेट पवन मीणा अक्सर थानों में आकर 'बड़े प्रोजेक्ट्स में निवेश' और 'चौगुनी कमाई' का झांसा दिया करता था। पवन और उसके भाई कुलदीप ने मिलकर एक फर्जी इन्वेस्टमेंट कंपनी बनाई, जिसके तहत उन्होंने दावा किया कि निवेशकों का पैसा नेशनल हाईवे जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स में लगाया जाएगा। इस भरोसे के जाल में आकर कई पुलिसकर्मियों ने अपनी मेहनत की कमाई इस स्कीम में लगा दी।

वर्दी और नेटवर्क का इस्तेमाल कर रची ठगी की बड़ी साजिश

एसपी वंदिता राणा ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि शिकायत मिलते ही कांस्टेबल पवन मीणा को 25 दिन पहले ही निलंबित कर दिया गया। दोनों भाइयों पर 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया है। फिलहाल पुलिस फरार चल रहे पवन की तलाश में जुटी है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह ठगी योजनाबद्ध तरीके से की गई थी। पवन मीणा ने न सिर्फ अपनी वर्दी और पद का दुरुपयोग किया, बल्कि पुलिस विभाग के भीतर अपने नेटवर्क के जरिए आसानी से अन्य पुलिसकर्मियों को भरोसे में लिया और बड़ी राशि हड़प ली।

इस घटना ने पुलिस विभाग के आंतरिक तंत्र और भरोसे पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस अब बाकी निवेशकों की सूची तैयार कर रही है ताकि इस घोटाले की वास्तविक रकम और पीड़ितों की संख्या का सटीक अनुमान लगाया जा सके। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि इस नेटवर्क में और कौन-कौन शामिल था।

देवड़ावास में बनेगा राजस्थान का प्रथम मधुमक्खी पालन उत्कृष्टता केंद्र, किसान-बेरोजगारों की बल्ले-बल्ले

टोंक, 11 मई (एजेंसियां)। राजस्थान का प्रथम मधुमक्खी पालन उत्कृष्टता केंद्र टोंक के देवड़ावास में बनेगा। इसके लिए 263.90 लाख रुपए की स्वीकृति मिल गई है। मधुमक्खी पालन उत्कृष्टता केंद्र देवड़ावास टोंक के निर्माण कार्यों के लिए आयुक्त उद्यानिकी जयपुर राज सुरेश कुमार ओला ने सक्षम स्तर से अनुमोदित स्वीकृति के आदेश जारी कर 263.90 लाख रुपए की स्वीकृति जारी की।

एग्री मार्केटिंग बोर्ड टोंक को निविदा जारी करने का निर्देश

मधुमक्खी उत्कृष्टता केंद्र देवड़ावास टोंक पर मुख्य भवन निर्माण रोड, फर्नीचर, हनी प्रोसेसिंग प्लांट, गुण नियंत्रण लेब, कोम्ब यूनिट,बॉटलिंग और लेबलिंग यूनिट, डिजीज डायग्नोस्टिक लेब, वैल्यू एडिशन लेब, इंचार्ज रूम, स्टाफ रूम, स्टोर रूम, वर्क शॉप इत्यादि के निर्माण कार्यों के लिए एग्री मार्केटिंग बोर्ड टोंक को निविदा जारी करवाने के आदेश जारी कर निर्माण कार्य करवाने को निर्देशित किया है।

किसानों, युवाओं को मिलेगा लाभ

टोंक जिले में मधुमक्खी पालन उत्कृष्टता केंद्र खुलने ने जिले के बेरोजगार युवाओं एवं किसानों को मधुमक्खी पालने के साथ ही शहद उत्पादन करने का प्रशिक्षण मिलने से युवाओं और किसानों को सीधा-सीधा फायदा होगा। साथ ही मधुमक्खी पालन से फसलों में पॉलिनेशन परागण बढ़ने से सरसों जैसी फसलों में फलियों व दानों की मात्रा में बढ़ोतरी होने से लगभग 15 से 20 प्रतिशत तक उत्पादन बढने की संभावना है जो सीधा सीधा किसानों को लाभान्वित करेगा।

बजट घोषणा 2023-24 में हुई थी केंद्र की घोषणा

सरसों की फसल के क्षेत्रफल में टोंक जिला राज्य में प्रथम होने के कारण एवं जिले की जलवायु अनुकूल होने तथा मौसम साफ रहने के कारण ही टोंक जिले को मधुमक्खी पालन उत्कृष्टता केंद्र की सौगात मिली थी।

वन क्षेत्र में अवैध निर्माण पर रोक लगाने गई टीम पर पथराव

हमले का एक आरोपी गिरफ्तार

जयपुर, 11 मई (एजेंसियां)। कोटपूतली-बहरोड़. बानसूर थाना पुलिस ने प्रतिबंधित वन क्षेत्र में अवैध निर्माण रोकने गई वन विभाग की टीम पर पथराव करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

08 मई को ग्राम गुढ़ा, कल्याणपुरा, रामपुर व नाथूसर के ग्रामीणों द्वारा रामपुर नाका के अंदर बास वाले कुएं के पास स्थित माता जी के मंदिर में अवैध रूप से छत निर्माण किया जा रहा था। सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को समझाइश की, लेकिन ग्रामीण नहीं माने। इस पर जब टीम ने निर्माण कार्य रुकवाने का प्रयास किया तो ग्रामीणों ने अचानक पथराव कर दिया। इस हमले में वन विभाग के वाहन क्षतिग्रस्त हो गए और टीम को जान-माल का खतरा उत्पन्न हो गया। घटना को लेकर क्षेत्रीय वन अधिकारी त्रिलोक कुम्हार की रिपोर्ट पर बानसूर थाने में एफआईआर दर्ज की गई जिसमें 15 नामजद और लगभग 150 अन्य महिलाओं और पुरुषों को आरोपी बनाया गया।

थानाधिकारी सुरेंद्र मलिक के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने चलाए गए सघन अभियान के तहत विभिन्न इलाकों में दबिश देते हुए आरोपी जनक सिंह (40) पुत्र नादान सिंह राजपूतनिवासी गुढ़ा, थाना बानसूर को गिरफ्तार किया गया। आरोपी से पूछताछ कर अन्य फरार अभियुक्तों की तलाश जारी है। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि कानून हाथ में लेने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

दक्षिण भारत से भी जुड़े 400 करोड़ की ठगी के तार

बेंगलुरु एयरपोर्ट पर आने से पहले भागा इंजीनियर भांजा

जयपुर, 11 मई (एजेंसियां)। भरतपुर रेंज आइजी की साइबर टीम 400 करोड़ रुपए से अधिक की ठगी करने के मामले में बेंगलुरु एयरपोर्ट से फरार हुए इंजीनियर भांजा शशिकांत सिंह की तलाश में जुटी है। आरोपी भांजा शशिकांत को उसके मामा के पुलिस की पकड़ में आने की जानकारी मिल गई थी, वह एयरपोर्ट पहुंचने से पहले मोबाइल बंद कर भाग गया।

रेंज आइजी राहुल प्रकाश ने बताया कि 400 करोड़ से अधिक की साइबर ठगी के तार दक्षिण भारत से भी जुड़ सकते हैं। गिरफ्तार सरगना रविन्द्र सिंह ने पूछताछ में बताया कि ठगी उसने 'शिवा' नामक व्यक्ति के कहने पर की थी, जो दक्षिण भारत का हो सकता है। हालांकि, शिवा के बारे में उसने अधिक जानकारी नहीं दी। तकनीकी टीम उसकी पहचान में जुटी है। पुलिस ने बताया कि ठगी की राशि 1000 से 1500 करोड़ रुपए तक हो सकती है।

कागजों पर डायरेक्टर, हकीकत में गरीब

आइजी राहुल प्रकाश ने बताया कि आरोपी मामा रविन्द्र सिंह और उसका भांजा शशिकांत सिंह ने दम्पती दिनेश और कुमकुम के नाम से रूकनेक इंटरप्राइजेज, सी कृष्ण कुमार और सेलवा कुमार के नाम से सेलवा कृष्णा आईटी सोल्यूशन, रोशन बिहोर व बेंकटेश बल्लया बदीलाकोंडा के नाम से एसकेआरसी इंफोटेक और भारथीधसन सुसराज व पुरूषोत्तम पलानिअप्पन के नाम से नित्यश्री मेन पॉवर एंड कॉन्ट्रेक्ट वर्क्स कंपनियां खोली और उनमें ठगी की रकम जमा करवाई। सभी कंपनियों के डायरेक्टर गरीब तबके के लोग हैं और गिरोह की ओर से प्रतिमाह दी जाने वाली राशि से अपना गुजारा करते हैं।

लूट के मामले में फरार छह आरोपी हिरासत में

ऑपरेशन धरपकड़ के तहत भीनमाल पुलिस को मिली बड़ी सफलता

जालौर, 11 मई (एजेंसियां)। जिले में लूट के एक मामले में फरार चल रहे छह आरोपियों को भीनमाल पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई ऑपरेशन धरपकड़ के तहत की गई, जो जोधपुर रेंज के आईजी श्री विकास कुमार के निर्देश पर जिले में चलाया जा रहा है। अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक ज्ञानचंद यादव के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मोटाराम गोदारा व वृत्ताधिकारी अन्नराज सिंह राजपुरोहित की निगरानी में थानाधिकारी रामेश्वर भाटी के नेतृत्व में टीम ने इन आरोपियों को पकड़ा।

जानकारी के अनुसार 3 मई को भीनमाल थाने में दर्ज रिपोर्ट में पीड़ित दिलीप कुमार ने बताया था कि वह रोजाना अपनी दुकान के लिए मोटर साइकिल से आना-जाना

करता है। 2 मई की शाम करीब 7.15 बजे वह रुचियार गांव के पास पहुंचा, तभी एक सफेद कार में सवार कुछ लोगों ने उसे रोका, मारपीट की और उसके बैग से 80 हजार रुपये नकद व बाइक की चाबी लूटकर फरार हो गए।

इस प्रकरण में 6 मई को प्राथमिकी दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया। जांच के दौरान घटनास्थल का निरीक्षण, सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर आरोपियों की पहचान की गई। पीड़ित द्वारा दी गई जानकारी से दिनेश कुमार सोनी पर संदेह गहराया, जिसकी तलाश के दौरान पता चला कि वह अन्य पांच युवकों के साथ बागोड़ा थाने में एक अन्य अपराध में पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है।

पुलिस टीम ने पूछताछ के दौरान खुलासा किया कि आरोपी दिनेश कुमार ने दिलीप कुमार की दुकान पर रैकी की थी और उसका पीछा कर अन्य साथियों को सूचित किया था। इसके बाद दिनेश कुमार, श्रवणसिंह, दिनेश जाट, अशोक सिंह, जोगसिंह और महावीरसिंह ने मिलकर रुचियार के पास वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने 6 आरोपियों को बागोड़ा थाने से गिरफ्त में लेकर न्यायालय में पेश किया, जहां से दो दिन का पुलिस रिमांड प्राप्त हुआ है। पूछताछ जारी है और लूट की रकम व अन्य साक्ष्य बरामद करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

कोयले से भरे चलते ट्रक में अचानक लगी आग

चालक ने कूदकर बचाई जान

सिरोही, 11 मई (एजेंसियां)। पालनपुर-आबूरोड फोरलेन पर चंद्रावती गांव के पास शनिवार देर रात कांडला से पिंडवाड़ा जा रहे कोयले से भरे ट्रक में अचानक आग लग गई। गनीमत रही कि चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए ट्रक को सड़क किनारे खड़ा कर समय रहते कूदकर अपनी जान बचा ली। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। देखते ही देखते ट्रक में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और कोयला सहित पूरा ट्रक जलकर खाक हो गया। आग लगने की सूचना मिलने पर नगर पालिका फायर ब्रिगेड जसवंत कुमार के निर्देशन में फायरकर्मी नवीन कुमार, हसमुख चौधरी, गौतम बंजारा, विक्रम देवासी एवं किशन बंजारा दो फायर ब्रिगेड वाहनों के साथ मौके पर पहुंचे तथा आग बुझाने का कार्य शुरू किया।

अवैध शराब के साथ कार जब्त

अज्ञात तस्करों की तलाश में जुटी पुलिस

जालौर, 11 मई (एजेंसियां)। जिले में अवैध शराब तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन मदमर्दन के तहत सांचौर पुलिस ने भारतमाला थराद रोड पर कार्रवाई करते हुए पंजाब निर्मित अवैध अंग्रेजी शराब से भरी एक कार जब्त की है, जिसकी कुल कीमत करीब 20 लाख रुपये आंकी गई है। यह कार्रवाई जोधपुर रेंज के महानिरीक्षक विकास कुमार के निर्देश पर जिला पुलिस अधीक्षक ज्ञानचंद यादव के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आवड़दान रतनू और वृत्ताधिकारी कांबले शरण गोपीनाथ के सुपरविजन में सांचौर थानाधिकारी देवेंद्र सिंह के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा गश्त के दौरान की गई। टीम में शामिल उपनिरीक्षक गंगाप्रसाद व जाब्ता को मुखबिर से सूचना मिली कि भारतमाला थराद रोड पर एक दुर्घटनाग्रस्त बिना नंबर की कार खड़ी है। मौके पर पहुंचकर जब तलाशी ली गई तो वाहन से पंजाब में निर्मित 46 कार्टून अवैध अंग्रेजी शराब और 132 खुली बोतल अंग्रेजी शराब बरामद की गई। शराब के साथ-साथ वाहन को भी जब्त किया गया। गाड़ी में विभिन्न राज्यों के नंबर वाली कुल 6 फर्जी नंबर प्लेट भी मिली हैं, जिनकी जांच की जा रही है। मामले में पुलिस थाना सांचौर ने अज्ञात तस्कर के खिलाफ राजस्थान आबकारी एक्ट में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है, फिलहाल पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

इनामी हार्डकोर अपराधी गिरफ्तार

महिला का वेश धरकर घूम रहा था

उदयपुर, 11 मई (एजेंसियां)। उदयपुर में पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल कर 10 हजार रुपये के इनामी हार्डकोर बदमाश को गिरफ्तार कर लिया। बदमाश दिलीप नाथ महिला की वेशभूषा में घूम रहा था। आरोपी अपनी पहचान छिपाकर विदेश भागने की फिराक में था। इसके लिए उसने फर्जी पासपोर्ट भी बनवा लिया था और वीजा का इंतजार कर रहा था। गुरुवार को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि दिलीप नाथ ब्लैक स्कॉर्पियो कार में बांसवाड़ा से उदयपुर आ रहा है।

सूचना के आधार पर पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देशन में एएसपी गोपाल स्वरूप मेवाड़ा और डीएसपी सूर्यवीर सिंह राठौड़ की अगुवाई में टीम गठित की गई। उसके बाद केवड़ा की नाल में नाकाबंदी कर पुलिस ने आधी रात को ही आरोपी को पकड़ लिया। दिलीप नाथ महिला की वेशभूषा में स्कॉर्पियो से उतर कर भागा, लेकिन फिसलकर गिर पड़ा और उसे धर दबोचा गया। उसके साथ भाग रहे विष्णु पालीवाल को भी गिरफ्तार कर लिया गया।

गौरतलब है कि दिलीप नाथ पर एक व्यक्ति को धमकाकर 35.5 लाख रुपये और जमीन का एग्रीमेंट कराने का मामला दर्ज है। पूर्व में उसने जेल से ही राजू तेली की हत्या करवाई थी और गैंग बनाकर कई वारदातों को अंजाम दिया। आरोपी के खिलाफ BNS की कई धाराओं में केस दर्ज है। एसपी ने पुलिस टीम की सराहनीय कार्रवाई की अनुशंसा डीजी डिस्क अवॉर्ड के लिए भेजी है।

बर्थडे सेलिब्रेशन में गांव पहुंचे युवक का चबूतरे पर मिला शव

माधोराजपुरा, 11 मई (एजेंसियां)। निकटवर्ती गोपालपुरा गांव में सुनसान स्थान पर पीर बाबा के चबूतरे पर एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर भांकरोटा सरपंच गिरिराज शर्मा सहित ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। घटनास्थल पर पहुंचे युवक के परिजनों ने शव की शिनाख्त रमेश चंद मीणा (23) पुत्र गोपाल मीणा निवासी गोपालपुरा के रूप में की। ग्रामीणों ने हत्या का आरोप लगाते हुए गिरफ्तारी की मांग की और स्टेट हाईवे जाम करने का प्रयास किया। सूचना के बाद माधोराजपुरा एसएचओ किताब चौधरी मौके पर पहुंची। इसी बीच पुलिस को ग्रामीणों के विरोध का सामना करना पड़ा। इसे देखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दूदू शिवलाल, पुलिस उपाधीक्षक रामधन सांडीवाल, पुलिस उपाधीक्षक व फागी थानाधिकारी शीशराम मीणा, रेनवाल मांजी एसएचओ दिलीप सिंह भी घटनास्थल पर पहुंचे। शव को सीएचसी की मोर्चरी में रखा गया। एफएसएल टीम ने भी मौके से साक्ष्य जुटाए।

पोता सरहद पर, दादा के निधन पर नहीं आ पाया

वीडियो कॉल पर किए अंतिम दर्शन

जयपुर, 11 मई (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान सीमा पर बढ़ते तनाव के बीच कोटखावदा के देवसी की ढाणी निवासी ऊरी श्रीनगर जम्मू-कश्मीर में तैनात आर्मी अग्निवीर जवान विकास मीना के दादा का गुरुवार देर शाम निधन हो गया। विकास ने फोन पर परिजनों से बात कर दादाजी के निधन पर दुख जताया। लेकिन देश सेवा की भावना के चलते उन्हें कर्तव्य पीछे नहीं हटने दिया।

देश सेवा के चलते दादा के अंतिम संस्कार में भी विकास शामिल नहीं हो पाया। वहीं दादाजी गोरी लाल का सम्मान पूर्वक अन्तिम संस्कार किया गया। वहीं, विकास ने सोशल मीडिया के माध्यम से ही दादा गोरीलाल मीना के अंतिम दर्शन किए। शुक्रवार को बैठक के दौरान जवान विकास के देश सेवा और सोशल मीडिया पर दादा के अंतिम दर्शन की चर्चा बनी रही।

आर्मी अग्निवीर जवान विकास मीना के पिता तेजपाल मीना और माता राजन्ति देवी ने वीडियो कॉल करके देश सेवा करते रहने के लिए कहा। वहीं दादा के लाडले पोते जवान विकास की आंखें नम तो थी लेकिन देश सेवा के जज्बे के आगे वह अड़िग होकर हथियारों के साथ खड़ा रहा।

हार्ट की बीमारी से ग्रसित थे विकास के दादा

विकास के दादा गोरीलाल मीना पिछले 2 साल से हार्ट की बीमारी से ग्रसित थे। पंचायत समिति कोटखावदा प्रधान प्रहलाद मीना, भाजपा जिला उपाध्यक्ष श्रवण गुर्जर, पूर्व पंचायत समिति सदस्य मन्नालाल मीना सहित कई ग्रामीणों और वरिष्ठजनों ने उनके घर पहुंच कर परिजनों को ढांढस बंधाया।

तेलंगाना में कुछ दिनों तक हल्की गर्मी और अधिक गरज के साथ जारी रहेगी बारिश

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य में औसत से कम गर्मी, जिसमें कम गर्म लहर वाले दिन और अधिक आंधी-तूफान शामिल हैं, के कुछ और दिनों तक जारी रहने की उम्मीद है, हैदराबाद मौसम विभाग ने अगले बुधवार, गुरुवार और शुक्रवार को भारी आंधी-तूफान और तेज हवाओं के लिए नारंगी अलर्ट जारी किया है। हैदराबाद मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, 20 मई तक आंधी-तूफान जारी रहने की उम्मीद है, जिससे जून के पहले सप्ताह में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगमन से पहले गर्मी के केवल 10 दिन ही शेष रह जाएंगे।

हालांकि कुछ मौसमी परिस्थितियों के कारण गर्मी हल्की पड़ रही है, लेकिन तूफानों की बढ़ती गतिविधि विशेष रूप से किसानों और कृषि के लिए चुनौती बन गई है।

आईएमडी-हैदराबाद ने 18 मई तक तेलंगाना राज्य के लिए अपने सात दिवसीय पूर्वानुमान और किसान मौसम बुलेटिन में, बिजली और तेज हवाओं के साथ व्यापक गरज के साथ तूफान आने का संकेत दिया है।

हैदराबाद मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, 18 मई तक पूरे तेलंगाना राज्य में तापमान 36 डिग्री सेल्सियस से 40 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। जिन जिलों में भारी तूफान की चेतावनी जारी की गई है उनमें आदिलाबाद, कुमराम भीम आसिफाबाद, मंचेरियल, निर्मल, निज़ामाबाद, जगतियाल, राजन्ना-सिरसिल्ला, करीमनगर, पेद्दापल्ली, जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, भद्राद्री कोत्तागुडेम, खम्मम, यदाद्री भुवनगिरी, विकाराबाद, संगारेड्डी, मेडक, कामारेड्डी, महबूबनगर, नागरकर्नूल, वानापर्थी, नारायणपेट और जोगुलाम्बा गडवाल शामिल हैं।

जिन जिलों में गरज के साथ 50 से 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाली तेज हवाओं का सामना करना पड़ता है उनमें तेलंगाना के महबूबाबाद, वारंगल, हनमकोंडा, जनगांव, सिद्दीपेट, रंगारेड्डी, हैदराबाद, मेडचल-मलकजगिरी, विकाराबाद, महबूबनगर, नागरकुर्नूल, वानापर्थी, नारायणपेट और जोगुलम्बा गडवाल जिले शामिल हैं। बाकी सभी जिलों में भारी गरज के साथ बारिश होगी, लेकिन हवा की गति 30 से 40 किमी प्रति घंटा होगी। कुल मिलाकर, तेलंगाना राज्य में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। आईएमडी-हैदराबाद ने अपने मौसम पूर्वानुमान में कहा कि अगले कुछ दिनों के दौरान अधिकतम तापमान सामान्य से 2 से 3 डिग्री कम रहेगा।

अधिकारियों द्वारा परेशान किए जाने से तंग आकर होटल कर्मचारी ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। चैतन्यपुरी में शनिवार रात लोन ऐप अधिकारियों के उत्पीड़न के कारण एक होटल कर्मचारी ने आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, चैतन्यपुरी के हनुमाननगर में एक छात्रावास में रहने वाले पी अक्षित, जो जगतियाल जिले के मूल निवासी हैं, एक होटल में काम करते थे। कुछ महीने पहले, वित्तीय समस्याओं के कारण, उन्होंने कुछ लोगों से पैसे उधार लिए और कुछ ऐप के माध्यम से ऋण भी प्राप्त किया।

कुछ समय से लोन देने वाले लोग उसे पैसे वापस करने के लिए परेशान कर रहे थे। उसने अपने दोस्तों को बताया कि लोन ऐप कंपनी के अधिकारी लगातार उसे फोन कर रहे थे। शनिवार की रात अक्षित ने कमरे में छत के पंखे से तौलिया का फंदा बनाकर फांसी लगा ली।

रविवार की सुबह हॉस्टल प्रबंधकों ने उसे कमरे में लटका हुआ देखा और पुलिस को सूचित किया। पुलिस मौके पर पहुंची और प्रारंभिक जांच के बाद शव को शवगृह में रखवाया। मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने आगे की जांच के लिए अक्षित का मोबाइल फोन जब्त कर लिया है।

नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सरकार का प्रयास सराहनीय : राज्यपाल

हैदराबाद, 11 मई(स्वतंत्र वार्ता)। सीएसआईआर-आईआईसीटी ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस 2025 और एएसटीसी वार्षिक सम्मेलन की मेजबानी की। मुख्य अतिथि तेलंगाना राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने कहा कि, विज्ञान व अनुसंधान को सभी के लिए सुलभ बनाने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सरकार के प्रयास सराहनीय है।

सीएसआईआर-भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी और संचार अकादमी (एएसटीसी) और राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (एनएएसआई) हैदराबाद चैप्टर के सहयोग से राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस और एएसटीसी वार्षिक सम्मेलन मनाया।

इस सम्मेलन में प्रौद्योगिकी का जश्न मनाते हुए, डॉ. डी. नागेश्वर रेड्डी ने स्वास्थ्य में आंत माइक्रोबायोम की भूमिका पर प्रकाश डाला। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में कहा, कि, यह शोध, प्रौद्योगिकी और दुनिया को बेहतर बनाने के तरीके खोजने का युग है। उन्होंने विज्ञान और अनुसंधान को सभी के लिए सुलभ बनाने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के प्रयासों पर प्रकाश डाला और आशा व्यक्त की कि

सीएसआईआर संस्थान समाज की सेवा में पथप्रदर्शक कार्य करेंगे।

इस दौरान निदेशक डॉ. डी.श्रीनिवास रेड्डी ने वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने में वैज्ञानिक नवाचार की भूमिका के बारे में कहा, इस वर्ष का विषय बहुत सार्थक है। यह हमें याद दिलाता है कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी को आज हमारे सामने आने वाली समस्याओं को समाधान में सहायता करनी चाहिए।

सीएसआईआर-सेंटर फॉर सेल्युलर एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी, निदेशक डॉ. विनय कुमार नंदीकूरी ने कहा, प्रौद्योगिकी सीएसआईआर का अभिन्न अंग है। उन्होंने दुर्लभ रोग निदान, वन्यजीव फोरेंसिक, डीएनए फिंगरप्रिंटिंग और सिकल सेल एनीमिया के लिए कम लागत वाली स्क्रीनिंग टेस्ट के विकास के क्षेत्रों में सीसीएमबी की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला, जिसकी कीमत 100 या उससे कम है।

निदेशक डॉ. प्रकाश कुमार ने कहा, अलग तरीके से सोचने का साहस समाज पर प्रभाव डालता है। उन्होंने भूकंप-रोधी समाज के निर्माण के उद्देश्य से एनजीआरआई की प्रमुख पहलों पर प्रकाश डाला, जिसमें हिमालय, गंगा के मैदानों और देश भर के अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में भूकंपीय खतरों का आकलन करने और उन्हें कम करने पर केंद्रित प्रमुख मेगा-प्रोजेक्ट शामिल हैं। पद्म विभूषण पुरस्कार विजेता और एआईजी हॉस्पिटल्स, हैदराबाद के अध्यक्ष डॉ. डी. नागेश्वर रेड्डी ने आधुनिक चिकित्सा में गट माइक्रोबायोम की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। डॉ. रेड्डी ने प्रतिरक्षा,चयापचय और समग्र स्वास्थ्य पर आंत माइक्रोबायोम के प्रभाव के बारे में बात की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आंत माइक्रोबायोम को समझना और उसमें बदलाव करना सूजन संबंधी बीमारियों से लेकर तंत्रिका संबंधी विकारों और मानसिक स्वास्थ्य तक की स्थितियों के प्रबंधन में मदद कर सकता है।

वैज्ञानिक सलाहकार चैप्टर अध्यक्ष डॉ. चौ. मोहन राव ने ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की शुरुआत का संक्षिप्त विवरण दिया और एनएएसआई की चल रही गतिविधियों पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम में एएसटीसी कम्युनिकेशंस के नवीनतम अंक का विमोचन, योगदान देने वाले लेखकों का सम्मान और विज्ञान लोकप्रियकरण, विज्ञान और प्रौद्योगिकी में उत्कृष्टता पुरस्कार और आजीवन उपलब्धि पुरस्कार की श्रेणियों में एएसटीसी पुरस्कारों की प्रस्तुति शामिल रही।

हैदराबाद मेट्रो रेल पर हार्वर्ड का केस स्टडी

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद मेट्रो रेल परियोजना को एक और प्रतिष्ठित मान्यता मिली है, इस बार हार्वर्ड विश्वविद्यालय ने इस पर एक शोध पत्र प्रकाशित किया है। हैदराबाद मेट्रो रेल (एचएमआर) परियोजना को दुनिया की सबसे बड़ी सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मेट्रो रेल परियोजनाओं में से एक के रूप में मान्यता दी गई है। हार्वर्ड बिजनेस प्रकाशन ने इसकी उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए एक केस स्टडी प्रकाशित की है। इससे पहले, इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (आईएसबी), स्टैनफोर्ड और अब हार्वर्ड जैसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय प्रबंधन संस्थानों ने अपने छात्रों के लिए हैदराबाद मेट्रो रेल की सफलता की कहानी पर शोध पत्र प्रकाशित किए हैं। एमडी एनवीएस रेड्डी के नेतृत्व में, मेट्रो रेल प्रणाली न केवल एक प्रमुख परिवहन प्रणाली बन गई है, बल्कि पीपीपी विधियों के माध्यम से बुनियादी ढांचे के विकास का एक मॉडल बन गई है, जिससे यह विश्व स्तर पर प्रसिद्ध हो गई है। हार्वर्ड के नवीनतम शोध पत्र में चर्चा की गई है कि कैसे परियोजना ने कई चुनौतियों और बाधाओं को पार किया; और परियोजना को आगे बढ़ाने में श्री एनवीएस रेड्डी के नेतृत्व और रणनीतिक कौशल पर प्रकाश डाला। आईएसबी के प्रोफेसरों और शोधकर्ताओं ने हैदराबाद मेट्रो रेल परियोजना की शुरुआत और कार्यान्वयन का पता लगाया, जिसका विषय था, "हैदराबाद मेट्रो - अवधारणा से लेकर क्रियान्वयन तक: सार्वजनिक-निजी भागीदारी के तहत दुनिया की सबसे बड़ी मेट्रो रेल परियोजना।" हार्वर्ड विश्वविद्यालय ने इसे एक केस स्टडी के रूप में चुना और इसे अपने प्रतिष्ठित हार्वर्ड बिजनेस जर्नल में प्रकाशित किया। शोध पत्र में बताया गया है कि 2006 में, एनवीएस रेड्डी ने शहरी परिवहन चुनौतियों को दूर करने के लिए मेट्रो रेल परियोजना का प्रस्ताव रखा, दुनिया की सबसे बड़ी पीपीपी मेट्रो रेल परियोजना को निष्पादित करने के लिए पीपीपी मॉडल को अपनाया। शुरुआत से ही, परियोजना को शुरुआती मेटास विफलता, भूमि अधिग्रहण के मुद्दे, सार्वजनिक विरोध, धार्मिक और विरासत के मुद्दे, राजनीतिक अनिश्चितताएं और वित्तीय बाधाओं जैसी असंख्य चुनौतियों का सामना करना पड़ा। इन बाधाओं के बावजूद, हैदराबाद मेट्रो रेल एक विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा परियोजना के रूप में उभरी है। रणनीतिक योजना और कूटनीतिक वार्ता ने हैदराबाद मेट्रो को वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त बुनियादी ढांचा विकास के रूप में स्थापित किया। साहसिक निर्णयों और प्रशासनिक दक्षता ने हैदराबाद मेट्रो को भारत की सर्वश्रेष्ठ मेट्रो प्रणालियों में से एक बनाने में योगदान दिया।

हैदराबाद मेट्रो रेल परियोजना में अपनाए गए कार्यान्वयन दृष्टिकोण को अद्वितीय माना जाता है। हार्वर्ड प्रकाशन में उल्लेख किया गया है कि इस परियोजना ने अपनी विशिष्ट नियोजन विधियों, उन्नत प्रौद्योगिकी, वित्तीय रणनीतियों और समस्या-समाधान नेतृत्व के कारण एक स्थायी प्रभाव पैदा किया है। अध्ययन से संकेत मिलता है कि हैदराबाद मेट्रो रेल परियोजना को संसाधन सीमाओं, अस्थिर राजनीतिक वातावरण और जटिल हितधारक समन्वय सहित महत्वपूर्ण बाधाओं का सामना करना पड़ा। अभिनव वित्तीय मॉडल, उन्नत इंजीनियरिंग समाधान और रणनीतिक हितधारक प्रबंधन को लागू करके, नेतृत्व ने सफलतापूर्वक बाधाओं को पार किया और पहला चरण पूरा किया। शोध इस सवाल का पता लगाता है: हैदराबाद मेट्रो ने यह कैसे हासिल किया? बड़े पैमाने पर, बहुआयामी परियोजनाओं की जटिलताओं को संभालने से क्या सबक सीखा जा सकता है? अध्ययन का उद्देश्य इस अनुभव से मूल्यवान अंतर्दृष्टि निकालना है।

नारा लोकेश द्वारा अग्निवीर मुरलीनायक को राज्य सहायता पैकेज से सम्मानित

अमरावती (एपी) 11 मई (स्वतंत्र वार्ता) एपी मंत्री नारा लोकेश ने अग्निवीर मुरलीनायक को राज्य सहायता पैकेज से सम्मानित किया। इस संदर्भ में राज्य सरकारी आधिकारिक सूत्रों नुसार,आंध्र प्रदेश सरकार में मंत्री नारा लोकेश ने श्री सत्य साईं जिले के गोरंटला मंडल के कल्लिथंडा गांव के वीर जवान मुरलीनायक को श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। लोकेश ने मुरलीनायक के पार्थिव शरीर को श्रद्धांजलि दी और उनके माता-पिता के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने शोकाकुल परिवार को सांत्वना दी और उन्हें आश्वासन दिया कि सरकार उनके साथ मजबूती से खड़ी है। नारा लोकेश के साथ मंत्री अनगनी सत्य प्रसाद, वंगालापुडी अनिता और सविता, सांसद बी.के. पार्थसारथी, पूर्व मंत्री पल्ले रघुनाथ रेड्डी और कलावा श्रीनिवासुलु, विधायक पल्ले सिंधुरा रेड्डी और एम.एस. राजू, साथ ही तेलुगु देशम पार्टी के वरिष्ठ नेता जे.सी. प्रभाकर रेड्डी भी मौजूद थे। सभी ने शहीद सैनिक मुरलीनाइक को पुष्पांजलि अर्पित की। सरकार द्वारा जल्द ही मुरलीनाइक का अंतिम संस्कार आधिकारिक सम्मान के साथ किए जाने की उम्मीद है।

इस अवसर पर बोलते हुए नारा लोकेश ने विश्वास व्यक्त किया कि केंद्र और राज्य सरकारें वीर जवान मुरलीनाइक के परिवार के साथ खड़ी रहेंगी, जिन्होंने देश की सीमा पर पाकिस्तान के खिलाफ लड़ते हुए अपने प्राणों की आहुति दी। लोकेश ने कहा कि मुरलीनाइक ने बचपन से ही सैनिक बनने का सपना देखा था और एक बार उन्होंने कहा था कि अगर उन्हें मरना है तो वह राष्ट्रीय ध्वज के साथ मरेंगे। लोकेश ने इस बात पर जोर दिया कि सीमा पर सैनिकों द्वारा किए गए बलिदान राष्ट्र की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं।

सऊदी अरब से घायल खाड़ी कर्मचारी को बचाने के लिए केटीआर आगे आए

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष और सिरसिला विधायक के. टी. रामा राव ने सऊदी अरब में एक दुखद सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुए राजन्ना सिरसिल्ला जिले के मंडेपल्ली गांव के प्रवासी श्रमिक मंदा महेश को सहानुभूति और समय पर हस्तक्षेप के एक उल्लेखनीय संकेत में सहायता प्रदान की है। महेश अपनी पत्नी और दो छोटे बच्चों का भरण-पोषण करने के लिए खाड़ी में चले गए थे, कंपनी द्वारा उपलब्ध कराई गई बस में अपने कार्यस्थल पर जा रहे थे, जब जुबैल के पास एक भयानक दुर्घटना हुई। दुर्घटना में नौ लोगों की जान चली गई, महेश और एक अन्य व्यक्ति बच गए, लेकिन रीढ़ और दोनों पैरों में गंभीर चोटें आईं। उनका वर्तमान में जुबैल जनरल सरकारी अस्पताल में इलाज चल रहा है। परिवार के सदस्यों के अनुसार, महेश 15 दिनों से अधिक समय

से अस्पताल में भर्ती हैं, लेकिन कथित तौर पर आर्थिक तंगी के कारण उन्हें उचित चिकित्सा देखभाल नहीं मिल रही है। जैसे-जैसे उनकी हालत बिगड़ती गई, उनके परिवार ने मदद के लिए हाथ बढ़ाया और केटीआर ने बिना देरी किए मदद की। घटना की जानकारी मिलने पर केटीआर व्यक्तिगत रूप से मंडेपल्ली में महेश के परिवार के घर गए और उन्हें पूर्ण सहायता का आश्वासन दिया। घायल महेश के साथ एक वीडियो कॉल में केटीआर ने उन्हें सांत्वना देते हुए कहा: उम्मीद मत खोना। मैं अगले चार से पांच दिनों में अपने खर्च पर आपको घर वापस लाऊंगा और सुनिश्चित करूंगा कि आपको हैदराबाद में सबसे अच्छा चिकित्सा उपचार मिले। अपने वचन के अनुसार, केटीआर ने तुरंत बीआरएस प्रतिनिधियों और सऊदी अरब में परिचितों को जुबैल अस्पताल जाने और महेश को नैतिक और तार्किक समर्थन देने का निर्देश दिया। उन्होंने तेलंगाना एनआरआई विभाग और विदेश मंत्रालय को आधिकारिक पत्र भी लिखे, जिसमें चिकित्सा प्रत्यावर्तन के लिए तत्काल समन्वय का अनुरोध किया गया।

केटीआर ने घोषणा की कि चिकित्सा लागत और हवाई यात्रा सहित सभी खर्च - वह व्यक्तिगत रूप से वहन करेंगे। उन्होंने कहा, मैं सुनिश्चित करूंगा कि महेश को बेहतर इलाज के लिए हैदराबाद के निम्स अस्पताल में स्थानांतरित किया जाए और उनके परिवार पर किसी भी तरह का बोझ न पड़े।

तेलंगाना नागार्जुन सागर परियोजना पर पूर्ण नियंत्रण के लिए करेगा प्रयास

सीआरपीएफ की वापसी भी शामिल

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना नागार्जुन सागर परियोजना की सुरक्षा और निगरानी पर पूर्ण नियंत्रण के लिए जोर देने के लिए तैयार है, क्योंकि कथित तौर पर परियोजना से सीआरपीएफ को हटाने पर सक्रियता से विचार किया जा रहा है। यह वापसी आंशिक रूप से या पूर्ण रूप से हो सकती है, क्योंकि यह पूर्णतः आवश्यकता-आधारित उपाय है तथा सीमा पर तनाव या अन्य परिचालन प्राथमिकताओं के कारण रणनीतिक पुनर्तैनाती से जुड़ा हुआ है।

हाल के हफ्तों में भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के कारण भारत-पाक सीमा पर सुरक्षा को मजबूत करने के लिए 5,000 से अधिक सीआरपीएफ कर्मियों को फिर से तैनात किया गया, जिसमें कुलीन कोबरा इकाइयां भी शामिल हैं, जिससे तेलंगाना-छत्तीसगढ़ सीमा के पास ऑपरेशन कगार जैसे ऑपरेशन प्रभावित हुए। अधिकारियों के अनुसार, बांध के तेलंगाना की ओर से सीआरपीएफ बलों को कथित तौर पर आंशिक रूप से वापस बुला लिया गया है।

तेलंगाना और आंध्र प्रदेश पुलिस बलों के बीच झड़पों के बाद नवंबर 2023 से सीआरपीएफ को बांध की सुरक्षा की देखरेख का काम सौंपा गया है। सुरक्षा की ज़िम्मेदारियाँ विभाजित हैं, विशाखापत्तनम से 234वीं सीआरपीएफ बटालियन गेट 14-26 (आंध्र प्रदेश की तरफ) का प्रबंधन करती है और मुलुगु स्थित बटालियन तेलंगाना की तरफ गेट 1-13 को कवर करती है।

विशाखापत्तनम बटालियन ने पिछले महीने पूरे बांध की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाली थी। अधिकारियों ने बताया कि मुलुगु बटालियन से सीआरपीएफ कर्मियों को वापस बुला लिया गया और विशाखापत्तनम बटालियन के सीआरपीएफ कर्मियों को दो विंग में बांट दिया गया और उन्हें आंध्र प्रदेश और तेलंगाना दोनों छोर की जिम्मेदारी दी गई।

सीआरपीएफ की तैनाती मुख्य रूप से 29 नवंबर, 2023 को दो तेलुगु राज्यों के बीच हुए एक भयंकर टकराव के कारण आवश्यक हो गई थी, जब लगभग 500 सशस्त्र आंध्र प्रदेश पुलिस कर्मियों ने बांध में प्रवेश किया, सीसीटीवी कैमरों को क्षतिग्रस्त कर दिया और एकतरफा पानी छोड़ दिया, जिसके कारण तेलंगाना ने अतिक्रमण और व्यवधान का आरोप लगाया।

यह घटना तेलंगाना विधानसभा चुनाव के दौरान हुई थी, जिससे कानून-व्यवस्था की चिंता बढ़ गई थी। तनाव कम करने के लिए केंद्रीय गृह सचिव ने हस्तक्षेप किया और 1 दिसंबर, 2023 को केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने दोनों राज्यों के अधिकारियों के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस के दौरान प्रस्ताव रखा कि बांध की सुरक्षा सीआरपीएफ को सौंपी जाए ताकि 28 नवंबर, 2023 की यथास्थिति बहाल हो सके और मौजूदा समझौतों के अनुसार जल वितरण सुनिश्चित हो सके। तेलंगाना ने लगातार कहा है कि आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2014 के अनुसार नागार्जुन सागर बांध उसके अधिकार क्षेत्र में है।

हरीश राव ने सीताराम परियोजना को लेकर कांग्रेस सरकार पर साधा निशाना

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और वरिष्ठ बीआरएस नेता टी हरीश राव ने कांग्रेस सरकार पर जानबूझकर जनता को गुमराह करने और राजनीतिक सुविधा के लिए तेलंगाना की कड़ी मेहनत से हासिल सिंचाई लाभ को खतरे में डालने का आरोप लगाया। उन्होंने कांग्रेस सरकार से अपना दुष्प्रचार बंद करने, सिंचाई क्षेत्र में बीआरएस की उपलब्धियों को स्वीकार करने और लंबित कार्यों को ईमानदारी से पूरा करने का आग्रह किया।

हरीश राव ने सिंचाई मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी के इस दावे को सिरे से खारिज कर दिया कि सीताराम लिफ्ट सिंचाई परियोजना के लिए अनुमति लंबित है। उन्होंने आरोप लगाया कि सीताराम परियोजना के लिए केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) और जल विज्ञान विभाग से मंजूरी मिलने के बावजूद कांग्रेस के नेता गलत सूचना फैला रहे हैं। उन्होंने कहा कि परियोजना के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) 2018 में प्रस्तुत की गई थी।

उन्होंने कहा कि 2021 में,

सीडब्ल्यूसी ने पुष्टि की कि 113.795 टीएमसी पानी उपलब्ध था, जिसमें से 70.4 टीएमसी को परियोजना के तहत खम्मम, भद्राद्री कोठागुडेम और महबूबाबाद जिलों में 6.74 लाख एकड़ भूमि की सिंचाई के लिए निर्धारित किया गया था।

पूर्व मंत्री ने कहा कि टीएसी (तकनीकी सलाहकार समिति) की मंजूरी को छोड़कर बाकी सभी मंजूरियां मिल चुकी हैं। उन्होंने सलाह दी कि बेबुनियाद आरोपों से परियोजना को नुकसान पहुंचाने के बजाय, उत्तम कुमार रेड्डी को शेष काम पूरा करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने याद दिलाया कि यह कांग्रेस ही थी जिसने राष्ट्रीय हरित अधिकरण में मामले दायर करके और पर्यावरण मंजूरी में देरी करके परियोजना को रोकने का प्रयास किया था।

उन्होंने कहा कि बीआरएस सरकार ने केंद्र और कांग्रेस दोनों की बाधाओं के बावजूद सीताराम परियोजना का 90 प्रतिशत काम पूरा कर लिया। उन्होंने इसकी तुलना 50 साल के कांग्रेस शासन से की, जो बुनियादी सिंचाई बुनियादी ढांचा भी सुनिश्चित करने में विफल रहा है। हरीश राव ने कहा कि कांग्रेस आंध्र प्रदेश को लाभ पहुंचाने के लिए तेलंगाना के जल हितों की बलि दे रही है, ठीक वैसे ही जैसे संयुक्त आंध्र प्रदेश के दौर में राजीव सागर और इंदिरा सागर जैसी परियोजनाएं दोषपूर्ण डिजाइन और अंतर-राज्यीय जटिलताओं के कारण तेलंगाना के किसानों की सेवा करने में विफल रहीं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार अब तक एक एकड़ भी सिंचाई नहीं कर सकी, लेकिन इसके नेता बेशर्मी से पिछली बीआरएस सरकार द्वारा निर्मित परियोजनाओं पर तस्वीरें खिंचवा रहे हैं।

गौलीगुडा स्थित श्री हिंगलाज माता मंदिर में भारत-पाकिस्तान के मध्य युद्ध विराम पर आयोजित पुजा-अर्चना व महिला मंडल सत्संग कार्यक्रम में उपस्थित श्री ब्रह्मक्षत्रिय समाज तेलंगाना संरक्षक रतनलाल खत्री, अध्यक्ष महेन्द्र खत्री, महासचिव ओमप्रकाश छूंछा, कोषाध्यक्ष युधिष्टर खत्री, सलाहकार डूंगरमल खत्री, पूर्व अध्यक्ष मिलाप खत्री, सम्मानित अतिथि शालु सोलंकी, देवीलाल खत्री, मदनलाल खत्री, प्रह्लाद खत्री, प्रकाश खत्री, पूनमचन्द खत्री, महिला मंडल व समाज बन्धु।

अलग-अलग घटनाओं में 2 लोगों ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में शनिवार रात अलग-अलग घटनाओं में दो लोगों ने आत्महत्या कर ली। नरसिंगी में एक व्यवसायी एम कार्तिक (29) ने पुप्पलगुडा स्थित अपने घर में छत के पंखे से फांसी लगा ली। पुलिस के अनुसार, वह व्यक्ति आर्थिक तंगी से जूझ रहा था और उसने कथित तौर पर इसी वजह से अपनी जान दे दी। अपनी डायरी में लिखे नोट में कार्तिक ने कथित तौर पर कहा कि 'उसकी मौत के लिए कोई भी जिम्मेदार नहीं है। वह अपनी जान इसलिए दे रहा है क्योंकि वह कर्ज नहीं चुका पा रहा था।' नरसिंगी पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है। दूसरे मामले में आसिफनगर स्थित अपने घर में एक ड्राइवर ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बताया कि फीलखाना, मल्लेपल्ली निवासी मोहम्मद रमजान (60) ने घर में पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली, जबकि उसकी पत्नी किसी काम से घर से बाहर गई हुई थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने शहीद सैनिक के परिवार को व्यक्तिगत सहायता प्रदान की

अमरावती (एपी) 11 मई (स्वतंत्र वार्ता) उप मुख्यमंत्री पवन कल्याण ने शहीद सैनिक के परिवार को व्यक्तिगत सहायता प्रदान की।

इस संदर्भ में राज्य सरकारी आधिकारिक सूत्रों नुसार, आंध्र प्रदेश उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने शहीद सैनिक मुरलीनायक के परिवार को व्यक्तिगत सहायता प्रदान की। इस दौरान पवन कल्याण ने श्री सत्य साईं जिले के गोरंटला मंडल के कल्लिथंडा गांव का दौरा किया और मुरलीनायक के माता-पिता को सांत्वना दी, जिन्होंने ड्यूटी के दौरान अपनी जान गंवा दी। अपने दौरे के दौरान पवन कल्याण ने घोषणा की कि वे शहीद सैनिक के परिवार को <25 लाख की व्यक्तिगत वित्तीय सहायता प्रदान करेंगे। उन्होंने आगे आश्वासन दिया कि गठबंधन सरकार मुरलीनायक के परिवार के साथ मजबूती से खड़ी रहेगी। इस अवसर पर बोलते हुए पवन कल्याण ने कहा, "मैं व्यक्तिगत रूप से वीर जवान मुरलीनायक के परिवार को सहायता प्रदान करने के लिए <25 लाख प्रदान करूंगा।" उन्होंने यह भी वादा किया कि सत्तारूढ़ गठबंधन उनके बेटे के सर्वोच्च बलिदान के सम्मान में शोक संतप्त परिवार को हर संभव सहायता प्रदान करेगा।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

16 मई से फिर शुरू हो सकता है आईपीएल

ज्यादा डबल हेडर होंगे, फाइनल 30 मई को मुमकिन

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के कारण आईपीएल 2025 को एक हफ्ते के लिए टाल दिया गया था। लेकिन अब खबर है कि यह 16 मई से शुरू हो सकता है। फाइनल मुकाबला जो पहले 25 मई को होने वाला था, अब 30 मई को खेला जाएगा। बीसीसीआई लीग को 30 मई तक बढ़ाने की योजना बना रहा है। बचे हुए मैच 16 मई से चेन्नई, बेंगलुरु और हैदराबाद में खेले जा सकते हैं। इस सीजन का नया शेड्यूल रविवार रात तक टीमों को मिल जाएगा। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट में इसका दावा किया गया है।

कभी भी आ सकता है शेड्यूल

बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया कि सभी टीमों को शेड्यूल रविवार रात तक भेज दिया जाएगा। इस सीजन में अभी 12 लीग मैच और 4 प्लेऑफ मुकाबले बाकी हैं। टूर्नामेंट को पूरा करने के लिए 2 हफ्ते हैं, इसलिए डबल हेडर मुकाबले ज्यादा हो सकते हैं। इस लीग में अब तक 58 मैच हो चुके हैं। 58वां मैच बीच में ही रोक दिया गया था। अभी यह पता नहीं है कि यह मैच दोबारा होगा या नहीं।

तीन टीमें प्लेऑफ की रेस से बाहर

गुजरात टाइटंस पहले नंबर पर है और आरसीबी दूसरे स्थान पर है। दोनों टीमों के 16-16 अंक हैं। सूर्यकुमार यादव के पास ऑरेंज कैप है और प्रसिद्ध कृष्णा के पास पर्पल कैप है। ऑरेंज कैप सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी को मिलती है और पर्पल कैप सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी को मिलती है। चेन्नई सुपर किंग्स, राजस्थान रॉयल्स और सनराइजर्स हैदराबाद की टीम का टूर्नामेंट में सफर समाप्त हो चुका है।

नए वेन्यू पर होगा फाइनल?

आईपीएल 2025 का खिताबी मुकाबला 25 मई को कोलकाता के ईडेन गार्डन्स के मैदान पर होना था। अगर हैदराबाद, बेंगलुरु और चेन्नई में बाकी बचे हुए मैच होते हैं तो फाइनल का वेन्यू बदलना पड़ेगा। फाइनल पिछले सीजन की विजेता टीम के घरेलू मैदान पर होता है। अगर केकेआर ने फाइनल में हैदराबाद को हराया था। ऐसे में हैदराबाद को खिताबी मुकाबले की मेजबानी मिल सकती है।

भारत ने त्रिकोणीय सीरीज जीती

श्रीलंका को 97 रन से हराया

कोलंबो, 11 मई (एजेंसियां)। भारतीय टीम ने स्मृति मंधाना की शतकीय पारी की मदद से 50 ओवर में सात विकेट खोकर 342 रन बनाए थे। जवाब में श्रीलंका की टीम 48.2 ओवर में सिर्फ 245 रन ही बना सकी और ऑलआउट हो गई। उनके लिए कप्तान चामरी अट्टापट्टू ने सर्वाधिक 51 रनों की पारी खेली।

भारत ने श्रीलंका को 97 रन से हराकर त्रिकोणीय सीरीज का फाइनल मुकाबला जीत लिया। कोलंबो में टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने स्मृति मंधाना की शतकीय पारी की मदद से 50 ओवर में सात विकेट खोकर 342 रन बनाए थे। जवाब में श्रीलंका की टीम 48.2 ओवर में सिर्फ 245 रन ही बना सकी और ऑलआउट हो गई। उनके लिए कप्तान चामरी अट्टापट्टू ने सर्वाधिक 51 रनों की पारी खेली। वहीं, भारत की तरफ से स्नेह राणा ने चार और अमनजोत कौर ने तीन विकेट चटकाए। इस सीरीज की तीसरी टीम दक्षिण अफ्रीका थी जो फाइनल के लिए क्वालिफाई नहीं कर सकी थी।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत झटके के साथ हुई। अमनजोत कौर ने पहले ही ओवर में हसिनी पेरेरा को बोल्ड किया। वह खाता भी नहीं खोल पाईं। हालांकि, श्रीलंका ने इससे उबरते हुए विश्मी गुनारत्ने और चामरी अट्टापट्टू की साझेदारी की बदौलत दूसरे विकेट के लिए 68 रन जोड़े। अमनजोत ने अपनी गेंदबाजी का कहर बरपाते हुए दोनों बल्लेबाजों को बोल्ड कर दिया। विश्मी 36 और चामरी 51 रन बनाकर आउट हुईं। इसके अलावा निलाक्षिका सिल्वा ने 48, हर्षिता समरविक्रमा ने 26 और देवमी विहंगा ने चार रन बनाए। इसके बाद अनुष्का संजीवनी और सुगंदिका कुमारी ने कुछ अच्छे शॉट खेले लेकिन वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला सकीं। दोनों क्रमशः 28 और 27 रन बनाकर आउट हो गईं। भारत के लिए स्नेह राणा और अमनजोत कौर के अलावा श्री चरणी ने एक विकेट हासिल किया

टीम इंडिया को पहला झटका प्रतिका रावल के रूप में लगा। वह 49 गेंद पर दो चौके की मदद से 30 रन बनाकर आउट हुईं। रावल ने मंधाना के साथ ओपनिंग विकेट के लिए 89 गेंद में 70 रन की साझेदारी निभाई। इसके बाद मंधाना ने हरलीन देओल के साथ दूसरे विकेट के लिए 120 रन की साझेदारी निभाई। इस बीच मंधाना ने वनडे करियर का 12वां शतक पूरा किया। उन्होंने 101 गेंद में 15 चौके और दो छक्के की मदद से 116 रन की पारी खेली। वहीं, हरलीन देओल 56 गेंद में चार चौके की मदद से 47 रन बना सकीं। इसके बाद हरमनप्रीत कौर और जेमिमा रोड्रिग्स के बीच 48 रन की साझेदारी हुई। हरमनप्रीत 30 गेंद में चार चौके और एक छक्के की मदद से 41 रन और जेमिमा 29 गेंद में चार चौके की मदद से 44 रन बना सकीं। ऋचा घोष आठ रन और अमनजोत कौर 18 रन बनाकर आउट हुईं। दीप्ति शर्मा 20 रन बनाकर और क्रांति गौड़ खाता खोले बिना नाबाद लौटीं। श्रीलंका की मल्की मदारा, सुगंधिका कुमारी और देवमी विहंगा ने दो-दो विकेट लिए। वहीं, इनोका रणवीरा को एक विकेट मिला।

गंभीर-अगरकर ने तय किया भारत का नया टेस्ट कप्तान!

23 या 24 मई को बीसीसीआई करेगी ऐलान

मुंबई, 11 मई (एजेंसियां)। टीम इंडिया को अगले महीने इंग्लैंड के दौरे पर जाना है. दोनों टीमों के बीच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी. ये वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 की पहली सीरीज भी होगी, जिसकी शुरुआत 20 जून से होनी है. इस सीरीज के साथ भारतीय क्रिकेट के नए दौर की भी शुरुआत होगी. दरअसल, भारतीय दिग्गज रोहित शर्मा ने हाल ही में टेस्ट फॉर्मेट से संन्यास लिया है, जो टेस्ट टीम के कप्तान भी थे. ऐसे में इस दौरे पर भारतीय टीम एक नए कप्तान के साथ जाएगी. इस कप्तान का नाम तय हो गया है और बीसीसीआई जल्द ही इसका ऐलान भी करेगी.

भारत के नए टेस्ट कप्तान का नाम तय!

रोहित शर्मा के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरा काफी खराब रहा था और टीम इंडिया को हार का सामना भी करना पड़ा था. उसके बाद से ही माना जा रहा था कि रोहित को अब टेस्ट में जगह नहीं मिलेगी. इन सब खबरों के बीच उन्होंने संन्यास का ऐलान करके सभी को चौंका दिया. इसके बाद नए कप्तान की रेस में कई स्टार खिलाड़ी शामिल हो गए, जिसमें सबसे बड़ा नाम जसप्रीत बुमराह का है. लेकिन वह इस रेस में पिछड़ गए हैं. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, युवा स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल भारतीय टेस्ट टीम के नए कप्तान होंगे.

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 23 या 24 मई इस दौरे लिए टीम इंडिया का सेलेक्शन किया जाएगा. हालांकि, यह तय हो गया है कि गिल ही इंग्लैंड दौरे पर भारतीय टीम के कप्तान होंगे. वहीं, बीसीसीआई प्रेस कॉन्फ्रेंस करके गिल को अगला कप्तान बनाने का ऐलान कर सकती है. इतना ही नहीं, रिपोर्ट्स के मुताबिक, शुभमन गिल ने भारतीय टेस्ट क्रिकेट के रोडमैप पर चर्चा करने के लिए हेड कोच गौतम गंभीर और चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर से मुलाकात भी की है.

रेड-बॉल क्रिकेट में पहली बार संभालेंगे कमान

ये पहला मौका होगा जब शुभमन गिल रेड-बॉल क्रिकेट में टीम इंडिया की कमान संभालेंगे. इससे पहले वह टी20 फॉर्मेट में टीम इंडिया की कप्तानी कर चुके हैं. पिछले साल जिम्बाब्वे दौरे पर वह टीम का कप्तान बनकर गए थे, जब 5 टी20 मैच खेले गए थे. इसके अलावा वह आईपीएल में गुजरात की टीम के कप्तान भी हैं. आईपीएल 2025 में उनकी कप्तानी में टीम का प्रदर्शन काफी शानदार रहा है, जिसके चलते उन्हें अब टेस्ट टीम की कमान मिलने जा रही है. हालांकि, बीसीसीआई का आखिरी फैसला क्या होगा, इसका पता 23 या 24 मई को चल जाएगा.

पुरुष और मिश्रित चार गुणा 400 मीटर में भारतीय टीम

विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालिफाई से चूकी

ग्वांग्झू, 11 मई (एजेंसियां)। भारतीय पुरुष और मिश्रित चार गुणा 400 मीटर टीमें टोक्यो विश्व चैम्पियनशिप के लिए सीधे क्वालिफाई करने से चूक गईं और विश्व एथलेटिक्स रिले के पहले दिन पांचवें स्थान पर रहीं। दोनों टीमों को 13 से 21 सितंबर तक होने वाली विश्व चैम्पियनशिप में जगह बनाने का एक और मौका रविवार को मिलेगा। भारत की चार गुणा 400 मीटर मिश्रित टीम (जय कुमार, स्नेहा कोल्लेरी, धरमवीर चौधरी और रूपल चौधरी) ने मिनट 16 . 85 सेकंड का समय निकालकर सात टीमों की तीसरी हीट में पांचवें स्थान पर रहे। हर हीट से शीर्ष दो टीमें और बाकी में से सबसे तेज समय निकालने वाली दो टीमें विश्व

चैंपियनशिप और विश्व एथलेटिक्स रिले फाइनल के लिए क्वालिफाई करने में कामयाब रहीं। भारत को टोक्यो विश्व चैम्पियनशिप में जगह बनाने का एक और मौका रविवार को मिलेगा । भारतीय चौकड़ी चौथी हीट में बोत्स्वाना, इटली, जर्मनी, युगांडा और कनाडा का सामना करेगी। रविवार को दोनों हीट की शीर्ष तीन टीमें विश्व चैम्पियनशिप में पहुंचेंगी।

भारत ने पुरुषों की चार गुणा 400 मीटर में नयी टीम उतारी है जिसमें 2023 विश्व चैम्पियनशिप और 2024 ओलंपिक खेलने वाले एथलीट नहीं हैं। जय कुमार, संतोष कुमार, तमिलारासन , टी साजी मनु, टी के विशाल और मोहित कुमार छह टीमों में पांचवें स्थान पर रहे जिन्होंने दो मिनट 59 . 05 सेकंड के समय निकाला। इन्हें भी रविवार को एक और मौका मिलेगा।

विराट कोहली के आगामी टेस्ट क्रिकेट करियर को लेकर ब्रायन लारा ने की बड़ी भविष्यवाणी

खेल डेस्क, 11 मई (एजेंसियां)। जब से भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने की खबर आई है, दुनिया के सभी शीर्ष खिलाड़ी नहीं चाहते कि ऐसा हो। इस सूची में अब वेस्टइंडीज के महान खिलाड़ी ब्रायन लारा का नाम भी शामिल हो गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने का मन बनाते हुए बीसीसीआई को भी सूचित कर दिया है। हालांकि बोर्ड ने इंग्लैंड के अहम दौरे को देखते हुए उनसे अपने फैसले पर पुनर्विचार करने का अनुरोध किया है। हालांकि उन्होंने अभी तक इस अनुरोध पर कोई जवाब नहीं दिया है। इस पर लारा ने कहा है कि कोहली को टेस्ट क्रिकेट से

संन्यास नहीं लेने जा रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने भविष्यवाणी की है कि अब वह शेष टेस्ट करियर में 60 से ऊपर से रन बनाएंगे।

'टेस्ट क्रिकेट को कोहली जरूरत'

ब्रायन लारा ने लिखा कि टेस्ट क्रिकेट को विराट की जरूरत है। उन्हें मना लिया जाएगा। वह टेस्ट क्रिकेट से संन्यास नहीं लेने जा रहे हैं। वह अपने बाकी बचे टेस्ट करियर में 60 से ऊपर का औसत रखेंगे। इस बीच बताया जा रहा है कि बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने विराट कोहली से उनके टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के फैसले के बारे में बात की है।

पिछले साल महज 24 के औसत से बनाए रन

बता दें कि 36 वर्षीय कोहली का प्रदर्शन भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज में खराब रहा। जहां पर्थ में शतक को छोड़कर, वह बड़ी पारी खेलने में विफल रहे।

इससे भी ज्यादा चिंता की बात यह है कि वह एक ही तरह से आउट होते रहे। ऑफ स्टंप के बाहर की गेंद उनकी कमजोरी रही। पिछले साल 10 मैचों में विराट ने 24 के औसत से केवल 417 रन बनाए। इस दौरान वह केवल एक शतक और एक अर्धशतक ही लगा पाए।

जय शाह और बीसीसीआई की पाकिस्तानी क्रिकेट पर 'स्ट्राइक'

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। पहलगाम में आतंकवादियों के भारतीय पर्यटकों पर हमले और 26 लोगों की हत्या का बदला लेने के लिए भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत कई पाकिस्तान में कई ठिकानों पर एयर स्ट्राइक किया था. इसके बाद से ही दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया और जमकर मिसाइल-ड्रोन अटैक हुए. इसका असर क्रिकेट पर भी दिखा और जहां भारत में आईपीएल 2025 को स्थगित करना पड़ा, तो वहीं पाकिस्तान को भी अपने पीएसएल को रोकना पड़ा. इस बीच जहां भारतीय सेनाओं ने पाकिस्तान पर एयर स्ट्राइक किए, वहीं बीसीसीआई और इसके पूर्व अध्यक्ष जय शाह ने पाकिस्तानी क्रिकेट पर अपनी कूटनीति से स्ट्राइक किया.

24 घंटे में बदलना पड़ा फैसला

पीसीबी के मुंह पर पड़ा जोरदार तमाचा

भारत और पाकिस्तान के बीच जैसे ही सीमा पर तनाव बढ़ने लगा तो पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को अपनी लीग तुरंत रोकनी पड़ी. 8 मई को पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने टूर्नामेंट इसका ऐलान किया और फिर देर रात ऐलान किया कि टूर्नामेंट के बचे हुए 8 मैच संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित किए जाएंगे. मगर उसका ये ऐलान 24 घंटे भी नहीं चला और 9 मई को पीसीबी ने ऐलान कर दिया कि टूर्नामेंट को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किया गया है.

बीसीसीआई-जय शाह से रिश्तों का असर

पाकिस्तानी बोर्ड के ऐलान करने से पहले ही ये खबरें आने लगी थीं कि अमीरात क्रिकेट बोर्ड अपने फैसले पर फिर से विचार कर पाकिस्तान को मना करेगा और आखिरकार वही हुआ भी. अब एक रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि इसकी एक बड़ी वजह भारतीय क्रिकेट बोर्ड और अमीराती बोर्ड के अच्छे सम्बंध हैं. खास तौर पर बीसीसीआई के पूर्व सचिव और मौजूदा आईसीसी चेयरमैन जय शाह के साथ ईसीबी का तालमेल और रिश्ते अच्छे रहे हैं. शाह के कार्यकाल में ही बीसीसीआई ने एक पूरा आईपीएल सीजन और एक आधा सीजन यूएई में आयोजित किया था, जबकि 2021 का टी20 वर्ल्ड कप भी इसी देश में भारत की मेजबानी में हुआ था.

रिपोर्ट में एक भारतीय क्रिकेट बोर्ड के अधिकारी के हवाले से बताया गया कि जिस तरह के हालात बॉर्डर पर बने थे, उसे देखते हुए चुप नहीं रहा जा सकता था. ऐसे में बोर्ड ने ECB को अपने इरादे को लेकर संकेत दिए और इसका असर अमीराती बोर्ड के रवैये में दिखा. रिपोर्ट में ECB के एक अधिकारी के हवाले से कहा गया, "बीसीसीआई और जय भाई के लिए हम इतना तो कर सकते हैं." खास बात ये है कि अमीराती बोर्ड के मुखिया मुबशिर उस्मानी भारतीय मूल के ही हैं और मुंबई से यूएई गए थे.

एएफआई का खिलाड़ियों को सख्त संदेश

बिना अनुमति विदेश में ट्रेनिंग करने वाले एथलीट्स पर होगी कार्रवाई

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने घोषणा की कि वह उन खिलाड़ियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करेगा जो बिना लिखित अनुमति के विदेश में ट्रेनिंग करते हैं और प्रतिस्पर्धा में हिस्सा लेते हैं। एएफआई के अध्यक्ष बहादुर सिंह सागू ने कहा कि ऐसे खिलाड़ियों का प्रदर्शन रिकॉर्ड बुक के लिए भी अमान्य माना जाएगा। उन्होंने कहा कि एएफआई इस महीने से कार्रवाई शुरू कर देगा।

सागू ने कहा, 'विदेशी सरजमीं पर प्रतिस्पर्धा और ट्रेनिंग के लिए देश में ट्रैक एंव फील्ड की राष्ट्रीय संचालन संस्था से पहले से अनुमति नहीं लेने वाले व्यक्तिगत खिलाड़ियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।' उन्होंने कहा, 'अगर एथलीट अंतरराष्ट्रीय 'एक्सपोजर' (ट्रेनिंग और अभ्यास) के लिए एएफआई की मंजूरी नहीं लेते हैं जो कि अनिवार्य है तो उनका प्रदर्शन रिकॉर्ड बुक के लिए अमान्य हो जाएगा। एथलीटों के हितों की रक्षा के लिए एएफआई ने विदेश में ट्रेनिंग और प्रतिस्पर्धा करने की अनुमति देने के लिए एक विशिष्ट समय अवधि निर्धारित की है।' एएफआई ने कहा कि खिलाड़ियों के अनुमति लिए बिना विदेश जाने से मुख्य प्रतियोगिता जैसे ओलंपिक और एशियाई खेलों में राष्ट्रीय टीमों को उतारने की रणनीति प्रभावित होती है।' सागू ने कहा, 'एएफआई को विदेश में प्रतिस्पर्धा करने वाले व्यक्तिगत एथलीटों की संख्या और अंतरराष्ट्रीय 'एक्सपोजर' के उद्देश्य के बारे में पता होना चाहिए।'

उन्होंने कहा, 'खिलाड़ियों को भविष्य में विदेशी धरती पर किसी भी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रविष्टियां भेजने से पहले एएफआई कार्यालय से पूर्व लिखित अनुमति लेनी चाहिए।' एएफआई का यह फैसला मार्च में कोर समिति की वर्चुअल बैठक के बाद आया है जो खिलाड़ियों की ट्रेनिंग सहित अंतरराष्ट्रीय 'एक्सपोजर' के बारे में नीति बनाने के लिए की गई थी।

शिखर धवन ने पाकिस्तान को इस हरकत के लिए लताड़ा, हरभजन सिंह ने दे दिया ये बड़ा मैसेज

मुंबई, 11 मई (एजेंसियां)। क्रिकेट का मैदान हो या बैटलफील्ड... पाकिस्तान अपनी हरकतों के लिए मशहूर रहा है. वैसी ही गिरी हुई हरकत उसने जब सीजफायर का उल्लंघन करके की तो शिखर धवन फिर से एक बार एक्शन में आ गए. उन्होंने पाकिस्तान को लताड़ने में जरा भी देर नहीं की. शिखर धवन की ही तरह हरभजन सिंह ने भी पाकिस्तान को उसकी असली जगह दिखाने की कोशिश की. इन दोनों क्रिकेटरों ने अपने-अपने एक्स हैंडल के जरिए पाकिस्तान पर निशाना साधा है.

भारत के साथ सीजफायर के 4 घंटे बाद ही पाकिस्तान ने उसका उल्लंघन किया था और सीमा पर फिर से ड्रोन की मूवमेंट और गोलीबारी शुरू कर दी थी. पाकिस्तान की इस नापाक हरकत पर गुस्सा लाजमी था. ऐसे में उसे भारतीय सेना की तरफ से बॉर्डर पर करारा जवाब तो मिला. शिखर

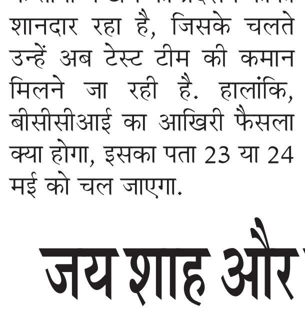

धवन, हरभजन सिंह जैसे भारतीय क्रिकेटरों ने भी आड़े हाथ लिया.

शिखर धवन ने अपने एक्स हैंडल पर पाकिस्तान की गिरी हुई हरकत के लिए लिखा- घटिया देश ने फिर अपना घटियापन पूरी दुनिया को दिखा दिया. मतलब ये कि ये कोई पहली बार नहीं जब पाकिस्तान ने अपने नापाक मंसूब दिखाए हैं. और, खुद पर जताए भरोसे को तोड़ा है. शिखर धवन से पहले हरभजन सिंह ने भी पाकिस्तान को उसकी उस नापाक हरकत के लिए आड़े हाथ लिया. उन्होंने भारत और उसकी सैन्य ताकत की तारीफ करते हुए लिखा कि युद्ध का मैदान हो या फिर उससे बाहर कहीं भी, भारत हमेशा से विजेता है और रहेगा. हरभजन ने एक्स हैंडल पर ऐसा लिखकर पाकिस्तान को एक बड़ा संदेश भी दे दिया है. पाकिस्तान की तरफ से सीजफायर का उल्लंघन हुआ. लेकिन फिलहाल हालात स्थिर हैं. उधर भारतीय सेनाओं को इस बात की खुली छूट दी गई है कि पाकिस्तान अब फिर से वैसी कोई हरकत करता है तो उसे करारा जवाब दिया जाए.

'हम सब से ड्रोन हमले की बात छिपाई'

मोहसिन नकवी की गिरी हुई हरकत का खुलासा

ढाका, 11 मई (एजेंसियां)। भारत पाकिस्तान के बीच जारी तनाव की वजह से पाकिस्तान सुपर लीग 2025 को स्थगित किया जा चुका है। दोनों देशों के बीच तनाव की वजह से इस टूर्नामेंट को दुबई में शिफ्ट किया जाना था, लेकिन यूएई ने इसके लिए मना कर दिया, जिसके बाद टूर्नामेंट को अनिश्चितकाल के लिए सस्पेंड कर दिया गया। इस टूर्नामेंट में खेलने वाले बांग्लादेशी क्रिकेटर रिशाद हुसैन ने अब बड़ा खुलासा किया है, जहां उन्होंने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चीफ मोहसिन नकवी की गिरी हुई हरकत का खुलासा किया है।

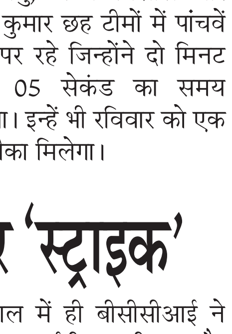

उन्होंने बताया, 'रावलपिंडी स्टेडियम में अटैक के बाद विदेशी खिलाड़ियों की एक मीटिंग बुलाई थी। इस दौरान उन्होंने एक दिन पहले ही हुए ड्रोन हमले की बात हमसे छुपाई। वो विदेशी खिलाड़ियों की जान जोखिम में डालकर बचे हुए मैचों को कराची में आयोजित करने पर जोर लगा रहे थे। लेकिन कोई भी उनकी बात नहीं माना। सभी दुबई जाने की जिद पर अड़े रहे। तब जाकर उन्होंने अपना फैसला बदला था।'

टीजी ईएपीसीईटी 2025 के परिणाम घोषित

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने रविवार को यहां अपने आवास पर तेलंगाना राज्य इंजीनियरिंग, कृषि और फार्मेसी कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (टीजी ईएपीसीईटी) 2025 के परिणाम घोषित किए। इंजीनियरिंग स्ट्रीम में, सभी शीर्ष 10 स्थान पुरुष छात्रों ने हासिल किए, जिसमें आंध्र प्रदेश के छात्रों ने शीर्ष तीन स्थान हासिल किए। पार्वतीपुरम मान्यम जिले के कोमारदा से पल्ला भरत चंद्र ने पहला स्थान हासिल किया, उसके बाद नंद्याल जिले के कोनापुरम से उदागंडला रामचरण रेड्डी ने दूसरा स्थान हासिल किया और विजयनगरम जिले से हेमसाई सूर्या कार्तिक तीसरे स्थान पर आए। इसी तरह, हैदराबाद के नाचाराम से मेंडे लक्ष्मी भार्गव ने चौथा स्थान प्राप्त किया।

कृषि और फार्मेसी श्रेणियों के लिए, मेडचल जिले के साकेत रेड्डी ने पहला स्थान प्राप्त किया, जबकि करीमनगर से सब्बानी ललित वरेन्या ने दूसरा स्थान प्राप्त किया और वारंगल जिले से चाडा अक्षित ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। परिणाम सीधे पंजीकृत छात्रों के मोबाइल फोन पर भेजे गए। इंजीनियरिंग स्ट्रीम में कुल 2,20,326 छात्रों ने आवेदन किया था।

उनमें से 2,7,190 छात्र उपस्थित हुए, जिनमें से 1,51,779 छात्र उत्तीर्ण हुए। उत्तीर्ण होने वालों का प्रतिशत 73.26 प्रतिशत है। कृषि और फार्मेसी स्ट्रीम में कुल 86,762 छात्रों ने परीक्षा के लिए आवेदन किया था, जिसमें 81,198 छात्र उपस्थित हुए। कुल 71,309 छात्र उत्तीर्ण हुए।

उत्तीर्ण छात्रों का प्रतिशत 87.82 प्रतिशत है। इंजीनियरिंग स्ट्रीम में उत्तीर्ण प्रतिशत में पिछले वर्ष की तुलना में 1.72 प्रतिशत की कमी आई है। कृषि और फार्मा स्ट्रीम में उत्तीर्ण प्रतिशत में लगभग 2 प्रतिशत की कमी आई है।

ड्रग मामले में गिरफ्तार डॉक्टर का ओमेगा हॉस्पिटल से कोई संबंध नहीं : सीएमडी

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। ओमेगा हॉस्पिटल्स के मुख्य प्रबंध निदेशक (सीएमडी) और वरिष्ठ कैंसर विशेषज्ञ डॉ. सीएच मोहना वामसी ने रविवार को एक बयान में कहा कि डॉ. सीएच नम्रता, जिन्हें हाल ही में हैदराबाद में ड्रग मामले में गिरफ्तार किया गया था, किसी भी क्षमता में संगठन से जुड़ी नहीं हैं। डॉ. मोहन ने कहा कि हम इस बात पर ज़ोर देते हैं कि यह एक अलग घटना है जिसमें व्यक्तिगत कार्य शामिल हैं और ओमेगा हॉस्पिटल असाधारण ऑन्कोलॉजी और मल्टी-स्पेशलिटी देखभाल प्रदान करने के अपने मूल मिशन के प्रति प्रतिबद्ध है। भारत भर में 14 से ज़्यादा अस्पतालों के साथ भारत की दूसरी सबसे बड़ी ऑन्कोलॉजी चेन के रूप में, हमने समर्पण और ईमानदारी के साथ हज़ारों रोगियों का सफलतापूर्वक इलाज किया है। हम मीडिया और जनता से आग्रह करते हैं कि वे हमारे संस्थान पर असंबंधित व्यक्तिगत आचरण का आरोप लगाने से पहले तथ्यों की पुष्टि करें।

हरीश राव ने की ईएपीसीईटी परिणाम जारी करने के लिए रेवंत रेड्डी की आलोचना

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और वरिष्ठ विधायक टी हरीश राव ने तेलंगाना ईएपीसीईटी के नतीजे आधिकारिक कार्यक्रम के बजाय जुबली हिल्स स्थित अपने आवास से जारी करने के लिए मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर निशाना साधा है। उन्होंने इसे अहंकार का प्रदर्शन और स्थापित प्रथाओं के प्रति अनादर बताया। प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग, कृषि और फार्मेसी कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (ईएपीसीईटी) में स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को बधाई देते हुए हरीश राव ने आधिकारिक कार्यप्रणाली से विचलित करने वाले विचलन पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा, 'स्वतंत्र भारत के 77 वर्षों में किसी भी मुख्यमंत्री ने अपने घर से प्रतियोगी परीक्षा के परिणाम जारी नहीं किए हैं। यह एक नया निचला स्तर है और रेवंत रेड्डी की शासन और छात्रों के प्रति घोर अनादर को उजागर करता है।'

उन्होंने मुख्यमंत्री द्वारा सचिवालय के बजाय जुबली हिल्स स्थित अपने आवास और एकीकृत कमान नियंत्रण केंद्र से कामकाज जारी रखने पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा, 'वह न तो पुलिस को स्वतंत्र रूप से काम करने देते हैं और न ही अधिकारियों को अपने कर्तव्यों का पालन करने देते हैं। सार्वजनिक प्रशासन को इस तरह से काम नहीं करना चाहिए।'

आसिफनगर में संदिग्ध परिस्थितियों में व्यक्ति की मौत

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आसिफनगर में शनिवार रात एक शराब की दुकान के पास संदिग्ध परिस्थितियों में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जिसके बाद इलाके में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया। झिरा टप्पाचबूतरा निवासी जमील नामक यह व्यक्ति आसिफनगर स्थित चंद्रा वाइन्स में शराब पीने गया था। कुछ देर बाद वह शराब की दुकान के बाहर मृत पाया गया। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय एआईएमआईएम मौके पर पहुंच गई और शराब की दुकान बंद करने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। उन्होंने आरोप लगाया कि शराब की दुकान के परमिट रूम में व्यक्ति की मौत हो गई थी, लेकिन दुकान के मालिकों ने शव को सड़क पर फेंक दिया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को शांत कराया और मामले की सभी कोणों से जांच करने का आश्वासन दिया।

फर्जी डॉक्टरों पर कार्रवाई के दौरान मिले कई 'मुन्नाभाई एमबीबीएस'

संगारेड्डी, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य चिकित्सा परिषद ने संगारेड्डी जिले में कई अयोग्य व्यक्तियों को डॉक्टर बनकर मरीजों का इलाज करते हुए पाया है। राज्य चिकित्सा परिषद के उपाध्यक्ष डॉ. जी श्रीनिवास के नेतृत्व में डॉक्टरों की एक टीम द्वारा की गई छापेमारी के दौरान, 25 लोग विभिन्न स्थानों पर बिना अनिवार्य योग्यता के मरीजों का इलाज करते पाए गए। जबकि उनमें से अधिकांश ने आरएमपी के रूप में क्लीनिक स्थापित किए थे, उन्होंने मरीजों के इलाज के लिए कोई आवश्यक प्रशिक्षण नहीं लिया था। उन्होंने अपने क्लीनिक ज्यादातर झुग्गी-झोपड़ियों और औद्योगिक क्षेत्रों जैसे पटनचेरु, आईडीए बोल्लारम, इस्नापुर और अन्य स्थानों पर स्थापित किए थे जहाँ प्रवासी औद्योगिक श्रमिक रह रहे थे।

चूंकि ये श्रमिक योग्य डॉक्टरों के पास जाने का खर्च नहीं उठा सकते थे, इसलिए वे इलाज के लिए फर्जी डॉक्टरों के पास जा रहे थे। श्रीनिवास ने कहा कि ये अयोग्य व्यक्ति किसी अन्य एमबीबीएस योग्य डॉक्टर के नाम से पर्चे पर दवाइयां लिख रहे थे। मेडिकल काउंसिल की टीम ने यह भी पाया कि बैचलर ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन एंड सर्जरी (बीएएमएस) योग्यता प्राप्त डॉक्टर दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करते हुए एलोपैथी का अभ्यास कर रहे हैं। ये अप्रशिक्षित व्यक्ति एक्सपायर हो चुकी दवाइयाँ भी दे रहे थे, जिसका खुलासा हाल ही में जिन्नाराम मंडल के ववसिलाला गाँव में ड्रग इंस्पेक्टर द्वारा की गई छापेमारी के दौरान भी हुआ।

जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (डीएम एंड एचओ) डॉ. गायत्री ने पहले भी मेडिकल काउंसिल के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करने के आरोप में जिले भर में कई क्लीनिक, नर्सिंग होम और लैब को सीज किया था, लेकिन वे अपने तौर-तरीकों में सुधार नहीं कर पाए। इन फर्जी डॉक्टरों का भंडाफोड़ होने के बाद वे दूसरी जगह चले गए हैं।

नागरिकों ने मांग की कि मेडिकल काउंसिल और जिला स्वास्थ्य विभाग, ड्रग इंस्पेक्टर और सरकार की अन्य शाखाएं फर्जी डॉक्टरों को पकड़ने के लिए नियमित छापेमारी करें। नागरिकों ने यह भी मांग की कि सरकार गरीबों तक पहुंचने के लिए पल्ले दवाखाना और बस्ती दवाखाना स्थापित करे। डॉ. श्रीनिवास ने कहा कि प्रशिक्षित आरएमपी को भी मरीजों को केवल प्राथमिक उपचार देने की अनुमति है। उन्होंने कहा कि अगर वे दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करके चिकित्सा का अभ्यास करते हैं तो उन्हें एक साल की जेल और 5 लाख रुपये का जुर्माना हो सकता है।

जवान की मौत पर चंद्रबाबू ने जताया शोक

परिवार के सदस्य को 50 लाख रुपये, सरकारी नौकरी देने की पेशकश

अमरावती, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध के दौरान आतंकी हमले में शहीद हुए भारतीय सेना के जवान मुरली नाइक का अंतिम संस्कार हो गया है।

श्री सत्य साईं जिले के कल्लितांडा में लोगों ने उन्हें अश्रुपूर्ण विदाई दी। राज्य सरकार ने पूरे राजकीय सम्मान के साथ मुरली नाइक का अंतिम संस्कार किया। अंतिम संस्कार से पहले सीएम चंद्रबाबू और डिप्टी सीएम पवन कल्याण ने बहादुर जवान मुरली नाइक के पार्थिव शरीर पर श्रद्धांजलि अर्पित की। बाद में सीएम चंद्रबाबू ने अपने एक्स अकाउंट पर एक अहम पोस्ट किया। सीएम ने अपने ट्वीट में लिखा, "वीर सैनिक मुरली नायक को भावभीनी श्रद्धांजलि। मेरा दिल उन माता-पिता के दुख से भारी है, जिन्होंने अपना इकलौता बेटा खो दिया। राज्य सरकार मुरली के परिवार के साथ खड़ी है, जिन्होंने देश की रक्षा में अपने प्राणों की आहुति दी। हम राज्य सरकार की ओर से शहीद मुरली नायक के परिवार को 50 लाख रुपये का मुआवजा देंगे। हम 5 एकड़ कृषि भूमि और 300 वर्ग गज का मकान आवंटित करेंगे। इसी तरह, हम उनके परिवार के सदस्यों को सरकारी नौकरी देंगे। भले ही मुरली नायक आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन मैं श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और कहता हूं कि देश के लिए उनका बलिदान हमें हमेशा प्रेरित करता रहेगा।"

ड्रोन, पैराग्लाइडर, रिमोट से नियंत्रित माइक्रोलाइट विमानों की उड़ान पर प्रतिबंध

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस ने हाई अलर्ट की स्थिति और चल रही सुरक्षा तैयारियों के मद्देनजर हैदराबाद और सिकंदराबाद में रिमोट-नियंत्रित ड्रोन, पैराग्लाइडर या रिमोट से नियंत्रित माइक्रोलाइट विमानों की उड़ान गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा दिया है। हैदराबाद पुलिस आयुक्त सी.वी. आनंद द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है कि मौजूदा सुरक्षा माहौल के मद्देनजर, रिमोट-नियंत्रित ड्रोन, पैराग्लाइडर या रिमोट से नियंत्रित माइक्रोलाइट विमानों की अचानक उड़ान गतिविधियों को संकट, विस्फोट या यहां तक कि आतंकवाद से संबंधित गतिविधि के संकेत के रूप में आसानी से गलत समझा जा सकता है। इससे संभावित रूप से घबराहट हो सकती है, सार्वजनिक व्यवस्था बाधित हो सकती है और सुरक्षा बलों पर अनावश्यक दबाव पड़ सकता है। पुलिस ने चेतावनी दी कि निर्देश का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

स्पा सेंटर पर छापा मारकर 7 महिलाओं को बचाया

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मेडिपल्ली पुलिस ने राचकोंडा पुलिस की एएचटीयू इकाई के साथ मिलकर चेंगिचेर्ला में एक स्पा सेंटर पर छापा मारा और एक आयोजक, एक ग्राहक को पकड़ लिया तथा वेश्यावृत्ति में धकेली जा रही सात महिलाओं को बचाया। एक गुप्त सूचना के आधार पर मेडिपल्ली पुलिस और एएचटीयू इकाई की संयुक्त टीम ने चेंगिचेर्ला आरटीसी कॉलोनी स्थित शुगर स्पा सेंटर पर छापा मारा और आयोजक अम्बरपेट की पल्लवी को पकड़ लिया। पुलिस के मुताबिक पल्लवी मसाज पार्लर की आड़ में वेश्यावृत्ति का धंधा चलाती थी और ग्राहकों को लुभाती थी। वह ग्राहकों से मोटी रकम वसूलती थी और वेश्यावृत्ति में धकेली जाने वाली महिलाओं को छोटी रकम देती थी। बचाई गई महिलाओं को आश्रय गृह में भेज दिया गया, जबकि आयोजक पल्लवी और एक ग्राहक को जेल भेज दिया गया।

साथ घूमे, नूडल्स-आइसक्रीम खाए, फिर महिला की हत्या बॉयफ्रेंड ही निकला कातिल, पेट्रोल से जला दिया था चेहरा

विशाखापट्टनम, 11 मई (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के विशाखपटनम में एक महिला की हत्या कर दी गई थी। अब हत्या के कारणों का खुलासा हुआ है। दरअसल, जिले के भीमिली थाना क्षेत्र के अतंर्गत डाकामारी इलाके में ठागरापुवलसा-विजयनगरम रोड से सटे फॉर्च्यून लेआउट में दो मई को एक अधजली महिला का शव मिला। महिला क चेहरा इतना जला हुआ था कि शव को पहचानना मुश्किल था। वहां से गुजर रहे एक बकरी चराने वाले ने शव देखा.उसने स्थानीय लोगों को बताया। इसके बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को इसकी सूचना दी। फिर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी. सबूत जुटाए गए. चूंकि चेहरा पहचान में नहीं आ रहा था, इसलिए पुलिस ने गुलाबी टॉप, और ऊंची हील वाली सैंडल पहने लड़की की तस्वीरें लीं और सभी पुलिस थानों में भेज दिया. गुमशुदा शिकायतों के संबंध में पूछताछ की गई।

पुलिस ने मृतका के कॉल डेटा का विश्लेषण किया. फिर महिला की पहचान मधुरवाड़ा के मलिका वोलाशा इलाके की निवासी वेंकटालक्ष्मी के रूप में की गई. पुलिस ने इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरे देखे तो पता चला कि मृतका एक दिन पहले एक व्यक्ति के साथ यहां आई थी।जांच की गई तो व्यक्ति की पहचान क्रांति कुमार के रूप में हुई।

जब उसको हिरासत में लेकर पूछताछ की गई तो सच्चाई सामने आ गई। उसने हत्या का गुनाह कुबूल कर लिया। दरअसल, विजयनगरम नगर के डेनकाडा की वेंकटालक्ष्मी के पति की मृत्यु दस वर्ष पहले हो गई थी. वेंकटालक्ष्मी मधुरवाड़ा अपने दो बेटों के साथ एसएफ 4, ब्लॉक नंबर 121, राजीव गृह, मलिका वलसा में रहती थी. आरोपी क्रांति कुमार ओडीशा के रायगढ़ जिले के कैम्पोमालीगाम का रहने वाला है।

महिला का था अफेयर

क्रांति कुमार ने अपनी पहली पत्नी के रहते हुए दूसरी शादी कर रखी है. उसकी पहली पत्नी और बच्चे थगरापुवाला में रहते हैं. वहीं उसने चार साल पहले अपनी दूसरी पत्नी को राजीव गृह कल्प स्थित एक मकान में शिफ्ट किया था. वेंकटालक्ष्मी क्रांति कुमार की दूसरी पत्नी के बगल में रहती थी. इसी के चलते आरोपी और वेंकटालक्ष्मी के बीच परिचय हुआ. धीरे-धीरे दोनों की दोस्ती हुई. इसके बाद दोनों का अफेयर शुरू हो गया. जब क्रांति कुमार की दूसरी पत्नी को उसके वेंकटालक्ष्मी के साथ अफयेर का पता चला तो उसने क्रांति कुमार से झगड़ा किया. फिर आरोपी ने अपनी दूसरी पत्नी को उसी कॉलोनी के दूसरे ब्लॉक में शिफ्ट कर दिया. क्रातिकुमार की पहली पत्नी को भी उसके वेंकटालक्ष्मी के अफयेर के बारे में पता था. दोनों पत्नियों के दबाव के चलते क्रांति कुमार ने किसी भी कीमत पर वेंकटालक्ष्मी से छुटकारा पाने की योजना बनाई.

वहां जब वेंकटालक्ष्मी सो रही थी तो उसने अपने साथ लाए चाकू से उसका गला काटकर बेहरमी से उसकी हत्या कर दी. फिर उसने उसके गले से गहने और बालियां उतारकर अपनी जेब में रख लीं. योजना के अनुसार, उसने अपने साथ बोतल में लाए पेट्रोल वेंकटालक्ष्मी के चेहरे पर डाला और आग लगा दी और मौके से भाग गया।

जीवन रेड्डी कांग्रेस पार्टी की सबसे बड़ी संपत्तिः दामोदर राजनरसिम्हा

जगित्याल, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा ने मार्मिक टिप्पणी करते हुए कहा कि पूर्व मंत्री तातिपर्थी जीवन रेड्डी कांग्रेस पार्टी की सबसे बड़ी संपत्ति हैं और वे असली कांग्रेसी हैं। जगित्याल जिले के दो दिवसीय दौरे पर शनिवार रात धर्मपुरी पहुंचे मंत्री राजनरसिम्हा ने रविवार को धर्मपुरी लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी का दौरा किया और जगित्याल जिला कलेक्टर कार्यालय में चिकित्सा सेवाओं और अस्पतालों को मजबूत करने पर अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बाद में, मंत्री राजनरसिम्हा, सरकारी सचेतक अदलुरी लक्ष्मण कुमार और आदि श्रीनिवास के साथ पूर्व मंत्री जीवन रेड्डी के घर पहुंचे और कुछ देर तक बातचीत की। इस अवसर पर, मंत्री राजनरसिम्हा ने जगित्याला में विधायक संजय कुमार और पूर्व एमएलसी जीवन रेड्डी के बीच चल रही जंग के बारे में पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए टिप्पणी की कि हम जीवन रेड्डी के शिष्य हैं, और वह कांग्रेस पार्टी के लिए एक बड़ी संपत्ति और महान संपत्ति हैं। जीवन रेड्डी असली कांग्रेसी हैं और हम उनके शुभचिंतक हैं। पार्टी के सबसे वरिष्ठ नेता पार्टी को अच्छी सलाह और सुझाव देते हैं। मंत्री राजनरसिम्हा ने जीवन रेड्डी को एक अच्छे विचारक बताया। उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि पार्टी में हम उनसे जूनियर हैं। मंत्री ने कहा कि पार्टी जीवन रेड्डी के बारे में सोच रही है और उन्हें शुभकामनाएं देने का प्रयास करेगी। इस कार्यक्रम में दुर्गय्या, नक्का जीवन, रघुवीर गौड़, गुडा मधु, गिरिधर, बोल्ली शेखर, नागराजू और अन्य उपस्थित थे।

कार और वैन की टक्कर में पिता और बेटी की मौत

निर्मल, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को निर्मल मंडल के नीलाइपेट गांव में एक कार और एक वैन के बीच टक्कर हो जाने से एक व्यक्ति और उसकी बेटी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति मामूली रूप से घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान अशोक (45) और उनकी बेटी कृतिका (20) के रूप में हुई है। वे आदिलाबाद शहर के रविंद्रनगर के रहने वाले थे। हादसे में उनकी कार के ड्राइवर के दोनों पैर फ्रैक्चर हो गए। अशोक और कृतिका को उस समय गंभीर चोटें आईं जब कार ने उसी दिशा में जा रही वैन को टक्कर मार दी, जिससे दोनों की तत्काल मौत हो गई। दुर्घटना के समय वे हैदराबाद से आदिलाबाद जा रहे थे। दुर्घटना के बाद वैन चालक फरार है।

अमेरिका में ब्रेन डेड घोषित किए गए नलगोंडा के छात्र के अंतिम संस्कार के लिए मांगी गई मदद

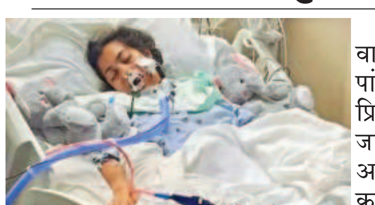

नलगोंडा, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कट्टंगुर मंडल के पास पांडेपल्ली गांव की निवासी प्रियंका कोंडी का परिवार यह जानकर सदमे में है कि उसे अमेरिका में ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया है। प्रियंका एक मेधावी छात्रा है और 2023 में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए अमेरिका गई थी। हंट्सविले (यूएएच) में अलबामा विश्वविद्यालय से हाल ही में स्नातक की उपाधि प्राप्त करने के बाद, उसने अपनी मास्टर डिग्री भी पूरी कर ली थी। वह वैकल्पिक व्यावहारिक प्रशिक्षण पर थी और अपने परिवार की मदद करने और शिक्षा के लिए सुरक्षित ऋण चुकाने के लिए नौकरी की तलाश कर रही थी।

5 मई को उनके सारे सपने तब चकनाचूर हो गए, जब प्रियंका को हंट्सविले आपातकालीन कक्ष में ले जाया गया, जहां पता चला कि उन्हें एक्यूट मायलोइड ल्यूकेमिया (एएमएल) है, जो रक्त कैंसर का एक दुर्लभ रूप है, जो अस्थि मज्जा को प्रभावित करता है। उनकी तबीयत बिगड़ने पर उन्हें अलबामा के यूएबी अस्पताल में भर्ती कराया गया। दुर्भाग्य से उनके मस्तिष्क में गंभीर आंतरिक रक्तस्राव हुआ और वे बेहोश हो गईं। उपचार जारी रखने के बाद, डॉक्टरों ने 7 मई को उन्हें ब्रेन डेड घोषित कर दिया। प्रियंका की हालत के बारे में जानने के बाद, उसके पिता वेंकट रेड्डी और परिवार के सदस्य इस दुख को सहन नहीं कर पा रहे हैं और बेहद दुखी हैं।

आज से 25 अन्य उप-पंजीयक कार्यालयों में स्लॉट बुकिंग प्रणाली लागू होगीः पोंगुलेटी

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने घोषणा की कि सोमवार से तेलंगाना राज्य में 25 अतिरिक्त उप-पंजीयक कार्यालयों में स्लॉट बुकिंग प्रणाली लागू की जाएगी। रविवार को जारी एक बयान में मंत्री ने बताया कि 10 अप्रैल से 22 उप-पंजीयक कार्यालयों में स्लॉट बुकिंग प्रणाली का परीक्षण किया गया था, जिसके परिणाम सफल रहे। पोंगुलेटी ने कहा कि इस सफलता के परिणामस्वरूप राज्य सरकार 12 मई से तेलंगाना में 25 अन्य उप-पंजीयक कार्यालयों में इस प्रणाली को लागू करने की योजना बना रही है। उन्होंने यह भी बताया कि अगले महीने के अंत तक तेलंगाना में सभी 144 उप-पंजीयक कार्यालयों में इस प्रणाली को लागू करने के प्रयास चल रहे हैं। मंत्री ने घोषणा की कि जिन कार्यालयों में अतिरिक्त पदों की अधिक आवश्यकता है, वहां मौजूदा कर्मचारियों के साथ-साथ अधिक उप-पंजीयक नियुक्त किए जाएंगे। पोंगुलेटी ने उल्लेख किया कि मेडचल मल्काजगिरी जिले के कुतुबुल्लापुर कार्यालय में परीक्षण के आधार पर दो अतिरिक्त उप-रजिस्ट्रार और एक स्टाफ सदस्य को पहले ही नियुक्त किया जा चुका है। वे सब-रजिस्ट्रार कार्यालय, जहां सोमवार से स्लॉट बुकिंग लागू की जाएगी, उनमें हैदराबाद आर.ओ. भी शामिल है। कार्यालय, हैदराबाद आर.ओ. ऑफिस साउथ, नारापल्ली, घाटकेसर, मल्काजगिरी, उप्पल, कैपरा, बीबीनगर, सिद्दीपेट, सिद्दीपेट ग्रामीण, गजवेल, मंचेरियल, पेद्दापल्ली, वारंगल आर.ओ. कार्यालय, जनगांव, घनपुर, नरसंपेट, कलवाकुर्थी, नारायणपेट, महेश्वरम, रंगारेड्डी आर.ओ. कार्यालय, शाद नगर, फारूक नगर, वनस्थलीपुरम और सेरिलिंगमपल्ली है।

उत्तरी राज्यों से तेलंगाना के छात्र लौट रहे हैं घर

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव जारी रहने के कारण, पाकिस्तान की सीमा से लगे उत्तरी राज्यों में रहने वाले तेलंगाना निवासी अपने गृहनगर लौटने के लिए दौड़ रहे हैं। अब तक कुल 86 व्यक्ति, जिनमें अधिकतर जम्मू-कश्मीर, पंजाब और राजस्थान में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्र हैं, दिल्ली स्थित तेलंगाना भवन पहुंच चुके हैं।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान - श्रीनगर में शिक्षा प्राप्त कर रहे लगभग 60-%0 तेलंगाना के छात्र जल्द ही तेलंगाना भवन पहुंचेंगे। दिल्ली पहुंचने वालों में से 26 व्यक्तियों को पहले ही परिवहन की सुविधा प्रदान की जा चुकी है और वे सुरक्षित रूप से तेलंगाना में अपने-अपने गृहनगर के लिए रवाना हो चुके हैं और अधिक लोगों के आने की आशंका को देखते हुए रेजिडेंट कमिश्नर डॉ. गौरव उप्पल ने रविवार को तेलंगाना भवन में तैयारियों और चल रहे प्रबंधों की समीक्षा की। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ विस्तृत निरीक्षण किया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भोजन, आवास, चिकित्सा और परिवहन सुविधाएं मौजूद हैं और कुशलतापूर्वक काम कर रही हैं।

भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in
विदेशी मुद्रा विभाग
6-1-56, सचिवालय मार्ग, सैफाबाद, हैदराबाद-500 004

संपूर्ण मुद्रा परिवर्तक के लाइसेंस को रद्द किया जाना

विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम- 1999 की धारा 10(3) के अंतर्गत प्रदान किए गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय रिज़र्व बैंक ने निम्नलिखित कंपनियों के संपूर्ण मुद्रा परिवर्तक (एफएफएमसी) लाइसेंस को मौजूदा FEMA प्रावधानों और उसके तहत जारी निर्देशों का उल्लंघन के कारण निरस्त कर दिया है।

क्र. सं.	नाम और पंजीकृत कार्यालय का पता	लाइसेंस संख्या	जारी करने की तारीख	निरस्तीकरण की तारीख
1	स्विफ्ट फॉरेक्स सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड 16-2-740/75/13, दूसरी मंजिल, सुजा टावर्स, वी.के.ढागे नगर, गड्डिअन्नारम, हैदराबाद - 500060	FE.HY.FFMC /143/2016-2017	10.02.2022	16.04.2025
2	सनलाइट फॉरेक्स प्राइवेट लिमिटेड शॉप सं जि-६ (पार्ट), पहली मंजिल, नवकेतन कॉम्प्लेक्स, एस.डी.रोड, सिकंदराबाद - 500 003	FE.HY.FFMC /149/2017-2018	03.01.2022	16.04.2025
3	स्काईलाईट फॉरेक्स मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड 76ए, ग्राउंड फ्लोर, बाबु खान इस्टेट, बशीरबाग, हैदराबाद- 500 001	FE.HY.FFMC /71/2005-2006	01.02.2022	22.04.2025

निरस्ती के परिणामस्वरूप, उपरोक्त कंपनियां मुद्रा परिवर्तन गतिविधियों पर 01 जनवरी 2016 के मास्टर निदेश, जिसे समय-समय पर अद्यतन किया जाता है और जो भारतीय रिज़र्व बैंक की वेबसाइट (https://www.rbi.org.in) पर उपलब्ध है, के निर्देशानुसार मुद्रा परिवर्तन गतिविधियाँ या लेनदेन का कार्य नहीं करेंगी।

स्थान: हैदराबाद
दिनांक: मई 12, 2025

हस्ता/-
(प्रियांक बहुगुणा)
उप महाप्रबंधक

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.